

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित



राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा

REET

MODULE-2

LEVEL 2 (SST)

सामाजिक अध्ययन

PYQ

QUESTION

(2011 से 2025)

- ✓ गत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित विस्तृत व्याख्या सहित संकलन
- ✓ हर टॉपिक-वाइज सेलेक्टेड सेट

EXAM PATTERN के अनुसार
सभी प्रश्नों का विश्लेषण

MCQ

TOPIC-WISE प्रैक्टिस बुक

- ✓ विगत वर्षों के महत्वपूर्ण प्रश्न
- ✓ अभ्यास प्रश्नों का अध्यायवार संग्रह
- ✓ RPSC/REET पैटर्न के टेस्ट पेपर पर आधारित
- ✓ NCERT & RBSE BOOKS पर आधारित

हर टॉपिक के बाद
Practice Set

6666+

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

REET ब्रह्मास्त्र

- ✓ सभी संभावित प्रश्न
- ✓ टीचिंग एप्रोच का कवच
- ✓ Previous Year + Latest Pattern
- ✓ परीक्षा स्तर पर तैयार

एक किताब
संपूर्ण तैयारी!



अक्षांश पब्लिकेशन

10 - 21, Vani Garden K Pas, Jhamar Kotda Road, Udaipur, 313002 Rajasthan
Mobile - 7850960198 | www.store.akshanshpublication.com



ONLINE COURSE
डाउनलोड करने के लिए
दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा आयोजित

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा



REET

LEVEL 2 (SST)

MODULE-2

सामाजिक अध्ययन

PYQ
QUESTION

(2011 से 2025)

- ✓ गत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित विस्तृत व्याख्या सहित संकलन
- ✓ हर टॉपिक-वाइज सेलेक्टेड सेट

EXAM PATTERN के अनुसार
सभी प्रश्नों का विश्लेषण

MCQ

TOPIC-WISE प्रैक्टिस बुक

- ✓ विगत वर्षों के महत्वपूर्ण प्रश्न
- ✓ अभ्यास प्रश्नों का अध्यायवार संग्रह
- ✓ RPSC/REET पैटर्न के टेस्ट पेपर पर आधारित
- ✓ NCERT & RBSE BOOKS पर आधारित

हर टॉपिक के बाद
Practice Set

6666+

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

REET ब्रह्मास्त्र

- ✓ सभी संभावित प्रश्न
- ✓ टीचिंग एप्रोच का कवच
- ✓ Previous Year + Latest Pattern
- ✓ परीक्षा स्तर पर तैयार

एक किताब
संपूर्ण तैयारी!

“अक्षांश प्रकाशन की समस्त पुस्तकें अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं
अक्षांश प्रकाशन की समर्पित टीम के सहयोग से तैयार की गई हैं।”

संपादक

कुणाल सर, इरफान सर (RAS),

रतन सर, S.K. सर, नागवेंद्र सर, पंकज सर

सह संपादक

गंगा सिंह, अनोप चंद,

सुमेर प्रजापत, प्रकाश मेघवाल, नरेंद्र सिंह

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर (राज.)

प्रकाशन

अक्षांश प्रकाशन

10 – 21, Vani Garden K Pas,

Jhamar Kotda Road, Udaipur, 313002 Rajasthan

अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें



TELEGRAM



INSTAGRAM



YOUTUBE



BOOK

बुक कोड - AP0153

©सर्वाधिकार - अक्षांश प्रकाशन

www.store.akshanshpublication.com

मुख्य वितरक - अक्षांश प्रकाशन, उदयपुर M. 7850960198

योगिता बुक हाऊस, जयपुर M. 6350252387, 8432478146

खण्डेलवाल बुक कंपनी, जयपुर M. 8619587048, 9782611527

Chavi Stationary, जयपुर M. 8058470323, 9680946800

पायल बुक हाऊस, जयपुर M. 8824962419, 7296876820

Diligent, उदयपुर M. 9694575381

अक्षांश प्रकाशन ने इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित सभी प्रकार की सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक विश्लेषण पर आधारित है। इस पुस्तक के किसी भी भाग और सामग्री को अक्षांश प्रकाशन की अनुमति और जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशित या प्रिंट करना अनुचित है, यदि ऐसा पाया जाता है तो व्यक्ति या संस्थान स्वयं जिम्मेदार है।

विषय वस्तु

01

भारतीय इतिहास

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	सिंधु घाटी सभ्यता	1-6
2.	वैदिक संस्कृति	7-12
3.	जैन एवं बौद्ध धर्म	13-18
4.	महाजनपद काल	19-24
5.	मौर्यकाल	25-31
6.	मौर्योत्तर काल	32-36
7.	गुप्त काल	37-43
8.	गुप्तोत्तर काल	44-48
9.	दक्षिण भारत के राजवंश (चोल साम्राज्य)	49-53
10.	प्राचीन भारत में कला, स्थापत्य एवं साहित्य	54-58
11.	वृहत्तर भारत	59-63
12.	भक्ति एवं सूफी आंदोलन	64-69
13.	मुगल राजपूत संबंध	70-75
14.	मुगलकालीन प्रशासन	76-81
15.	मध्यकालीन अर्थव्यवस्था व स्थापत्य कला	82-85
16.	भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीतियाँ	86-91
17.	1857 का विद्रोह	92-97
18.	भारतीय अर्थव्यवस्था पर ब्रिटिश प्रभाव	98-101
19.	पुनर्जागरण एवं सामाजिक सुधार	102-108
20.	राष्ट्रवाद का उदय - क्रांतिकारी आंदोलन	109-113
21.	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (1885-1947)	114-123

02**भारतीय राजव्यवस्था**

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भारतीय संविधान का निर्माण एवं विशेषताएँ	1-6
2.	उद्देशिका	7-11
3.	मूल अधिकार	12-17
4.	राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत	18-21
5.	मूल कर्तव्य	22-25
6.	कानून एवं सामाजिक न्याय	26-30
7.	लिंग बोध, बाल अधिकार एवं संरक्षण	31-34
8.	लोकतंत्र में निर्वाचन एवं मतदाता जागरूकता	35-38
9.	राष्ट्रपति	39-43
10.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	44-48
11.	संसद	49-54
12.	न्यायपालिका	55-60

03**राजस्थान की राजव्यवस्था**

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	राज्यपाल	1-6
2.	मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्	7-11
3.	राज्य विधानसभा	12-17
4.	उच्च न्यायालय	18-22
5.	पंचायती राज	23-28
6.	नगरीय स्वशासन	29-32
7.	जिला प्रशासन	33-36

04**विश्व का भूगोल**

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	सौरमंडल	1-4
2.	अक्षांश एवं देशांतर	5-9
3.	पृथ्वी की गतियाँ	10-15
4.	वायुदाब एवं पवनें	16-21
5.	चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात	22-25
6.	महासागरीय परिसंचरण	26-30
7.	ज्वालामुखी एवं भूकंप	31-37
8.	पृथ्वी के मुख्य जलवायु कटिबन्ध	38-41
9.	पृथ्वी के मुख्य परिमंडल	42-46
10.	पर्यावरणीय समस्याएँ एवं समाधान	47-50

05**भारत का भूगोल**

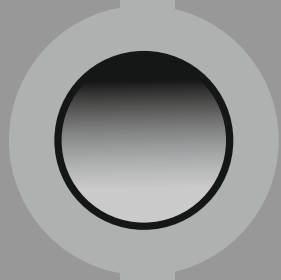
क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	स्थिति एवं विस्तार	1-2
2.	भौतिक स्वरूप	3-9
3.	जलवायु	10-13
4.	अपवाह तंत्र	14-18
5.	प्राकृतिक वनस्पति	19-22
6.	वन्य जीवन	23-26
7.	मृदा	27-30
8.	कृषि फसलें	31-37
9.	खनिज	38-42
10.	उद्योग	43-46
11.	जनसंख्या एवं मानव संसाधन	47-51
12.	विकास के आर्थिक एवं सामाजिक कार्यक्रम	52-55

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	स्थिति, विस्तार एवं भौतिक प्रदेश	1-12
2.	जलवायु	13-18
3.	अपवाह तंत्र-नदियाँ, झीलें, जल संरक्षण	19-26
4.	प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ	27-30
5.	वन एवं वनस्पति	31-35
6.	वन्य जीवन	36-39
7.	मृदा	40-43
8.	कृषि फसलें	44-48
9.	खनिज संपदा	49-55
10.	ऊर्जा संसाधन	56-60
11.	उद्योग	61-66
12.	परिवहन	67-70
13.	पर्यटन	71-75
14.	जनसंख्या	76-80

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	प्राचीन सभ्यताएँ एवं जनपद	1-11
2.	राजस्थान के प्रमुख राजवंशों का इतिहास	12-72
3.	प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था	73-77
4.	1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान	78-86
5.	प्रजामण्डल आंदोलन	87-94
6.	किसान आंदोलन+	95-102
7.	जनजातीय आंदोलन	103-108
8.	राजस्थान का एकीकरण	109-117
9.	राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व	118-126

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	राजस्थान की विरासत (दुर्ग, महल, स्मारक)	1-39
2.	राजस्थान के मेले एवं त्योहार	40-56
3.	चित्रकला	57-65
4.	लोक कला एवं हस्तशिल्प	66-73
5.	लोक नृत्य एवं लोक नाट्य	74-85
6.	लोक संगीत	86-90
7.	वाद्य यंत्र	91-95
8.	लोक देवता	96-102
9.	लोक देवियाँ	103-109
10.	लोक संत	110-120
11.	परंपरा एवं रीति-रिवाज	121-125
12.	वेशभूषा एवं आभूषण	126-131
13.	राजस्थान की भाषा एवं साहित्य	132-147

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	सामाजिक अध्ययन की संकल्पना, प्रकृति एवं सहसंबंध	1-8
2.	कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाएँ, क्रिया-कलाप एवं विमर्श	9-16
3.	सामाजिक अध्ययन शिक्षण विधियाँ	17-22
4.	सामाजिक अध्ययन के अध्यापन संबंधी समस्याएँ	23-27
5.	समालोचनात्मक चिंतन का विकास	28-31
6.	पृच्छा आनुभाविक साक्ष्य	32-35
7.	शिक्षण अधिगम सामग्री एवं सहायक सामग्री	36-42
8.	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	43-48
9.	प्रायोजना कार्य	49-54
10.	सीखने के प्रतिफल	55-58
11.	सामाजिक अध्ययन में मूल्यांकन	59-64
12.	सामाजिक विज्ञान शिक्षण के सामान्य व विशिष्ट उद्देश्य [ब्लूम टैक्सोनॉमी]	65-67



भारतीय इतिहास

विगत वर्षों के प्रश्न

1. सिन्धु घाटी सभ्यता के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

[REET 2024 (SST)-SHIFT 3RD]

1. इस सभ्यता में हड़प्पा सबसे पहले खोजा गया स्थल था।
2. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जॉन मार्शल थे।
3. मेसोपोटामिया के लेख मेलुहा को देवताओं का देश कहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

- (a) केवल 2 (b) 1,2,3
(c) केवल 1 (d) 1,3 [c]

व्याख्या:-

- हड़प्पा सिन्धु सभ्यता का सर्वप्रथम खोजा गया स्थल था।
- इसकी खोज 1921 ई. में दयाराम साहनी ने की थी।
- इसके बाद 1922 ई. में मोहनजोदड़ो की खोज राखालदास बनर्जी (आर. डी. बनर्जी) ने की।
- भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (ASI) की स्थापना 1861 ई. में हुई थी और इसके प्रथम महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम थे।
- जॉन मार्शल 1902-1928 तक महानिदेशक रहे और उनके कार्यकाल में सिन्धु सभ्यता की खोज को विश्वव्यापी पहचान मिली।
- मेसोपोटामिया के अभिलेखों में मेलुहा (Meluhha) शब्द का प्रयोग सिन्धु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के लिए किया गया है।
- मेलुहा का अर्थ 'देवताओं का देश' नहीं है। यह नाम मुख्यतः एक व्यापारिक क्षेत्र/देश के रूप में प्रयुक्त हुआ है, जहाँ से तांबा, मनके, हाथीदांत, काष्ठ आदि का व्यापार होता था।

2. 1947 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तत्कालीन डायरेक्टर जनरल थे-

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) अलेक्जेंडर कनिंघम (b) आर. सी. बनर्जी
(c) आर.ई. एम. व्हीलर (d) सर जॉन मार्शल [c]

व्याख्या:-

- आर. ई. एम. व्हीलर (R. E. M. Wheeler) वर्ष 1944 से 1948 तक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के महानिदेशक रहे थे।
- भारत की स्वतंत्रता (1947) के समय ASI के डायरेक्टर जनरल का पद व्हीलर के पास ही था।
- उन्होंने भारतीय पुरातत्व में वैज्ञानिक उत्खनन तथा स्तरविन्यास पद्धति को व्यवस्थित रूप से लागू किया।
- हड़प्पा सभ्यता के स्थलों के पुनः उत्खनन तथा पुरातात्विक अनुसंधान को आधुनिक स्वरूप देने का श्रेय भी व्हीलर को दिया जाता है।
- अलेक्जेंडर कनिंघम ASI के प्रथम महानिदेशक (1861/1871) थे, जबकि सर जॉन मार्शल के कार्यकाल में सिंधु सभ्यता की खोज विश्व के सामने आई थी।

3. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के संस्थापक कौन थे?

[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) लॉर्ड कॉर्नवालिस (b) सर जॉन मार्शल
(c) अलेक्जेंडर कनिंघम (d) विलियम बैंटिक [c]

व्याख्या:-

- अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्व का जनक" कहा जाता है।
- उनके प्रयासों से वर्ष 1861 ई. में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की स्थापना हुई तथा वे इसके प्रथम महानिदेशक बने।
- कनिंघम ने भारत के अनेक प्राचीन स्थलों का सर्वेक्षण किया तथा बौद्ध धर्म से संबंधित स्थलों जैसे सारनाथ, सांची, श्रावस्ती एवं तक्षशिला की पहचान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

4. सूची-I को सूची II से सुमेलित कीजिये :-

[REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

सूची - I पुरातात्विक स्थल	सूची - II संरचना
1. बनावली	i. नहरों के अवशेष
2. कालीबंगा	ii. मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप
3. शोर्तुघई	iii. जुते हुए खेत
4. धौलावीरा	iv. जलाशयों का प्रयोग

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) 1-i 2-ii 3-iii 4-iv (b) 1-iv 2-iii 3-ii 4-i
(c) 1-ii 2-iii 3-iv 4-i (d) 1-ii 2-iii 3-i 4-iv [d]

व्याख्या:-

पुरातात्विक स्थल	प्राप्त संरचना / अवशेष	महत्व व विवरण
बनावली (हरियाणा)	मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप	यहाँ से पकी हुई मिट्टी का बना हुआ खिलौना-हल प्राप्त हुआ है, जो हड़प्पावासियों द्वारा कृषि में हल के प्रयोग का प्रमाण देता है।
कालीबंगा (राजस्थान)	जुते हुए खेत	यहाँ से विश्व के सबसे प्राचीन जुते हुए खेत के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इससे दोहरी फसल प्रणाली (चना एवं सरसों) के प्रयोग का संकेत मिलता है।
शोर्तुघई (अफगानिस्तान)	नहरों के अवशेष	इस हड़प्पाई स्थल से नहरों के अवशेष मिले हैं, जो सिंचाई हेतु विकसित जल प्रबंधन प्रणाली का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं।
धौलावीरा (गुजरात)	जलाशयों का प्रयोग	धौलावीरा अपनी उन्नत जल प्रबंधन व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ से 16 विशाल जलाशयों एवं वर्षा जल संचयन संरचनाओं के प्रमाण मिले हैं।

5. निम्न में से किस सैन्धव स्थल से 'अग्नि कुण्ड' के साक्ष्य मिले हैं?

[REET 2011 (SST)]

- (a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ो
(c) लोथल (d) कालीबंगा [d]

व्याख्या:-

- कालीबंगा से अग्निकुण्ड एवं यज्ञ वेदियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

6. लोथल नामक हड़प्पाई स्थल कहाँ स्थित है?
[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) राजस्थान (b) गुजरात
(c) हरियाणा (d) कश्मीर **[b]**

व्याख्या:-

- लोथल सिंधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) का एक महत्वपूर्ण नगर था, जो वर्तमान गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। इसकी खोज एस. आर. राव द्वारा वर्ष 1954 ई. में की गई थी।
- लोथल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यहाँ प्राप्त विश्व का प्राचीनतम गोदीबाड़ा है, जिससे इसके प्रमुख समुद्री व्यापारिक केंद्र होने का प्रमाण मिलता है।
- यहाँ से मनके बनाने का कारखाना, हाथीदांत का पैमाना, अग्निकुण्ड तथा विदेशी मुद्राएँ प्राप्त हुई हैं।
- लोथल का व्यापार मेसोपोटामिया (सुमेर) एवं फारस की खाड़ी के क्षेत्रों से होता था।
- राजस्थान में कालीबंगा, हरियाणा में राखीगढ़ी एवं बनावली प्रमुख हड़प्पा स्थल हैं।

7. बेरीगाजा प्राचीन भारत के कौन से बंदरगाह का यूनानी नाम था?
[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) भरुच (b) अरिकामेडु
(c) पुहार (d) मदुरे **[a]**

व्याख्या:-

- बेरीगाजा प्राचीन काल में वर्तमान भरुच (भगुक्छ) का यूनानी नाम था।
- यह गुजरात में नर्मदा नदी के मुहाने पर स्थित भारत का प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह था।
- प्रथम शताब्दी ईस्वी के यूनानी ग्रंथ 'पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी' में बेरीगाजा का विस्तृत वर्णन मिलता है।
- इस बंदरगाह से सूती वस्त्र, मसाले, मोती एवं कीमती पत्थरों का निर्यात किया जाता था।
- रोम तथा पश्चिमी देशों से सोना, चाँदी, मदिरा एवं विलासिता की वस्तुओं का आयात होता था।
- सोपारा महाराष्ट्र, ताम्रलिप्ति पश्चिम बंगाल तथा कावेरीपट्टनम तमिलनाडु का प्रसिद्ध प्राचीन बंदरगाह था।

8. 'फेयेंस' के बारे में कौन से कथन पूर्ण सत्य हैं?
[REET 2022 (SST) 2ND SHIFT]

- (I) फेयेंस की खदानें मेहरगढ़ में मिली हैं।
(II) फेयेंस प्राकृतिक तौर पर पाए जाते थे।
(III) बालू या स्फटिक पत्थर के चूर्ण को गोंद में मिलाकर उनसे वस्तुएँ बनाई जाती थीं।
(IV) उसके बाद उन वस्तुओं पर एक चिकनी परत चढ़ाई जाती थी।
(V) फेयेंस से मनके, चूड़ियाँ, झुमके और छोटे बर्तन बनाए जाते थे।
(a) I, II, III (b) II, III, IV
(c) III, IV, V (d) IV, V, I **[c]**

व्याख्या:-

- फेयेंस एक कृत्रिम पदार्थ था, जो बालू या स्फटिक चूर्ण को गोंद के साथ मिलाकर बनाया जाता था।
- इसके ऊपर चमकदार परत चढ़ाई जाती थी। सिंधु सभ्यता में इससे मनके, चूड़ियाँ, झुमके और छोटे पात्र बनाए जाते थे। यह प्राकृतिक रूप से प्राप्त पदार्थ नहीं था।

9. निम्नलिखित सिंधु-सरस्वती सभ्यता स्थलों में से कौन-से पाकिस्तान में स्थित हैं?
[REET 2021 (SST)]

1.	मोहनजोदड़ो	2.	हड़प्पा
3.	प्रभास पाटन	4.	आलमगीरपुर
5.	चन्हुदड़ो	6.	कोटदीजी

- (a) 1, 3, 5, 6 (b) 1, 2, 4, 5
(c) 1, 2, 5, 6 (d) 1, 2, 3, 4 **[c]**

व्याख्या:-

- मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, चन्हुदड़ो तथा कोटदीजी वर्तमान पाकिस्तान में स्थित प्रमुख हड़प्पा सभ्यता स्थल हैं। जबकि प्रभास पाटन गुजरात और आलमगीरपुर उत्तर प्रदेश में स्थित हैं।

10. हड़प्पा संस्कृति (सिंधु घाटी सभ्यता) के अभिलेख मुख्यतः किस वस्तु पर बने मिले हैं?
[REET 2015 (SST)]

- (a) शिलाओं पर (b) मुहरों पर
(c) स्तम्भों पर (d) ताम्र पत्रों पर **[b]**

व्याख्या:-

- सिंधु घाटी सभ्यता के अधिकांश अभिलेख मुहरों पर प्राप्त हुए हैं। इन पर पशुओं की आकृतियाँ तथा लघु लिपि अंकित है। अब तक इस लिपि को पूरी तरह पढ़ा नहीं जा सका है।

11. भारतीय इतिहास में 20वीं शताब्दी का तीसरा दशक महत्वपूर्ण रहा क्योंकि-
[REET 2012 (SST)]

- (a) कर्नल टॉड की 'एनल्स' का प्रकाशन हुआ।
(b) कौटिल्य लिखित 'अर्थशास्त्र' की प्रतिलिपि मिली।
(c) अशोक के शिलालेखों को पढ़ा गया।
(d) सिन्धु सभ्यता की खोज हुई। **[d]**

व्याख्या:-

- 1920 के दशक में सिंधु घाटी सभ्यता की खोज हुई, जिससे भारत के प्राचीन इतिहास की समझ में क्रांतिकारी परिवर्तन आया।
- हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से ज्ञात हुआ कि भारत में लगभग 2500 ईसा पूर्व एक विकसित नगरीय सभ्यता विद्यमान थी।

12. निम्न में से कौन-सी सभ्यता हड़प्पा सभ्यता की समकालीन थी?
[REET 2012 (SST)]

- (a) क्रीट सभ्यता (b) मिस्र सभ्यता
(c) यूनानी सभ्यता (d) रोमन सभ्यता **[b]**

व्याख्या:-

- प्राचीन मिस्र सभ्यता और सिंधु सभ्यता लगभग एक ही कालखंड में विकसित हुई थीं। दोनों सभ्यताएँ नदी घाटियों में विकसित हुई तथा व्यापार एवं नगर नियोजन के लिए प्रसिद्ध थीं।

13. किस हड़प्पाकालीन इमारत को सर जॉन मार्शल ने विश्व का एक अद्भुत निर्माण कहा?
[REET 2011 (SST)]

- (a) वृहत् स्नानागार (b) अन्नागार
(c) सभा भवन (d) दुर्ग महल **[a]**

व्याख्या:-

- मोहनजोदड़ो का वृहत् स्नानागार सिंधु सभ्यता की सर्वाधिक प्रसिद्ध संरचनाओं में से एक है।
- इसकी उन्नत निर्माण तकनीक और जल निकासी व्यवस्था को देखकर सर जॉन मार्शल ने इसे विश्व का अद्भुत निर्माण कहा था।

अभ्यास प्रश्न

1. 1960 में बी. बी. लाल और बी. के. थापर के निर्देशन में किस पुरातात्विक स्थल की खुदाई की गई थी ?

[लाइब्रेरियन GK उत्तर कुंजी, दिनांक: 27.07.2025]

- (a) धोलावीरा (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) कालीबंगा [d]

व्याख्या:-

- ♦ कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में सरस्वती/दृषद्वती नदी के तट पर स्थित सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल है।
- ♦ वर्ष 1960 में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के निर्देशन में बी. बी. लाल और बी. के. थापर के नेतृत्व में यहाँ व्यवस्थित उत्खनन प्रारंभ हुआ।
- ♦ कालीबंगा से पूर्व-हड़प्पा तथा हड़प्पा कालीन सभ्यताओं के अवशेष प्राप्त हुए हैं। यहाँ से जुते हुए खेत के साक्ष्य और अग्निवेदियों के अवशेष मिले हैं, जो इसे राजस्थान के प्राचीन इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

2. सिंधु घाटी सभ्यता का एक महत्वपूर्ण स्थल कालीबंगा, किस प्राचीन नदियों की घाटी में स्थित था?

[राज. पुलिस कॉन्सटेबल परीक्षा-2025 13.09.2025]

- (a) गंगा और नर्मदा (b) सरस्वती और दृषद्वती
(c) चंबल और यमुना (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं [b]

व्याख्या:-

- ♦ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

3. हड़प्पा लिपि के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) कुछ ऐसे उदाहरण भी उपलब्ध हैं कि यह लिपि बाईं ओर से दाईं ओर को लिखी जाती है।
(b) हड़प्पा लिपि शब्दाक्षरिक है, अर्थात् प्रत्येक प्रयुक्त प्रतीक किसी शब्द या शब्दांश के लिए होता है।
(c) यह सामान्य रूप से दाईं ओर से बाईं ओर पढ़ने के लिए लिखी जाती है।
(d) लेखन के सबसे लंबे प्रतिरूप में 30 संकेत हैं। [d]

व्याख्या:-

- ♦ अब तक प्राप्त हड़प्पा लिपि के सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 संकेत पाए गए हैं। यह लिपि सामान्यतः दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी तथा कुछ अभिलेख बुस्ट्रोफेडॉन शैली के भी मिले हैं। इसकी भाषा और लिपि अभी तक अपठित हैं।

4. निम्नलिखित हड़प्पीय स्थलों में से किनमें चावल की खेती के प्रमाण मिले हैं?

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

1. कालीबंगा 2. लोथल
3. मोहनजोदड़ो 4. सुरकोटदा

कूट:-

- (a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4 [a]

व्याख्या:-

- ♦ सिंधु सभ्यता में चावल की खेती के प्रमाण मुख्यतः राजस्थान के कालीबंगा तथा गुजरात के लोथल से प्राप्त हुए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि हड़प्पावासी केवल गेहूँ और जौ ही नहीं, बल्कि कुछ क्षेत्रों में धान की खेती से भी परिचित थे।

5. सूची-I में उल्लिखित स्थलों को सूची-II में उल्लिखित तथ्यों से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

सूची-I	सूची-II
A. हड़प्पा	I. शवाधान
B. लोथल	II. गोदीबाड़ा
C. कालीबंगा	III. एक नर्तकी की आकृति
D. मोहनजोदड़ो	IV. जुता हुआ खेत

- (a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-I, B-II, C-IV, D-III [d]

व्याख्या:-

- ♦ हड़प्पा से शवाधान के प्रमाण,
- ♦ लोथल से विश्वविख्यात गोदीबाड़ा का प्रमाण,
- ♦ कालीबंगा से जुते हुए खेत,
- ♦ मोहनजोदड़ो से कांस्य निर्मित प्रसिद्ध नर्तकी की प्रतिमा प्राप्त हुई है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

- (a) आलमगीरपुर - उत्तर प्रदेश
(b) लोथल - गुजरात
(c) कालीबंगा - हरियाणा
(d) रोपड़ - पंजाब [c]

व्याख्या:-

- ♦ कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के तट पर स्थित एक प्रमुख हड़प्पा स्थल है।
- ♦ आलमगीरपुर उत्तर प्रदेश, लोथल गुजरात तथा रोपड़ पंजाब में स्थित हैं।

7. रंगपुर, लोथल, प्रभास पाटन और धोलावीरा पुरातात्विक स्थल किस राज्य में स्थित हैं?

[पटवार द्वितीय पारी - दिनांक: 17 अगस्त 2025]

- (a) मध्य प्रदेश (b) गुजरात
(c) उत्तर प्रदेश (d) पंजाब [b]

व्याख्या:-

- ♦ रंगपुर, लोथल, प्रभास पाटन और धोलावीरा चारों पुरातात्विक स्थल गुजरात राज्य में स्थित हैं।
- ♦ लोथल अपने प्राचीन बंदरगाह और व्यापारिक गतिविधियों के साक्ष्यों के लिए प्रसिद्ध है। धोलावीरा कच्छ के खडीर बेट में स्थित एक प्रमुख हड़प्पाई नगर है। रंगपुर से हड़प्पाई संस्कृति के अवशेष मिले हैं।

8. अधोलिखित तांबे की वस्तुओं में कौन दैमाबाद निधि में सम्मिलित है?

- (a) भैंस, गैंडा, बैल और एक घोड़े का रथ
(b) बैल, हाथी, गैंडा और दो घोड़ों का रथ
(c) घोड़ा, कुत्ता, हाथी और दो बैलों के रथ पर सवार खड़ा रथी
(d) हाथी, गैंडा, भैंस और दो बैलों के रथ पर सवार खड़ा रथी [d]

व्याख्या:-

- ♦ महाराष्ट्र के दैमाबाद से प्राप्त प्रसिद्ध ताम्र निधि में हाथी, गैंडा, भैंस तथा दो बैलों द्वारा खींचे जाने वाले रथ पर खड़े रथी की आकृति मिली है। यह भारतीय प्रागैतिहासिक धातुकला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है तथा ताम्रपाषाण संस्कृति की उन्नत शिल्पकला को दर्शाता है।

9. निम्नलिखित कलाकृति एवं स्थल को सुमेलित कीजिये-

कलाकृति	स्थल
A. लाल बलुआ पत्थर का पुरुष धड़	I. मोहनजोदड़ो
B. दाढ़ीयुक्त पुरुष की पाषाण प्रतिमा	II. हड़प्पा
C. पुरुष एवं कुत्ता कांस्य के रथ की प्रतिकृति पर	III. लोथल
D. पकी हुई मिट्टी से निर्मित माव की प्रतिकृति	IV. दायमाबाद

- (a) A-III, B-I, C-IV, D-II (b) A-II, B-I, C-IV, D-III
(c) A-I, B-II, C-IV, D-III (d) A-III, B-II, C-IV, D-I [b]

व्याख्या:-

- लाल बलुआ पत्थर का पुरुष धड़ हड़प्पा से,
- दाढ़ीयुक्त पुरुष की पाषाण प्रतिमा मोहनजोदड़ो से,
- कांस्य रथ की प्रतिकृति दैमाबाद से
- पक्की हुई मिट्टी की नाव की प्रतिकृति लोथल से प्राप्त हुई है।

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन- I : सिन्धु सरस्वती सभ्यता नगर योजना हेतु प्रसिद्ध थी।

कथन- II : उन्नत सिन्धु सरस्वती सभ्यता का विकास सिन्धुघाटी की सहायक नदियों और सरस्वती नदी क्षेत्र के किनारे हुआ था।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (a) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है। [a]

व्याख्या:-

- दोनों कथन सत्य हैं। सिन्धु-सरस्वती सभ्यता अपनी सुव्यवस्थित नगर योजना, चौड़ी सड़कों, जलनिकासी व्यवस्था, पक्की ईंटों तथा सुनियोजित भवन निर्माण के लिए प्रसिद्ध थी।
- इसका विस्तार सिन्धु नदी तंत्र के साथ-साथ सरस्वती (घग्घर-हकरा) नदी क्षेत्र तक फैला हुआ था, इसलिए इसे सिन्धु-सरस्वती सभ्यता भी कहा जाता है।

11. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. बालाकोट	(1) गुजरात
B. चन्हूदड़ो	(2) बलूचिस्तान
C. भगतराव	(3) पंजाब
D. रोपड़	(4) सिन्ध

कूट:-

- (a) A-I, B-II, C-III, D-IV (b) A-I, B-III, C-II, D-IV
(c) A-II, B-IV, C-I, D-III (d) A-II, B-IV, C-III, D-I [c]

व्याख्या:-

- बालाकोट - बलूचिस्तान, चन्हूदड़ो - सिन्ध,
- भगतराव - गुजरात, रोपड़ - पंजाब

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- I. सिन्धु सभ्यता में पशुपालन महत्वपूर्ण था।
II. ऊँट और घोड़े के व्यापक प्रमाण मिलते हैं।
III. बैल कृषि कार्य का मुख्य आधार था।

उपर्युक्त में से सही कथन है/हैं-

- (a) केवल I (b) I और III
(c) II और III (d) I, II और III [b]

व्याख्या:-

- सिन्धु सभ्यता की अर्थव्यवस्था में पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान था तथा बैल कृषि और परिवहन का प्रमुख आधार था।
- ऊँट और घोड़े के व्यापक एवं निर्विवाद प्रमाण प्राप्त नहीं हुए हैं, इसलिए दूसरा कथन सही नहीं माना जाता।

13. मध्यपाषाण युग के औजारों को क्या नाम दिया गया है?

[पटवार 17 अगस्त 2025]

- (a) ट्रैपेज (b) माइक्रोलिथ्स
(c) हैंडएक्सेस (d) लुनेट्स [b]

व्याख्या:-

- मध्यपाषाण युग के औजार मुख्यतः छोटे आकार के पत्थर के औजार थे, जिन्हें माइक्रोलिथ्स कहा जाता है।
- इनका निर्माण चर्ट, जैस्पर, कैल्सेडोनी और अगेट जैसे पत्थरों से किया जाता था।
- इनका उपयोग शिकार करने, मछली पकड़ने, काटने तथा लकड़ी या हड्डी के उपकरणों में जोड़कर किया जाता था। राजस्थान में बागोर (भीलवाड़ा) मध्यपाषाण काल का एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल है।

14. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गये कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (प्राचीन स्थल)	सूची-II (साक्ष्य)
(A) बालाकोट	(I) मनका बनाने का कारखाना
(B) सुरकोटड़ा	(II) जहाज की गोदी
(C) लोथल	(III) कलश शवाधान
(D) चन्हूदड़ो	(IV) सीप उद्योग

कूट:-

- (a) A-IV, B-III, C-II, D-I (b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-III, B-I, C-IV, D-II (d) A-II, B-IV, C-III, D-I [a]

व्याख्या:-

- बालाकोट - सीप उद्योग,
- सुरकोटड़ा - कलश शवाधान,
- लोथल - विश्वप्रसिद्ध जहाज की गोदी
- चन्हूदड़ो मनका निर्माण उद्योग के लिए प्रसिद्ध था।

15. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है। इन कथनों का परीक्षण कीजिए और नीचे दिए हुए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : मोहनजोदड़ो करीब 2000 ई. पू. तक उजड़ गया था किन्तु दूसरी ओर कालीबंगा और लोथल 18वीं शताब्दी ई. पू. तक विद्यमान रहे थे।

कारण (R) : ऐसा प्रतीत होता है कि हड़प्पा संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों के अस्तित्व में अन्तर था।

कूट:-

- (a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है किन्तु (R) सही है। [a]

व्याख्या:-

- कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है। हड़प्पा सभ्यता का पतन सभी क्षेत्रों में एक साथ नहीं हुआ था। विभिन्न नगरों का अवसान अलग-अलग समय पर हुआ, इसलिए मोहनजोदड़ो पहले उजड़ा जबकि कालीबंगा एवं लोथल बाद तक अस्तित्व में रहे।

16. निम्नलिखित खोज और स्थल को सुमेलित कीजिए।

खोज	हड़प्पा स्थल
(1) खेतों की जुताई	A. मोहनजोदड़ो
(2) कोई दुर्ग नहीं	B. चन्हूदड़ो
(3) घोड़ों की हड्डियाँ	C. कालीबंगा
(4) किलाबंदी वाला निचला शहर	D. सुरकोटड़ा

(a) 1-C, 2-B, 3-A, 4-D (b) 1-B, 2-C, 3-D, 4-A

(c) 1-C, 2-B, 3-D, 4-A (d) 1-B, 2-C, 3-A, 4-D [c]

व्याख्या:-

- ◆ कालीबंगा - जुते हुए खेत के प्रमाण,
- ◆ चन्हूदड़ो - दुर्ग के अभाव,
- ◆ सुरकोटड़ा - घोड़े की हड्डियाँ
- ◆ मोहनजोदड़ो से किलाबंद निचले नगर के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

17. 'नवपाषाण' शब्द किसने गढ़ा?

[पटवार द्वितीय पारी - दिनांक: 17 अगस्त 2025]

- (a) कुषाण (b) जॉन नियोकार्ड
(c) जॉन लुबॉक (d) हूण [c]

व्याख्या:-

- ◆ ब्रिटिश पुरातत्त्वविद् जॉन लुबॉक ने 1865 ई. में पुरापाषाण और नवपाषाण शब्दों का प्रयोग किया। नवपाषाण काल को नवीन पाषाण युग भी कहा जाता है। इस काल की प्रमुख विशेषताएँ कृषि की शुरुआत, पशुपालन, स्थायी बस्तियों का विकास तथा घिसकर और चमकाकर बनाए गए पत्थर के औजारों का उपयोग थीं।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में सही है/हैं?

I. मोहनजोदड़ो में एक विशेष तालाब था जिसे पुरातत्त्वविदों ने महान स्नानागार कहा था।

II. लोथल तथा कालीबंगन में आग की वेदी के प्रमाण मिले हैं।

- (a) केवल I (b) केवल II
(c) I तथा II दोनों (d) ना ही I ना ही II [c]

व्याख्या:-

- ◆ मोहनजोदड़ो का महान स्नानागार हड़प्पा सभ्यता की सबसे प्रसिद्ध सार्वजनिक संरचनाओं में से एक है, जिसका उपयोग संभवतः धार्मिक अनुष्ठानों के लिए होता था। वहीं लोथल तथा कालीबंगा से अग्निवेदियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं, जो धार्मिक अथवा यज्ञ संबंधी गतिविधियों के महत्वपूर्ण प्रमाण माने जाते हैं।

19. हड़प्पा सभ्यता से प्राप्त पशुपति-मुहर संबंधी निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

I. यह मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई थी।

II. इस पर योगी की मुद्रा में एक मानवीय आकृति का चित्रण हुआ है।

III. मार्शल ने इसे आदि शिव की संज्ञा दी है।

IV. छः प्रतीकों वाला एक चित्रात्मक अभिलेख इस मुहर पर उत्कीर्ण हुआ है।

सही उत्तर चुनिये:-

- (a) I, II और IV (b) II और III
(c) II और IV (d) I, II, III और IV [d]

व्याख्या:-

- ◆ पशुपति मुहर मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई थी। इसमें योग मुद्रा में बैठी एक मानवीय आकृति, चारों ओर विभिन्न पशु तथा ऊपर छह संकेतों वाला अभिलेख अंकित है। पुरातत्त्वविद् जॉन मार्शल ने इस आकृति को 'आदि शिव' अथवा 'पशुपति' से संबंधित माना था।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित है?

नवपाषाण कालीन स्थल	प्रमुख विशेषता
I. बुरजहोम	गर्त आवास
II. कोल्डीहवा	धान के अवशेष
III. उत्तनूर	राख के ढेर
IV. मेहरगढ़	प्राचीनतम नवपाषाण स्थल

(a) I और IV

(b) I, II और IV

(c) II और IV

(d) I, II, III और IV [d]

व्याख्या:-

- ◆ बुरजहोम - गर्त आवासों, कोल्डीहवा - धान के प्राचीन अवशेष,
- ◆ उत्तनूर - राख के ढेर
- ◆ मेहरगढ़- भारतीय उपमहाद्वीप की प्रारंभिक नवपाषाण संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है।

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. हड़प्पा सभ्यता की कांस्य प्रतिमाओं को "खोई हुई मोम" तकनीक का उपयोग करके बनाया गया था।

2. सिंधु घाटी सभ्यता में, लिपि की शैली ब्राह्मी थी।

3. मुहंरें ज्यादातर सैलखड़ी से बने होते थे।

उपरोक्त कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 3

(d) उपरोक्त सभी [b]

व्याख्या:-

- ◆ हड़प्पा सभ्यता की कांस्य प्रतिमाएँ 'खोई हुई मोम' विधि से बनाई जाती थीं तथा अधिकांश मुहंरें सैलखड़ी की बनी थीं।
- ◆ सिंधु लिपि ब्राह्मी नहीं थी, बल्कि एक स्वतंत्र एवं अब तक अपठित लिपि मानी जाती है।

22. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन (I): सिंधु सरस्वती सभ्यता के प्रमुख स्थल हड़प्पा, मोहन-जो-दड़ो और बहावलपुर अब पाकिस्तान में हैं।

कथन (II): कालीबंगा, राखीगढ़ी, धौलावीरा, रानोपुर और लोथल भारत में स्थित हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें :

(a) कथन (I) असत्य है किंतु कथन (II) सत्य है।

(b) कथन (I) और कथन (II) दोनों सत्य हैं।

(c) कथन (I) और कथन (II) दोनों असत्य हैं।

(d) कथन (I) सत्य है किंतु कथन (II) असत्य है। [b]

व्याख्या:-

- ◆ दोनों कथन सत्य हैं। हड़प्पा, मोहनजोदड़ो तथा बहावलपुर क्षेत्र के प्रमुख स्थल वर्तमान पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि कालीबंगा, राखीगढ़ी, धौलावीरा, रंगपुर तथा लोथल भारत में स्थित हैं। यह तथ्य सिंधु-सरस्वती सभ्यता के विशाल भौगोलिक विस्तार और सांस्कृतिक एकरूपता को दर्शाता है।

23. भीमबेटका के प्रागैतिहासिक शैलाश्रय किस राज्य से संबंधित है?

[पटवार 17 अगस्त 2025]

(a) राजस्थान

(b) मध्य प्रदेश

(c) कर्नाटक

(d) हरियाणा [b]

व्याख्या:-

- ◆ भीमबेटका के प्रागैतिहासिक शैलाश्रय मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित हैं। यहाँ बड़ी संख्या में प्राचीन शैलचित्र और शैलाश्रय मिले हैं, जो प्रागैतिहासिक मानव के जीवन, शिकार, नृत्य तथा सामाजिक गतिविधियों की जानकारी देते हैं।
- ◆ इन शैलाश्रयों की खोज और पहचान में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वर्ष 2003 में यूनेस्को ने भीमबेटका को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

24. "हड़प्पा सभ्यता" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें। सही कथनों का चयन करें:

- इसे सिंधु घाटी सभ्यता के रूप में भी जाना जाता है।
- शब्द हड़प्पा की व्युत्पत्ति उस स्थान से हुई है, जहां सभ्यता को पहचाना गया था।
- सभ्यता का कुल काल विस्तार 6000 BCE से 1300 BCE तक है।
- सभ्यता का पतन लगभग 1900 BCE के आस-पास आरंभ हुआ था।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

[Lab Assistant (GK) (1st Shift) - 10.05.2026]

- c और d
- a, b, c और d
- a, b और c
- b और d

[b]

व्याख्या:-

- हड़प्पा सभ्यता को सिंधु घाटी सभ्यता भी कहा जाता है
- इस सभ्यता का नाम हड़प्पा स्थल के नाम पर रखा गया, जहाँ 1921 ई. में दयाराम साहनी ने उत्खनन किया था।
- 6000 BCE से 1300 BCE तक का काल व्यापक पूर्ववर्ती कृषि संस्कृतियों से लेकर उत्तर-हड़प्पा चरण तक को समेट सकता है। परिपक्व हड़प्पा सभ्यता का सामान्यतः स्वीकृत काल लगभग 2600-1900 BCE है।
- परिपक्व हड़प्पा नगरीय सभ्यता का अवसान लगभग 1900 BCE के आसपास शुरू हुआ।

25. निम्नलिखित कथन एवं कारण पर विचार कीजिए।

कथन (A): हड़प्पा सभ्यता में नगर नियोजन अत्यंत विकसित था।

कारण (R): नगरों का निर्माण बिना किसी पूर्व योजना के प्राकृतिक रूप से हुआ था।

कूट-

- (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।
- (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

[c]

व्याख्या:-

- हड़प्पा नगर सुव्यवस्थित योजना के अनुसार बसाए गए थे।
- ग्रिड पद्धति, जल निकासी, सार्वजनिक भवन तथा मानकीकृत निर्माण इसकी विशेषताएँ थीं।

26. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

- सिंधु घाटी सभ्यता का आरंभिक भारतीय ताम्र खनन स्थल गणेश्वर, खेतड़ी के पूर्व में स्थित है।
- राजस्थान का भारत के ताम्र उत्पादन में दूसरा स्थान है
- ताम्र धातुकर्म का उल्लेख मेघदूत और महाभारत महाकाव्यों में हुआ है।
- मोहनजोदड़ो नर्तकी प्रतिमा ताम्र से बनी है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुने-

Reet Mains L-1 (Sanskrit) 1st Shift Exam

Date: 20 Jan. 2026

- a, b, c
- b, c, d
- a, b, d
- a, c, d

[a]

व्याख्या:-

- गणेश्वर राजस्थान के सीकर क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख ताम्र-पाषाणकालीन पुरातात्विक स्थल है, जो खेतड़ी ताम्र पट्टी के पूर्व में स्थित है। इसे गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति का प्रमुख केंद्र माना जाता है।
- मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध नर्तकी की प्रतिमा कांस्य की बनी है, जिसे मोम-क्षय विधि से बनाया गया था।

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में; अभिकथन A: हड़प्पाई लिपि, को पढ़ा नहीं जा सका है।

कारण R: अधिकांश अभिलेख संक्षिप्त हैं। कई बार बस्त्रोफेदन शैली में लिखे गए हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए-

[Reet Mains L-2 (Social Study) 2nd Shift Exam

Date: 18 Jan. 2026]

- A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- A सही है लेकिन R सही नहीं है।
- A सही नहीं है लेकिन R सही है।
- A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

[d]

व्याख्या:-

- हड़प्पाई लिपि को अभी तक निश्चित रूप से पढ़ा नहीं जा सका है।
- हड़प्पाई अभिलेख सामान्यतः बहुत छोटे हैं। कुछ लेखों में बस्त्रोफेदन शैली मिलती है, जिसमें लेखन की दिशा प्रत्येक अगली पंक्ति में बदल जाती है।
- अभिलेखों की संक्षिप्तता और लिपि को समझने के लिए द्विभाषी अभिलेख का अभाव, हड़प्पाई लिपि को पढ़ने में प्रमुख कठिनाइयाँ हैं।

28. निम्नलिखित सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
A. धौलावीरा	1. मनका निर्माण
B. चन्हूदड़ो	2. विशाल जलाशय
C. हड़प्पा	3. अन्नागार
D. सुरकोटड़ा	4. घोड़े की अस्थियाँ

(a) A-3, B-2, C-1, D-4

(b) A-2, B-1, C-3, D-4

(c) A-2, B-4, C-3, D-1

(d) A-1, B-3, C-4, D-2

[b]

व्याख्या:-

- धौलावीरा अपनी विकसित जल संरक्षण प्रणाली, चन्हूदड़ो मनका उद्योग, हड़प्पा विशाल अन्नागार तथा सुरकोटड़ा घोड़े की अस्थियों के लिए प्रसिद्ध है।

29. सैन्धव सभ्यता से सम्बन्धित पुरातात्विक स्थल, जो सिन्ध के लरकाना में स्थित है, का नाम बताइए।

[SI Exam (Sci & GK) (2nd Shift) - 06.04.2026]

(a) कालीबंगा

(b) रोपड़

(c) मोहनजोदड़ो

(d) हड़प्पा

[c]

व्याख्या:-

- मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल है, जो वर्तमान पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में स्थित है।
- इसकी खोज 1922 ई. में राखालदास बनर्जी ने की थी। सिंधी भाषा में मोहनजोदड़ो का अर्थ सामान्यतः "मृतकों का टीला" माना जाता है।

30. निम्नलिखित में से किसने 'द आर्कियोलॉजिकल रिमेन्स एण्ड एक्सकेवेशन एट बैराठ' प्रतिवेदन तैयार किया था?

[स्कूल व्याख्याता परीक्षा-2025 (प्रथम प्रश्न पत्र GK & GS)

Group B, दिनांक: 26.06.2025]

(a) टी.एच. हैण्डले

(b) आर.सी. अग्रवाल

(c) दयाराम साहनी

(d) बी.बी. लाल

[c]

व्याख्या:-

- दयाराम साहनी प्रसिद्ध भारतीय पुरातत्त्वविद थे, जिन्होंने हड़प्पा के उत्खनन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बैराठ (वर्तमान विराटनगर, राजस्थान) एक प्रमुख ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल है। यहाँ से सौर्यकालीन अवशेष, बौद्ध धर्म से संबंधित साक्ष्य तथा अशोक के शिलालेख प्राप्त हुए हैं।
- 'द आर्कियोलॉजिकल रिमेन्स एण्ड एक्सकेवेशन एट बैराठ' प्रतिवेदन दयाराम साहनी ने तैयार किया था।



भारतीय राजव्यवस्था

विगत वर्षों के प्रश्न

1. भारत विभाजन के बाद भारत की संविधान सभा में वास्तविक सदस्यों की संख्या कितनी रह गई?

[REET 2024 (SST)-SHIFT 3RD]

- (a) 389 (b) 299
(c) 284 (d) 278 [b]

व्याख्या:-

- ◆ कैबिनेट मिशन योजना (1946) के अनुसार संविधान सभा में प्रारम्भिक रूप से 389 सदस्य निर्धारित किए गए थे।
- ◆ भारत विभाजन एवं पाकिस्तान के गठन के बाद पाकिस्तान क्षेत्र के सदस्य संविधान सभा से अलग हो गए, जिसके परिणामस्वरूप सदस्यों की संख्या घट गई।
- ◆ 31 अक्टूबर, 1947 को पुनर्गठन के बाद भारतीय संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या 299 रह गई।
- ◆ इनमें 229 सदस्य प्रांतों से तथा 70 सदस्य देशी रियासतों से थे।
- ◆ इसी संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया।
- ◆ संविधान की मूल प्रति पर अंततः 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे।

2. 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत भारत के संविधान पर संविधान सभा के कितने सदस्यों के हस्ताक्षर हुए थे?

[REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

- (a) 389 (b) 299
(c) 284 (d) 278 [c]

व्याख्या:-

- ◆ भारतीय संविधान को 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया गया था।
- ◆ संविधान की अंतिम हस्तलिखित प्रति पर 284 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें 15 महिला सदस्य भी शामिल थीं।
- ◆ संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर 1946 को हुई थी। प्रारम्भ में संविधान सभा में 389 सदस्य थे, लेकिन विभाजन के बाद यह संख्या घटकर 299 रह गई।
- ◆ संविधान निर्माण में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन का समय लगा तथा संविधान सभा की कुल 11 बैठकें आयोजित की गईं।

3. भारत की संविधान निर्मात्री सभा के उपाध्यक्ष कौन थे?

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (b) के. एम. मुन्शी
(c) ए. एन. सिन्हा (d) एच. सी. मुखर्जी [d]

व्याख्या:-

- ◆ एच. सी. मुखर्जी संविधान सभा के उपाध्यक्ष थे।
- ◆ संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।
- ◆ एच. सी. मुखर्जी प्रसिद्ध शिक्षाविद, समाजसेवी एवं स्वतंत्रता सेनानी थे।
- ◆ बाद में वी. टी. कृष्णामाचारी को भी संविधान सभा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसम्बर 1946 को आयोजित हुआ था।

4. "अवशिष्ट शक्तियों का सिद्धांत" का प्रावधान भारत में किस देश के संविधान से लिया गया है?

[REET 2022 (SST) 2ND SHIFT]

- (a) ब्रिटिश संविधान (b) अमेरिका के संविधान
(c) फ्रांस के संविधान (d) कनाडा के संविधान [d]

व्याख्या:-

क्र.	भारतीय संविधान में अपनाया गया प्रावधान	स्रोत देश
1.	संसदीय शासन व्यवस्था, विधायी प्रक्रिया, विधि का शासन, एकल नागरिकता, लोकसभा अध्यक्ष का पद एवं भूमिका, प्रथम-पास्ट-द-पोस्ट निर्वाचन प्रणाली	ब्रिटेन
2.	मौलिक अधिकारस्वतंत्र न्यायपालिका, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, निर्वाचित राष्ट्रपति, महाभियोग की प्रक्रिया तथा उपराष्ट्रपति का पद	अमेरिका
3.	संघीय शासन व्यवस्था, केन्द्र एवं राज्यों के मध्य शक्तियों का विभाजन, अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र को तथा राज्यपाल की नियुक्ति	कनाडा
4.	राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्व, राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में सदस्यों का मनोनयन तथा राष्ट्रपति के निर्वाचन की पद्धति	आयरलैण्ड
5.	समवर्ती सूची, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक तथा प्रस्तावना की भाषा	ऑस्ट्रेलिया
6.	आपातकालीन उपबंध	जर्मनी
7.	विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया	जापान
8.	गणतंत्रात्मक शासन व्यवस्था	फ्रांस
9.	मौलिक कर्तव्य	सोवियत संघ (USSR)
10.	संविधान संशोधन की प्रक्रिया	दक्षिण अफ्रीका

5. भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया-

[REET 2012 (SST)]

- (a) संविधान सभा द्वारा (b) संसद द्वारा
(c) लोक सभा द्वारा (d) राज्य सभा द्वारा [a]

व्याख्या:-

- ◆ भारतीय संविधान को 26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा ने अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया।
- ◆ इसके बाद संविधान 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ, जिसे गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

6. भारतीय संविधान लागू किया गया-

[REET 2011 (SST)]

- (a) 15 अगस्त, 1947 को (b) 26 जनवरी, 1950 को
(c) 26 जनवरी, 1949 को (d) 26 जुलाई, 1950 को [b]

व्याख्या:-

- ◆ भारतीय संविधान 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया और 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ।
- ◆ 26 जनवरी की तिथि 1930 के पूर्ण स्वराज्य दिवस की स्मृति में चुनी गई थी। इसी दिन भारत एक गणराज्य बना।

7. संविधान निर्मात्री सभा की पहली बैठक कब आयोजित की गई थी?

[REET 2011 (SST)]

- (a) 15 अगस्त, 1947 (b) 26 नवम्बर, 1949
(c) 9 दिसम्बर, 1946 (d) 26 जनवरी, 1930 [c]

व्याख्या:-

- ◆ संविधान सभा की प्रथम बैठक **9 दिसम्बर 1946** को नई दिल्ली में हुई। इसकी अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष सच्चिदानंद सिन्हा ने की। 11 दिसम्बर 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष चुने गए।

8. भारतीय संविधान की कौन-सी विशेषता नहीं है?
[REET 2011 (SST)]

- (a) प्रजातान्त्रिक पद्धति
(b) मूल अधिकार एवं कर्त्तव्य

(c) प्रत्येक नागरिक को रोजगार की सुरक्षा

(d) स्वतन्त्र न्यायपालिका

[c]
व्याख्या:-

- ◆ भारतीय संविधान में लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, स्वतंत्र न्यायपालिका और संघीय व्यवस्था जैसी विशेषताएँ हैं।
- ◆ **रोजगार की गारंटी** संविधान की प्रत्यक्ष विशेषता नहीं है, यद्यपि राज्य के नीति-निदेशक तत्व रोजगार के अवसर बढ़ाने पर बल देते हैं।

अभ्यास प्रश्न
1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. भारतीय संविधान निर्माण प्रक्रिया को "नियति के साथ साक्षात्कार" की ऐतिहासिक अभिव्यक्ति कहा गया।
2. "भारतीयों ने अपना संविधान बनाते समय नियति के साथ साक्षात्कार में कोई चूक नहीं की" यह टिप्पणी एक प्रसिद्ध संवैधानिक टीकाकार द्वारा की गई थी।
3. यह टिप्पणी ग्रेनविल ऑस्टिन द्वारा भारतीय संविधान सभा की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए दी गई थी।
4. ग्रेनविल ऑस्टिन ने भारतीय संविधान को "एक सामाजिक दस्तावेज" भी कहा है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 **[d]**

व्याख्या:-

- ◆ ग्रेनविल ऑस्टिन ने संविधान सभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीयों ने "नियति के साथ साक्षात्कार" में कोई चूक नहीं की तथा संविधान को सामाजिक दस्तावेज बताया।
- (1) भारत सौदेबाजी संघ = मॉरिज जॉन्स
- (2) सहयोगात्मक संघ = ग्रेनविल ऑस्टिन
- (3) फेडरेशन विद ए सेंट्रलाइजिंग टेडेंसी = आइवर जेनिंग्स
- (4) एकात्मकता की भावना का संघ = के.सी. वहीयर

2. संविधान सभा की वित्तीय व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. संविधान निर्माण का कुल व्यय लगभग 64 लाख रुपये था।
2. यह व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया गया।
3. ब्रिटिश संसद ने इसका वित्त पोषण किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3 **[b]**

व्याख्या:-

- ◆ संविधान सभा के गठन एवं कार्य संचालन पर लगभग 64 लाख रुपये व्यय हुए, जिसका वहन भारत सरकार ने किया। इसका वित्तपोषण ब्रिटिश संसद द्वारा नहीं किया गया था।

3. नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को अभिकथन (A) और तर्क (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में, निम्न में से कौन सा सत्य है ?

अभिकथन (A) : भारतीय संविधान निकट रूप से ब्रिटिश संसदीय मॉडल का अनुसरण करता है।

तर्क (R) : भारत में संसद के ऊपरी सदन के पास न्यायिक शक्तियाँ हैं।

- (a) (A) एवं (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है। **[c]**

व्याख्या:-

- ◆ भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली ब्रिटिश मॉडल से अपनाई है, परन्तु भारत की राज्यसभा को ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स जैसी न्यायिक शक्तियाँ प्राप्त नहीं हैं।

4. संविधान सभा और अंतरिम सरकार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. अंतरिम सरकार का गठन संविधान सभा के गठन से पूर्व हुआ।
2. अंतरिम सरकार के अधिकांश सदस्य संविधान सभा के भी सदस्य थे।
3. अंतरिम सरकार का प्रमुख गवर्नर जनरल था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3 **[d]**

व्याख्या:-

- ◆ संविधान सभा के गठन से पूर्व अंतरिम सरकार बनी थी।
- ◆ इसके अधिकांश सदस्य संविधान सभा में भी शामिल थे तथा गवर्नर जनरल ही इसका औपचारिक प्रमुख था।

5. संविधान सभा के निर्वाचन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (a) प्रांतीय विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों ने आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति से चुनाव किया।
(b) संविधान सभा के चुनाव में एकल संक्रमणीय मत प्रणाली अपनाई गई।
(c) देशी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन प्रायः नामांकन द्वारा हुआ।
(d) देशी रियासतों में संविधान सभा हेतु प्रत्यक्ष चुनाव कराए गए। **[d]**

व्याख्या:-

- ◆ संविधान सभा के चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से हुए थे। प्रांतीय विधानसभाओं ने आनुपातिक प्रतिनिधित्व एवं एकल संक्रमणीय मत प्रणाली अपनाई, जबकि देशी रियासतों के प्रतिनिधि सामान्यतः नामांकन द्वारा चुने गए थे।

6. संविधान सभा और न्यायपालिका के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना का प्रावधान किया गया।
2. न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति दी गई।
3. संसद को न्यायिक निर्णय निरस्त करने की पूर्ण शक्ति दी गई।

दिए गए विकल्प में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

- (a) 1 और 2 (b) केवल 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3 **[a]**

व्याख्या:-

- संविधान सभा ने सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था स्वीकार की। संसद को न्यायिक निर्णय पूर्णतः निरस्त करने की असीमित शक्ति प्रदान नहीं की गई थी।

7. संविधान सभा में महिलाओं के संबंध में निम्नलिखित का मिलान कीजिए-

सूची-I	सूची-II
A. संविधान सभा की कुल महिला सदस्य	1. संयुक्त प्रांत से संबंधित
B. हंसा मेहता	2. 15
C. सरोजिनी नायडू	3. संविधान सभा की सदस्य
(a) A-2, B-3, C-1	(b) A-1, B-2, C-3
(c) A-3, B-1, C-2	(d) A-2, B-1, C-3

[a]
व्याख्या:-

- संविधान सभा में कुल 15 महिला सदस्य थीं। हंसा मेहता संविधान सभा की सदस्य थीं, जबकि सरोजिनी नायडू संयुक्त प्रांत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) का प्रतिनिधित्व करती थीं।

8. संविधान सभा की प्रकृति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- विभाजन के बाद संविधान सभा संप्रभु निकाय बन गई।
- संविधान सभा ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी थी।
- इसे संविधान निर्माण की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त थी।

निम्न में से सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

[b]
व्याख्या:-

- भारत विभाजन के बाद संविधान सभा एक संप्रभु निकाय बन गई थी। इसे संविधान निर्माण की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त थी तथा यह ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं रही थी।

9. संविधान सभा की संरचना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

- संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या 389 थी।
- विभाजन के बाद सदस्य संख्या 299 रह गई।
- संविधान सभा के सभी सदस्य कांग्रेस दल से थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

[b]
व्याख्या:-

- संविधान सभा की प्रारंभिक कुल सदस्य संख्या 389 थी। भारत विभाजन के बाद यह घटकर 299 रह गई। सभा में कांग्रेस के अतिरिक्त अन्य दलों एवं स्वतंत्र सदस्यों का भी प्रतिनिधित्व था।

10. संविधान सभा के कार्यकाल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

- संविधान सभा ने 2 वर्ष 11 माह 18 दिन कार्य किया।
- संविधान सभा में कुल 11 सत्र हुए।
- संविधान सभा में कुल 165 दिन बैठक हुई।

सही विकल्प चुनिए

- (a) केवल 1 (b) 1 और 3
(c) 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

[d]
व्याख्या:-

- संविधान सभा ने 9 दिसंबर, 1946 से 26 नवंबर, 1949 तक लगभग 2 वर्ष 11 माह 18 दिन कार्य किया।
- इस अवधि में कुल 11 सत्र तथा लगभग 165 बैठक दिवस आयोजित हुए।

11. नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को कथन (A) और तर्क (R) के रूप में चिह्नित किया गया है। दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में, निम्न में से कौन सा सत्य है ?
कथन (A) : भारत में, जनता अपना स्वयं का प्रतिनिधि चुनती है।

तर्क (R) : भारत में प्रजातंत्र है।

- (a) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(b) (A) एवं (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) एवं (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

[b]
व्याख्या:-

- भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जहाँ जनता सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है। इसलिए तर्क (R), कथन (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत करता है।

12. संविधान सभा की समितियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- संघ शक्तियाँ समिति के अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू थे।
- प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल थे।
- मौलिक अधिकार समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

[b]
व्याख्या:-

समिति	अध्यक्ष
संघ शक्तियाँ समिति	जवाहरलाल नेहरू
प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभभाई पटेल
मौलिक अधिकार समिति	सरदार पटेल
प्रारूप समिति	डॉ. भीमराव आंबेडकर

13. भारत की संविधान सभा के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए-

- संविधान सभा का अंतिम अधिवेशन 24 जनवरी, 1950 को हुआ।
- इस अंतिम अधिवेशन में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के राष्ट्रपति पद पर विधिवत निर्वाचित घोषित किए गए।

- (a) न तो (i) न ही (ii) सही है। (b) (i) और (ii) दोनों सही हैं।
(c) केवल (ii) सही है। (d) केवल (i) सही है।

[b]
व्याख्या:-

- संविधान सभा का अंतिम अधिवेशन 24 जनवरी 1950 को आयोजित हुआ था। इसी अधिवेशन में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में विधिवत निर्वाचित घोषित किया गया।

14. भारतीय संविधान सभा के सम्बन्ध में निम्नांकित में से कौन से कथन सही है?

- संविधान सभा वयस्क मताधिकार पर आधारित नहीं थी।
- संविधान सभा प्रत्यक्ष निर्वाचन का परिणाम थी।
- संविधान सभा बहुदलीय संरचना नहीं थी।
- संविधान सभा कई समितियों के माध्यम से कार्यरत थी।

- (a) 1 और 4 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

[a]
व्याख्या:-

- संविधान सभा का गठन वयस्क मताधिकार के आधार पर नहीं हुआ था तथा इसके सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए थे। सभा ने विभिन्न विषयों पर कार्य हेतु अनेक समितियों का गठन किया था।

- 15. निम्नलिखित में से गलत युग्म का चयन कीजिए-**
संविधान सभा की समिति **अध्यक्ष**
 (a) प्रारूप समिति जे.बी. कृपलानी
 (b) मौलिक अधिकार उप-समिति जे. बी. कृपलानी
 (c) संघ संविधान समिति जवाहरलाल नेहरू
 (d) प्रान्तीय संविधान समिति वल्लभभाई पटेल [a]

व्याख्या:-

संविधान सभा की समितियाँ

(A) बड़ी समितियाँ एवं उनके अध्यक्ष

(1) संघीय संविधान समिति	पं. जवाहरलाल नेहरू
(2) संघ शक्ति समिति	पं. जवाहरलाल नेहरू
(3) राज्यों के लिए समिति	पं. जवाहरलाल नेहरू
(4) प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
(5) मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों एवं जनजातीय क्षेत्रों के लिए समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल

इस समिति की उपसमितियाँ थी:-

(1) मौलिक अधिकार उपसमिति	जे.बी. कृपलानी
(2) अल्पसंख्यक उपसमिति	च.सी. मुखर्जी
(3) उत्तर-पूर्व सीमांत जनजातीय क्षेत्र (असम को छोड़कर)	गोपीनाथ बोर्दोलोई
(4) प्रक्रिया नियम समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(5) संचालन समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(6) प्रारूप समिति	डॉ. भीमराव अम्बेडकर

(B) छोटी समितियाँ एवं उनके अध्यक्ष

(1) कार्य संचालन समिति	के.एम. मुंशी
(2) संविधान सभा के कार्यों से संबंधित समिति	जी.वी. मावलंकर
(3) सदन समिति	बी. पट्टाभिषीतारम्पैया
(4) राष्ट्रध्वज संबंधी तदर्थ समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(5) वित्त एवं कर्मचारी (स्टॉफ समिति)	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(6) प्रत्यायक (क्रीडेंसियल) समिति	अल्लादिकृष्णस्वामी अय्यर
(7) सर्वोच्च न्यायालय के लिए तदर्थ समिति	एस. वरदाचरियर
(8) आयुक्तों के प्रांतों के लिए समिति	बी. पट्टाभिषीतारम्पैया
(9) संघीय संविधान के लिए वित्तीय प्रावधानों संबंधी समिति	नलिनी रंजन सरकार
(10) भाषाई प्रांत समिति	एस.के. डार/धर
(11) प्रेस दीर्घा समिति	उषानाथ सेन
(12) नागरिकता पर तदर्थ समिति	एस. वरदाचरियर
(13) प्रारूप संविधान की जाँच के लिए विशेष समिति	जवाहरलाल नेहरू

- 16. संविधान दिवस के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**
कथन-I: नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।
कथन-II: 26 नवंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए डॉ. बीआर अंबेडकर की अध्यक्षता में एक मसौदा समिति का गठन किया था।
 (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही स्पष्टीकरण है।
 (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
 (c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है।
 (d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है [c]

व्याख्या:-

- संविधान दिवस प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संवैधानिक मूल्यों के प्रसार हेतु मनाया जाता है।
- प्रारूप समिति का गठन 29 अगस्त, 1947 को डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में हुआ था।

17. संविधान सभा के गठन के संबंध में विचार कीजिए-

- संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना 1946 के तहत हुआ।
- सदस्य प्रत्यक्ष वयस्क मताधिकार से चुने गए।
- देशी रियासतों के प्रतिनिधि नामित किए गए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) 1 और 3
 (c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3 [b]

व्याख्या:-

- संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना 1946 के अंतर्गत हुआ था। इसके सदस्य अप्रत्यक्ष निर्वाचन से चुने गए, जबकि देशी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन प्रायः नामांकन द्वारा किया गया।

18. संविधान सभा के संबंध में निम्न में से कौन-से कथन गलत हैं?

- (A) संविधान सभा की पहली बैठक नई दिल्ली में 9 दिसंबर, 1946 को कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में हुई, जिसे अब संसद भवन के सेंट्रल हॉल के रूप में जाना जाता है।
 (B) स्वतंत्र भारत के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने के अपने ऐतिहासिक कार्य को पूरा करने में संविधान सभा को ग्यारह सत्रों के साथ लगभग तीन साल लग गए।
 (C) हाउस कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद थे।
 (D) पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व 29 सदस्यों ने किया।
 (a) (A) और (D) दोनों गलत हैं (b) (B) और (C) दोनों गलत हैं
 (c) (C) और (D) दोनों गलत हैं (d) (A), (C) और (D) गलत हैं [c]

व्याख्या:-

- हाउस कमेटी के अध्यक्ष बी. पट्टाभिषीतारम्पैया थे।
- पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व 27 सदस्यों ने किया था।

19. नीचे दो वक्तव्य दिए हैं:

कथन (A): भारत का संविधान देश की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

कारण (R): इसको एक गृहीत संविधान कहा जाता है।

- (a) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही स्पष्टीकरण है।
 (b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
 (c) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।
 (d) (A) असत्य परंतु (R) सत्य है। [c]

व्याख्या:-

- भारत का संविधान देश की सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। परंतु भारतीय संविधान को "गृहीत संविधान" नहीं कहा जाता, क्योंकि इसे संविधान सभा द्वारा निर्मित एवं अंगीकृत किया गया था।

20. संविधान सभा की प्रारूप समिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- संविधान सभा का गठन 29 अगस्त 1947 को किया गया।
- संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. अंबेडकर थे।
- संविधान सभा में कुल 7 सदस्य थे।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
 (c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1 और 3 [c]

व्याख्या:-

- ◆ प्रारूप समिति का गठन 29 अगस्त, 1947 को किया गया था। इसके अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर थे तथा इसमें कुल सात सदस्य शामिल थे।
- ◆ इसी समिति ने विभिन्न समितियों की सिफारिशों को समाहित कर भारतीय संविधान का अंतिम प्रारूप तैयार किया।

21. संविधान सभा की पहली बैठक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसकी अध्यक्षता प्रारंभ में डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की।
2. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष बनाया गया था।
3. बाद में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष चुने गए।

सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 [d]

व्याख्या:-

- ◆ 9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई, जिसमें डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा अस्थायी अध्यक्ष बनाए गए।
- ◆ 11 दिसंबर, 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित हुए और संविधान निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का नेतृत्व किया।

22. संविधान सभा के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. मुस्लिम लीग ने प्रारंभ में संविधान सभा का बहिष्कार किया।
2. संविधान सभा की पहली बैठक में मुस्लिम लीग के अधिकांश सदस्य अनुपस्थित रहे।
3. बाद में विभाजन के पश्चात पाकिस्तान के लिए पृथक संविधान सभा बनी।

सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1 और 3 [c]

व्याख्या:-

- ◆ मुस्लिम लीग ने प्रारंभ में संविधान सभा का बहिष्कार किया, इसलिए पहली बैठक में उसके अधिकांश सदस्य उपस्थित नहीं हुए।
- ◆ भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान के लिए अलग संविधान सभा गठित हुई, जबकि भारतीय संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माण का कार्य जारी रखा।

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. संविधान सभा के सदस्यों को प्रांतीय विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा चुना गया था।
2. निर्वाचन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व तथा एकल संक्रमणीय मत प्रणाली अपनाई गई थी।
3. प्रत्येक प्रांत को जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व दिया गया था।
4. प्रत्येक देशी रियासत में संविधान सभा के लिए प्रत्यक्ष चुनाव कराए गए थे।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4 [c]

व्याख्या:-

- ◆ संविधान सभा के प्रांतीय प्रतिनिधियों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रूप से आनुपातिक प्रतिनिधित्व एवं एकल संक्रमणीय मत प्रणाली द्वारा हुआ था।
- ◆ प्रांतों को जनसंख्या के आधार पर सीटें दी गईं। देशी रियासतों में प्रत्यक्ष चुनाव नहीं हुए, बल्कि अधिकांश प्रतिनिधि नामित किए गए थे।

24. नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को कथन (A) तथा कारण (R) के रूप में पढ़िए-

कथन (A): संविधान सभा की कार्यवाही लोकतांत्रिक चर्चा एवं विचार-विमर्श पर आधारित थी।

कारण (R): संविधान सभा में हजारों संशोधन प्रस्तावों पर विचार किया गया था।

- (a) (A) तथा (R) दोनों असत्य हैं।
(b) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।
(c) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। [d]

व्याख्या:-

- ◆ संविधान सभा में 7,635 संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत हुए, जिनमें से 2,473 पर चर्चा हुई। यह तथ्य दर्शाता है कि संविधान निर्माण व्यापक बहस, सुझाव और लोकतांत्रिक विमर्श पर आधारित था।

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. संविधान सभा की बहसों का आधिकारिक अभिलेख 'Constituent Assembly Debates' कहलाता है।
2. इन अभिलेखों का उपयोग संविधान की मंशा समझने के लिए किया जाता है।
3. सर्वोच्च न्यायालय ने कभी भी इन बहसों का संदर्भ नहीं लिया है।
4. ये अभिलेख संविधान निर्माण की ऐतिहासिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 [c]

व्याख्या:-

- ◆ 'Constituent Assembly Debates' संविधान सभा की आधिकारिक कार्यवाही का अभिलेख है।
- ◆ न्यायालय आवश्यकता पड़ने पर संवैधानिक प्रावधानों की मंशा समझने हेतु इनका संदर्भ ले सकते हैं।

26. संविधान सभा से संबंधित निम्नलिखित का मिलान कीजिए-

सूची-I	सूची-II
A. प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा	1. संविधान का अलंकरण
B. नंदलाल बोस	2. अंग्रेज़ी हस्तलिखित प्रति
C. वसंत कृष्ण वैद्य	3. हिंदी हस्तलिखित प्रति

- (a) A-1, B-2, C-3 (b) A-2, B-3, C-1
(c) A-2, B-1, C-3 (d) A-3, B-2, C-1 [c]

व्याख्या:-

- ◆ प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा ने अंग्रेज़ी हस्तलिखित प्रति लिखी, नंदलाल बोस एवं उनकी टीम ने संविधान का अलंकरण किया तथा हिंदी प्रति वसंत कृष्ण वैद्य ने लिखी।

27. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. संविधान सभा ने अपने कार्यकाल में विधायी कार्य भी किए।
2. स्वतंत्रता के बाद गवर्नर जनरल संविधान सभा के प्रति उत्तरदायी था।
3. संविधान सभा ने संविधान निर्माण के साथ शासन संचालन से जुड़े विधायी कार्य भी संपादित किए।
4. संविधान सभा केवल संविधान निर्माण तक सीमित थी।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4 [c]

व्याख्या:-

- स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा ने दोहरी भूमिका निभाई। एक ओर उसने संविधान निर्माण का कार्य पूरा किया, वहीं दूसरी ओर अस्थायी संसद के रूप में विधायी कार्य भी किए। वह केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं थी।

28. संविधान सभा की समितियों के संबंध में निम्नलिखित का मिलान कीजिए-

सूची-I (समिति)	सूची-II (अध्यक्ष)
A. संचालन समिति	1. सरदार वल्लभभाई पटेल
B. सलाहकार समिति	2. डॉ. राजेंद्र प्रसाद
C. नियम समिति	3. डॉ. राजेंद्र प्रसाद

- (a) A-1, B-2, C-3 (b) A-2, B-3, C-1
(c) A-3, B-1, C-2 (d) A-2, B-1, C-3 [d]

व्याख्या:-

- संविधान सभा की संचालन समिति तथा नियम समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। सलाहकार समिति आदि के अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल थे।

29. भारतीय संविधान सभा के कार्यों पर समिति का नेतृत्व किसने किया?

Rajasthan Patwar Exam 2025

- (a) जी.वी. मावलंकर (b) बी. पट्टाभि सीतारमैया
(c) जे.एल. नेहरू (d) के.एम. मुंशी [a]

व्याख्या:-

- भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए संविधान सभा द्वारा कई समितियों की स्थापना की गई थी। जी. वी. मावलंकर की अध्यक्षता में संविधान सभा के कार्यों पर समिति की स्थापना की गई थी।

30. संविधान सभा ने अपनी पहली सत्र बैठक आयोजित की थी: जेल प्रहरी - 2025

- (a) 9 नवंबर 1946 को (b) 19 दिसंबर 1946 को
(c) 9 दिसंबर 1946 को (d) 19 नवंबर 1946 को [c]

व्याख्या:-

- भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर, 1946 को हुई थी। इसका गठन कैबिनेट मिशन (1946) योजना के तहत हुआ था और इसके लिए जुलाई 1946 में चुनाव हुए थे।

31. भारत के संविधान का प्रारूप तैयार करने वाली संविधान सभा के सदस्यों को

- (a) ब्रिटिश संसद द्वारा नामित किया गया
(b) विभिन्न प्रान्तों की विधानसभाओं द्वारा चुना गया
(c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा चुना गया
(d) गवर्नर जनरल द्वारा नामित किया गया [b]

व्याख्या:-

- संविधान सभा की पहली बार बैठक नई दिल्ली में 9 दिसंबर 1946 को संविधान कक्ष में हुई, जिसे अब संसद भवन के केंद्रीय कक्ष के रूप में जाना जाता है।
- कैबिनेट मिशन द्वारा अनुशंसित योजना के अनुसार, प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा सदस्यों का चयन किया गया था।

32. संविधान सभा ने बी.आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता में प्रारूप समिति का गठन कब किया?

- (a) 26 अगस्त, 1947 (b) 29 अगस्त, 1947
(c) 22 नवम्बर, 1947 (d) 9 जुलाई, 1946 [b]

व्याख्या:-

- 29 अगस्त 1947 को संविधान सभा ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भारत के लिए संविधान का मसौदा तैयार किया। 30 अगस्त 1947 को अपनी पहली बैठक में, मसौदा समिति ने बी.आर. अम्बेडकर को अपना अध्यक्ष चुना।

33. 26 नवम्बर, 1949 को भारत की संविधान सभा के कितने सदस्यों ने संविधान पर हस्ताक्षर किये?

- (a) 282 (b) 284
(c) 286 (d) 287 [b]

व्याख्या:-

- भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था और सदस्यों ने 24 जनवरी 1950 को अपने हस्ताक्षर किए।
- संविधान सभा के कुल 299 सदस्यों में से 284 सदस्यों ने संविधान की मूल प्रति पर हस्ताक्षर किए।

34. भारत के संविधान सभा में _____ महिला सदस्य शामिल थीं।

- (a) 7 (b) 10
(c) 15 (d) 5 [c]

व्याख्या:-

- भारत की संविधान सभा में कुल 15 महिला सदस्य शामिल थीं।
- 1. दुर्गाभाई देशमुख 2. राजकुमारी अमृत कौर
- 3. हंसा मेहता 4. बेगम एजाज रसूल
- 5. अम्मू स्वामीनाथन 6. सुचेता कृपलानी
- 7. दक्षिणायनी वेलायुधान 8. रेणुका राय
- 9. पूर्णिमा बनर्जी 10. एनी मस्करीन
- 11. कमला चौधरी 12. लीला राय
- 13. मालती चौधरी 14. सरोजनी नायडू
- 15. विजया लक्ष्मी पंडित

35. नीचे दिए गए दो वक्तव्यों को कथन (A) तथा कारण (R) के रूप में पढ़िए-

कथन (A): संविधान सभा को भारतीय संविधान का निर्माता कहा जाता है।

कारण (R): संविधान सभा ने संविधान के प्रत्येक भाग पर विस्तृत चर्चा, संशोधन और मतदान के बाद उसे स्वीकार किया।

- (a) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) तथा (R) दोनों असत्य हैं।
(d) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है। [d]

व्याख्या:-

- संविधान सभा ने संविधान के प्रत्येक अनुच्छेद पर विस्तार से विचार किया, हजारों संशोधनों पर चर्चा की तथा मतदान के बाद अंतिम रूप प्रदान किया। इसी कारण संविधान सभा को भारतीय संविधान का वास्तविक निर्माता माना जाता है।





राजस्थान की राजव्यवस्था

अभ्यास प्रश्न

1. राजस्थान के राज्यपाल से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- (1) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
 - (2) उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
 - (3) उसमें लोक सभा का सदस्य बनने की योग्यता होनी चाहिए।
 - (4) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
- (a) 3 तथा 4 सही हैं। (b) 1, 2 तथा 4 सही हैं।
(c) 1, 2 तथा 3 सही हैं। (d) 2 तथा 3 सही हैं। [b]

व्याख्या:-

राज्यपाल हेतु अर्हताएं/योग्यताएँ-

- ♦ संविधान के अनुच्छेद 157 में राज्यपाल हेतु अर्हताएं निर्धारित दी गई हैं-

 1. उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
 2. वह 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो।

- ♦ राज्यपाल की नियुक्ति से संबंधित दो परम्पराएं भी जुड़ गई यद्यपि दोनों परम्पराओं का कुछ मामलों में उल्लंघन हुआ है-

 1. वह उस राज्य से संबंधित न हो जिस राज्य में नियुक्त किया जा रहा है।
 2. राष्ट्रपति, राज्यपाल की नियुक्ति के मामले में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श करे।

2. किसी राज्य के राज्यपाल (गवर्नर) के संबंध में सही कथन का चयन करें-

1. उनको भारत के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं।
 2. वे राष्ट्रपति की इच्छा अनुसार पद पर रहते हैं।
 3. उनमें राज्य की कार्यकारी शक्तियाँ निहित हैं।
 4. सामान्यतः वे पाँच वर्ष के लिए पद पर रहते हैं।
- (a) 1, 2, 3 सही हैं (b) 1, 2, 4 सही हैं
(c) 2, 3, 4 सही हैं (d) 1, 2 सही हैं [c]

व्याख्या:-

राज्यपाल की पदावधि / कार्यकाल

- ♦ संविधान के अनुच्छेद 156 में राज्यपाल की पदावधि/कार्यकाल का उल्लेख किया गया है।
- ♦ राज्यपाल का कार्यकाल पद ग्रहण से पाँच वर्ष के लिए होता है लेकिन वास्तव में वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है।
- ♦ राष्ट्रपति एक राज्यपाल को उसके बचे हुए कार्यकाल के लिए किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर सकते हैं।
- ♦ राष्ट्रपति, एक राज्यपाल को जिसका कार्यकाल पूरा हो चुका है, को उसी राज्य या अन्य राज्य में दुबारा नियुक्त कर सकता है।
- ♦ एक राज्यपाल पाँच वर्ष के बाद भी पद पर बना रहता है जब तक की उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण न कर ले, ताकि रिक्तता की स्थिति न पैदा हो।
- ♦ राज्यपाल अपना त्याग-पत्र राष्ट्रपति को सम्बोधित करके देता है।
- ♦ अनुच्छेद 160 के तहत राष्ट्रपति को जब लगे की कोई अकस्मात् घटना हो रही है तब वह राज्यपाल के कार्यों के निर्वहन के लिए उपबंध बना सकता है।
- ♦ वर्तमान राज्यपाल के अकस्मात् निधन पर संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को अस्थायी तौर पर राज्यपाल का कार्यभार सौंपा जाता है।

3. निम्नलिखित में से सही सुमेलित युग्म नहीं है?

राज्यपाल का नाम	मुख्यमंत्री का नाम
(a) अंशुमन सिंह	वसुन्धरा राजे
(b) डॉ.सम्पूर्णानंद	मोहनलाल सुखाड़िया
(c) ओ.पी. मेहरा	शिवचरण माथुर
(d) निर्मलचन्द जैन	अशोक गहलोत [a]

व्याख्या:-

- ♦ अंशुमन सिंह ने राजस्थान के राज्यपाल के रूप में वर्ष 1999 से 2003 तक सेवा दी थी, जबकि वसुन्धरा राजे ने पहली बार वर्ष 2003 में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- ♦ अंशुमन सिंह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रथम कार्यकाल में राज्यपाल थे।

4. राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-

1. एस. के. सिंह	2. श्रीमती प्रभा राव
3. निर्मल चंद जैन	4. दरबारा सिंह
(a) केवल 2	(b) 2, 4
(c) 1, 2, 3, 4	(d) केवल 1 [c]

व्याख्या:-

- ♦ राजस्थान के वे राज्यपाल जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ-

दरबारा सिंह

- ♦ श्री दरबारा सिंह (कार्यकाल के दौरान निधन)
- ♦ 01 मई, 1998 से 23 मई, 1998 तक

निर्मल चंद जैन

- ♦ श्री निर्मलचन्द जैन (कार्यकाल के दौरान निधन)
- ♦ 14 मई, 2003 से 22 सितंबर, 2003 तक

शैलेन्द्र कुमार सिंह

- ♦ श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह (कार्यकाल के दौरान निधन) (कार्यवाहक)
- ♦ 06 सितंबर, 2007 से 09 जुलाई, 2009 तक
- ♦ 23 जुलाई, 2009 से 01 दिसंबर, 2009 तक

श्रीमति प्रभा राव

- ♦ 3-12-2009 से 24-01-2010 तक (अतिरिक्त प्रभार),
- ♦ 25-01-2010 से 26-04-2010 तक (कार्यवाहक)
- ♦ पद पर रहते हुये मृत्यु (26-04-2010) हुई थीं।
- ♦ यह तत्कालीन हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल थीं इन्हें राजस्थान के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

5. निम्नांकित में से कौन पद ग्रहण करने से पूर्व राजस्थान के राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ लेता है/लेते हैं?

- (A) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष
- (B) राजस्थान का लोकायुक्त
- (C) राज्य निर्वाचन आयुक्त
- (D) राजस्थान का महाधिवक्ता

सही उत्तर का चयन कीजिए:-

- (a) केवल A (b) केवल A और B
(c) केवल A, B और C (d) A, B, C और D [b]

व्याख्या:-
राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष -

- मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अनुसार, आयोग का अध्यक्ष अपना पद ग्रहण करने से पूर्व राज्यपाल के समक्ष शपथ लेता है।

राजस्थान के लोकायुक्त -

- राजस्थान लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त अधिनियम, 1973 के तहत, लोकायुक्त को भी राज्यपाल के समक्ष पद की शपथ दिलाई जाती है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त -

- यद्यपि इनकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, परंतु राज्यपाल के समक्ष शपथ लेने का कोई स्पष्ट संवैधानिक प्रावधान नहीं है।

राजस्थान के महाधिवक्ता -

- राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है, लेकिन पद ग्रहण से पूर्व शपथ लेने का कोई विधिक उल्लेख नहीं मिलता।

6. राजस्थान के निम्नलिखित में से कौन-से संवैधानिक पदाधिकारी राज्यपाल द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन उन्हें राज्यपाल द्वारा उनके पद से नहीं हटाया जा सकता है?

- महाधिवक्ता
 - राज्य निर्वाचन आयुक्त
 - राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य
- (a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3 [b]

व्याख्या:-
महाधिवक्ता (Advocate General):-

- नियुक्ति** - राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना** - राज्यपाल इस पदाधिकारी को किसी भी समय पद से हटा सकता है या यह स्वयं पदत्याग (राज्यपाल को त्यागपत्र) भी कर सकता है, इसलिए महाधिवक्ता को राज्यपाल द्वारा हटाया जा सकता है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त:-

- नियुक्ति** - राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना** - इसे सिर्फ राष्ट्रपति ही हटा सकता है और वह भी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जैसी प्रक्रिया अपनाकर।

राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य (RPSC Members):

- नियुक्ति:-** राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- पद से हटाना** - उन्हें भी राष्ट्रपति ही विशेष प्रक्रिया के तहत पद से हटा सकता है (जैसे गलत आचरण, अक्षमता आदि)।

7. राजस्थान में अंतिम राष्ट्रपति शासन की अवधि क्या थी?

- (a) 15 दिसम्बर, 1992 से 03 दिसम्बर, 1993
(b) 1 दिसम्बर, 1998 से 04 जनवरी, 1999
(c) 30 अप्रैल, 1977 से 21 जून, 1977
(d) 13 मार्च, 1967 से 26 अप्रैल, 1967 [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान में अब तक कुल **चार बार राष्ट्रपति शासन** लागू किया गया है-

13 मार्च से 26 अप्रैल, 1967 (45 दिन)

- यह पहला राष्ट्रपति शासन था।
- अब तक का सबसे छोटा राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले सरकार गिरने के कारण लगाया गया।
- मुख्यमंत्री - मोहनलाल सुखाड़िया

30 अप्रैल से 21 जून, 1977 (52 दिन)

- यह दूसरा राष्ट्रपति शासन था।

- इससे पहले हरीदेव जोशी की सरकार थी।
- राजनीतिक अस्थिरता के कारण लागू किया गया।
- मुख्यमंत्री - हरिदेव जोशी

17 फरवरी से 5 जून, 1980

- यह तीसरा राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले भैरोसिंह शेखावत की सरकार बर्खास्त की गई।

15 दिसंबर 1992 से 3 दिसंबर, 1993

- यह चौथा और अंतिम राष्ट्रपति शासन था।
- इससे पहले भैरोसिंह शेखावत की सरकार थी।
- करीब एक वर्ष तक चला। (सबसे लंबा)

8. राजस्थान में अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्ति के बारे में निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में राष्ट्रपति को वार्षिक रूप से या जब भी राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है, एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है।
 - राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के संबंध में कोई नियम नहीं बनाते हैं।
 - राज्यपाल जनजाति सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष की नियुक्ति के तरीकों के लिए नियम बनाता है।
 - राज्य का राज्यपाल विनियमन बना सकता है जो ऐसे क्षेत्रों में एस.टी. के सदस्यों द्वारा या उनके बीच भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित और प्रतिबंधित कर सकता है।
- (a) केवल 1 सही है। (b) 1, 2 और 4 सही है।
(c) 1, 3 और 4 सही हैं। (d) 2 और 4 सही हैं। [c]

व्याख्या:-
राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र में राज्यपाल की शक्तियाँ-

- अनुसूचित क्षेत्रों में जनजातीय सलाहकार परिषद्
- भारतीय संविधान की अनुसूची 5 के अंतर्गत अनुच्छेद 244 (a) के अनुसार, जिन राज्यों में अनुसूचित क्षेत्र मौजूद हैं, वहाँ राष्ट्रपति द्वारा जनजातीय सलाहकार परिषद् (Tribal Advisory Council) का गठन किया जाता है।
- यह परिषद् राज्यपाल की सलाह से गठित होती है।
- इसमें कुल 20 सदस्य होते हैं।
- इन 20 में से तीन-चौथाई (¾) सदस्य वे होते हैं, जो जनजातीय क्षेत्रों से विधायक होते हैं।
- यह परिषद् राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों से संबंधित मामलों में सुझाव देने का कार्य करती है।
- राज्यपाल, अनुसूचित क्षेत्रों से जुड़ी वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजता है।
- अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित नियम राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति की सहमति से बनाए, रद्द या संशोधित किए जा सकते हैं।
- राज्यपाल, अनुसूचित क्षेत्रों में ST समुदाय के हितों की रक्षा के लिए यह नियम बना सकता है कि
- ST सदस्यों या उनके बीच भूमि के लेन-देन या हस्तांतरण पर रोक लगाई जा सके।
- किस क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करना है, इसका निर्णय राष्ट्रपति द्वारा लिया जाता है।

9. भारतीय राज्य के राज्यपाल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

- (a) उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
(b) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
(c) वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।
(d) यदि संबंधित राज्य की विधानमंडल उसे हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करती है तो उसे पहले भी हटाया जा सकता है। [d]

व्याख्या:-

- ◆ राज्यपाल को हटाने के कारणों या प्रक्रिया का उल्लेख संविधान में नहीं है।
- ◆ उनकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- ◆ वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है।
- ◆ वह पाँच साल की अवधि के लिए पद पर रहता है।

10. निम्नांकित कथनों में से कौन-सा कथन राजस्थान के राज्यपाल की शक्तियों के बारे में सही है?

- (a) यह विधानसभा भंग नहीं कर सकता।
- (b) यह अध्यादेश जारी नहीं कर सकता।
- (c) यह विधानसभा में सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता।
- (d) यह राज्य लोक सेवा आयोग को बर्खास्त नहीं कर सकता। [d]

व्याख्या:-

- ◆ राज्यपाल, राज्य विधानसभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित कर सकता है।
- ◆ अध्यादेश राज्यपाल के द्वारा निर्मित विधि होती है। इसका उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 213 में किया गया है।
- ◆ राज्य विधानपरिषद् के कुल सदस्यों के छठे भाग को वह नामित कर सकता है, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा का ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव हो।
- ◆ राज्यपाल राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति करता है, लेकिन हटाने का अधिकार केवल राष्ट्रपति को है।

11. कौन-कौन-से कार्य राज्यपाल द्वारा किए जाते हैं?

1. विधानसभा का सत्रावसान करना
2. विधानसभा भंग करना
3. विधानसभा की बैठक स्थगित करना
4. विधानसभा का अधिवेशन आहूत करना

सही उत्तर का चयन कीजिए

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) केवल 1, 2 और 4 [d]

व्याख्या:-

- ◆ अनुच्छेद- 174 - राज्यपाल राज्य विधानमंडल का सत्रावसान, सत्राहूत तथा विधानसभा को भंग/ विघटित कर सकता है।
- ◆ विधानसभा का सत्रावसान (सत्र समाप्त) राज्यपाल करता है लेकिन विधानसभा की बैठक स्थगित विधानसभा का अध्यक्ष करता है।

राज्यपाल की विधायी शक्तियां-

- ◆ राज्यपाल, राज्य विधानसभा का अभिन्न अंग होता है, इसे निम्नलिखित विधायी शक्तियां प्राप्त होती हैं-
- ◆ वह राज्य विधानसभा के सत्र को आहूत या सत्रावसान और विघटित कर सकता है।
- ◆ वह विधानमंडल के प्रत्येक चुनाव के पश्चात् पहले एवं प्रतिवर्ष पहले सत्र को सम्बोधित कर सकता है।
- ◆ वह विधानमण्डल के सदनों को विचाराधीन विधेयकों या अन्य मसले पर सन्देश भेज सकता है।
- ◆ जब विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद खाली हो तो वह विधानसभा के किसी सदस्य को सदन की अध्यक्षता सौंप सकता है।
- ◆ राज्य विधानपरिषद् के कुल सदस्यों के छठे भाग को वह नामित कर सकता है, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा का ज्ञान व व्यवहारिक अनुभव हो।
- ◆ विधानसभा सदस्य की निरर्हता के पर निर्वाचन आयोग से विमर्श करने के बाद इसका निर्णय करता है।

- ◆ जब राज्य विधानमंडल का सत्र न चल रहा हो तो वह औपचारिक रूप से अध्यादेश की घोषणा कर सकता है एवं वह किसी भी समय अध्यादेश को समाप्त भी कर सकता है।
- ◆ वह राज्य के लेखों से संबंधित राज्य वित्त आयोग, राज्य लोकसेवा आयोग, नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को राज्य विधानसभा के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

नोट- राज्य विधानसभा को स्थगित करने की शक्ति विधानसभा अध्यक्ष के पास होती है।

12. नवीन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत अब राजस्थान के राज्यपाल को निम्नलिखित अभिवादन से सम्बोधित किया जाता है-

- (a) "Honourable" अंग्रेजी में तथा "माननीय राज्यपाल" अथवा राज्यपाल महोदय" हिन्दी में
- (b) "The most honourable" अंग्रेजी में तथा "अति सम्माननीय" हिन्दी में
- (c) "His / Her Excellency" अंग्रेजी में तथा "महामहिम" हिन्दी में
- (d) "His / Her Royal Highness" अंग्रेजी तथा "महाराजाधिराज / महारानीधिराज" हिन्दी में [a]

व्याख्या:-

- ◆ नवीन प्रोटोकॉल के अनुसार अब राज्यपाल को "Honourable" कहकर संबोधित किया जाता है, जबकि हिंदी में उन्हें "माननीय राज्यपाल" अथवा "राज्यपाल महोदय" के रूप में अभिवादन किया जाता है।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में असत्य है?

- (a) राज्यपाल की स्वविवेकीय शक्तियों के लिए निर्णयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।
- (b) राज्यपाल को मृत्युदण्ड के दण्डादेश के विरुद्ध क्षमादान की शक्ति प्राप्त नहीं है।
- (c) राज्यपाल को प्रशासनिक सहायता प्रदान करने के लिये राज्यपाल सचिवालय कार्यरत है।
- (d) राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा का अधिकारी होता है। [d]

व्याख्या:-

- ◆ राज्यपाल सचिवालय का प्रमुख राज्यपाल का सचिव होता है जो कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) रैंक का अधिकारी होता है।
- ◆ मृत्युदण्ड पर क्षमादान की शक्ति केवल राष्ट्रपति के पास होती है (अनुच्छेद 72), राज्यपाल को यह शक्ति प्राप्त नहीं होती है।
- ◆ राज्यपाल की स्वविवेकाधीन शक्तियों (Discretionary Powers) को अक्सर न्यायिक समीक्षा से छूट प्राप्त होती है, विशेषतः यदि वे संविधान के अनुरूप हों।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

- (a) कुछ मामलों में दण्डादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राज्यपाल की शक्ति - अनुच्छेद 161
- (b) राज्यपाल राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति करें - अनुच्छेद 165
- (c) राज्यपाल राज्य-विधानमण्डल के सदन को आहूत करेंगे - अनुच्छेद - 174
- (d) विधानमण्डल विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति- अनुच्छेद 123 [d]

व्याख्या:-

अनुच्छेद	विवरण
153	राज्यों के राज्यपाल
154	राज्य की कार्यकारी शक्ति
155	राज्यपाल की नियुक्ति
156	राज्यपाल के पद की पदावधि
157	राज्यपाल के रूप में नियुक्ति के लिए योग्यताएँ
158	राज्यपाल कार्यालय की शर्तें
159	राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
160	कतिपय आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन
161	क्षमा आदि देने की राज्यपाल की शक्ति
162	राज्य की कार्यकारी शक्ति का विस्तार
163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद्
164	मंत्रियों से संबंधित अन्य प्रावधान जैसे नियुक्तियाँ, कार्यकाल, वेतन और अन्य
165	राज्य के महाधिवक्ता
166	किसी राज्य की सरकार के कामकाज का संचालन
167	राज्यपाल को सूचना प्रस्तुत करने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्य
174	राज्य विधानमंडल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
175	राज्य विधानमण्डल के सदनों को सम्बोधित करने और संदेश भेजने के राज्यपाल के अधिकार।
176	राज्य विधानमण्डल के सदनों में राज्यपाल व विशेष अभिभाषण।
200	विधेयकों पर सहमति (अर्थात् राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति)
201	राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार हेतु आरक्षित विधेयक
213	अध्यादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति
217	उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल से परामर्श किया जाना।
233	राज्यपाल द्वारा जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति
234	राज्यपाल द्वारा राज्य की न्यायिक सेवा में व्यक्तियों (जिला न्यायाधीशों के अलावा) की नियुक्ति।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कौन-सा विकल्प सही हैं?

- राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है।
 - राष्ट्रपति, राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को सदन को लौटा दे।
- (a) कथन 1 सही है।
(b) कथन 2 सही है।
(c) 1 एवं 2 दोनों सही हैं।
(d) 1 एवं 2 दोनों गलत हैं।

[c]
व्याख्या:-

- राज्यपाल यह घोषित करेगा कि वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है। (अनुच्छेद 200) यह कथन सही है।
- जब राज्यपाल द्वारा कोई विधेयक राष्ट्रपति के समक्ष आरक्षित रखा जाता है, तो राष्ट्रपति यह कर सकता है-
 - विधेयक को स्वीकृति दे सकता है।
 - स्वीकृति देने से मना कर सकता है, या
 - राज्यपाल को निर्देश दे सकता है कि वह विधेयक को सदन को वापस लौटा दे। (अनुच्छेद-201)

16. राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- वह राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं।
- वह राज्य के किसी भी लाभ के पद को धारण कर सकते हैं।
- वह इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान राज्य शाखा के अध्यक्ष हैं।
- उन्हें संविधान के अन्तर्गत कोई स्व-विवेकीय शक्ति प्राप्त नहीं है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

- (a) A, B, C और D (b) B, C और D
(c) केवल C (d) B और C दोनों **[c]**

व्याख्या:-

- भारत में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का पद राष्ट्रपति को प्राप्त होता है।

राज्यपाल-

- राज्य सैनिक बोर्ड का अध्यक्ष
- पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र का अध्यक्ष
- स्काउट & गाइड का संरक्षक
- भूतपूर्व सैनिकों के हित-लाभों के लिए बनाई गई समेकित निधि की प्रबन्धन समिति का अध्यक्ष
- राजस्थान रेडक्रॉस सोसाइटी ब्रांच का अध्यक्ष
- राजस्थान के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति

17. किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुनः स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया; अब-

- जहाँ राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।
- यदि राज्यपाल या राष्ट्रपति अनुमति दे तो न्यायालय संवैधानिक उपबन्धों के आधार पर उसे असंवैधानिक घोषित कर देगा।
- राज्यपाल ऐसे विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के लिए भेज देगा।
- राज्यपाल संवैधानिक प्रावधानों के अतिक्रमण के आधार पर अनुमति देने से इंकार कर सकता है।

[a]
व्याख्या:-

- किसी विधेयक पर संवैधानिक उपबन्ध के तहत राज्यपाल की सिफारिश अपेक्षित थी, किन्तु बिना राज्यपाल की सिफारिश उसे राजस्थान विधानसभा में पुनः स्थापित किया गया और उसने पारित करके राज्यपाल को भेज दिया; अब राज्यपाल अनुमति देता है तो वह अधिनियम अविधिमान्य नहीं होगा।

18. नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I: राज्यपाल केवल उन्हीं व्यक्तियों को मंत्री नियुक्त करता है जिनकी सिफारिश मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है।

कथन II: मुख्यमंत्री मंत्रियों के बीच विभागों का आवंटन और फेरबदल करते हैं।

- कथन I और कथन II दोनों सही हैं
- कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
- कथन I सही है लेकिन कथन II गलत है
- कथन I गलत है लेकिन कथन II सही है

[a]
व्याख्या:-

- कथन I और कथन II दोनों सही हैं।
- राज्यपाल मंत्रियों की नियुक्ति करता है, लेकिन यह नियुक्ति मुख्यमंत्री की सिफारिश पर की जाती है। मुख्यमंत्री अपनी पसंद के अनुसार मंत्रियों का चयन करता है और राज्यपाल को उनके नामों की अनुशंसा करता है।
- मुख्यमंत्री मंत्रियों को विभिन्न विभागों का प्रभार सौंपता है। वह किसी भी समय विभागों के कार्यभार में फेरबदल कर सकता है और मंत्रियों को उनके दायित्वों में परिवर्तन करने का अधिकार रखता है।

19. निम्नलिखित में से कौन राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं?

- (a) सरदार जोगेन्द्र सिंह
(b) सरदार हुकुम सिंह
(c) फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ
(d) एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा

[c]
व्याख्या:-

- ◆ फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ राजस्थान के राज्यपाल नहीं रहे हैं।

सरदार जोगेन्द्र सिंह (त्यागपत्र)	1972 से 1977
सरदार हुकुम सिंह	1970 से 1972
एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा	1982 से 1985

20. राजभव, राजस्थान में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल किस राज्यपाल के कार्यकाल के दौरान प्रारंभ किया गया?

- (a) अंशुमन सिंह (b) प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
(c) कलराज मिश्र (d) कल्याण सिंह

[c]
व्याख्या:-

- ◆ राजस्थान राजभवन में 'इन्फॉर्मास' पोर्टल की शुरुआत राज्यपाल कलराज मिश्र के कार्यकाल में की गई थी।
◆ इस पोर्टल का उद्देश्य राजभवन की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और सूचना तकनीक पर आधारित बनाना है।

21. निम्न कथनों पर विचार कीजिए -

- गवर्नर रिलीफ फण्ड का गठन 14 मार्च 1973 को किया गया।
 - यह कोष केवल प्राकृतिक आपदाओं के लिए सीमित है।
 - इस कोष से व्यय राज्यपाल की अनुमति से किया जाता है।
 - इस कोष का उपयोग महामारी के समय भी किया जा सकता है।
- (a) 1, 3 और 4 सही (b) केवल 1 और 2 सही
(c) 1 और 4 सही (d) 1, 2, 3 और 4 सही

[a]
व्याख्या:-

- ◆ गवर्नर रिलीफ फण्ड विनियम 1973- समस्त वैधानिक/प्रशासनिक प्रयोजनार्थ इस कोष का गठन 14 मार्च 1973 को किया गया।

फण्ड का उद्देश्य-

- अकाल एवं अभावग्रस्त क्षेत्रों में सहायता
- प्राकृतिक आपदाओं यथा अग्नि, बाढ़ एवं दुर्घटना में सहायता
- प्रदेश में महामारी, अतिवृष्टि, टिड्डी, ओलावृष्टि तथा अन्य आपदा क्षेत्रों में फसल नुकसान, औषधि एवं उपकरणों हेतु सहायता
- माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा अन्य जो भी कारण उचित समझे, जहां तात्कालिक आवश्यकता हो

22. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

- हरिभाऊ किसनराव बागडे का जन्म एक कृषक परिवार में हुआ।
 - वे प्रारंभ से ही सहकारिता आंदोलन से जुड़े रहे।
 - उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र राजनीति से की।
 - वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से जुड़े रहे।
- (a) 1, 2 और 4 सही (b) 1 और 3 सही
(c) 2 और 3 सही (d) 1, 2, 3 और 4 सही

[a]
व्याख्या:-

- ◆ माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी का जन्म कृषक परिवार में हुआ। समाज सेवाएँ कृषि एवं डेयरी क्षेत्र में आपका गहन अध्ययन ही नहीं है बल्कि आपने इन क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया है।

- ◆ माननीय राज्यपाल महोदय की ग्रामीण विकास में गहरी रुचि है। कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर आपने कार्य किया है।
◆ महाराष्ट्र में आपकी पहल पर एक बड़ी पहल यह भी हुई है कि वहां सहकारिता आंदोलन को आपने गति दी। किसानों को दूध से संबंधित व्यापार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके दूध विपणन को आपने निरंतर बढ़ावा दिया है। गन्ना किसानों के लिए आपने बहुत महती कार्य करते हुए उन्हें उनकी फसल का उचित लाभ प्रदान करने के लिए बाकायदा गन्ना कारखाने स्थापित किए।
◆ औरंगाबाद छत्रपती संभाजीनगर और जालना जिलों में अकाल उन्मूलन के उद्देश्य से गठित आरएसएस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष आप रहे। आपका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से ही जुड़ाव हो गया था। पत्रकारिता के अंतर्गत साप्ताहिक पत्रिका विवेकश के प्रतिनिधि के रूप में भी आपने कार्य किया।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

- राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया कनाडा से ली गई है।
 - राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा निर्वाचित करता है।
- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 व 2 दोनों (d) न तो 1 व न ही 2

[a]
व्याख्या:-

- ◆ राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया कनाडा से ली गई है।
◆ राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करता है।

24. राज्यपाल को, राज्य विधानमण्डल द्वारा महाभियोग प्रक्रिया से हटाया जाना चाहिए, यह सुझाव किसने दिया?

- (a) प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग (b) राजमन्मार समिति
(c) सरकारिया आयोग (d) पुंछी आयोग

[d]
व्याख्या:-

- ◆ **पुंछी आयोग**, जिसने केंद्र-राज्य संबंधों की समीक्षा की, ने सुझाव दिया था कि राज्यपाल को हटाने के लिए "राष्ट्रपति की इच्छा के सिद्धांत" को समाप्त किया जाना चाहिए। आयोग ने सिफारिश की कि राज्यपालों को भी राष्ट्रपति के समान ही राज्य विधानमंडल द्वारा महाभियोग की प्रक्रिया के माध्यम से हटाया जाना चाहिए।

25. राज्यपाल की उपलब्धियों, भत्तों में उनकी पदावधि के दौरान अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इसका उल्लेख किस अनुच्छेद में है ?

- (a) अनुच्छेद - 158 (1) (b) अनुच्छेद - 158 (2)
(c) अनुच्छेद - 158 (3) (d) अनुच्छेद - 158 (4)

[d]
व्याख्या:-

- ◆ राज्यपाल की उपलब्धियों और भत्तों में उनकी पदावधि के दौरान अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा, इसका उल्लेख भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 158 (4)** में किया गया है।

26. राजस्थान के निम्नलिखित राज्यपालों के नामों को उनके कार्यकाल के क्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए -

- (I) ओ.पी. मेहरा (II) सुखदेव प्रसाद
(III) रघुकुल तिलक (IV) वसन्तराव पाटिल
(a) (II), (I), (III), (IV)
(b) (III), (II), (I), (IV)
(c) (I), (II), (III), (IV)
(d) (III), (I), (IV), (II)

[d]

व्याख्या:-
रघुकुल तिलक

- ◆ 12 मई, 1977 से 8 अगस्त, 1981
- ◆ राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे।
- ◆ प्रथम राज्यपाल जिन्हें बर्खास्त किया गया।
- ◆ तीसरे राष्ट्रपति शासन (1980) के समय राज्य के गवर्नर।
- ◆ रेलवे सेवा चयन आयोग के भूतपूर्व अध्यक्ष थे।

एयर चीफ मार्शल ओ.पी. मेहरा

- ◆ 6 मार्च, 1982 से 4 जन. 1985
- ◆ चीफ ऑफ एयर स्टॉफ रहे।
- ◆ हिन्दुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड के अध्यक्ष रहे।
- ◆ इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन के 5वें अध्यक्ष रहे।
- ◆ ड्रग्स कप एसोसिएशन के आजीवन अध्यक्ष
- ◆ पुस्तक- मेमोरीज स्वीट एंड सौरा

वसंत राव पाटिल

- ◆ 15 अक्टूबर 1987 से 19 फरवरी, 1988
- ◆ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे।
- ◆ 1967 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।
- ◆ राष्ट्रीय सहकारी चीनी मिल संघ के अध्यक्ष।

सुखदेव प्रसाद

- ◆ 20 फरवरी, 1988 से 2 फरवरी, 1989
- ◆ राज्यसभा सांसद रहे।
- ◆ केन्द्रीय मंत्री मण्डल में स्टील एवं माइन्स विभाग के उपमंत्री

27. निम्न में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

- (a) अनुच्छेद 155- राज्यपाल की नियुक्ति
(b) अनुच्छेद 156 - राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताएँ
(c) अनुच्छेद 158 - राज्यपाल के पद के लिए शर्तें
(d) अनुच्छेद 159 - राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान [b]

व्याख्या:-

- ◆ **अनुच्छेद 153** - राज्यपाल का पद
- ◆ **अनुच्छेद 155**- राज्यपाल की नियुक्ति
- ◆ **अनुच्छेद 156**- राज्यपाल की पदावधि/ कार्यकाल
- ◆ **अनुच्छेद 158** - राज्यपाल पद की सेवा शर्तें
- ◆ **अनुच्छेद 157**- राज्यपाल पद हेतु अर्हताएँ/ योग्यताएँ
- ◆ **अनुच्छेद 159** - राज्यपाल द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान

28. राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के विषय में कौन-सा कथन सही है?

- (a) वे 2014-2019 तक 16वीं लोकसभा के सदस्य थे।
(b) वे दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे थे।
(c) वे 2009-2011 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे थे।
(d) वे 22.07.2019 से 09.09.2019 तक मध्य प्रदेश के राज्यपाल रहे थे। [a]

व्याख्या:-

- ◆ श्री कलराज मिश्र एक वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ हैं, जिनका जन्म 1 जुलाई 1941 को हुआ था।
- ◆ वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े रहे हैं और लंबे समय से सक्रिय राजनीति में हैं।
- ◆ उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत उत्तर प्रदेश की राजनीति से हुई, जहाँ वे 7 जुलाई 1986 से 7 जून 2001 तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे।
- ◆ इसके बाद वे राज्यसभा के सदस्य बने और तीन बार (1978, 2001, और 2006) राज्यसभा में सेवा दी।
- ◆ श्री कलराज मिश्र 16वीं लोकसभा (2014-2019) के दौरान लोकसभा सांसद भी रहे।

- ◆ उन्होंने 16 मई 2014 से 23 मई 2019 तक लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया।
- ◆ श्री मिश्र को राज्यपाल नियुक्त किया गया। वे पहले हिमाचल प्रदेश के 19वें राज्यपाल बने और 22 जुलाई 2019 से 8 सितंबर 2019 तक इस पद पर रहे। तत्पश्चात, उन्हें राजस्थान का 23वां राज्यपाल नियुक्त किया गया और उन्होंने 9 सितंबर 2019 को पदभार ग्रहण किया।

29. राजस्थान के राज्यपाल के संबंध में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) गुरुमुख निहाल सिंह को 1 नवम्बर, 1956 को राजस्थान का पहला राज्यपाल नियुक्त किया गया।
(b) हरिभाऊ किसनराव बागडे ने 31 जुलाई, 2024 को राजस्थान के राज्यपाल का पदभार संभाला।
(c) राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा के आधार पर राजप्रमुख के पद को समाप्त कर दिया गया।
(d) 7वें संविधान संशोधन से राजप्रमुख का पद समाप्त किया गया। [a]

व्याख्या:-

- ◆ 25 अक्टूबर, 1956 को गुरुमुख निहालसिंह को राजस्थान का पहला राज्यपाल नियुक्त किया गया था।

30. भारत के संविधान में राज्यपाल की शक्तियों से सम्बन्धित अनुच्छेदों के सन्दर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए -

राज्यपाल की शक्ति	अनुच्छेद
(I) क्षमा दान की राज्यपाल की शक्ति	अनुच्छेद 162
(II) अध्यादेश प्रख्यापित करने की शक्ति	अनुच्छेद 214
(III) विधेयकों पर अनुमति	अनुच्छेद 200
(IV) राज्य के विधानमण्डल के सत्र, सत्रावसान और विघटन	अनुच्छेद 174

- (a) (I), (II) एवं (III) सही हैं। (b) (I), (II), (III) एवं (IV) सही हैं।
(c) (I) एवं (II) सही हैं। (d) (III) एवं (IV) सही हैं। [d]

व्याख्या:-

- (I) क्षमा दान की राज्यपाल की शक्ति - अनुच्छेद 161
(II) अध्यादेश प्रख्यापित करने की शक्ति - अनुच्छेद 213
(III) विधेयकों पर अनुमति/विधेयकों पर सहमति (अर्थात् राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति) - अनुच्छेद 200
(IV) राज्य के विधानमण्डल के सत्र, सत्रावसान और विघटन - अनुच्छेद 174

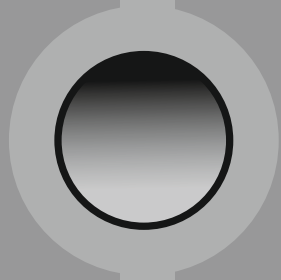
31. राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

- (a) वे महाराष्ट्र विधानसभा के छह बार विधायक रह चुके हैं।
(b) इन्हें 2014 में महाराष्ट्र विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।
(c) वे महाराष्ट्र सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रह चुके हैं।
(d) उन्होंने 30 जून, 2024 को राजस्थान के राज्यपाल का पदभार ग्रहण किया। [d]

व्याख्या:-
हरिभाऊ किशनराव वागडे- 31 जुलाई, 2024 से वर्तमान तक

- ◆ (व्यक्तिगत क्रमानुसार- 22वें पदानुसार - 45वें)
- ◆ उपनाम - नाना।
- ◆ नियुक्ति - 27 जुलाई, 2024
- ◆ औरंगाबाद के फुलब्री विधानसभा से से 5 बार विधायक रहे हैं।
- ◆ इससे पहले हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल (22 जुलाई से 18 सितम्बर 2019) रह चुके हैं।
- ◆ 2014-2019 तक महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष रहे।





विश्व का भूगोल

विगत वर्षों के प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

[REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

- (a) अर्सा मेजर या बिग बीयर एक नक्षत्रमंडल है।
 (b) बड़े आकार वाले गर्म खगोलीय पिंड जो गैसों से बने होते हैं, स्वयं की ऊर्जा व प्रकाश रखते हैं, वे तारे कहलाते हैं।
 (c) बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून आंतरिक ग्रह हैं।
 (d) पृथ्वी के आकार को 'भू-आभ' कहा जाता है।

[c]

व्याख्या:-

- सौरमण्डल के ग्रहों को आंतरिक ग्रह एवं बाह्य ग्रह में विभाजित किया जाता है। बुध, शुक्र, पृथ्वी तथा मंगल आंतरिक ग्रह हैं क्योंकि ये क्षुद्रग्रह घेरे के भीतर स्थित हैं।
- बृहस्पति, शनि, यूरेनस एवं नेपच्यून क्षुद्रग्रह घेरे के बाहर स्थित होने के कारण बाह्य ग्रह कहलाते हैं। ये आकार में बड़े तथा मुख्यतः गैसीय ग्रह हैं। अर्सा मेजर अथवा बिग बीयर उत्तरी आकाश का एक प्रसिद्ध नक्षत्रमण्डल है, जिसमें सप्तर्षि मंडल भी शामिल है।
- पृथ्वी पूर्णतः गोल नहीं है। ध्रुवों पर कुछ चपटी तथा विषुवत रेखा पर उभरी हुई है, इसलिए इसके वास्तविक आकार को भू-आभ कहा जाता है।

2. निम्नलिखित में से कौन सा आंतरिक ग्रहों का एक समूह है?

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) बुध, शुक्र, पृथ्वी, बृहस्पति
 (b) शुक्र, पृथ्वी, बुध, मंगल
 (c) पृथ्वी, मंगल, शुक्र, बृहस्पति
 (d) पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि

[b]

व्याख्या:-

- सूर्य के निकट स्थित बुध, शुक्र, पृथ्वी तथा मंगल को आंतरिक ग्रह अथवा पार्थिव ग्रह कहा जाता है।
- ये ग्रह मुख्यतः चट्टानों एवं धातुओं से निर्मित हैं तथा इनकी सतह ठोस होती है। आंतरिक ग्रहों और बाह्य ग्रहों के बीच क्षुद्रग्रह घेरा स्थित है।
- इन ग्रहों का आकार अपेक्षाकृत छोटा तथा घनत्व अधिक होता है।
- पृथ्वी आंतरिक ग्रहों में एकमात्र ऐसा ग्रह है जहाँ जीवन पाया जाता है।

3. निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?

[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) पृथ्वी को नीला ग्रह भी कहा जाता है।
 (b) बुध, सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण 88 दिनों में पूरा करता है।
 (c) शनि एक आंतरिक ग्रह है।
 (d) शुक्र को पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह माना जाता है।

[c]

व्याख्या:-

- सूर्य से दूरी के आधार पर ग्रहों को दो वर्गों में बाँटा जाता है-
- आंतरिक ग्रह :- बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल
- बाह्य ग्रह :- बृहस्पति, शनि, अरुण, वरुण
- पृथ्वी को नीला ग्रह कहा जाता है क्योंकि इसकी सतह का लगभग 71% भाग जल से ढका हुआ है।
- शुक्र का आकार, घनत्व एवं संरचना पृथ्वी से मिलती-जुलती है, इसलिए इसे "पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह" कहा जाता है।
- बुध सूर्य के सबसे निकट स्थित ग्रह है तथा मात्र 88 दिनों में सूर्य की परिक्रमा पूरी करता है। शनि सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है तथा अपने सुंदर वलयों के लिए प्रसिद्ध है।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- सौर-मण्डल का केंद्र सूर्य है।
- सूर्य सौर-मण्डल के कुल द्रव्यमान का लगभग 99 प्रतिशत से अधिक भाग रखता है।
- पृथ्वी सहित सभी ग्रह सूर्य के चारों ओर दीर्घवृत्ताकार कक्षा में परिक्रमा करते हैं।
- सभी ग्रहों की परिक्रमा अवधि समान होती है।
- सूर्य एक तारा है जो स्वयं प्रकाश एवं ऊर्जा उत्पन्न करता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सत्य हैं?

- (a) केवल 1, 2, 3, 5 (b) केवल 1, 3, 4
 (c) केवल 2, 4, 5 (d) केवल 1, 2, 3

[a]

व्याख्या:-

- सौर-मण्डल का केंद्र सूर्य है, जो अपने विशाल गुरुत्वाकर्षण के कारण सभी ग्रहों को नियंत्रित करता है। सूर्य सौरमण्डल के अधिकांश द्रव्यमान का स्वामी है और स्वयं प्रकाश एवं ऊर्जा उत्पन्न करता है। ग्रह सूर्य की दीर्घवृत्ताकार कक्षाओं में परिक्रमा करते हैं, लेकिन उनकी परिक्रमा अवधि अलग-अलग होती है। सौर-मण्डल में ग्रहों के अतिरिक्त उपग्रह, क्षुद्रग्रह, धूमकेतु तथा अन्य पिंड भी सम्मिलित हैं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- बुध सूर्य के सबसे निकट स्थित ग्रह है।
- शुक्र को पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह कहा जाता है।
- मंगल ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है।
- बृहस्पति सौर-मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है।
- शनि ग्रह के चारों ओर वलय पाए जाते हैं।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 एवं 3
 (b) केवल 2, 3, 4 एवं 5
 (c) केवल 1, 2, 3, 4 एवं 5
 (d) केवल 1, 3 एवं 5

[c]

व्याख्या:-

- बुध सूर्य के सबसे निकट और सबसे छोटा ग्रह है। शुक्र का आकार एवं संरचना पृथ्वी के समान होने के कारण इसे पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह कहा जाता है।
- मंगल की सतह पर लौह ऑक्साइड की अधिकता के कारण इसे लाल ग्रह कहते हैं।
- बृहस्पति सबसे बड़ा ग्रह है तथा शनि अपने स्पष्ट वलयों के लिए प्रसिद्ध है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. ग्रहों की अपनी कोई प्रकाश उत्पन्न करने की क्षमता नहीं होती।
2. ग्रह सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके चमकते हैं।
3. सूर्य एक ग्रह है जो पृथ्वी को प्रकाश देता है।
4. चंद्रमा पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सत्य हैं?

- (a) केवल 1 एवं 3 (b) केवल 1, 2 एवं 4
(c) केवल 2 एवं 3 (d) केवल 1, 3 एवं 4 **[b]**

व्याख्या:-

- ◆ ग्रह स्वयं प्रकाश उत्पन्न नहीं करते, बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करके दिखाई देते हैं। सूर्य एक तारा है। चंद्रमा पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है, जो पृथ्वी की परिक्रमा करता है।

4. निम्नलिखित में से सत्य एवं असत्य कथनों के आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए-

1. पृथ्वी को नीला ग्रह कहा जाता है।
 2. पृथ्वी पर जीवन के लिए जल, वायुमण्डल एवं उपयुक्त तापमान उपलब्ध है।
- (a) दोनों कथन सत्य हैं।
(b) कथन 1 सत्य है, कथन 2 असत्य है।
(c) कथन 1 असत्य है, कथन 2 सत्य है।
(d) दोनों कथन असत्य हैं। **[a]**

व्याख्या:-

- ◆ पृथ्वी की सतह का लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से ढका होने के कारण इसे **नीला ग्रह** कहा जाता है।
- ◆ पृथ्वी पर जीवन की उपस्थिति के प्रमुख कारणों में तरल जल, उपयुक्त तापमान, वायुमण्डल में आवश्यक गैसों तथा सूर्य से उचित दूरी शामिल हैं।

5. निम्नलिखित सूची I का मिलान सूची-II से कीजिए-

सूची-I	सूची-II
A. बुध	1. लाल ग्रह
B. शुक्र	2. सूर्य के सबसे निकट ग्रह
C. पृथ्वी	3. नीला ग्रह
D. मंगल	4. पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह

- (a) A-2, B-4, C-3, D-1 (b) A-3, B-2, C-1, D-4
(c) A-4, B-1, C-2, D-3 (d) A-1, B-3, C-4, D-2 **[a]**

व्याख्या:-

- ◆ बुध सूर्य के सबसे निकट स्थित ग्रह है।
- ◆ शुक्र का आकार एवं संरचना पृथ्वी के समान होने के कारण इसे **पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह** कहा जाता है।
- ◆ पृथ्वी को जल की अधिकता के कारण नीला ग्रह कहा जाता है तथा मंगल की सतह पर लौह ऑक्साइड की उपस्थिति के कारण इसे लाल ग्रह कहते हैं।

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. ग्रहों की गति के नियम केपलर ने प्रतिपादित किए थे।
2. केपलर के अनुसार ग्रह सूर्य के चारों ओर दीर्घवृत्ताकार कक्षाओं में परिक्रमा करते हैं।
3. सूर्य प्रत्येक ग्रह की कक्षा के केंद्र में स्थित होता है।
4. ग्रह सूर्य के निकट होने पर अधिक तेज गति से चलते हैं।
5. पृथ्वी की कक्षा भी पूर्णतः वृत्ताकार है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 एवं 4 (b) केवल 1, 3 एवं 5
(c) केवल 2, 4 एवं 5 (d) केवल 1, 2, 3 एवं 4 **[a]**

व्याख्या:-

- ◆ केपलर ने ग्रहों की गति के तीन नियम दिए थे। उनके अनुसार ग्रह सूर्य के चारों ओर दीर्घवृत्ताकार कक्षा में परिक्रमा करते हैं तथा सूर्य दीर्घवृत्त के एक फोकस पर स्थित होता है।
- ◆ ग्रह सूर्य के निकट आने पर अधिक तेज गति से चलते हैं। पृथ्वी की कक्षा पूर्ण वृत्ताकार न होकर थोड़ी अण्डाकार होती है।

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. आंतरिक ग्रहों में बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल शामिल हैं।
2. आंतरिक ग्रहों को स्थलीय ग्रह भी कहा जाता है।
3. बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण बाहरी ग्रह हैं।
4. बाहरी ग्रह मुख्यतः गैसों से निर्मित विशाल ग्रह हैं।
5. सभी बाहरी ग्रहों के कोई उपग्रह नहीं होते।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

- (a) केवल 1, 2 एवं 3 (b) केवल 1, 2, 3 एवं 4
(c) केवल 2, 4 एवं 5 (d) केवल 1, 3 एवं 5 **[b]**

व्याख्या:-

- ◆ सूर्य से दूरी के आधार पर ग्रहों को आंतरिक एवं बाहरी ग्रहों में बाँटा जाता है।
- ◆ बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल आंतरिक या स्थलीय ग्रह हैं, जिनकी सतह ठोस होती है। बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण बाहरी ग्रह हैं, जो विशाल गैसीय ग्रह हैं।

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. क्षुद्रग्रह मुख्यतः मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच पाए जाते हैं।
2. क्षुद्रग्रह छोटे पथरीले खगोलीय पिंड होते हैं।
3. धूमकेतु बर्फ, धूल एवं गैसों से बने होते हैं।
4. धूमकेतु सूर्य के निकट आने पर चमकीली पूँछ बनाते हैं।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 एवं 2 (b) केवल 2, 3 एवं 4
(c) केवल 1, 2, 3 एवं 4 (d) केवल 1, 3 एवं 4 **[c]**

व्याख्या:-

- ◆ क्षुद्रग्रह मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित क्षुद्रग्रह घेरे में पाए जाते हैं। ये मुख्यतः चट्टानी एवं धात्विक पदार्थों से बने छोटे पिंड होते हैं। धूमकेतु बर्फ, धूल और गैसों से निर्मित होते हैं तथा सूर्य के निकट आने पर गर्मी के कारण इनसे गैस एवं धूल निकलती है, जिससे चमकीली पूँछ दिखाई देती है।

9. निम्नलिखित कथन एवं कारण पर विचार कीजिए।

कथन (Assertion) : बृहस्पति को सौर-मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह कहा जाता है।

कारण (Reason) : बृहस्पति का द्रव्यमान सौर-मण्डल के अन्य सभी ग्रहों के कुल द्रव्यमान से भी अधिक है।

- (a) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
(c) कथन सत्य है, परन्तु कारण असत्य है।
(d) कथन एवं कारण दोनों असत्य हैं। **[a]**

व्याख्या:-

- ◆ बृहस्पति सौर-मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है। इसका विशाल आकार और अत्यधिक द्रव्यमान इसे अन्य ग्रहों से अलग बनाता है। इसका द्रव्यमान इतना अधिक है कि यह सौर-मण्डल के सभी अन्य ग्रहों के संयुक्त द्रव्यमान से भी अधिक है।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (a) शनि ग्रह अपने वलयों के लिए प्रसिद्ध है।
- (b) मंगल ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है।
- (c) शुक्र ग्रह सौर-मण्डल का सबसे ठंडा ग्रह है।
- (d) वरुण सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह है।

[c]
व्याख्या:-

- ◆ शुक्र ग्रह सौर-मण्डल का सबसे गर्म ग्रह है क्योंकि इसके घने कार्बन डाइऑक्साइड वायुमण्डल के कारण अत्यधिक ग्रीनहाउस प्रभाव पाया जाता है। शनि अपने वलयों के लिए, मंगल लाल रंग के लिए तथा वरुण सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह के रूप में जाना जाता है।

11. कौनसा कथन असत्य है ?

- (a) पृथ्वी को नीला ग्रह भी कहा जाता है।
- (b) शुक्र को पृथ्वी का जुड़वाँ ग्रह माना जाता है।
- (c) शनि एक आंतरिक ग्रह है।
- (d) बुध, सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमण 88 दिनों में पूरा करता है।

[c]
व्याख्या:-
शनि (Saturn)

- ◆ शनि अंतिम ग्रह है जिसे नमन आँखों से देखा जा सकता है।
- ◆ शनि पीले रंग का ग्रह कहलाता है।
- ◆ दूसरा सबसे बड़ा ग्रह तथा सूर्य से छठे स्थान पर मिलता है।
- ◆ परिक्रमण काल = 29.5 वर्ष
- ◆ दूसरा तीव्र घूर्णन गति करने वाला ग्रह है।
- ◆ इसके चारों ओर वलय पाए जाते हैं, टाइटन उपग्रह शनि का सबसे बड़ा ग्रह व सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा उपग्रह है।
- ◆ यह बाह्य ग्रह है।

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. शुक्र ग्रह को प्रातःकालीन तारा और सायंकालीन तारा कहा जाता है।
2. बुध ग्रह का कोई प्राकृतिक उपग्रह नहीं है।
3. मंगल ग्रह के दो प्राकृतिक उपग्रह हैं।
4. बृहस्पति के सबसे अधिक ज्ञात उपग्रह पाए जाते हैं।
5. शनि ग्रह के वलय केवल बर्फ से बने होते हैं।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 एवं 3
- (b) केवल 1, 2, 3 एवं 4
- (c) केवल 2, 4 एवं 5
- (d) केवल 1, 3, 4 एवं 5

[a]
व्याख्या:-

- ◆ शुक्र ग्रह पृथ्वी के निकट होने तथा सूर्य के प्रकाश को अधिक परावर्तित करने के कारण प्रातः एवं सायंकाल चमकीले तारे के समान दिखाई देता है।
- ◆ बुध के कोई उपग्रह नहीं हैं, जबकि मंगल के दो उपग्रह फोबोस और डीमोस हैं। शनि के वलय बर्फ, धूल एवं चट्टानी पदार्थों से बने हैं।

13. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. चंद्रमा पृथ्वी का एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह है।
2. चंद्रमा पर वायुमण्डल लगभग नहीं के बराबर है।
3. चंद्रमा का प्रकाश स्वयं उत्पन्न होता है।
4. चंद्रमा पृथ्वी की परिक्रमा करता है।
5. चंद्रमा पर तापमान में अत्यधिक अंतर पाया जाता है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

- (a) केवल 1, 2, 4 एवं 5
- (b) केवल 1, 3 एवं 5
- (c) केवल 2, 3 एवं 4
- (d) केवल 1, 2, 3 एवं 4

[a]
व्याख्या:-

- ◆ चंद्रमा पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है और पृथ्वी की परिक्रमा करता है। चंद्रमा पर वायुमण्डल का अभाव होने के कारण वहाँ तापमान में अत्यधिक अंतर पाया जाता है। चंद्रमा स्वयं प्रकाश उत्पन्न नहीं करता, बल्कि सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करता है।

14. निम्नलिखित कथन एवं कारण पर विचार कीजिए।

कथन : पृथ्वी को जीवन के लिए अनुकूल ग्रह माना जाता है।

कारण : पृथ्वी पर जल, उपयुक्त तापमान तथा जीवन के लिए आवश्यक वायुमण्डलीय परिस्थितियाँ उपलब्ध हैं।

- (a) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
- (b) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
- (c) कथन सत्य है, परन्तु कारण असत्य है।
- (d) कथन असत्य है, परन्तु कारण सत्य है।

[a]
व्याख्या:-

- ◆ पृथ्वी सौर-मण्डल का एकमात्र ज्ञात ग्रह है जहाँ जीवन पाया जाता है। इसका मुख्य कारण सूर्य से उचित दूरी, तरल जल की उपलब्धता, उपयुक्त तापमान तथा ऑक्सीजन एवं अन्य गैसों वाला वायुमण्डल है।

15. निम्नलिखित सूची I का मिलान सूची-II से कीजिए-

सूची-I	सूची-II
A. फोबोस एवं डीमोस	1. शनि
B. गैनीमीड	2. मंगल
C. टाइटन	3. बृहस्पति
D. चंद्रमा	4. पृथ्वी

- (a) A-2, B-3, C-1, D-4
- (b) A-3, B-2, C-4, D-1
- (c) A-4, B-1, C-2, D-3
- (d) A-1, B-4, C-3, D-2

[a]
व्याख्या:-

- ◆ मंगल के दो उपग्रह फोबोस और डीमोस हैं।
- ◆ गैनीमीड बृहस्पति का सबसे बड़ा उपग्रह है और सौर-मण्डल का भी सबसे बड़ा ज्ञात उपग्रह माना जाता है। टाइटन शनि का प्रमुख उपग्रह है, जबकि चंद्रमा पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है।

16. हमारे सौर मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?

- (a) अरुण
- (b) वरुण
- (c) बृहस्पति
- (d) शनि

[c]
व्याख्या:-

- ◆ बृहस्पति हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा और सबसे पुराना ग्रह है। अगर बृहस्पति एक खोखला खोल होता, तो उसके अंदर 1,000 पृथ्वी समा सकती थीं।

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. आंतरिक ग्रह सूर्य के अधिक निकट स्थित होते हैं।
2. आंतरिक ग्रहों का आकार अपेक्षाकृत छोटा तथा घनत्व अधिक होता है।
3. बाहरी ग्रहों के चारों ओर वलय पाए जाते हैं।
4. बाहरी ग्रहों को गैसीय दानव कहा जाता है।
5. पृथ्वी और मंगल दोनों बाहरी ग्रहों के उदाहरण हैं।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 एवं 4
- (b) केवल 1, 2, 3 एवं 4
- (c) केवल 2, 3 एवं 5
- (d) केवल 1, 3, 4 एवं 5

[b]

व्याख्या:-

- ◆ बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल आंतरिक ग्रह कहलाते हैं। ये सूर्य के निकट स्थित होने के कारण छोटे, ठोस एवं अधिक घनत्व वाले होते हैं।
- ◆ बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण बाहरी ग्रह हैं, जिन्हें गैसीय दानव कहा जाता है। बाहरी ग्रहों में वलय पाए जाते हैं। पृथ्वी और मंगल आंतरिक ग्रह हैं।

18. ग्रहों की गति के नियम किसने प्रतिपादित किये थे?

- (a) न्यूटन (b) केप्लर
(c) गैलीलियो (d) कॉपरनिकस [b]

व्याख्या:-

- ◆ खगोल विज्ञान में केप्लर के ग्रहीय गति के तीन नियम इस प्रकार हैं सभी ग्रहों की कक्षा की कक्षा दीर्घवृत्ताकार होती है तथा सूर्य इस कक्षा के नाभिक पर होता है।
- ग्रह को सूर्य से जोड़ने वाली रेखा समान समयान्तराल में समान क्षेत्रफल तय करती है।

19. कथन (Assertion) : मंगल ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है।

कारण (Reason) : मंगल की सतह पर लौह ऑक्साइड की अधिकता के कारण इसका रंग लाल दिखाई देता है।

- (a) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
(c) कथन सत्य है, परन्तु कारण असत्य है।
(d) कथन असत्य है, परन्तु कारण सत्य है। [a]

व्याख्या:-

- ◆ मंगल ग्रह की सतह पर लौह ऑक्साइड की अधिक मात्रा पाई जाती है, जिसके कारण इसकी सतह लाल रंग की दिखाई देती है। इसी विशेषता के कारण मंगल को लाल ग्रह कहा जाता है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (a) बुध ग्रह का कोई प्राकृतिक उपग्रह नहीं है।
(b) शुक्र ग्रह का कोई प्राकृतिक उपग्रह नहीं है।
(c) बृहस्पति सौर-मण्डल का सबसे छोटा ग्रह है।
(d) वरुण सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह है। [c]

व्याख्या:-

- ◆ बृहस्पति सौर-मण्डल का सबसे बड़ा ग्रह है, जबकि सबसे छोटा ग्रह बुध है। बुध और शुक्र दोनों के कोई प्राकृतिक उपग्रह नहीं हैं। वरुण सूर्य से सबसे दूर स्थित आठवाँ ग्रह है।

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. सूर्य सौर-मण्डल का सबसे बड़ा पिंड है।
2. ग्रह सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल के कारण उसकी परिक्रमा करते हैं।
3. उपग्रह ग्रहों के चारों ओर परिक्रमा करते हैं।
4. सभी ग्रहों के उपग्रहों की संख्या समान होती है।
5. क्षुद्रग्रह और धूमकेतु भी सौर-मण्डल के सदस्य हैं।
6. सौर-मण्डल केवल आठ ग्रहों से मिलकर बना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सत्य हैं?

- (a) केवल 1, 2, 3 एवं 5 (b) केवल 1, 2, 4 एवं 6
(c) केवल 2, 3, 5 एवं 6 (d) केवल 1, 3, 4 एवं 5 [a]

व्याख्या:-

- ◆ सूर्य सौर-मण्डल का सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक द्रव्यमान वाला पिंड है। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण बल ग्रहों को अपनी कक्षाओं में बनाए रखता है। उपग्रह अपने ग्रहों की परिक्रमा करते हैं। सभी ग्रहों के उपग्रहों की संख्या समान नहीं होती, जैसे बुध और शुक्र के कोई उपग्रह नहीं हैं।

22. प्रकाशमण्डल क्षेत्र में ठंडे और काले धब्बों को कहा जाता है-

- (a) फेकुले (b) फोटोन्स
(c) कोरोना (d) सौर कलंक [d]

व्याख्या:-

- ◆ सूर्य पर दिखाई देने वाले सूर्य पर धब्बे दिखाने वाले पहले व्यक्ति एक जर्मन खगोलशास्त्री थे, जिनका नाम जोहान्स फैब्रिसियस था।
- ◆ सूर्य की सतह पर चमकीले धब्बों को प्लेज कहा जाता है।
- ◆ सूर्य की सतह पर काले धब्बों को सन स्पॉट (सूर्य पर धब्बे) कहा जाता है। वह सब जो हम अपनी आंखों से देखते हैं और जहां हमें "सौर कलंक" दिखाई देते हैं जो ठंडे होने के कारण काले होते हैं।

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. बुध ग्रह का वायुमण्डल नहीं के बराबर है।
2. शुक्र का वायुमण्डल मुख्यतः कार्बन डाइऑक्साइड से बना है।
3. पृथ्वी का वायुमण्डल जीवन के लिए अनुकूल है।
4. मंगल ग्रह पर कार्बन डाइऑक्साइड युक्त पतला वायुमण्डल पाया जाता है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

- (a) केवल 1, 2 एवं 3
(b) केवल 2, 3 एवं 4
(c) केवल 1, 3 एवं 4
(d) सभी कथन सत्य हैं। [d]

व्याख्या:-

- ◆ बुध ग्रह पर लगभग वायुमण्डल का अभाव है, जिसके कारण वहाँ तापमान में अत्यधिक अंतर पाया जाता है। शुक्र का घना वायुमण्डल मुख्यतः कार्बन डाइऑक्साइड से बना है, जिससे अत्यधिक ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न होता है। पृथ्वी का संतुलित वायुमण्डल जीवन के लिए उपयुक्त है। मंगल पर भी कार्बन डाइऑक्साइड प्रधान पतला वायुमण्डल पाया जाता है।

24. कथन (Assertion) : शुक्र ग्रह को सौर-मण्डल का सबसे गर्म ग्रह कहा जाता है।

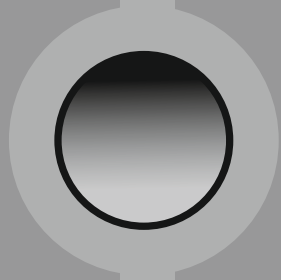
कारण (Reason) : शुक्र के घने कार्बन डाइऑक्साइड युक्त वायुमण्डल में अत्यधिक ग्रीनहाउस प्रभाव पाया जाता है।

- (a) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(b) कथन एवं कारण दोनों सत्य हैं, परन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।
(c) कथन सत्य है, परन्तु कारण असत्य है।
(d) कथन असत्य है, परन्तु कारण सत्य है। [a]

व्याख्या:-

- ◆ शुक्र सूर्य से बुध की अपेक्षा अधिक दूर है, फिर भी यह सौर-मण्डल का सबसे गर्म ग्रह है। इसका प्रमुख कारण इसका घना कार्बन डाइऑक्साइड युक्त वायुमण्डल है, जो ऊष्मा को बाहर नहीं जाने देता और शक्तिशाली ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न करता है।





भारत का भूगोल

अभ्यास प्रश्न

1. 'पाक स्ट्रेट' निम्नलिखित में से किसके मध्य अवस्थित है?

- (a) भारत और श्रीलंका के मध्य
(b) भारत और मालदीव के मध्य
(c) भारत और म्यानमार के मध्य
(d) भारत और इण्डोनेशिया के मध्य

[a]

व्याख्या:-

- ◆ 'पाक स्ट्रेट' भारत के तमिलनाडु तट और श्रीलंका के बीच स्थित जलडमरूमध्य है, जो पाक खाड़ी को मन्नार की खाड़ी से जोड़ता है।
- ◆ भारत के तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य आदम ब्रिज स्थित है। आदम ब्रिज की शुरुआत धनुष्कोडी नामक स्थान से होती है। पम्बन द्वीप (रामेश्वरम्) इसी ब्रिज का हिस्सा है, इसे रामसेतु भी कहा जाता है।

मन्नार की खाड़ी- (तमिलनाडु)

- ◆ यह दक्षिण पूर्व तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य स्थित है।

2. यदि भारतीय मानक समय (IST) को निर्धारित करने वाली देशान्तर रेखा का प्रधान देशांतर रेखा का दर्जा दिया जाए, तो अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा का देशान्तर क्या होगा?

- (a) 180° पूर्व (b) 97° 30' पूर्व
(c) 97°30'पश्चिम (d) 82°30'पूर्व

[b]

व्याख्या:-

- ◆ भारतीय मानक समय (IST) को निर्धारित करने वाली देशांतर रेखा 82½° पूर्व देशांतर है।
- ◆ यदि इस 82½°E(82°30'पूर्व) रेखा को प्रधान देशांतर मान लिया जाए, तो अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा होगी- $180^\circ + 82\frac{1}{2}^\circ = 262\frac{1}{2}^\circ$ क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा हमेशा प्रधान देशांतर से 180° के अंतर पर होती है।
- ◆ अब $262\frac{1}{2}^\circ$ को पश्चिम देशांतर में बदलने के लिए, $360^\circ - 262\frac{1}{2}^\circ = 97\frac{1}{2}^\circ$ पश्चिम (97°30'W)

3. भारत में निम्नलिखित में से कौन-सा रामसेतु का प्रारंभिक बिंदु है?

- (a) अरिचल मुनई (b) शिवगंगा
(c) तंजावुर (d) मदुरई

[a]

व्याख्या:-

- ◆ भारत में अरिचल मुनई रामसेतु का प्रारंभिक बिंदु है।
- ◆ जो भारत के तमिलनाडु में धनुष्कोडी के पास स्थित है।

4. निम्नलिखित में से भारत अवस्थित (Located) है-

- (a) अक्षांश 8°4' उ. से 37°6' द. तथा देशांतर 68°7' पू. से 97°25' प. के मध्य
(b) अक्षांश 8°4' द. से 37°6' उ. तथा देशांतर 68°7' प. से 97°25' पू. के मध्य
(c) अक्षांश 8°4' उ. से 37°6' उ. तथा देशांतर 68°07' पू. से 97°25' पू. के मध्य
(d) अक्षांश 8°4' द. से 37°6' द. तथा देशांतर 68°7' प. से 97°25' प. के मध्य

[c]

व्याख्या:-

- ◆ भारत की अक्षांशीय और देशांतरीय सीमा दक्षिण से उत्तर तक फैली हुई है - भारत की मुख्य भूमि 8°4'N और 37°6'N अक्षांश के बीच फैली हुई है।
- ◆ भारत की अक्षांशीय और देशांतरीय सीमा पश्चिम से पूर्व तक फैली हुई है - भारत का विस्तार 68°7'E और 97°25'E देशांतर के बीच है।

5. भारत का उत्तर-दक्षिण विस्तार (किमी. में) है-

- (a) 3122 किमी. (b) 3344 किमी.
(c) 3214 किमी. (d) 3426 किमी.

[c]

व्याख्या:-

- ◆ भारत का कुल क्षेत्रफल 32,87,263 किमी. तथा 1269219.34 वर्ग मील है जो विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 2.42% है।
- ◆ भारत की उत्तर से दक्षिण की लंबाई 3214 किमी. तथा पूर्व से पश्चिम की लंबाई 2933 किमी. है। दोनों के बीच का अन्तर 281 किमी. है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा अक्षांश भारत को लगभग दो बराबर भागों में विभाजित करता है?

- (a) 33° 30' उत्तर (b) 23°30' दक्षिण
(c) 0° भूमध्य रेखा (d) 23°30'उत्तर

[d]

व्याख्या:-

- ◆ कर्क रेखा: 23°30' उत्तरी अक्षांश रेखा को कर्क रेखा कहा जाता है, जो भारत के बीचों-बीच से गुजरती है और इसे लगभग दो बराबर भागों (उत्तरी और दक्षिणी भाग) में विभाजित करती है।
- ◆ यह रेखा भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है:- गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम

7. निम्नलिखित देशांतरों में कौन-सी भारत की "प्रामाणिक मध्याह्न रेखा" कहलाती है?

- (a) 85°30' पूर्वी (b) 87°30' पूर्वी
(c) 84°50' पूर्वी (d) 82°30' पूर्वी

[d]

व्याख्या:-

- ◆ 82°30' पूर्वी देशांतर: इस रेखा को भारत की "प्रामाणिक मध्याह्न रेखा" माना जाता है। इसी देशांतर रेखा के स्थानीय समय को पूरे देश का मानक समय (भारतीय मानक समय - IST) माना जाता है।

8. निम्नलिखित में से भारत का सुदूर पश्चिम का बिन्दु है -

- (a) 68°7' पश्चिम, राजस्थान में
(b) 68°7' पश्चिम, गुजरात में
(c) 68°7' पूर्व, गुजरात में
(d) 68°7' पूर्व, राजस्थान में

[c]

व्याख्या:-

- ◆ भारत का सुदूर पश्चिम का बिन्दु 68°7' पूर्व, गुजरात में स्थित है।
- ◆ बिन्दु का नाम: भारत के इस सबसे पश्चिमी बिंदु को गुहार मोती या गौर माता कहा जाता है, जो गुजरात के कच्छ जिले में नारायण सरोवर के पास स्थित है।
- ◆ भारत का पूर्वी बिन्दु किबिथू वालांगु (त्वांग) है जो अरुणाचल प्रदेश में स्थित है।
- ◆ भारत का दक्षिणतम बिन्दु 6°45' उत्तरी अक्षांश है तथा यह इंदिरा पॉइंट अण्डमान निकोबार में स्थित है।
- ◆ इंदिरा कॉल भारत का उत्तरी बिन्दु गिलगित (जम्मू कश्मीर) में स्थित है।

9. निम्नलिखित राज्यों में से कौन-से उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती है?

1. पंजाब 2. राजस्थान 3. छत्तीसगढ़ 4. झारखण्ड

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए -

- (a) 2, 3 और 4 (b) 1, 2, 3 और 4
(c) 1 और 4 (d) 1 और 3

[a]

व्याख्या:-

- उत्तर प्रदेश की सीमा राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों से लगती है, जबकि पंजाब उत्तर प्रदेश का सीमावर्ती राज्य नहीं है।

10. निम्नलिखित कथनों में से कौन-से भारत के बारे में सही हैं?

1. भारत विश्व का पाँचवाँ बड़ा देश है।
 2. यह स्थलमण्डल के कुल क्षेत्रफल का लगभग 2.4 प्रतिशत भाग अधिकृत किए हुए हैं।
 3. समूचा भारत उष्ण कटिबंध में स्थित है।
 4. 82°30' पूर्वी देशान्तर का उपयोग भारतीय मानक समय को निर्धारित करने के लिए किया जाता है।
- (a) केवल 2 व 3 (b) केवल 1 व 2
(c) केवल 1 व 3 (d) केवल 2 व 4 [d]

व्याख्या:-

- भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 32,87,263 वर्ग किलोमीटर है, जो विश्व के कुल भूमि क्षेत्रफल का लगभग 2.4 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है।
- 82°30' पूर्वी देशान्तर का उपयोग भारतीय मानक समय को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। कारण: 82°30' पूर्वी देशान्तर रेखा को भारतीय मानक समय (IST) की मुख्य मध्याह्न रेखा माना गया है, जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर (प्रयागराज के पास) से होकर गुजरती है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत विश्व का सातवाँ (7वाँ) सबसे बड़ा देश है।

11. म्यांमार की सीमा के सहारे भारत के राज्यों का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम क्या है?

- (a) अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैण्ड, मणिपुर
(b) अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम
(c) असम, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम
(d) अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैण्ड, मिजोरम [b]

व्याख्या:-

- म्यांमार के साथ सीमा साझा करने वाले पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों का उत्तर से दक्षिण की ओर भौगोलिक क्रम इस प्रकार है:- अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम

12. बांग्लादेश की सीमा से लगे भारत के राज्य हैं-

- (a) नागालैण्ड, असम, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
(b) पश्चिम बंगाल, नागालैण्ड, असम, मेघालय
(c) मेघालय, असम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा
(d) नागालैण्ड, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर [c]

व्याख्या:-

- बांग्लादेश के साथ भारत के कुल 5 राज्यों की सीमाएँ लगती हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 4,096 किलोमीटर है:- पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, असम

13. निम्नलिखित में से भारत का वह कौन-सा राज्य है, जो बांग्लादेश से तीनों ओर से घिरा हुआ है?

- (a) मिजोरम (b) त्रिपुरा
(c) पश्चिम बंगाल (d) मेघालय [b]

व्याख्या:-

- त्रिपुरा भारत का एक ऐसा उत्तर-पूर्वी राज्य है जो उत्तर, दक्षिण और पश्चिम तीनों दिशाओं से बांग्लादेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से घिरा हुआ है।

14. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के तीन सबसे बड़े केन्द्रशासित प्रदेशों का अवरोही क्रम निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) लद्दाख, जम्मू कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
(b) जम्मू कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी
(c) अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, दिल्ली, चंडीगढ़
(d) लद्दाख, पुडुचेरी, जम्मू कश्मीर [a]

व्याख्या:-

- सही उत्तर विकल्प (a) लद्दाख, जम्मू कश्मीर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह है।

15. मैकमोहन रेखा निम्नलिखित में से किन दो देशों को अलग करती है?

- (a) भारत-म्यांमार (b) भारत-पाकिस्तान
(c) भारत-अफगानिस्तान (d) भारत-चीन [d]

व्याख्या:-

- मैकमोहन रेखा भारत और चीन (विशेष रूप से भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश और चीन के तिब्बत क्षेत्र) के बीच सीमा निर्धारित करती है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (a) भारत की सबसे लंबी स्थलीय सीमा बांग्लादेश के साथ है।
(b) बांग्लादेश की सीमा मेघालय व असम से लगती है।
(c) नेपाल की सीमा असम व सिक्किम से लगती है।
(d) भूटान की सीमा असम व पश्चिम बंगाल से लगती है। [c]

व्याख्या:-

- भारत की सबसे लंबी स्थलीय सीमा बांग्लादेश के साथ है: यह कथन बिल्कुल सत्य है। भारत, बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा (लगभग 4,096.7 किमी) साझा करता है।
- बांग्लादेश की सीमा मेघालय व असम से लगती है: यह कथन सत्य है। बांग्लादेश की सीमा भारत के 5 राज्यों (पश्चिम बंगाल, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और असम) से लगती है।
- नेपाल की सीमा असम व सिक्किम से लगती है: यह कथन असत्य है। नेपाल की सीमा सिक्किम से तो लगती है, लेकिन असम से नहीं लगती। नेपाल की सीमा को स्पर्श करने वाले 5 भारतीय राज्य हैं: उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम।
- भूटान की सीमा असम व पश्चिम बंगाल से लगती है: यह कथन सत्य है। भूटान की सीमा भारत के 4 राज्यों (असम, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश) से लगती है।

देश की सीमा पर स्थित राज्य

क्र. सं.	देश	संबंधित राज्य	सीमा का नाम	सीमा की लम्बाई
1.	बांग्लादेश	असम, पश्चिम बंगाल, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम	जीरो लाइन	4096 किमी.
2.	चीन	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश	मैकमोहन रेखा	3488 किमी.
3.	पाकिस्तान	गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख	रेडक्लिफ लाइन	3323 किमी.
4.	नेपाल	उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिमी बंगाल, सिक्किम	-	1751 किमी.
5.	म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम	-	1643 किमी.
6.	भूटान	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश	-	699 किमी.
7.	अफगानिस्तान	लद्दाख	डूरण्ड रेखा	106 किमी.



विगत वर्षों के प्रश्न

1. शिवालिक पर्वत श्रृंखला की पर्वतपदीय क्षेत्र में स्थित भाग कहलाता है-

[REET 2024 (SST)-SHIFT 3RD]

- (a) तराई प्रदेश (b) बांगर प्रदेश
(c) खादर प्रदेश (d) भाबर प्रदेश [d]

व्याख्या:-

- ♦ **भाबर प्रदेश** शिवालिक पर्वतमाला के दक्षिणी पादप्रदेश में स्थित संकीर्ण पट्टी है।
- ♦ इसका विस्तार सिंधु नदी से लेकर तीस्ता नदी तक लगभग **8 से 16 किमी** चौड़ाई में पाया जाता है।
- ♦ हिमालय से उतरने वाली नदियाँ यहाँ बड़े-बड़े कंकड़, पत्थर एवं गोलाश्म जमा करती हैं।
- ♦ अत्यधिक छिद्रयुक्त धरातल होने के कारण अनेक छोटी नदियाँ इस क्षेत्र में आकर भूमिगत हो जाती हैं।
- ♦ भाबर के दक्षिण में स्थित दलदली क्षेत्र **तराई प्रदेश** कहलाता है, जहाँ ये नदियाँ पुनः सतह पर प्रकट होती हैं।
- ♦ **बांगर** पुरानी जलोढ़ मिट्टी तथा **खादर** नवीन जलोढ़ मिट्टी से निर्मित मैदानों को कहा जाता है।

2. दी गई भू-आकृतियों का उत्तर से दक्षिण दिशा में सही क्रम है

[REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

- (a) विंध्य श्रेणी - सतपुड़ा श्रेणी - महादेव पहाड़ियाँ
(b) सतपुड़ा श्रेणी - विंध्य श्रेणी - महादेव पहाड़ियाँ
(c) महादेव पहाड़ियाँ - सतपुड़ा - विंध्य श्रेणी
(d) महादेव पहाड़ियाँ - विंध्य श्रेणी - सतपुड़ा श्रेणी [a]

व्याख्या:-

- ♦ भारत के मध्य भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर बढ़ने पर सबसे पहले **विंध्य पर्वतमाला** आती है। इसके दक्षिण में **नर्मदा नदी** बहती है तथा उसके आगे **सतपुड़ा पर्वतमाला** स्थित है।
- ♦ **महादेव पहाड़ियाँ** सतपुड़ा पर्वतमाला का ही एक महत्वपूर्ण भाग हैं, जो मुख्यतः मध्य प्रदेश के **छिंदवाड़ा** एवं **नर्मदापुरम (होशंगाबाद)** क्षेत्र में स्थित हैं।
- ♦ इस प्रकार उत्तर से दक्षिण दिशा का सही क्रम है- विंध्य श्रेणी → सतपुड़ा श्रेणी → महादेव पहाड़ियाँ।
- ♦ **विंध्य एवं सतपुड़ा** के बीच **नर्मदा नदी** बहती है।
- ♦ **सतपुड़ा एवं मैकाल** के बीच **ताप्ती नदी** का प्रवाह क्षेत्र स्थित है।
- ♦ **धूपगढ़ (1350 मी.)** सतपुड़ा पर्वतमाला की सर्वोच्च चोटी है।
- ♦ महादेव पहाड़ियाँ सतपुड़ा पर्वतमाला का महत्वपूर्ण उपभाग हैं।

3. कौन-सी पर्वतमाला प्रायद्वीपीय पठार के उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित हैं?

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) विंध्याचल (b) सतपुड़ा
(c) अरावली (d) पूर्वी घाट [c]

व्याख्या:-

- ♦ अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है।
- ♦ इसका विस्तार दक्षिण-पश्चिम में गुजरात के पालनपुर क्षेत्र से उत्तर-पूर्व में दिल्ली तक है।

- ♦ यह प्रायद्वीपीय पठार के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है तथा राजस्थान के भूगोल को सबसे अधिक प्रभावित करती है।
- ♦ अरावली पर्वतमाला की कुल लंबाई लगभग 692 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 550 किमी. भाग राजस्थान में स्थित है।
- ♦ अरावली की सर्वोच्च चोटी गुरुशिखर (1722 मीटर) है, जो माउंट आबू (सिरोही) में स्थित है।
- ♦ यह पर्वतमाला राजस्थान को पूर्वी उपजाऊ मैदान और पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र में विभाजित करती है।

4. देहरादून, कोटलीन एवं पाटलीन स्थित है-

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) हिमाद्री व हिमाचल के मध्य
(b) हिमाचल व शिवालिक के मध्य
(c) शिवालिक के दक्षिणी भागों पर
(d) हिमाद्री के उत्तरी भागों पर [b]

व्याख्या:-

- ♦ **दून घाटियाँ** मध्य हिमालय (**हिमाचल श्रेणी**) एवं बाह्य हिमालय (**शिवालिक श्रेणी**) के मध्य स्थित अनुदैर्घ्य घाटियाँ हैं।
- ♦ **देहरादून, कोटलीदून** तथा **पाटलीदून** इनके प्रमुख उदाहरण हैं।
- ♦ इनमें से **देहरादून** भारत की सबसे प्रसिद्ध एवं सबसे बड़ी दून घाटी मानी जाती है।
- ♦ दून घाटियाँ मुख्यतः नदियों द्वारा लाई गई जलोढ़ सामग्री के निक्षेप से निर्मित उपजाऊ क्षेत्र हैं।
- ♦ पूर्वी हिमालय में इसी प्रकार की घाटियों को सामान्यतः **"द्वार"** कहा जाता है।
- ♦ **हरिद्वार, जलपाईगुड़ी एवं अलीपुरद्वार** जैसे क्षेत्रों का संबंध द्वार प्रदेश से माना जाता है।
- ♦ दून घाटियाँ कृषि, बागवानी एवं मानव बसावट के लिए अत्यंत अनुकूल क्षेत्र मानी जाती हैं।

5. उत्तर-भारतीय मैदान में बाढ़ निर्मित नये (युवा) निक्षेपों को क्या कहा जाता है?

[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) खांगर (b) खादर
(c) भाबर (d) तराई [b]

व्याख्या:-

- ♦ **खादर** गंगा, यमुना तथा अन्य नदियों द्वारा प्रतिवर्ष बाढ़ के समय जमा की गई नवीन जलोढ़ मिट्टी को कहा जाता है। यह मिट्टी अत्यंत उपजाऊ होती है क्योंकि इसमें हर वर्ष नई गाद का निक्षेप होता रहता है।
- ♦ खादर क्षेत्र मुख्यतः नदी घाटियों एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पाया जाता है। **बांगर** पुरानी जलोढ़ मिट्टी को कहा जाता है, जो अपेक्षाकृत ऊँचे भागों में पाई जाती है और बाढ़ का प्रभाव कम होता है।
- ♦ **भाबर** हिमालय की तलहटी में कंकड़-पत्थरों से बना क्षेत्र है, जबकि **तराई** भाबर के दक्षिण में स्थित दलदली एवं आर्द्र क्षेत्र है।

6. कालिकट किस तट पर स्थित है?

[REET 2022 (SST) 2ND SHIFT]

- (a) मालाबार तट (b) कोंकण तट
(c) काठियावाड़ तट (d) कोरोमंडल तट [a]

व्याख्या:-

- ◆ कोझिकोड (प्राचीन कालिकट) केरल राज्य में मालाबार तट पर स्थित है। मध्यकाल में यह मसालों के व्यापार का प्रमुख केंद्र था।
- ◆ यहीं पर 1498 में वास्को द गामा भारत पहुँचा था।

7. दी गई भू-आकृतियों का उत्तर से दक्षिण दिशा में अवस्थिति का सही क्रम है

[REET 2021 (SST)]

- (a) तराई - भाबर - खादर - डेल्टा
(b) तराई - भाबर - डेल्टा - खादर
(c) भाबर - खादर - डेल्टा - तराई
(d) भाबर - तराई - खादर - डेल्टा

[d]

व्याख्या:-

- ◆ हिमालय की तलहटी से दक्षिण की ओर क्रमशः भाबर क्षेत्र, तराई क्षेत्र, गंगा के मैदानों का खादर क्षेत्र तथा अंत में नदी के मुहाने पर डेल्टा क्षेत्र स्थित होता है। यह उत्तर भारत के स्थलाकृतिक विकास का सामान्य क्रम है।

8. प्रायद्वीपीय भारत का सर्वोच्च शिखर कौन-सा है?

[REET 2015 (SST)]

- (a) डोडा-बेटा (b) अनाई-मुडी
(c) महेन्द्रगिरी (d) कोडाईकनाल

[b]

व्याख्या:-

- ◆ अनाईमुडी पश्चिमी घाट में स्थित प्रायद्वीपीय भारत की सबसे ऊँची चोटी है। इसकी ऊँचाई लगभग 2695 मीटर है। यह एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है।

9. भारत का कौन-सा प्रदेश प्राचीन गोंडवाना भू-भाग से सम्बन्धित है?

[REET 2011 (SST)]

- (a) हिमालय (b) गंगा का मैदान
(c) थार मरुस्थल (d) दक्षिण का पठार

[d]

व्याख्या:-

- ◆ दक्षिण का पठार भारत का सबसे प्राचीन भू-भाग है और यह गोंडवाना भू-खंड का हिस्सा माना जाता है।
- ◆ इसका निर्माण मुख्यतः आग्नेय एवं कार्यांतरित चट्टानों से हुआ है।
- ◆ दक्कन का पठार, मालवा पठार और छोटानागपुर पठार इसके प्रमुख भाग हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. भारत के भौतिक विभाजन के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 43% भाग मैदानी है।
2. लगभग 27.7% भाग पठारी है।
3. लगभग 18.6% भाग पहाड़ी है।

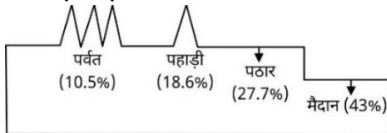
सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल

[c]

व्याख्या:-

- ◆ भारत के भू-आकृतिक स्वरूप में लगभग 43% भाग मैदानी, 27.7% पठारी, 18.6% पहाड़ी तथा लगभग 10.5% भाग पर्वतीय क्षेत्र में आता है। यह वितरण भारत की विविध भौतिक संरचना को दर्शाता है।



2. हिमालय पर्वत के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

- कथन (A):** हिमालय एक नवीन मोड़दार पर्वतमाला है।
कारण (R): इसका निर्माण टेथिस सागर के अवसादों के संपीड़न से हुआ है तथा यह अभी भी सक्रिय है।
- (a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है [c]

व्याख्या:-

- ◆ हिमालय पर्वतीय प्रदेश में हिमालय पर्वत और संरचना तथा उत्तरी-पूर्वी पहाड़ियाँ शामिल हैं।
- ◆ हिमालय के निर्माण में दबाव की शक्तियों अथवा समानान्तर भू-गतियों का अधिक प्रभाव रहा है। यह नवीन मोड़दार पर्वतमाला है।
- ◆ यह पर्वतमाला भारत के 5 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है।
- ◆ पूर्व से पश्चिम दिशा में इसकी लम्बाई 2400 किमी. है और पश्चिम में इसकी चौड़ाई 500 किमी. के बीच पाई जाती है, जबकि पूर्व में यह लगभग 200 किमी. चौड़ा है। यह पर्वत अभी भी निर्माणावस्था में है।

- ◆ हिमालय में कई समानांतर पर्वत शृंखलाएँ हैं। इसमें वृहद् हिमालय, पार हिमालय शृंखलाएँ, मध्य हिमालय और शिवालिक प्रमुख श्रेणियाँ हैं।

3. हिमालय की श्रेणियों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. ट्रांस हिमालय मुख्य हिमालय के उत्तर में स्थित है।
2. वृहद् हिमालय को हिमाद्रि कहा जाता है।
3. मध्य हिमालय को शिवालिक भी कहा जाता है।
4. शिवालिक श्रेणी सबसे बाहरी भाग में स्थित है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3 [a]

व्याख्या:-

(i) ट्रांस हिमालय श्रेणी

- ◆ यह महान हिमालय के उत्तर में या तिब्बत के दक्षिण में स्थित है।
- ◆ इस श्रेणी द्वारा बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों तथा उत्तर की ओर भूमि से घिरी हुई झीलों में गिरने वाली नदियों के लिए जल-विभाजक का कार्य किया जाता है।

(ii) वृहद् हिमालय -

- ◆ यह सबसे उत्तरी पर्वतमाला है, इसे मुख्य हिमालय, हिमाद्री, आन्तरिक हिमालय, बर्फीले हिमालय आदि नामों से भी जाना जाता है। यह हिमालय की सबसे सबसे ऊँची श्रेणी है।
- ◆ यह श्रेणी उत्तर-पश्चिम में सिन्धु नदी के मोड़ से लेकर पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी के मोड़ तक में फैली हुई है।

(iii) मध्य हिमालय

- ◆ हिमालय पर्वत का वह भाग जो महान हिमालय के दक्षिण सामानान्तर तक फैला हुआ है, लघु हिमालय कहलाता है।
- ◆ यह पर्वत शृंखला महान हिमालय के दक्षिण में स्थित है।

(iv) शिवालिक श्रेणी -

- ◆ हिमालय की यह सबसे बाहरी एवं दक्षिणी श्रेणी है।
- ◆ इसे बाह्य हिमालय श्रेणी के नाम से जाना जाता है।
- ◆ हिमालय की सभी श्रेणियों में यह नवीनतम रचना है।

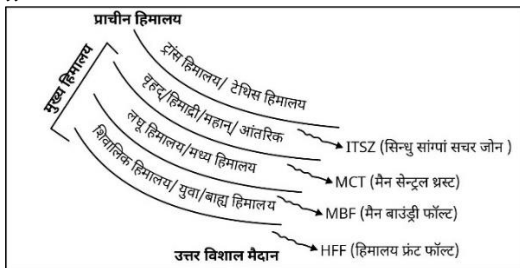
4. सूची-I (श्रेणी) को सूची-II (विशेषता) से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
a. वृहद् हिमालय	I. सबसे बाहरी श्रेणी
b. शिवालिक	II. औसत ऊँचाई ~6000 मीटर
c. मध्य हिमालय	III. हिमाचल
d. ट्रांस हिमालय	IV. तिब्बत के समीप

- (a) a-II, b-I, c-III, d-IV (b) a-I, b-II, c-IV, d-III
(c) a-III, b-I, c-II, d-IV (d) a-II, b-III, c-I, d-IV [a]

व्याख्या:

- वृहद् हिमालय - इसकी औसत ऊँचाई 6000 मी. है और लम्बाई 2400 किमी. है। यह सर्वोच्च श्रेणी चाप की आकृति में फैली हुई है, यह लगभग 73 पूर्व से 97 पूर्व देशान्तर तक फैली हुई है।
- शिवालिक श्रेणी - हिमालय की यह सबसे बाहरी एवं दक्षिणी श्रेणी है। यह श्रेणी 10 से 50 चौड़ी है तथा इसकी ऊँचाई 900-1200 मीटर है।
- मध्य हिमालय - यह पर्वत शृंखला महान हिमालय के दक्षिण में स्थित है। लघु हिमालय 80 से 100 किलोमीटर चौड़ाई में फैला हुआ है।
- ट्रांस हिमालय → तिब्बत के समीप


5. हिमालय के निम्नलिखित में से किस संभाग में करेवा संरचना पाई जाती है -

- (a) अरुणाचल हिमालय (b) दार्जिलिंग और सिक्किम हिमालय
(c) असम हिमालय (d) कश्मीर हिमालय [d]

व्याख्या:-

- करेवा संरचना कश्मीर घाटी में पाई जाने वाली एक विशेष भू-आकृति है, जो हिमनदीय और नदीय तलछट से बनी होती है।
- कश्मीर हिमालय करेवा के लिए भी प्रसिद्ध है, जहाँ जाफरान की खेती की जाती है।

6. उत्तरी मैदान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- इसका निर्माण मुख्यतः सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा लाए गए जलोढ़ निक्षेपों से हुआ है।
- इसकी चौड़ाई सामान्यतः 150-300 किमी के बीच होती है।
- यह क्षेत्र मुख्यतः आग्नेय चट्टानों से निर्मित है।
- यह विश्व के सबसे उपजाऊ मैदानों में से एक है।

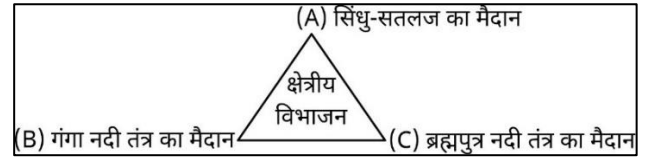
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3 [a]

व्याख्या:

- भारत की मुख्य भूमि के उत्तर में विशाल मैदानी भाग में स्थित है।
- उत्तर भारत का विशाल मैदान पूर्व से पश्चिम 3200 किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है तथा इस मैदान की चौड़ाई 150 से 300 किलोमीटर हैं और इसका क्षेत्रफल 7.5 लाख वर्ग किमी. है।
- यह जलोढ़ अवसादों से निर्मित है।
- यह मैदानी भाग सिंधु, गंगा व ब्रह्मपुत्र नदियों के अपवाह तंत्र के द्वारा लाए गए अवसादों से निर्मित है, इस कारण इस मैदानी भाग सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र का मैदान भी कहते हैं।

- इस मैदान का पूर्वी भाग आर्द्र प्रदेश है और पश्चिमी भाग शुष्क रेगिस्तानों के रूप में निर्मित हो गया है।


7. भाबर क्षेत्र के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

- यह शिवालिक के गिरिपद क्षेत्र में स्थित है।
- यहाँ नदियाँ भूमिगत हो जाती हैं।
- यह अत्यंत उपजाऊ कृषि क्षेत्र है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 (b) केवल 1 व 2
(c) केवल 2 व 3 (d) 1, 2 व 3 [b]

व्याख्या:
भाबर -

- उत्तर भारत में शिवालिक के गिरिपद प्रदेश में सिंधु नदी से तीस्ता नदी तक के क्षेत्र को 'भाबर' कहा जाता है।
- इस क्षेत्र में अधिकांश नदियों का भूमिगत प्रवाह होता है। कृषि की दृष्टि से अनुपयोगी इस क्षेत्र में लम्बी जड़ों वाले वृक्ष पाए जाते हैं। यह क्षेत्र कृषि के लिये उपयुक्त नहीं होता है।
- यह भू-भाग हिमालयी नदियों द्वारा लाए गए पत्थर, कंकड़, बजरी आदि के जमाव से बना है।
- यह हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में जलोढ़ शंकुओं व जलोढ़ पंखुओं से निर्मित मैदानी भाग हैं। इसे शिवालिक का जलोढ़ पंख भी कहा जाता है।
- यहाँ कंकड़, पत्थर, रेत की अधिकता के कारण अत्यधिक पारगम्यता मिलती है, जिसमें छोटी-छोटी नदियाँ विलुप्त हो जाती हैं। यही कारण है कि नदियाँ यहाँ अंतः प्रवाही या विलुप्त हो जाती हैं।

8. तराई क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

कथन (A): तराई क्षेत्र भाबर के दक्षिण में स्थित दलदली एवं आर्द्र क्षेत्र है।

कारण (R): इस क्षेत्र में नदियों का जल पुनः सतह पर प्रकट हो जाता है, जिससे भूमि नम और उपजाऊ बनती है।

- (a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है [c]

व्याख्या:

- तराई क्षेत्र भाबर के ठीक दक्षिण में पाया जाता है
- भाबर क्षेत्र में अवशोषित जल यहाँ पुनः सतह पर आता है
- सतही जल की अधिकता के कारण दलदली परिस्थितियाँ विकसित होती हैं
- मिट्टी में नमी बनी रहने से कृषि की अनुकूल दशाएँ निर्मित होती हैं

9. खादर भूमि के संदर्भ में निम्नलिखित का सुमेलन कीजिए-

सूची-I (विशेषता)	सूची-II (विवरण)
a. खादर मिट्टी	I. पुरानी जलोढ़, ऊँचा भाग
b. बांगर मिट्टी	II. नवीन जलोढ़, बाढ़ क्षेत्र
c. खादर क्षेत्र	III. प्रतिवर्ष अवसाद जमाव
d. बांगर क्षेत्र	IV. अपेक्षाकृत कम उर्वरता

- (a) a-I, b-II, c-III, d-IV (b) a-II, b-I, c-III, d-IV
(c) a-II, b-IV, c-I, d-III (d) a-III, b-II, c-IV, d-I [b]

व्याख्या:

- ♦ खादर क्षेत्र नदी के बाढ़ मैदान से संबंधित होता है।
- ♦ इसमें नवीन जलोढ़ अवसाद पाए जाते हैं।
- ♦ प्रत्येक वर्ष बाढ़ के साथ नई मिट्टी का निक्षेप होता है।
- ♦ बांगर अपेक्षाकृत ऊँचे भाग में स्थित पुरानी जलोढ़ भूमि होती है।
- ♦ उर्वरता की दृष्टि से खादर अधिक सक्षम माना जाता है।

10. बांगर भूमि के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह पुरानी जलोढ़ मिट्टी से निर्मित होती है।
2. यह सामान्यतः बाढ़ के मैदान से ऊँची होती है।
3. इसमें रेह और कल्ल जैसी लवणीय मिट्टी पाई जाती है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 1

[c]
व्याख्या:
बांगर -

- ♦ ये मैदानी भाग उच्च भाग है जहाँ बाढ़ का पानी नहीं पहुँचता है।
- ♦ यह उत्तरी मैदान की उच्च भूमि है जो **पुरानी जलोढ़ मिट्टी** से निर्मित है। ये मैदानी भाग पुराने जलोढ़ों से बने हुए हैं।
- ♦ इन मैदानी भागों सामान्यतः रेत व कंकड़ अधिक पाए जाते हैं।
- ♦ बांगर प्रदेश में अपक्षय के कारण भूमि के ऊपर की मुलायम मिट्टी नष्ट हो गई है और वहाँ पर कंकरीली भूमि मिलती है। ऐसी भूमि को 'भूड़' कहते हैं।
- ♦ इसका विस्तार मुख्य रूप से पंजाब व उत्तर प्रदेश के मैदानी भागों में पाया जाता है।
- ♦ इसमें कंकड़ भी पाए जाते हैं। शुष्क क्षेत्रों में इसमें लवणीय एवं क्षारीय उत्फुल्लन देखे जाते हैं, जिन्हें 'रेह' अथवा 'कल्ल' कहा जाता है।

11. थार मरुस्थल के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसका विस्तार अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी भाग में पाया जाता है।
2. लूनी नदी इस क्षेत्र की प्रमुख अंतःस्थलीय नदी है।
3. यह विश्व के मरुस्थलों में अत्यंत न्यून जनसंख्या घनत्व वाला क्षेत्र माना जाता है।
4. इस क्षेत्र में रेत के टीलों का व्यापक विकास पाया जाता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

[c]
व्याख्या:

- ♦ यह मरुस्थल अरावली पर्वत के पश्चिम व उत्तर-पश्चिम में सिन्धु के मैदान तक विस्तृत है।
- ♦ लूनी नदी आंतरिक अपवाह तंत्र वाली प्रमुख नदी है।
- ♦ जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से यह अन्य मरुस्थलों की तुलना में अधिक सघन आबादी वाला क्षेत्र है।
- ♦ मरुस्थलीय स्थलाकृति में बालू के टीलों का व्यापक प्रसार मिलता है।

12. प्रायद्वीपीय पठार के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

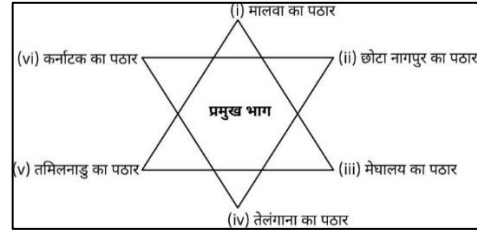
कथन (A): प्रायद्वीपीय पठार भारत का अत्यंत प्राचीन भूभाग है।

कारण (R): इसका निर्माण मुख्यतः क्रिस्टलीय, आग्नेय एवं रूपांतरित चट्टानों से हुआ है तथा यह गोंडवाना भूभाग का भाग रहा है।

- (a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है [c]

व्याख्या:

- ♦ प्रायद्वीपीय पठार का संबंध प्राचीन भूवैज्ञानिक संरचना से है।
- ♦ इसका जुड़ाव गोंडवाना भूभाग से माना जाता है।
- ♦ इसमें क्रिस्टलीय एवं रूपांतरित चट्टानों की प्रधानता पाई जाती है।
- ♦ यह संरचना अत्यंत स्थिर एवं कठोर मानी जाती है।
- ♦ इसका क्षेत्रफल 16 लाख वर्ग किमी., लम्बाई 1600 किमी., चौड़ाई 1400 किमी. और औसत ऊँचाई 600-900 मीटर है।


13. छोटा नागपुर पठार के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. दामोदर नदी इसकी प्रमुख नदी है।
2. यहाँ कोयले के बड़े भंडार पाए जाते हैं।
3. इसकी सबसे ऊँची चोटी पारसनाथ है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 3

[c]
व्याख्या:
छोटा नागपुर का पठार

- ♦ इसका विस्तार मुख्यतः झारखंड व बिहार में है। इसमें उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल का पुरलिया जिला और ओडिशा का उत्तरी क्षेत्र भी छोटानागपुर पठारी क्षेत्र में आते हैं।
- ♦ इस पठार के उत्तर-पूर्व में राजमहल पहाड़ी, उत्तर में हजारीबाग का पठार तथा दक्षिण में राँची का पठार है। इन तीनों संरचनाओं को संयुक्त रूप से छोटानागपुर पठार क्षेत्र में शामिल किया जाता है।
- ♦ **दामोदर नदी** राँची के पठार को हजारीबाग के पठार से अलग करती है। यह छोटानागपुर के पठार की सबसे बड़ी नदी है।
- ♦ हजारीबाग पठार की चोटी '**पारसनाथ हिल**' छोटानागपुर पठार की सबसे ऊँची चोटी है। यह जैनियों का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है।

14. अरावली पर्वतमाला के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह विश्व की अत्यंत प्राचीन व अपक्षयित पर्वतमालाओं में गिनी जाती है।
2. इसका विस्तार उत्तर-पूर्व (दिल्ली) से दक्षिण-पश्चिम (गुजरात) दिशा में है।
3. गुरु शिखर, माउंट आबू क्षेत्र में स्थित इसकी सर्वोच्च चोटी है।
4. यह भारत की सबसे ऊँची पर्वतमाला है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 4 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 1, 2 और 3

[d]
व्याख्या:

- ♦ अरावली का संबंध अत्यंत प्राचीन भू-आकृतिक संरचनाओं से है।
- ♦ इसका विस्तार दिल्ली से गुजरात की ओर तिरछी दिशा में देखा जाता है।
- ♦ गुरु शिखर (माउंट आबू) इसकी उच्चतम चोटी के रूप में प्रसिद्ध है।
- ♦ ऊँचाई की दृष्टि से यह हिमालय जैसी युवा पर्वतमालाओं से भिन्न है।

15. पश्चिमी घाट के संदर्भ में निम्नलिखित का सुमेलन कीजिए-

सूची-I	सूची-II
a. पश्चिमी घाट	I. सह्याद्रि
b. विस्तार	II. अरब सागर तट के समानांतर
c. पश्चिमी ढाल	III. तीव्र ढाल
d. पूर्वी ढाल	IV. अपेक्षाकृत मंद

- (a) a-II, b-I, c-III, d-IV (b) a-I, b-II, c-IV, d-III
(c) a-III, b-II, c-I, d-IV (d) a-I, b-II, c-III, d-IV [d]

व्याख्या:

- ◆ पश्चिमी घाट को सह्याद्रि नाम से भी जाना जाता है।
- ◆ इसका विस्तार अरब सागर तट के समानांतर देखा जाता है।
- ◆ पश्चिमी भाग में ढाल अधिक तीव्र पाई जाती है।
- ◆ पूर्वी दिशा में ढाल क्रमशः कम होती जाती है।

16. ट्रांस हिमालय के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह महान हिमालय के उत्तर में स्थित है।
2. इसमें कराकोरम, लद्दाख और जास्कर पर्वत शामिल हैं।
3. यह हिमालय की सबसे नवीन श्रेणी है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) केवल 1 व 3 (d) 1, 2 व 3 [a]

व्याख्या:

- ◆ यह महान हिमालय के उत्तर में या तिब्बत के दक्षिण में स्थित है।
- ◆ इस श्रेणी द्वारा बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों तथा उत्तर की ओर भूमि से घिरी हुई झीलों में गिरने वाली नदियों के लिए जल-विभाजक का कार्य किया जाता है।
- ◆ कराकोरम श्रेणी को 'उच्च एशिया की रीढ़' भी कहा जाता है।
- ◆ इस श्रेणी में अनेक पर्वत श्रेणियाँ लद्दाख, जास्कर, कैलाश, कराकोरम शामिल हैं।
- ◆ यह नवीन श्रेणी नहीं है, बल्कि हिमालय की बाहरी श्रेणी शिवालिक को नवीनतम माना जाता है।

17. हिमालय की प्रमुख चोटियों के संदर्भ में निम्न पर विचार कीजिए-

कथन (A): कंचनजंगा भारत की सर्वोच्च चोटी है तथा नंदा देवी दूसरी सर्वोच्च चोटी मानी जाती है।

कारण (R): माउंट एवरेस्ट भारत की सीमा के भीतर स्थित है, इसलिए उसे भारतीय चोटियों में शामिल किया जाता है।

- (a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है [a]

व्याख्या:

- ◆ कंचनजंगा भारतीय संदर्भ में सर्वोच्च चोटी के रूप में मानी जाती है
- ◆ नंदा देवी इसके बाद प्रमुख उच्च शिखर है
- ◆ माउंट एवरेस्ट का स्थान नेपाल-तिब्बत (चीन) सीमा क्षेत्र में है
- ◆ **प्रमुख चोटियाँ :**

शिखर	देश	ऊँचाई मीटर)
माउण्ट एवरेस्ट	नेपाल	8848
कंचनजंगा	सिक्किम (भारत)	8598
मकालु	नेपाल	8481
धौलागिरि	नेपाल	8172
नंगा पर्वत	जम्मू कश्मीर (भारत)	8126
अन्नपूर्णा	नेपाल	8078
कामेट	उत्तराखंड (भारत)	7756
नंदादेवी	उत्तराखंड (भारत)	7817
नामचा बरुआ	अरुणाचल प्रदेश (भारत)	7756
गुरुला मंधाता	नेपाल	7728

18. हिमालयी दरों के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. नाथुला दर्रा सिक्किम में स्थित है।
2. रोहतांग दर्रा हिमाचल प्रदेश में स्थित है।
3. खैबर दर्रा भारत में स्थित है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) केवल 1 व 3 (d) 1, 2 व 3 [a]

व्याख्या:
प्रमुख दर्रे -

1. खैबर दर्रा (पाकिस्तान) पेशावर को काबुल से जोड़ता है।
2. बोलन दर्रा (पाकिस्तान) क्वेटा एवं कंधार को खक्कर से जोड़ता है।
3. **शिपकी ला दर्रा (हिमाचल प्रदेश)** भारत-तिब्बत मार्ग, शिमला से गार्टोक (तिब्बत) से जोड़ता है।
4. बारालाचला (हिमाचल प्रदेश) लेह को कुल्लू मनाली, कैलांग से जोड़ता है।
5. **रोहतांग दर्रा (हिमाचल प्रदेश)** लाहौल स्फीति को लेह लद्दाख से जोड़ता है।
6. जोजिला दर्रा (जम्मू-कश्मीर) श्रीनगर से लेह को जोड़ता है।
7. बनिहाल दर्रा (जम्मू-कश्मीर) जम्मू को कश्मीर से जोड़ता है।
8. **बुर्जिल दर्रा (जम्मू-कश्मीर)** श्रीनगर से गिलगित को जोड़ता है।
9. काराकोरम दर्रा (जम्मू-कश्मीर) श्री नगर से यारकन्द को जोड़ता है
10. माना और नीति दर्रा (उत्तराखंड) मानसरोवर और कैलाश घाटी की ओर मार्ग जाता है।
11. **बोमडिला दर्रा (अरुणाचल प्रदेश)** भारत को चीन से जोड़ता है।
12. यांग्याप दर्रा (अरुणाचल प्रदेश) भारत को चीन से जोड़ता है।
13. दिफू दर्रा (अरुणाचल प्रदेश) भारत को चीन से जोड़ता है।
14. गसांड दर्रा (अरुणाचल प्रदेश) भारत को म्यांमार से जोड़ता है।
15. तुजु दर्रा (मणिपुर) भारत को म्यांमार से जोड़ता है।
16. लिपुलेख (उत्तराखंड) यह कुमायूँ क्षेत्र को तिब्बत के तकला कोट से जोड़ता है।
17. **नाथुला एवं जेलेप ला (सिक्किम)** भारत तिब्बत मार्ग को जोड़ता है।

19. उत्तरी मैदान के निर्माण के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसका निर्माण मुख्यतः हिमालय से निकली नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से संबंधित है।
2. इसका विस्तार विश्व के विस्तृत जलोढ़ मैदानों में गिना जाता है।
3. इसकी संरचना ज्वालामुखीय उद्गारों से उत्पन्न चट्टानों पर आधारित मानी जाती है।
4. इस क्षेत्र में अवसादी निक्षेपों की परतें निरंतर विकसित होती रहती हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4 [c]

व्याख्या:

- ◆ उत्तरी मैदान का संबंध हिमालयी नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से है।
- ◆ यह क्षेत्र विश्व के प्रमुख जलोढ़ मैदानों में शामिल किया जाता है।
- ◆ यहाँ अवसादी परतों का क्रमिक निक्षेपण होता रहता है।
- ◆ ज्वालामुखीय चट्टानों की अपेक्षा अवसादी संरचना का प्रभुत्व पाया जाता है।

20. प्रायद्वीपीय पठार के संदर्भ में निम्नलिखित का सुमेलन कीजिए-

सूची-I	सूची-II
a. प्राचीनता	I. 600-900 मीटर औसत ऊँचाई
b. ऊँचाई	II. भारत का प्राचीन भूभाग
c. नदी प्रवाह	III. पूर्व की ओर प्रमुख प्रवाह
d. संरचना	IV. स्थिर भू-आकृतिक इकाई

(a) a-I, b-II, c-III, d-IV (b) a-II, b-I, c-III, d-IV

(c) a-II, b-III, c-I, d-IV (d) a-IV, b-I, c-II, d-III [b]

व्याख्या:

- प्रायद्वीपीय पठार का संबंध अत्यंत प्राचीन भू-आकृतिक संरचना से है
- इसकी औसत ऊँचाई लगभग 600-900 मीटर के मध्य पाई जाती है
- अधिकांश नदियाँ पूर्व की दिशा में प्रवाहित होकर बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं
- यह क्षेत्र भूगर्भीय रूप से स्थिर एवं कठोर इकाई के रूप में जाना जाता है

21. गंगा मैदान के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

- इसका विस्तार उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में है।
- यहाँ गोखुर झीलें पाई जाती हैं।
- इसका निर्माण केवल प्रायद्वीपीय नदियों द्वारा हुआ है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 (b) केवल 1 व 2
(c) केवल 2 व 3 (d) 1, 2 व 3 [b]

व्याख्या:

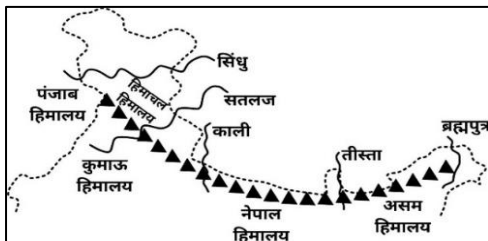
गंगा नदी तंत्र का मैदान-

- इसका विस्तार उत्तर प्रदेश, बिहार एवं पश्चिम बंगाल तक है।
- गंगा तथा उसकी सहायक नदियों के द्वारा निर्मित मैदान को मुख्यतः तीन मैदानी प्रदेशों में सीमांकित किया गया है-
(अ) ऊपरी गंगा का मैदान (ब) मध्य गंगा का मैदान
(स) निम्न गंगा का मैदान
- गंगा के मैदान की रचना हिमालय से निकलने वाली नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से हुई है।
गंगा के मैदान में पूर्व से पश्चिम की ओर जाने पर बंगाल की खाड़ी की शाखा के द्वारा होने वाली वर्षा की मात्रा में समुद्र से दूरी बढ़ने के कारण कमी आती जाती है।
- मध्य गंगा के मैदान में 'गोखुर झील' अधिक पाई जाती हैं इसका प्रमुख कारण इस भाग में नदियाँ विसर्प के रूप में बहती हैं।

22. 'नेपाल हिमालय' किसके मध्य में अवस्थित है?

- (a) व्यास तथा काली (b) तिस्ता तथा सांगपो
(c) काली तथा तिस्ता (d) सतलज तथा तिस्ता [c]

व्याख्या:-



(i) पंजाब या कश्मीर हिमालय -

- यह सिंधु और सतलज नदी के बीच 560 किमी. की लम्बाई में स्थित है।
- इसका अधिकांश भाग जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में विस्तृत है।

(ii) कुमायूँ हिमालय -

- हिमालय का यह भाग सतलज नदी से काली नदी बीच में स्थित है।
- यह उत्तराखण्ड में फैला है।

(iii) नेपाल हिमालय -

- हिमालय का यह भाग काली नदी से तीस्ता नदी तक विस्तृत है।
- यह भाग लगभग 800 किलोमीटर लम्बाई में फैला है।

(iv) असम हिमालय -

- यह भाग तीस्ता नदी से ब्रह्मपुत्र नदी तक 720 किमी. में विस्तृत है।
- यह श्रेणी नेपाल हिमालय की अपेक्षा नीची है।
- यह श्रेणी सिक्किम, असम व अरुणाचल राज्यों तथा भूटान देश में विस्तृत है।

23. पश्चिमी घाट के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

- यह भारत की जैव विविधता का महत्वपूर्ण क्षेत्र है।
- इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।
- यह पूर्वी घाट से ऊँचा है।

सही विकल्प चुनिए-

- (a) केवल 1 व 2 (b) केवल 2 व 3
(c) 1, 2 व 3 (d) केवल 1 [c]

व्याख्या:

- पश्चिमी घाट का विस्तार अरब सागर तट के समांतर लगभग 1,600 किमी. की लंबाई में है। पश्चिमी घाट को 'सह्याद्रि' भी कहा जाता है।
- महाबलेश्वर, कलसूबाई, हरिश्चंद्र आदि यहाँ की प्रमुख चोटियाँ हैं।
- यह उत्तर में तापी नदी के मुहाने (महाराष्ट्र-गुजरात की सीमा) से गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु के कन्याकुमारी अंतरीप तक फैला हुआ है।
- इसका निर्माण प्रायद्वीपीय भारत के गोंडवानालैंड के विभंजन से निर्मित कगार तथा स्थल के एक खंड के अरब सागर में अवसंवलन के कारण हुआ है। इसका पश्चिमी ढाल तीव्र एवं खड़ा है जबकि पूर्वी ढाल मंद एवं सीढ़ीनुमा है।
- इसमें गोदावरी, भीमा और कृष्णा आदि नदियों का उद्गम स्थान है। यहाँ की नदियाँ अपने मुहाने पर ज्वारनदमुख (एशुअरी) का निर्माण करती हैं।
- पश्चिमी घाट पर्वतीय श्रृंखला को विश्व में सर्वाधिक संपन्न जैव विविधता वाली श्रेणी में रखा जाता है। यूनेस्को ने 2012 में इस क्षेत्र को 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित किया था।
- पश्चिमी घाट में थालघाट, भोरघाट और पालघाट एवं सेनकोटा दर्रे मिलते हैं।
- सह्याद्री पर्वत (पश्चिमी घाट) प्रायद्वीपीय भारत के लिए जल विभाजक का कार्य करता है।
- नीलगिरि के दक्षिण में अन्नामलाई की पहाड़ियाँ हैं जिसकी सबसे अधिक ऊँचाई 2695 मी. अनाईमुदी की चोटी के रूप में है।
- नीलगिरि की अधिकतम ऊँचाई 2637 मी. (दोदाबेट्टा शिखर के रूप में) है।
- अनाईमुदी के निकट ही पालनी और इलायची पहाड़ियाँ (कार्डेमम हिल) हैं।

24. पश्चिमी तटीय मैदान के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए-

कथन (A): पश्चिमी तटीय मैदान पश्चिमी घाट और अरब सागर के मध्य स्थित एक संकीर्ण तटीय पट्टी है।

कारण (R): इस क्षेत्र में कई प्राकृतिक बंदरगाह विकसित हुए हैं, क्योंकि तटरेखा गहरी एवं कटी-फटी (indented) है।

- (a) A सही है, पर R गलत है
(b) A गलत है, पर R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या है
(d) A और R दोनों सही हैं, पर R, A की सही व्याख्या नहीं है [c]

व्याख्या:-

- ◆ पश्चिमी तटीय मैदान का विस्तार पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच पाया जाता है
- ◆ यह क्षेत्र अपेक्षाकृत संकीर्ण तटीय पट्टी के रूप में विकसित है
- ◆ तटरेखा में कटाव और गहराई के कारण प्राकृतिक बंदरगाहों का विकास होता है, कोंकण और मालाबार तट इसके प्रमुख भाग माने जाते हैं

25. पूर्वी घाट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह असतत पर्वतमाला के रूप में पाई जाती है।
2. इसकी ऊँचाई सामान्यतः पश्चिमी घाट की तुलना में अधिक मानी जाती है।
3. गोदावरी, कृष्णा और महानदी जैसी नदियों द्वारा इसे कई स्थानों पर विच्छेदित किया गया है।
4. यह बंगाल की खाड़ी के समानांतर फैली हुई है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

[c]
व्याख्या:-

- ◆ भारत का पूर्वी घाट एक असतत श्रृंखला के रूप में ओडिशा से लेकर तमिलनाडु तक विस्तृत है।
- ◆ इसका विस्तार महानदी के मुहाने से कुमारी अंतरीप तक फैला है।
- ◆ गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, महानदी तथा पलार आदि बड़ी नदियों द्वारा विच्छेदित होकर एवं अत्यधिक अपरदन के कारण पूर्वी घाट की औसत ऊँचाई पश्चिमी घाट की अपेक्षा कम है।
- ◆ पूर्वी घाट में रेतीले जमावों द्वारा घिरी चिल्का और पुलिकट छिछली झीलें बन गई हैं।
- ◆ पूर्वी घाट के मध्य भाग में दो समानांतर पहाड़ियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से पूर्वी पहाड़ियों को वेलीकोंडा श्रेणी और पश्चिमी पहाड़ियों को पालकोंडा श्रेणी कहा जाता है।
- ◆ पूर्वी घाट के निर्माण में आग्नेय व अवसादी उत्पत्ति की शिस्ट, नीस, चर्नोकाइट, खोंडलाइट आदि शैलों का योगदान है।
- ◆ उत्तरी खंड में उत्तरी पहाड़ी, मध्यखंड में कुडप्पा पहाड़ी और दक्षिणी खंड में तमिलनाडु पहाड़ी के नाम से पुकारी जाने वाली इन पहाड़ियों की ऊँचाई 600 मी. हैं।

26. पश्चिमी घाट की ऊँचाई उत्तरोत्तर बढ़ती जाती है:

- (a) पूर्व से पश्चिम
- (b) दक्षिण से पूर्व
- (c) उत्तर से दक्षिण
- (d) पश्चिम से पूर्व

[c]
व्याख्या:-

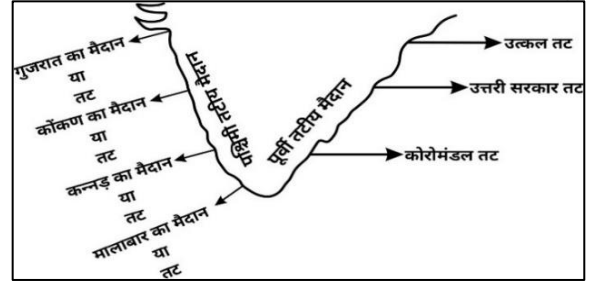
- ◆ पश्चिमी घाट भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पर्वत श्रृंखला है। पश्चिमी घाट की ऊँचाई उत्तर (500-900 मीटर) से दक्षिण की ओर बढ़ती है, दक्षिणी क्षेत्र में 2,000 मीटर से अधिक हो जाती है।
- ◆ अनामुडी (2,695 मीटर) और डोडाबेट्टा (2,637 मीटर) पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटियाँ हैं, जो दक्षिण में स्थित हैं।
- ◆ पश्चिमी घाट (औसतन 900-1,600 मीटर) पूर्वी घाट (औसतन 600 मीटर) की तुलना में काफी ऊँचे हैं।

27. निम्नलिखित में से कौन सा पश्चिमी तटीय मैदान का भाग नहीं है? निम्न में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) मालाबार तट
- (b) कोंकण
- (c) कोरोमंडल
- (d) कनड़ तट

[c]
व्याख्या:-

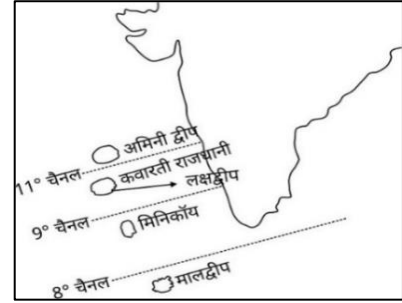
- ◆ कोरोमंडल तट भारतीय उपमहाद्वीप का दक्षिणपूर्वी तट क्षेत्र है, जो उत्तर में उत्कल मैदान, पूर्व में बंगाल की खाड़ी, दक्षिण में कावेरी डेल्टा और पश्चिम में पूर्वी घाट से घिरा है।
- ◆ कोरोमंडल तट लगभग 22,800 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।


28. निम्नलिखित में से कौन-सा जल निकाय, अंडमान द्वीप समूह को निकोबार द्वीप समूह से अलग करता है -

- (a) मन्नार की खाड़ी
- (b) 5° चैनल
- (c) 10° चैनल
- (d) अरब सागर

[c]
व्याख्या:-

- ◆ अंडमान और निकोबार द्वीपों के बीच 10° चैनल स्थित है।
- ◆ यह भूमध्य रेखा के उत्तर में अक्षांश की 10-डिग्री रेखा पर स्थित है।


29. भारतीय सीमा पर पूर्व से पश्चिम की ओर स्थित दरों को व्यवस्थित करें-

- (a) दीफू, जेलेप ला, नीति, रोहतांग ला
- (b) जेलेप ला, नीति, दीफू, रोहतांग ला
- (c) रोहतांग ला, जेलेप ला, दीफू, नीति
- (d) जेलेप ला, रोहतांग ला, दीफू, नीति

[a]
व्याख्या:-

- ◆ भारतीय सीमा पर पूर्व से पश्चिम की ओर स्थित दरों को निम्नलिखित क्रम में व्यवस्थित किया जा सकता है:
- ◆ दीफू दर्रा (अरुणाचल प्रदेश)
- ◆ जेलेप ला (सिक्किम)
- ◆ नीति दर्रा (उत्तराखंड)
- ◆ रोहतांग ला (हिमाचल प्रदेश)

30. पालघाट निम्नलिखित में से किनके मध्य स्थित है?

- (a) नीलगिरि और कार्डमोन पहाड़ियाँ
- (b) नीलगिरि और अन्नामलाई पहाड़ियाँ
- (c) अन्नामलाई और कार्डमोन पहाड़ियाँ
- (d) कार्डमोन पहाड़ियाँ और पालिनी पहाड़ियाँ

[b]
व्याख्या:-

- ◆ पालघाट नीलगिरि और अन्नामलाई श्रेणियों के मध्य स्थित है।
- ◆ केरल में स्थित इस दर्रे से कालीकट-त्रिचूर कोयम्बटूर-इडोर के रेल व सड़क मार्ग गुजरते हैं।
- ◆ थालघाट, भोरघाट व पालघाट पश्चिमी घाट के प्रमुख दर्रे हैं जिनकी ऊँचाई क्रमशः 581 मी., 229 मी. तथा 300 मी. है।



राजस्थान का भूगोल

स्थिति एवं विस्तार

1. राजस्थान के निम्नलिखित शहरों को पश्चिम से पूर्व दिशा में व्यवस्थित करें।

- a. बाड़मेर b. बून्दी
c. पाली d. राजसमंद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) a, c, d, b (b) c, a, b, d
(c) b, d, a, c (d) d, b, a, c [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान के शहरों को पश्चिम से पूर्व दिशा में उनके देशांतरीय विस्तार के आधार पर इस प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है:
- बाड़मेर :-** यह राजस्थान के सुदूर पश्चिम में स्थित सीमावर्ती जिला है।
- पाली :-** बाड़मेर के पूर्व में स्थित है।
- राजसमंद :-** यह पाली के पूर्व और थोड़ा दक्षिण-पूर्व की ओर स्थित है।
- बून्दी :-** यह हाड़ौती क्षेत्र में स्थित है, जो इन चारों में सबसे पूर्व में आता है।

2. राजस्थान का उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम विस्तार क्रमशः है-

- (a) 852 और 878 किमी. (b) 915 और 842 किमी.
(c) 826 और 869 किमी. (d) 834 और 887 किमी. [c]

व्याख्या:-

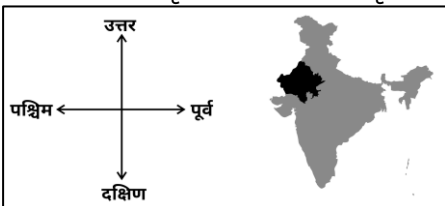
- राजस्थान का उत्तर से दक्षिणी विस्तार:- 826 किमी.
- राजस्थान का पूर्व से पश्चिम विस्तार:- 869 किमी.
- उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम विस्तार में अंतर:- $869 - 826 = 43$ कि.मी.
- उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम का विकर्ण:- 784 कि.मी.
- उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व का विकर्ण:- 850 कि.मी.
- विकर्णों का अंतर = $850 - 784 = 66$ कि.मी.

3. भारत में राजस्थान की भौगोलिक स्थिति है-

- (a) उत्तर-पश्चिमी भाग (b) दक्षिण-पश्चिमी भाग
(c) उत्तर-पूर्वी भाग (d) दक्षिण-पूर्वी भाग [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग (वायव्य कोण) में स्थित है। इसकी सीमाएँ पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में पंजाब, उत्तर-पूर्व में हरियाणा व उत्तरप्रदेश, दक्षिणी-पूर्व में मध्यप्रदेश तथा दक्षिणी-पश्चिम में गुजरात से लगती है।
- विश्व में राजस्थान उत्तरी पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।
- राजस्थान की आकृति T.H. हैण्डले के अनुसार विषमकोणीय चतुर्भुजाकार/पतंगाकार/रोहम्बस के समान है।
- टोंक** जिले की आकृति राजस्थान की आकृति के समान है।



- कोण - ईशान कोण
- अक्षांश (Latitude): $23^{\circ}03'$ से $30^{\circ}12'$ उत्तरी
- देशांतर (Longitude): $69^{\circ}30'$ से $78^{\circ}17'$ पूर्वी

राजस्थान की ग्लोबीय स्थिति

अक्षांशीय स्थिति

अक्षांशीय दृष्टि से राजस्थान उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।

देशांतरीय स्थिति

(देशांतरीय दृष्टि से राजस्थान पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।)

4. सूची-I को सूची II से सुमेलित करें:-

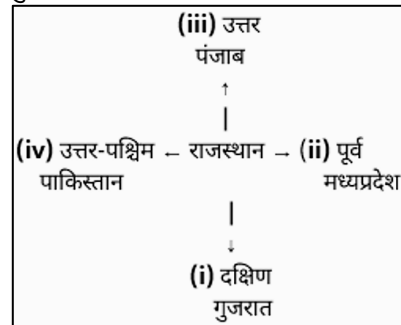
सूची-I (देश-राज्य)	सूची II (राजस्थान की सीमा)
(A) पाकिस्तान	(I) दक्षिण
(B) मध्यप्रदेश	(II) पूर्व
(C) पंजाब	(III) उत्तर
(D) गुजरात	(IV) उत्तर-पश्चिम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) A-IV, B-III, C-II, D-I (b) A-IV, B-II, C-III, D-I
(c) A-IV, B-I, C-II, D-III (d) A-I, B-II, C-III, D-IV [b]

व्याख्या:-

- पाकिस्तान राजस्थान के उत्तर-पश्चिम में स्थित है
- मध्यप्रदेश राजस्थान के पूर्व में है।
- पंजाब राजस्थान के उत्तर में स्थित है।
- गुजरात राजस्थान के दक्षिण में है।



5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- (A) राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित है।
(B) राजस्थान का आकार पतंग/समांतर असमचतुर्भुजाकार माना जाता है।
(C) राजस्थान का आकार त्रिभुजाकार है।
(D) राजस्थान का आकार प्लेट के समान है।

सही उत्तर का चयन कीजिए-

- (a) केवल (A) और (B) (b) केवल (B) और (C)
(c) केवल (A), (B) और (D) (d) उपयुक्त सभी [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित है।
- राजस्थान का आकार पतंग/समांतर असमचतुर्भुजाकार बताया जाता है।
- राजस्थान त्रिभुजाकार नहीं है।
- प्लेट के समान आकार का वर्णन सही नहीं है।

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन्हें ध्यानपूर्व पढ़ें:
कथन (A): राजस्थान का सबसे पश्चिमी बिंदु जैसलमेर का 'कटरा' गांव है।
कारण (R): राजस्थान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ लाइन) केवल जैसलमेर जिले से लगती है।
 (a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
 (b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
 (c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
 (d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। [c]

व्याख्या:-

- राजस्थान का देशांतरीय विस्तार $69^{\circ}30'$ पूर्वी देशांतर से शुरू होता है। यह बिंदु जैसलमेर जिले की सम तहसील के 'कटरा' गांव में स्थित है। यह राजस्थान का सुदूर पश्चिमी छोर है।
- राजस्थान की 1,070 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ रेखा) वर्तमान में 5 जिलों (फलोदी के गठन के बाद) से लगती है: श्रीगंगानगर, फलोदी, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर
- जैसलमेर (सबसे लंबी सीमा - 464 किमी)

7. निम्नलिखित में से राजस्थान के बारे में कौन-सा कथन सत्य है?
 (a) इसका आधार विषमकोण चतुर्भुज के समान है।
 (b) इसका उत्तर से दक्षिण विस्तार 869 किमी. है।
 (c) इसकी स्थलीय सीमा 6920 किमी. है।
 (d) इसका क्षेत्रफल 3,42,329 वर्ग किमी. है। [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान भारत का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है, जिसका कुल क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किमी (भारत का 10.41%) है।
- विषमकोण चतुर्भुज (पतंग) के आकार का यह राज्य उत्तर से दक्षिण में 826 किमी और पूर्व से पश्चिम में 869 किमी लंबा है, जिसकी कुल स्थलीय सीमा 5,920 किमी है।

8. राजस्थान राज्य का कुल क्षेत्रफल है, लगभग -

- (a) 2 लाख 24 हजार वर्ग किमी.
 (b) 3 लाख 42 हजार वर्ग किमी.
 (c) 4 लाख 24 हजार वर्ग किमी.
 (d) 5 लाख 42 हजार वर्ग किमी. [b]

व्याख्या:-

- राजस्थान का क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किमी. है।
- 1 नवम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ अलग होने पर राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रथम स्थान पर आया।

9. निम्नलिखित राज्यों को उनके क्षेत्रफल के अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित करें।

- (A) राजस्थान (B) हरियाणा (C) उत्तर प्रदेश (D) गुजरात
 नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
 (a) (A), (C), (B), (D) (b) (B), (D), (C), (A)
 (c) (D), (B), (C), (A) (d) (A), (C), (D), (B) [d]

व्याख्या:-

- राज्यों को उनके क्षेत्रफल के अनुसार अवरोही क्रम (घटते क्रम) में व्यवस्थित करने पर सही क्रम निम्नलिखित प्रकार से है:
- राजस्थान:- लगभग 3,42,239 वर्ग किमी (भारत का सबसे बड़ा राज्य)
- उत्तर प्रदेश:- लगभग 2,40,928 वर्ग किमी (चौथा सबसे बड़ा राज्य)
- गुजरात:- लगभग 1,96,024 वर्ग किमी
- हरियाणा:- लगभग 44,212 वर्ग किमी

10. राजस्थान का क्षेत्रफल निम्नलिखित यूरोपीय देशों में से किनके क्षेत्रफल के लगभग बराबर है?

1. नार्वे 2. बेल्जियम 3. स्विट्जरलैंड 4. पोलैण्ड
 कूट:-
 (a) 1, 2, 4 (b) 1, 3
 (c) 2, 4 (d) 1, 4 [d]

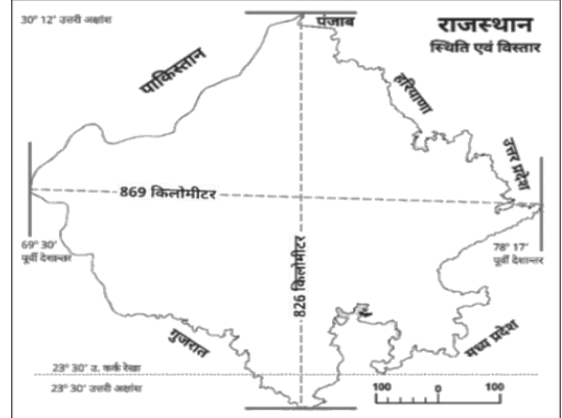
व्याख्या:-

- राजस्थान का क्षेत्रफल लगभग **नार्वे (3,23,802 वर्ग किमी.)** और **पोलैण्ड (3,12,696 वर्ग किमी.)** के बराबर है।
- जर्मनी, जापान, वियतनाम के भी लगभग बराबर है। इसके अतिरिक्त:
- ब्रिटेन** से लगभग **2 गुना** बड़ा
- श्रीलंका** से लगभग **5 गुना**
- इजरायल** से लगभग **17 गुना**
- बेल्जियम** से लगभग **13 गुना**
- स्विट्जरलैंड और बेल्जियम** की तुलना में भी कहीं अधिक बड़ा है।
- राजस्थान का क्षेत्रफल कई देशों से भी अधिक है, जो इसे विश्व स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण स्थान देता है।

11. राजस्थान राज्य की स्थिति एवं विस्तार के सम्बन्ध में सही कथन नहीं है?

- (a) राज्य का उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम विस्तार क्रमशः 869 किलोमीटर तथा 826 किलोमीटर है।
 (b) राज्य की आकृति विषमकोण चतुर्भुज के समान है।
 (c) राज्य की अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्राज्यीय सीमाओं की लम्बाई क्रमशः 1070 किमी. तथा 4850 किमी. है।
 (d) राज्य का भौगोलिक क्षेत्र भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41 प्रतिशत के बराबर है। [a]

व्याख्या:-



12. 23° उत्तरी अक्षांश तथा 70° पूर्वी देशान्तर रेखाएँ राजस्थान के निम्नलिखित में से क्रमशः किन जिलों से होकर गुजरती हैं?

- (a) बाँसवाड़ा व जैसलमेर (b) डूंगरपुर व नागौर
 (c) बाँसवाड़ा व डूंगरपुर (d) डूंगरपुर व धौलपुर [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के अनुसार महत्वपूर्ण अक्षांश और देशांतर रेखाएँ निम्नलिखित जिलों से गुजरती हैं:-
- $23\frac{1}{2}^{\circ}$ (23.5°) उत्तरी अक्षांश (कर्क रेखा):-** यह रेखा राजस्थान के दक्षिणतम भाग से होकर गुजरती है। यह मुख्य रूप से बाँसवाड़ा जिले के मध्य से और डूंगरपुर जिले की दक्षिणी सीमा को स्पर्श करते हुए निकलती है।
- 70° पूर्वी देशान्तर:-** राजस्थान का पश्चिमी विस्तार $69^{\circ}30'$ पूर्वी देशान्तर से शुरू होता है। अतः 70° पूर्वी देशान्तर रेखा राजस्थान के सुदूर पश्चिमी जिले जैसलमेर के मध्य से होकर गुजरती है।

13. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को दक्षिण से उत्तर के क्रम में बढ़ते हुए अक्षांश के अनुसार व्यवस्थित करें।
(a) झालावाड़ (b) झुंझुनू (c) जोधपुर (d) सवाई माधोपुर
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (a), (c), (b), (d) (b) (a), (b), (d), (c)
(c) (d), (c), (b), (a) (d) (a), (d), (c), (b) [d]

व्याख्या:-

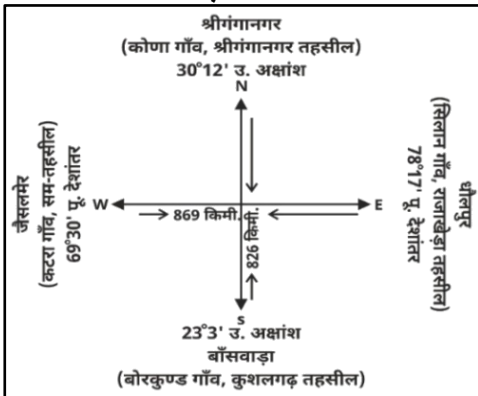
- राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार $23^{\circ}03'$ उत्तरी अक्षांश से $30^{\circ}12'$ उत्तरी अक्षांश तक है। दक्षिण से उत्तर के क्रम में व्यवस्थित करने का अर्थ है कम अक्षांश से अधिक अक्षांश की ओर जाना:
- झालावाड़ : यह राजस्थान के सुदूर दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित है (लगभग 24° अक्षांश)।
- सवाई माधोपुर : यह झालावाड़ के उत्तर में स्थित है (लगभग 26° अक्षांश)।
- जोधपुर : सवाई माधोपुर की तुलना में इसका अक्षांशीय विस्तार थोड़ा उत्तर की ओर है (लगभग 26.2° अक्षांश)।
- झुंझुनू : यह राजस्थान के उत्तरी भाग (शेखावाटी क्षेत्र) में स्थित है, इसलिए इसका अक्षांश सबसे अधिक है (लगभग 28° अक्षांश)।
- सही क्रम: झालावाड़- सवाई माधोपुर- जोधपुर - झुंझुनू।

14. राजस्थान के बारे में निम्नांकित कथनों में से कौन-सा एक सही नहीं है?
(a) उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम विस्तार अधिक है।
(b) उत्तर-दक्षिण की अपेक्षा पूर्व-पश्चिम विस्तार कम है।
(c) इसकी कुल स्थल सीमा 6000 किमी. से कम है।
(d) इसका अक्षांशीय विस्तार 7 अक्षांश से कम नहीं है। [b]

व्याख्या:-

- राजस्थान का पूर्व-पश्चिम विस्तार (869 किमी.) उत्तर दक्षिणी विस्तार (826 किमी.) से अधिक है।
- राज्य की सीमा लगभग 5920 किमी. है (स्थल सीमा < 6000 किमी.)
- अक्षांशीय विस्तार लगभग 7 डिग्री से कम है ($23^{\circ}03'N$ से $30^{\circ}12'N$)

राजस्थान का अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार



15. राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. रामदेवरा (जैसलमेर), जिला मुख्यालय से पूर्व दिशा में स्थित है।
2. राजस्थान का सबसे दक्षिणतम जिला राजसमंद है।
3. सोजत और मारवाड़ जंक्शन दोनों पाली जिले के अंतर्गत आते हैं।
4. अक्षांशों के आधार पर झुंझुनू, जोधपुर से अधिक उत्तर में स्थित है।
(a) केवल 1 और 2 सही
(b) केवल 1, 3 और 4 सही
(c) केवल 2, 3 और 4 सही
(d) 1, 2, 3 और 4 सही [b]

व्याख्या:-

- रामदेवरा: यह जैसलमेर मुख्यालय के पूर्व में पोकरण के पास स्थित है।
- दक्षिणतम जिला: राजस्थान का सबसे दक्षिणतम जिला बाँसवाड़ा है
- सोजत व मारवाड़ जंक्शन: ये दोनों स्थान भौगोलिक और प्रशासनिक रूप से पाली जिले में स्थित हैं।
- अक्षांशीय स्थिति: झुंझुनू (उत्तर) का अक्षांश जोधपुर (मध्य) से अधिक है, इसलिए झुंझुनू अधिक उत्तर में है।

16. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है:
कथन (A): राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर जिलों को 'अन्तर्राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय' जिलों की श्रेणी में रखा जाता है।
कारण (R): ये दोनों जिले पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाने के साथ-साथ पड़ोसी भारतीय राज्यों के साथ भी सीमा साझा करते हैं।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है। [a]

व्याख्या:-

- राजस्थान की 1070 किमी लंबी रेडक्लिफ रेखा पर स्थित जिलों में से केवल दो जिले ऐसे हैं जो दोहरी सीमा बनाते हैं।
- श्रीगंगानगर: यह पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में पंजाब राज्य से सीमा बनाता है।
- बाड़मेर: यह पश्चिम में पाकिस्तान और दक्षिण में गुजरात राज्य से सीमा बनाता है।

17. राजस्थान राज्य का अक्षांशीय विस्तार है?

- (a) $23^{\circ}3'$ दक्षिण से $30^{\circ}12'$ दक्षिण
(b) $23^{\circ}3'$ उत्तर से $30^{\circ}12'$ उत्तर
(c) $23^{\circ}3'$ उत्तर से $30^{\circ}12'$ दक्षिण
(d) $30^{\circ}12'$ उत्तर से $23^{\circ}3'$ दक्षिण [b]

व्याख्या:-

- विस्तार राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार $23^{\circ}03'$ उत्तरी अक्षांश (बोरकुण्ड गाँव, बाँसवाड़ा) से $30^{\circ}12'$ उत्तरी अक्षांश (कोणा गाँव, श्रीगंगानगर) तक है।
- कुल अंतर दोनों अक्षांशों के मध्य $7^{\circ}09'$ का अंतर है।
- दूरी उत्तर से दक्षिण की कुल लंबाई 826 किमी. है।

18. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें:

- | | |
|------------------|-------------------|
| सूची-I (जिला) | सूची-II (सीमा) |
| (a) जालोर | (i) उत्तर प्रदेश |
| (b) श्री गंगानगर | (ii) गुजरात |
| (c) भरतपुर | (iii) मध्य प्रदेश |
| (d) बाँसवाड़ा | (iv) पंजाब |

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) a-iv, b-iii, c-ii, d-i (b) a-ii, b-iv, c-i, d-iii
(c) a-ii, b-iv, c-iii, d-i (d) a-i, b-ii, c-iii, d-iv [b]

व्याख्या:-

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों और उनसे सटे राज्यों का सही मिलान निम्नलिखित प्रकार से है:-

- जालोर - गुजरात: जालोर अपनी सीमा गुजरात राज्य से साझा करता है।
- श्री गंगानगर - पंजाब: यह राजस्थान का उत्तरी जिला है जो पंजाब को स्पर्श करता है।
- भरतपुर - उत्तर प्रदेश: भरतपुर की सीमा उत्तर प्रदेश से लगती है।
- बाँसवाड़ा - मध्य प्रदेश: बाँसवाड़ा दक्षिणी जिला है जो मध्य प्रदेश (और गुजरात) के साथ सीमा बनाता है।

19. सूची-I (विशेषता) को सूची-II (संबंधित जिले) से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (विशेषता)	सूची-II (जिला/जिले)
(A) गुजरात व पाकिस्तान के साथ सीमा	(1) हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर
(B) पंजाब के साथ सीमा साझा करने वाले	(2) बाड़मेर
(C) सर्वाधिक लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा	(3) श्रीगंगानगर व बाड़मेर
(D) अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्राज्यीय दोनों सीमाएँ	(4) जैसलमेर

- (a) A-2, B-1, C-4, D-3
(b) A-1, B-2, C-3, D-4
(c) A-3, B-4, C-1, D-2
(d) A-2, B-3, C-4, D-1

[a]

व्याख्या:-

- ♦ **बाड़मेर :-** यह एकमात्र जिला है जो दक्षिण में गुजरात और पश्चिम में पाकिस्तान से मिलता है।
- ♦ **पंजाब सीमा :-** राजस्थान के केवल दो जिले श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़, उत्तर में पंजाब को स्पर्श करते हैं।
- ♦ **जैसलमेर :-** यह पाकिस्तान के साथ सर्वाधिक 464 किमी. लंबी सीमा बनाता है।
- ♦ **उभयनिष्ठ सीमा :-** श्रीगंगानगर (पंजाब+पाक) और बाड़मेर (गुजरात+पाक) ऐसे जिले हैं जो अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय दोनों सीमाएँ रखते हैं।

20. मानचित्र में उन गाँवों की स्थिति को दर्शाया गया है जहाँ से राजस्थान का उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम विस्तार नापा जाता है। ये स्थितियाँ (i), (ii), (iii) और (iv) से अंकित की गई हैं। नीचे दी गई क्रमावली का सही अनुक्रम पहचानिए-



- (a) सिलौन, कोणा, कटरा, बोरकुंड
(b) बोरकुंड, सिलौन, कटरा, कोणा
(c) कटरा, कोणा, बोरकुंड, सिलौन
(d) कोणा, कटरा, सिलौन, बोरकुंड

[a]

व्याख्या:-

- ♦ राजस्थान का विस्तार निम्नलिखित चार प्रमुख बिंदुओं से मापा जाता है:
- ♦ उत्तर - कोणा गाँव, श्रीगंगानगर
- ♦ दक्षिण - बोरकुंड गाँव, कुशलगढ़ (बाँसवाड़ा)
- ♦ पश्चिम - कटरा गाँव, सम (जैसलमेर)
- ♦ पूर्व - सिलौन या सिलावट गाँव, राजाखेड़ा (धौलपुर)

21. कर्क रेखा राजस्थान के किन जिलों से होकर गुजरती है?

- (a) बारां व झालावाड़ (b) बाड़मेर व चूरू
(c) बाँसवाड़ा व डूंगरपुर (d) बूँदी व भीलवाड़ा

[c]

व्याख्या:-

- ♦ **कर्क रेखा** पृथ्वी पर $23\frac{1}{2}^{\circ}$ उत्तरी अक्षांश पर स्थित है। यह भारत के 8 राज्यों से होकर गुजरती है और राजस्थान के दो जिलों से गुजरती है।
 - ♦ **बाँसवाड़ा** - विशेषतः कुशलगढ़ क्षेत्र से
 - ♦ **डूंगरपुर** - विशेषतः चिकली गाँव के आसपास से
 - ♦ यहाँ पर 21 जून को सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं।
 - ♦ इस दिन राजस्थान का सबसे बड़ा दिन व सबसे छोटी रात होती है, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में सबसे छोटा दिन व सबसे बड़ी रात होती है।
- नोट:-** राजस्थान में कर्क रेखा की लंबाई 26 किमी. है।

22. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- 21 जून को सूर्य की लम्बवत किरणें राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले में पड़ती हैं।
 - कर्क रेखा राजस्थान के दक्षिणी भाग से होकर गुजरती है।
 - राजस्थान में सूर्य किरणों का तिरछापन सर्वाधिक श्रीगंगानगर जिले में होता है।
 - जैसलमेर राजस्थान का सर्वाधिक उत्तरी जिला है।
- (a) केवल 1, 2 और 3 सही (b) केवल 1 और 4 सही
(c) केवल 2 और 3 सही (d) सभी 1, 2, 3 और 4 सही [a]

व्याख्या:-

- ♦ 21 जून को सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत चमकता है, और कर्क रेखा बाँसवाड़ा जिले से गुजरती है।
- ♦ कर्क रेखा राजस्थान के दक्षिणी भाग (डूंगरपुर, बाँसवाड़ा) से होकर गुजरती है। श्रीगंगानगर राजस्थान का उत्तरी जिला है, इसलिए वहाँ सूर्य किरणों का तिरछापन सर्वाधिक होता है।
- ♦ जैसलमेर पश्चिमी जिला है, सर्वाधिक उत्तरी जिला श्रीगंगानगर है।

23. निम्नलिखित सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

जिला	अक्षांश/देशान्तर
(A) बाँसवाड़ा	(I) $30^{\circ}12'$ उत्तर
(B) जैसलमेर	(II) $69^{\circ}30'$ पूर्व
(C) धौलपुर	(III) $23^{\circ}3'$ उत्तर
(D) गंगानगर	(IV) $78^{\circ}17'$ पूर्व

कूट:-

- (a) A-III, B-II, C-I, D-IV (b) A-III, B-II, C-IV, D-I
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I (d) A-I, B-II, C-IV, D-III [b]

व्याख्या:-

- ♦ **बाँसवाड़ा** - राजस्थान का दक्षिणतम जिला, लगभग $23^{\circ}3'$ उत्तर अक्षांश -
- ♦ **जैसलमेर** - पश्चिमतम जिला, लगभग $69^{\circ}30'$ पूर्व देशांतर
- ♦ **धौलपुर** - पूर्वतम जिला, लगभग $78^{\circ}17'$ पूर्व देशांतर
- ♦ **गंगानगर** - उत्तरतम जिला, लगभग $30^{\circ}12'$ उत्तर अक्षांश

24. निम्नलिखित में अधिकतम भौगोलिक दूरी वाला समूह कौन-सा है?

- (a) जयपुर-जोधपुर (b) जयपुर-कोटा
(c) जयपुर-बीकानेर (d) जयपुर-उदयपुर [d]

व्याख्या:-

विभिन्न स्थानों से जयपुर की अनुमानित दूरी:-

- ♦ जयपुर से कोटा - 251 किमी.
- ♦ जयपुर से बीकानेर - 334 किमी.
- ♦ जयपुर से जोधपुर - 372 किमी.
- ♦ जयपुर से उदयपुर - 417 किमी.

भौतिक प्रदेश

विगत वर्षों के प्रश्न

1. अरावली पर्वतमाला की दिशा है-

[REET 2024 (SST)-SHIFT 3RD]

[REET 2022 (SST) 2ND SHIFT]

- (a) दक्षिण-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व
- (b) दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व
- (c) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व
- (d) उत्तर पूर्व से दक्षिण-पश्चिम

[b]

व्याख्या:-

- ◆ अरावली पर्वतमाला विश्व की प्राचीनतम अवशिष्ट पर्वतमालाओं में से एक है तथा इसका निर्माण **प्री-कैम्ब्रियन काल** में हुआ माना जाता है।
- ◆ इसका विस्तार **दक्षिण-पश्चिम में गुजरात के पालनपुर (खेड़ब्रह्मा क्षेत्र)** से लेकर **उत्तर-पूर्व में दिल्ली की रायसीना पहाड़ियों** तक है।
- ◆ अरावली की कुल लंबाई लगभग **692 किलोमीटर** है, जिसमें से लगभग **550 किलोमीटर भाग राजस्थान** में स्थित है।
- ◆ इसकी दिशा **दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व (South-West to North-East)** है, जो राजस्थान के भौतिक एवं जलवायु स्वरूप को अत्यधिक प्रभावित करती है।
- ◆ अरब सागर से आने वाली **दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएँ** अरावली के समानांतर प्रवाहित होती हैं, इसलिए वे पर्याप्त वर्षा नहीं करा पातीं। यही कारण है कि पश्चिमी राजस्थान में **थार मरुस्थल** विकसित हुआ है।
- ◆ अरावली की सर्वोच्च चोटी **गुरुशिखर (1722 मीटर)** है, जो **सिरोही जिले के माउंट आबू** में स्थित है।
- ◆ अरावली पर्वतमाला राजस्थान को दो प्राकृतिक भागों-**पश्चिमी शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र** तथा **पूर्वी अपेक्षाकृत उपजाऊ मैदान**-में विभाजित करती है, इसलिए इसे राजस्थान की **जीवन रेखा** भी कहा जाता है।

2. राजस्थान के भौतिक प्रदेशों का उत्तर से दक्षिण दिशा में अवस्थिति का सही क्रम है-

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) विंध्यन श्रेणी → लूनी बेसिन → शेखावटी प्रदेश → माही का मैदान
- (b) लूनी बेसिन → विंध्यन श्रेणी → शेखावटी प्रदेश → माही का मैदान
- (c) शेखावटी प्रदेश → विंध्यन श्रेणी → लूनी बेसिन → माही का मैदान
- (d) घग्गर का मैदान → भोरट का पठार → शेखावटी प्रदेश → लूनी बेसिन

[c]

व्याख्या:-

- ◆ **शेखावटी प्रदेश** राजस्थान के उत्तरी भाग में स्थित है तथा सीकर, झुंझुनूं एवं चूरू क्षेत्र को सम्मिलित करता है।
- ◆ इसके दक्षिण में **विंध्यन श्रेणी (हाड़ौती का पठारी क्षेत्र)** स्थित है, जो कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़ क्षेत्र से संबंधित है।
- ◆ इसके बाद दक्षिण-पश्चिम दिशा में **लूनी बेसिन** स्थित है, जिसका विस्तार मुख्यतः जोधपुर, पाली, जालोर एवं बाड़मेर क्षेत्रों में है।

- ◆ राजस्थान के सबसे दक्षिणी भाग में **माही का मैदान (वागड़ क्षेत्र)** स्थित है, जिसमें बांसवाड़ा, डूंगरपुर एवं प्रतापगढ़ क्षेत्र आते हैं।
- ◆ माही नदी के कारण विकसित यह क्षेत्र राजस्थान का सर्वाधिक दक्षिणी भौतिक प्रदेश माना जाता है।
- ◆ उत्तर से दक्षिण की दृष्टि से सही क्रम **शेखावटी प्रदेश → विंध्यन श्रेणी → लूनी बेसिन → माही का मैदान** है।

3. भोरट का पठार स्थित है-

[REET 2015 (SST)]

- (a) रघुनाथगढ़ और नाहरगढ़ के मध्य
- (b) अचलगढ़ और देलवाड़ा के मध्य
- (c) कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा के मध्य
- (d) जयगढ़ और नाहरगढ़ के मध्य

[c]

व्याख्या:-

- ◆ भोरट का पठार राजस्थान के अरावली क्षेत्र में **कुम्भलगढ़ और गोगुन्दा** के मध्य स्थित है। यह मेवाड़ क्षेत्र की महत्वपूर्ण भौतिक संरचनाओं में से एक माना जाता है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन अरावली श्रेणियों के लिए सही है?

[REET 2012 (SST)]

- (a) वर्षा में सहायक
- (b) जल विद्युत उत्पादन के लिए उपयुक्त
- (c) जल विभाजक का कार्य करता है।
- (d) परिवहन के लिए अवरोधक

[c]

व्याख्या:-

- ◆ अरावली पर्वतमाला राजस्थान में एक महत्वपूर्ण जल विभाजक का कार्य करती है। इसके पूर्वी भाग की नदियाँ बंगाल की खाड़ी की ओर तथा पश्चिमी भाग की नदियाँ अंतःस्थलीय जल निकास प्रणाली की ओर प्रवाहित होती हैं।

5. अरावली का दूसरा उच्चतम शिखर है-

[REET 2011 (SST)]

- (a) जरगा
- (b) सेर
- (c) तारागढ़
- (d) अचलगढ़

[b]

व्याख्या:-

- ◆ अरावली पर्वतमाला का सर्वोच्च शिखर **गुरु शिखर (1722 मी.)** है, जो सिरोही जिले में स्थित है। इसके बाद **सेर शिखर (लगभग 1597 मी.)** अरावली का दूसरा सबसे ऊँचा शिखर माना जाता है। यह भी माउंट आबू क्षेत्र में स्थित है।

अभ्यास प्रश्न
1. निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार कीजिए।

कथन (A): राजस्थान को चार प्रमुख भौतिक विभागों में विभाजित किया जाता है तथा अरावली पर्वतमाला राज्य का प्राचीनतम भौगोलिक अंचल है।

कारण (R): क्योंकि राजस्थान का लगभग 61% भू-भाग थार मरुस्थल से आच्छादित है, इसलिए उसे चार भौतिक विभागों में बाँटा गया है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-

- (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
 (b) A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
 (c) A सही है, परन्तु R गलत है।
 (d) A गलत है, परन्तु R सही है।

[b]

व्याख्या:-

- ♦ **राजस्थान को चार प्रमुख भौतिक विभागों में बाँटा जाता है-**
 1. पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश
 2. अरावली पर्वतीय प्रदेश
 3. पूर्वी मैदानी प्रदेश
 4. दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश
- ♦ अरावली पर्वतमाला भारत की प्राचीनतम पर्वतमालाओं में से एक है और राजस्थान का प्राचीनतम भौगोलिक अंचल है।
- ♦ कारण (R) भी सही है - राजस्थान का लगभग 61% भू-भाग मरुस्थल से आच्छादित है।
- ♦ लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता, क्योंकि चार भौतिक विभागों में विभाजन का कारण केवल मरुस्थल का प्रतिशत नहीं है, बल्कि स्थलाकृति, संरचना एवं भौगोलिक विशेषताएँ हैं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. राजस्थान स्थित थार मरुस्थल को टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
2. राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का लगभग दो-तिहाई भाग मरुस्थल है।
3. 'थार' मरुस्थल का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,38,254 वर्ग किमी है।
4. थार मरुस्थल मुख्यतः अरावली पर्वतमाला के पूर्वी भाग में स्थित है।

सही उत्तर का चयन कीजिए-

- (a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1 और 4
 (c) केवल 2 और 3 (d) सभी 1, 2, 3 और 4 [a]

व्याख्या:-

- ♦ थार मरुस्थल को प्राचीन टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- ♦ राजस्थान के क्षेत्रफल का लगभग दो-तिहाई भाग मरुस्थलीय है।
- ♦ थार मरुस्थल का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,38,254 वर्ग किमी माना जाता है।
- ♦ थार मरुस्थल अरावली पर्वतमाला के पश्चिमी भाग में स्थित है, न कि पूर्वी भाग में।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. राजस्थान में मरुस्थल राज्य के एक-चौथाई से भी कम क्षेत्र में फैला हुआ है।
2. मरुस्थलीय क्षेत्र में उच्च तापमान एवं निम्न वर्षा पाई जाती है।
3. चरागाहों में कमी, अनियंत्रित पशुचारण एवं वनों की कटाई मरुस्थल विस्तार के कारण हैं।
4. मरुस्थलीय क्षेत्रों की मृदा में लवणीयता एवं क्षारीयता की समस्या पाई जाती है।

सही उत्तर का चयन कीजिए-

- (a) केवल 1 गलत है। (b) केवल 1 और 2 गलत हैं।
 (c) केवल 2 और 3 सही हैं। (d) सभी कथन सही हैं। [a]

व्याख्या:-

- ♦ राजस्थान का लगभग दो-तिहाई (61%) भाग मरुस्थलीय है।
- ♦ मरुस्थल में उच्च तापमान एवं कम वर्षा प्रमुख विशेषताएँ हैं।
- ♦ अनियंत्रित पशुचारण, चरागाहों की कमी एवं वनों की कटाई मरुस्थलीकरण को बढ़ाते हैं।
- ♦ मरुस्थलीय मृदा में लवणीयता एवं क्षारीयता की समस्या सामान्य है।

4. थार मरुस्थल का विस्तार किन राज्यों तक है?

- (a) राजस्थान
 (b) राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश
 (c) राजस्थान, पंजाब
 (d) राजस्थान, पंजाब, गुजरात, हरियाणा

[d]

व्याख्या:-

- ♦ थार मरुस्थल का विस्तार भारत में 85 प्रतिशत, पाकिस्तान में 15 प्रतिशत है।
- ♦ इसका विस्तार भारत में राजस्थान (62%), हरियाणा, गुजरात, पंजाब में है।
- ♦ थार का मरुस्थल उत्तर-पश्चिम में 640 किलोमीटर लम्बा व 300 किलोमीटर चौड़ा रेतीला मरुस्थल है। इसका कुल क्षेत्रफल **1,75,000 वर्ग कि.मी.** (डॉ. हरिमोहन सक्सेना की पुस्तक 'राजस्थान का भूगोल' में) है।
- ♦ यहाँ सर्वाधिक जैव विविधता पाई जाती है। अतः इस क्षेत्र को रूक्ष क्षेत्र कहते हैं। मरुस्थलीय क्षेत्र में जहाँ जल बेसिन पाये जाते हैं उसके चारों ओर हरियाली विकसित हो जाती है, जिसे नखलिस्तान (Oasis) कहते हैं।
- ♦ मरुस्थल का राजस्थान में सर्वाधिक विस्तार जबकि हरियाणा में न्यूनतम विस्तार है।

5. राजस्थान के भौतिक प्रदेशों के सम्बन्धों में सही कथन चुनिए-

1. राज्य के 61.11 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पश्चिमी रेतीले मैदान का विस्तार है।
 2. राज्य के 9 प्रतिशत भू-क्षेत्र में अरावली पर्वतीय प्रदेश का विस्तार है।
 3. राज्य के 23 प्रतिशत भू-क्षेत्र में पूर्वी मैदान का विस्तार है।
 4. राज्य के 7.37 प्रतिशत भू-क्षेत्र में दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश का विस्तार है।
- (a) केवल 1 (b) 1 और 3
 (c) 1, 2 और 3 (d) 3 और 4 [c]

व्याख्या:-

- ♦ राजस्थान के भौतिक प्रदेशों का आधिकारिक वर्गीकरण और क्षेत्रफल विस्तार निम्नलिखित प्रकार से है:-
- 1. **पश्चिमी रेतीला मैदान:-** यह राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग **61.11%** भाग कवर करता है।
- 2. **अरावली पर्वतीय प्रदेश:-** यह राज्य के लगभग **9%** भू-भाग पर विस्तृत है।
- 3. **पूर्वी मैदान:-** यह राज्य के लगभग **23.03%** (या लगभग 23%) क्षेत्र में फैला हुआ है।
- 4. **दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती):** इसका विस्तार राज्य के लगभग **6.89%** भाग पर है।

6. संरचनात्मक दृष्टि से राजस्थान के भौतिक स्वरूप भारत के निम्नलिखित में से किन उच्चावच प्रदेशों का हिस्सा है?
- उत्तरी वृहत मैदान, प्रायद्वीपीय पठार
 - उत्तरी पर्वतीय प्रदेश, उत्तरीय वृहत मैदान
 - तटीय मैदान, प्रायद्वीपीय पठार
 - प्रायद्वीपीय पठार, उत्तरी पर्वतीय प्रदेश

[a]

व्याख्या:-

- राजस्थान में निम्नलिखित दो प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र आते हैं:-
1. उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र (गंगानगर, हनुमानगढ़) जो इण्डो-गैंगेटिक प्लेन यानी उत्तरी वृहत मैदान का भाग है।
2. दक्षिण और पूर्वी भाग (कोटा, झालावाड़, डूंगरपुर) जो प्रायद्वीपीय पठार का भाग है, विशेषकर मालवा और दक्कन पठार से जुड़ा हुआ है।
- भारत को सामान्यतः 05 भागों में बांटा गया है-
(1) हिमालय पर्वत, (2) विशाल मध्यवर्ती मैदान, (3) तटवर्ती मैदान, (4) प्रायद्वीपीय पठार, (5) द्वीप समूह।

7. राजस्थान का दक्षिण पूर्व पठार क्षेत्र के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-
- इसे हाड़ौती पठार के रूप में भी जाना जाता है।
 - यह बारां, बूंदी और कोटा जिलों में विस्तृत है।
 - चंबल इस क्षेत्र की मुख्य नदी है।
 - चूलिया जलप्रपात भी यहाँ स्थित है।
 - यह छप्पन के मैदान के नाम से भी जाना जाता है।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
- (B), (C), (D) और (E)
 - (A), (B), (D) और (E)
 - (A), (C), (D) और (E)
 - (A), (B), (C) और (D)

[d]

व्याख्या:-

- हाड़ौती पठार:-** इसे ऐतिहासिक रूप से हाड़ा चौहानों के शासन के कारण 'हाड़ौती का पठार' कहा जाता है।
- विस्तार:-** यह मुख्य रूप से कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिलों में फैला हुआ है।
- मुख्य नदी:-** चंबल इस क्षेत्र की सबसे महत्वपूर्ण और जीवनदायिनी नदी है, जो यहाँ गहरे गार्ज और उपजाऊ मैदान बनाती है।
- चूलिया जलप्रपात:-** यह जलप्रपात चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा (जो भौगोलिक रूप से दक्षिण-पूर्वी पठार का हिस्सा माना जाता है) में चंबल नदी पर स्थित है।

8. निम्नलिखित सूची I और सूची II को सुमेलित कीजिए-

सूची I प्राकृतिक भाग	सूची II औसत वर्षा
अ. उत्तरी-पश्चिमी रेगिस्तान	1. 12 से 15 सेमी.
ब. पूर्वी मैदान	2. 40 से 80 सेमी.
स. मध्यवर्ती पहाड़ी प्रदेश	3. 20 से 90 सेमी.
द. दक्षिण-पूर्वी पठार	4. 75 सेमी. या अधिक

कूट-

- अ-4, ब-3, स-2, द-1
- अ-2, ब-3, स-4, द-1
- अ-2, ब-3, स-1, द-4
- अ-1, ब-2, स-3, द-4

[d]

व्याख्या:-

राजस्थान में वर्षा का वितरण इस प्रकार है -	
प्राकृतिक भाग	औसत वर्षा
अ. उत्तरी-पश्चिमी रेगिस्तान	12-15 सेमी. (कम से कम)
ब. पूर्वी मैदान	40-80 सेमी.
स. मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र	20-90 सेमी. (विविधता)
द. दक्षिण-पूर्वी पठार	75 सेमी. या उससे अधिक

9. थार मरुस्थल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
- सम्पूर्ण थार मरुस्थल रेतीला एवं बालुका स्तूप क्षेत्र है।
 - थार मरुस्थल लगभग 1,75,000 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत है।
 - यह 25 सेमी. सम-वर्षा रेखा के पश्चिम में स्थित है।
 - भालेरी (चूरू) एवं मेंढा नदी घाटी (सीकर) में बरखान प्रकार के बालुका स्तूप पाए जाते हैं।
 - थार मरुस्थल मुख्यतः अरावली पर्वतमाला के पूर्व में फैला हुआ है।
- नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-
- केवल 2, 3 और 4
 - केवल 1, 2 और 3
 - केवल 2, 4 और 5
 - केवल 1, 3 और 5

[a]

व्याख्या:-

- सम्पूर्ण मरुस्थल केवल रेतीला नहीं है; इसमें पथरीले एवं लवणीय क्षेत्र भी हैं। थार मरुस्थल लगभग **1,75,000 वर्ग किमी.** क्षेत्र में फैला है।
 - यह **25 सेमी. सम-वर्षा रेखा** के पश्चिम में स्थित है, जहाँ वर्षा अत्यल्प होती है।
 - भालेरी (चूरू) एवं मेंढा नदी घाटी (सीकर) में **बरखान (अर्धचंद्राकार) बालुका स्तूप** पाए जाते हैं।
 - थार मरुस्थल अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में स्थित है।
10. निम्नलिखित कथन (A) एवं कारण (R) पर विचार कीजिए -
- कथन (A):** राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग में औसत वार्षिक वर्षा 80 सेमी. से 120 सेमी. के मध्य होती है।
- कारण (R):** राजस्थान में स्थित थार मरुस्थल राज्य के पश्चिमी भाग में फैला है, जहाँ वर्षा अत्यल्प होती है।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए-
- A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
 - A और R दोनों सही हैं, परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
 - A सही है, परन्तु R गलत है।
 - A गलत है, परन्तु R सही है।

[b]

व्याख्या:-

- कथन (A) सही है - दक्षिण-पूर्वी पठारी भाग (कोटा, झालावाड़, बारां आदि) में औसत वर्षा लगभग 80-120 सेमी. होती है, जो राज्य में सर्वाधिक है।
- कारण (R) भी सही है - थार मरुस्थल राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित है, जहाँ वर्षा बहुत कम होती है।
- लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

11. राजस्थान के धरातलीय स्वरूपों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?
- अरावली विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणी है।
 - उत्तर-पूर्वी मैदान सिन्धु नदी द्वारा निर्मित मैदान का भाग है।
 - प. (पश्चिमी) बालुका मैदान टैथिस सागर का अवशेष रूप है।
 - दक्षिण-पूर्वी पठार गोंडवाना लैण्ड का विस्तारित भाग है।

[b]

व्याख्या:-

- ◆ अरावली पर्वतमाला विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वत श्रेणियों में से एक है।
- ◆ उत्तर-पूर्वी मैदान मुख्यतः **चंबल एवं उसकी सहायक नदियों** द्वारा निर्मित है।
- ◆ पश्चिमी बालुका मैदान (थार मरुस्थल) को टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- ◆ दक्षिण-पूर्वी पठार भू-वैज्ञानिक दृष्टि से **गोंडवाना लैण्ड** का विस्तारित भाग है।

12. निम्नलिखित में से राजस्थान के कौन-से ज़िले 'भारतीय वृहत् मरुस्थल' के भाग हैं?

- (a) जोधपुर, बाड़मेर, उदयपुर (b) बाड़मेर, जोधपुर, सिरोही
(c) बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर (d) जैसलमेर, बाड़मेर, अजमेर [c]

व्याख्या:-

- ◆ भारतीय वृहत् मरुस्थल (थार मरुस्थल) राजस्थान के पश्चिमी और उत्तरी-पश्चिमी भाग में फैला है। इसमें **बीकानेर, बाड़मेर और जैसलमेर जैसे शुष्क जिले** शामिल हैं, जो मरुस्थल के प्रमुख हिस्से हैं।

13. राजस्थान के निम्नलिखित भौतिक विभाजन को पूर्व से पश्चिम के क्रम में व्यवस्थित करें।

- (A) पश्चिमी बालू मैदान
(B) अरावली श्रृंखला और पर्वतीय क्षेत्र
(C) पूर्वी मैदान
(D) दक्षिण-पूर्वी राजस्थान पठार (हाड़ौती पठार)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) (C), (B), (D), (A) (b) (D), (C), (B), (A)
(c) (A), (B), (C), (D) (d) (B), (A), (D), (C) [b]

व्याख्या:-

- ◆ राजस्थान के भौतिक स्वरूप को जब हम पूर्व (उत्तर-प्रदेश/मध्य प्रदेश की सीमा) से पश्चिम (पाकिस्तान की सीमा) की ओर देखते हैं, तो उनका क्रम निम्नलिखित प्रकार से है:-

1. **दक्षिण-पूर्वी राजस्थान पठार (हाड़ौती पठार):-** यह राज्य के सबसे पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित है।
2. **पूर्वी मैदान:-** हाड़ौती के पठार के पश्चिम में बनास और चंबल बेसिन का मैदानी भाग आता है।
3. **अरावली श्रृंखला:-** यह राजस्थान के मध्य में स्थित है, जो मैदान और मरुस्थल को अलग करती है।
4. **पश्चिमी बालू मैदान (थार मरुस्थल):-** यह राज्य के सबसे पश्चिम में स्थित रेतीला भाग है।

14. राजस्थान के भौतिक स्वरूप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. महान सीमा भ्रंश राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से होकर गुजरता है।
2. पश्चिमी राजस्थान के रेतीले मैदान का 41.5% क्षेत्र बालुका स्तूप-मुक्त है।
3. राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान के लगभग 60% क्षेत्र में बालुका स्तूप पाए जाते हैं।
4. महान सीमा भ्रंश का विस्तार मुख्यतः कोटा, चित्तौड़गढ़ और सवाई माधोपुर जिलों में देखा जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) उपरोक्त सभी [b]

व्याख्या:-

- ◆ महान सीमा भ्रंश भीलवाड़ा जिले से नहीं गुजरता है, बल्कि यह बांसवाड़ा जिले से गुजरता है।
- ◆ आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार **41.5%** क्षेत्र बालुका स्तूप-मुक्त है।
- ◆ लगभग **58.5% (निकटतम 60%)** क्षेत्र बालुका स्तूपों से ढका है।
- ◆ यह भ्रंश बूँदी, सवाई माधोपुर, कोटा और चित्तौड़गढ़ जिलों की सीमाओं के सहारे विस्तृत है।
- ◆ **महान सीमा भ्रंश** राजस्थान की एक **प्रमुख भू-सांवेगिक संरचना** है। यह एक भ्रंश रेखा है जो दो भौगोलिक इकाइयों को अलग करती है:
- ◆ पूर्व में - विंध्यन श्रेणी
- ◆ पश्चिम में - अरावली श्रृंखला
- ◆ महान सीमा भ्रंश की अवस्थिति: यह भ्रंश रेखा राजस्थान में उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिशा में विस्तृत है, और निम्नलिखित जिलों से होकर गुजरती है: कोटा, चित्तौड़गढ़ व सवाईमाधोपुर।

15. झालावाड़ से बीकानेर की ओर सीधी रेखा में यात्रा करते हुए आप निम्न में से किस प्रकार के भौतिक स्वरूपों के क्रम का अवलोकन करेंगे?

- (a) भोराट पठार, हाड़ौती पठार, मध्य अरावली
(b) मध्य माही मैदान, बनास बेसिन, बांगड़
(c) विन्ध्यन कगार, बनास बेसिन, भोराट पठार
(d) हाड़ौती पठार, बनास बेसिन, मध्य अरावली [d]

व्याख्या:-

- ◆ **झालावाड़** हाड़ौती क्षेत्र में है, जो विंध्यन पर्वत से बना पठारी क्षेत्र है। इसके बाद **बनास बेसिन** आता है, जो दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में फैला हुआ है। इसके बाद **अरावली पर्वतमाला** आती है जो राजस्थान को दो भागों में बाँटती है।
- ◆ इस क्रम से यह यात्रा सही होती है- हाड़ौती पठार → बनास बेसिन → मध्य अरावली → थल भाग (बीकानेर)
- ◆ हाड़ौती पठार मालवा के पठार पर स्थित है।

16. अरावली पर्वतमाला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- I. अरावली पर्वतमाला थार मरुस्थल के पूर्व की ओर प्रसार को नियंत्रित करती है।
 - II. यह राजस्थान में एक 'जल विभाजक' के रूप में कार्य करती है।
 - III. अरावली को राजस्थान की 'जीवन रेखा' कहा जाता है।
 - IV. इसके पश्चिम से निकलने वाली नदियाँ अपना जल बंगाल की खाड़ी में ले जाती हैं।
- (a) केवल I और II सही हैं।
(b) केवल I, II और III सही हैं।
(c) केवल II, III और IV सही हैं।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं। [b]

व्याख्या:-

- ◆ अरावली श्रेणी थार मरुस्थल के पश्चिम से पूर्व की ओर होने वाले विस्तार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- ◆ अरावली एक प्रमुख जल विभाजक है। इसके पूर्व से निकलने वाली नदियाँ (जैसे बनास) अपना जल बंगाल की खाड़ी में ले जाती हैं, जबकि पश्चिम से निकलने वाली नदियाँ (जैसे लूनी) अरब सागर की ओर जाती हैं।
- ◆ खनिज संसाधनों की प्रचुरता, नदियों का उद्गम स्थल होने, विविध वनस्पति और वन्यजीवों के कारण इसे राजस्थान की जीवन रेखा कहा जाता है।
- ◆ अरावली के पश्चिम से निकलने वाली नदियाँ अरब सागर की ओर जाती हैं। बंगाल की खाड़ी में जल ले जाने वाली नदियाँ अरावली के पूर्व से निकलती हैं।

17. निम्नलिखित सूची I और सूची II को सुमेलित कीजिए--

सूची-I (पठार)	सूची-II (विशेषता)
A. गुरुशिखर का पठार	1. 1200 मीटर, सिरोही क्षेत्र
B. बीछिया का पठार	2. 1360 मीटर, सिरोही (अरावली की सर्वोच्च चोटी)
C. माण्डलगढ़ का पठार	3. 325-650 मीटर, काला-पटार क्षेत्र
D. लसाड़िया का पठार	4. 450 मीटर, झालावाड़-मंदसौर क्षेत्र
E. भैंसरोड़गढ़ का पठार	5. उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में, देसूरी के मध्य

- (a) A-2, B-1, C-5, D-3, E-4
(b) A-1, B-2, C-5, D-3, E-4
(c) A-2, B-1, C-3, D-5, E-4
(d) A-2, B-3, C-5, D-1, E-4

[a]

व्याख्या:-

A. गुरुशिखर का पठार

- समुद्रतल से 1360 मीटर ऊँचा है।
- यह सिरोही जिले में स्थित है।
- अरावली पर्वतमाला की सर्वोच्च चोटी गुरुशिखर यहीं स्थित है।

B. बीछिया का पठार

- लगभग 1200 मीटर ऊँचाई।
- यह भी सिरोही क्षेत्र में स्थित है।

C. माण्डलगढ़ का पठार

- उदयपुर के उत्तर-पश्चिम में स्थित।
- देसूरी दर्रे के मध्य क्षेत्र में पाया जाता है।

D. लसाड़िया का पठार

- ऊँचाई लगभग 325-650 मीटर।
- इसे काला-पटार क्षेत्र भी कहा जाता है।

E. भैंसरोड़गढ़ का पठार

- लगभग 450 मीटर ऊँचाई।
- यह क्षेत्र झालावाड़-मंदसौर तक विस्तृत है।

18. सूची-I (दर्रे/नाल) को सूची-II (संबंधित स्थान/क्षेत्र) से सुमेलित कीजिए

सूची-I (दर्रे/नाल)	सूची-II (संबंधित स्थान/जोड़ने वाले क्षेत्र)
(A) बर्र दर्रा	(1) उदयपुर
(B) शिवपुरा व सूरु घाट	(2) अजमेर और पाली
(C) फुलवारी की नाल	(3) अजमेर और राजसमन्द
(D) हाथीगुढ़ा नाल	(4) मेवाड़ और मारवाड़

- (a) A-2, B-3, C-4, D-1 (b) A-2, B-3, C-1, D-4
(c) A-3, B-2, C-1, D-4 (d) A-1, B-4, C-2, D-3 [b]

व्याख्या:-

- बर्र दर्रा:-** यह मध्य अरावली का प्रमुख दर्रा है जो अजमेर को पाली जिले से जोड़ता है।
- शिवपुरा व सूरु घाट:-** ये दर्रे अजमेर को राजसमन्द से जोड़ने का मार्ग प्रदान करते हैं।
- फुलवारी की नाल:-** यह प्रसिद्ध नाल/दर्रा राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित है।
- हाथीगुढ़ा नाल:-** यह राजसमन्द में स्थित है और मेवाड़ को मारवाड़ (राजसमन्द को पाली) से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों में से एक है।

19. राजस्थान के 'दक्षिणी-पूर्वी पठार' (हाड़ौती के पठार) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- विन्ध्यन कगार का निर्माण मुख्य रूप से चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से हुआ है।
 - दक्कन के लावा पठार पर पाई जाने वाली काली मृदा का निर्माण ज्वालामुखी के दरारी उद्गार से हुआ है।
 - चम्बल और इसकी सहायक नदियों द्वारा बारां और कोटा में 'त्रिकोणीय जलोढ़ मैदान' का निर्माण किया गया है।
 - उच्चावच की दृष्टि से इस पठारी क्षेत्र को तीन धरातलीय उप-प्रदेशों में विभक्त किया गया है।
- (a) केवल I और II सही हैं।
(b) केवल II, III और IV सही हैं।
(c) केवल I, II और III सही हैं।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

[c]

व्याख्या:-

- विन्ध्यन कगार चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से निर्मित हैं, जिनका विस्तार धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर तक है।
- दक्कन लावा पठार का निर्माण क्रीटेशियस काल में ज्वालामुखी क्रिया से हुआ है। यहाँ **रेगुर (काली) मृदा** पाई जाती है, जिसे इसकी जल धारण क्षमता के कारण 'स्वतः जुताई वाली मृदा' भी कहते हैं।
- चम्बल, कालीसिंध और पार्वती नदियों ने बारां व कोटा क्षेत्र में उपजाऊ **त्रिकोणीय जलोढ़ मैदानों** का निर्माण किया है।
- उच्चावच की दृष्टि से हाड़ौती के पठार को **5 धरातलीय प्रदेशों** (अर्द्धचन्द्राकार पर्वत, नदी निर्मित मैदान, शाहबाद उच्च स्थल, झालावाड़ पठार, और डग-गंगधार क्षेत्र) में विभक्त किया गया है।

20. राजस्थान के 'शाहबाद उच्च स्थल' (बारां) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

- शाहबाद उच्च क्षेत्र **300** मीटर की समोच्च रेखा से घिरा हुआ है।
 - रामगढ़ पहाड़ी की आकृति 'घोड़े की नाल' के समान है।
 - रामगढ़ क्रेटर झील का निर्माण प्राचीन काल में ज्वालामुखी के विस्फोट से हुआ था।
 - रामगढ़ की पहाड़ी को एक 'जियो हेरिटेज साइट' के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- (a) केवल I, II और III सही हैं।
(b) केवल II, III और IV सही हैं।
(c) केवल I, II और IV सही हैं।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

[c]

व्याख्या:-

- कथन I सही है: शाहबाद उच्च क्षेत्र बारां जिले में स्थित है और यह मुख्य रूप से 300 मीटर की समोच्च रेखा से आवृत है।
- कथन II सही है: रामगढ़ ग्राम के निकट पर्वत श्रेणी की आकृति विशिष्ट रूप से घोड़े की नाल जैसी है।
- कथन III गलत है: आपकी जानकारी के अनुसार, रामगढ़ क्रेटर का निर्माण ज्वालामुखी क्रिया से नहीं, बल्कि उल्का पिण्ड के गिरने से हुआ है।
- कथन IV सही है: अपनी विशिष्ट भू-वैज्ञानिक संरचना के कारण इसे जियो हेरिटेज साइट घोषित किया गया है।

21. राजस्थान में 'बृहत सीमान्त भ्रंश' फैला है, के सहारे-

- बूँदी- सवाई माधोपुर की पहाड़ियाँ
- उदयपुर की पहाड़ियाँ
- अलवर की पहाड़ियाँ
- शेखावाटी की पहाड़ियाँ

[a]

व्याख्या:-

- ♦ **परिभाषा:-** बृहत सीमान्त भ्रंश एक प्रमुख भू-वैज्ञानिक संरचना है जो अरावली पर्वतमाला और विन्ध्याचल पर्वतमाला के मिलन स्थल को अलग करती है।
- ♦ **विस्तार:-** यह भ्रंश राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भाग में मुख्य रूप से **बूँदी, सवाई माधोपुर, धौलपुर और चित्तौड़गढ़** के सहारे विस्तृत है।
- ♦ **महत्व:-** यह क्षेत्र भू-गर्भीय हलचलों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और राज्य के दक्षिण-पूर्वी पठार (हाड़ौती) की सीमा निर्धारित करता है।

22. निम्नलिखित में से अरावली पर्वत की चोटियों का ऊँचाई के अनुसार सही घटता क्रम है-

- (a) रघुनाथगढ़, नागपानी, ऋषिकेश, तारागढ़
- (b) ऋषिकेश, रघुनाथगढ़, तारागढ़, नागपानी
- (c) ऋषिकेश, तारागढ़, रघुनाथगढ़, नागपानी
- (d) रघुनाथगढ़, ऋषिकेश, तारागढ़, नागपानी

[d]

व्याख्या:-

- ♦ **रघुनाथगढ़ (सीकर):-** इसकी ऊँचाई 1055 मीटर है। यह उत्तरी अरावली की सबसे ऊँची चोटी है।
- ♦ **ऋषिकेश (सिरोही):-** इसकी ऊँचाई 1017 मीटर है।
- ♦ **तारागढ़ (अजमेर):-** इसकी ऊँचाई 873 मीटर है। यह मध्य अरावली की प्रमुख चोटी है।
- ♦ **नागपानी (उदयपुर):-** इसकी ऊँचाई 867 मीटर है।

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये-

1. कुम्भलगढ़, भौराट के पठार का सर्वोच्च बिन्दु है।
 2. रघुनाथगढ़, उत्तरी अरावली का सर्वोच्च शिखर है।
 3. उड़िया पठार, माउण्ट आबू के निकट स्थित है।
- (a) केवल 1 व 3
 - (b) केवल 2 व 3
 - (c) केवल 1 व 2
 - (d) 1, 2 व 3

[b]

व्याख्या:-

- ♦ भौराट का पठार उदयपुर (गोगुन्दा) और राजसमन्द (कुम्भलगढ़) के मध्य स्थित है। इस पठार का सर्वोच्च बिंदु जरगा पर्वत (1431 मीटर) है (कुम्भलगढ़ -1224 मीटर)।
- ♦ रघुनाथगढ़, जो सीकर जिले में स्थित है, 1055 मीटर की ऊँचाई के साथ उत्तरी अरावली का सबसे ऊँचा शिखर है।
- ♦ उड़िया पठार राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार (1360 मीटर) है, जो सिरोही जिले में माउण्ट आबू के पास गुरुशिखर के ठीक नीचे स्थित है।

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) नाम दिया गया है:

- कथन (A):** राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान में जनसंख्या का घनत्व, विश्व के अन्य मरुस्थलों की तुलना में अधिक है।
- कारण (R):** थार मरुस्थल में अनुकूल जलवायु परिस्थितियाँ और अत्यधिक वर्षा पाई जाती है।
- (a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
 - (b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
 - (c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
 - (d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

[c]

व्याख्या:-

- ♦ थार का मरुस्थल विश्व का सबसे अधिक 'जनसंख्या वाला' और 'जैव-विविधता वाला' मरुस्थल है। जहाँ सहारा या गोबी जैसे मरुस्थलों में जनसंख्या नगण्य है, वहीं थार में कृषि और पशुपालन के कारण जनघनत्व अन्य मरुस्थलों से काफी बेहतर है।
- ♦ थार मरुस्थल में अनुकूल जलवायु नहीं बल्कि 'विषम जलवायु' पाई जाती है। यहाँ वर्षा बहुत कम (औसत 20-50 सेमी) होती है। यहाँ जनसंख्या अधिक होने का कारण अनुकूल जलवायु नहीं, बल्कि इंदिरा गांधी नहर द्वारा पानी की उपलब्धता और लोगों का जुझारू स्वभाव है।

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण R के रूप में।

अभिकथन-A: राजस्थान सरकार ने अरावली हरित विकास परियोजना शुरू की है।

कारण-R: प्रथम वर्ष में इसका जोर वृक्षारोपण पर है। यह अरावली हरित दीवार परियोजना से संरेखित है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- (b) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
- (c) A सही नहीं है लेकिन R सही है।
- (d) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

[d]

व्याख्या:-

- ♦ मार्च 2023 में शुरू की गई प्रमुख पर्यावरणीय पहल है जिसका उद्देश्य दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के अरावली क्षेत्र में 1400 किमी लंबी और 5 किमी चौड़ी हरित पट्टी विकसित करना है।
- ♦ 2030 तक मरुस्थलीकरण रोकने, भू-जल स्थल बढ़ाने और जैवविविधता को संरक्षित करने का लक्ष्य रखती है।

26. निम्नलिखित में से 'ढांड' किसे संदर्भित करता है?

- (a) सरस्वती नदी का आधार तल।
- (b) थार मरुस्थल के चारागाह क्षेत्र।
- (c) नागोरी उच्च भूमि में स्थाई बालुका स्तूप।
- (d) थार के मरुस्थल में अस्थायी झील

[d]

व्याख्या:-

- ♦ 'ढांड' थार मरुस्थल में उन अस्थायी झीलों को संदर्भित करता है जो मानसून के दौरान वर्षा के बाद बनती हैं और शुष्क मौसम में सूख जाती हैं।

27. राजस्थान में किन क्षेत्रों में अनुप्रस्थ बालुकास्तूप मिलते हैं?

1. बीकानेर जिले के पुंगल के चारों ओर
 2. गंगानगर जिले का सूरतगढ़ क्षेत्र
 3. जैसलमेर जिले का मोहनगढ़ क्षेत्र
 4. हनुमानगढ़ जिले का नोहर क्षेत्र
- (a) 2, 3
 - (b) 1, 2, 3
 - (c) 1, 2
 - (d) 2, 3, 4

[c]

व्याख्या:-

- ♦ अनुप्रस्थ बालुकास्तूप वे होते हैं जो वायु की दिशा के विपरीत दिशा में बनते हैं।
- ♦ ये पर्वों की दिशा के समकोण में बनने वाले बालुका स्तूप हैं।
- ♦ स्तूपों की ऊँचाई - 10-40 मीटर।
- ♦ स्तूपों के मध्य की दूरी - 500-1000 मीटर
- ♦ स्तूपों का क्षेत्र - बीकानेर, हनुमानगढ़ के रावतसर, गंगानगर के सूरतगढ़, चुरू व झुंझनू जिलों में।

28. निम्नलिखित में से सही कथन का चयन कीजिए।

1. अनुप्रस्थ बालुका स्तूप चूरू और झुन्झुनू जिलों में मिलते हैं।
 2. अवरोधी बालुका स्तूप पुष्कर क्षेत्र में मिलते हैं।
 3. जोधपुर जिला बालुका-स्तूप मुक्त जिला है।
- (a) 1, 2, 3 (b) 2 और 3
(c) 1 और 2 (d) 1 और 3 [c]

व्याख्या:-

- ♦ पुष्कर क्षेत्र में अवरोधी बालुका स्तूप मिलते हैं, जो पर्वतीय या स्थायी अवरोधों के कारण बनते हैं।
- ♦ राजस्थान में सर्वाधिक बालुका स्तूप चुरू जिले में जबकि सभी प्रकार के बालुका स्तूप जोधपुर जिले में पाए जाते हैं।

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिए-

1. लूनी बेसिन गोडवाड़ प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है।
 2. 'गिरवा' उदयपुर बेसिन की विशिष्ट आकृति है, जो मेवाड़ प्रदेश में है।
 3. घग्घर का मैदान चूरू जिले में स्थित है।
- (a) 1, 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1 और 3 [b]

व्याख्या:-

- ♦ 'गिरवा' एक अवनत मैदान है, जो उदयपुर शहर के चारों ओर फैला हुआ है। यह क्षेत्र चारों ओर से पहाड़ियों से घिरा हुआ है और इसने उदयपुर बेसिन की विशिष्ट भौगोलिक आकृति बनाई है।
- ♦ यह मेवाड़ क्षेत्र का हिस्सा है, जो प्राचीन जलनिकासी प्रणाली और झीलों के लिए प्रसिद्ध है।
- ♦ यह उदयपुर के चारों ओर पायी जाने वाली तस्तीनुमा पहाड़ियों है।

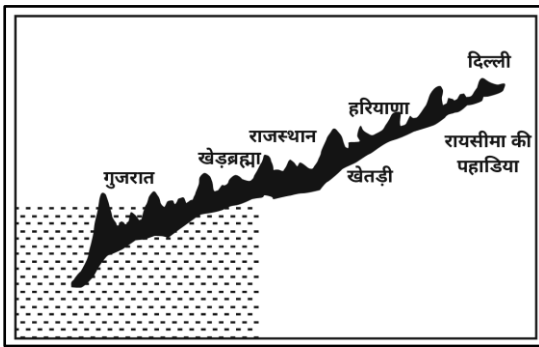
30. अरावली पर्वत श्रेणी राजस्थान के अलावा तक फैली है।

- (A) उत्तर प्रदेश (B) उत्तराखंड
(C) गुजरात (D) दिल्ली
(E) हरियाणा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) केवल (C), (D), (E) (b) केवल (D), (E), (A)
(c) केवल (A), (C), (D) (d) केवल (B), (D), (E) [a]

व्याख्या:-



31. अरावली पर्वतमाला के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-से तथ्य सत्य हैं?

- (i) इसका निर्माण कैम्ब्रियन युग में हुआ था।
 - (ii) वर्तमान में यह अवशिष्ट पर्वत के रूप में है।
 - (iii) यह मुख्यतः आग्नेय चट्टानों से निर्मित है।
 - (iv) यह दक्षिण पश्चिम से उत्तर पूर्व दिशा में विस्तृत है।
- (a) iii और iv (b) i, ii, iii और iv
(c) ii और iv (d) i और ii [c]

व्याख्या:-

- ♦ **अरावली पर्वतमाला** भारत की सबसे प्राचीन पर्वत शृंखलाओं में से एक है, जिसकी उत्पत्ति आज से लगभग 2.5 अरब वर्ष पूर्व हुई थी। इसका भूगर्भीय निर्माण प्री-कैम्ब्रियन युग (लगभग 540 मिलियन वर्ष पूर्व) में हुआ था।
- ♦ यह इस दृष्टि से विश्व की प्राचीनतम पर्वतमालाओं में से एक है। निर्माण के समय वलित पर्वत शृंखला थी।
- ♦ वर्तमान में यह अवशिष्ट पर्वत के रूप में है।
- ♦ इसके शेष पर्वत शृंखलाएं वर्तमान में छोटे-छोटे खंडों के रूप में राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात में विद्यमान हैं।
- ♦ अरावली की चट्टानों में मुख्यतः कायांतरित चट्टानें जैसे नीस, शिस्ट, क्वार्ट्जाइट और संगमरमर प्रमुख हैं।
- ♦ इसमें कुछ स्थानों पर आग्नेय चट्टानें भी पाई जाती हैं, लेकिन यह इसका मुख्य घटक नहीं है।
- ♦ यह दक्षिण पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा में विस्तृत है। यह गुजरात (पालनपुर) से प्रारम्भ होकर राजस्थान (अजमेर, माउंट आबू, उदयपुर, अलवर) होते हुए हरियाणा (महेन्द्रगढ़) और दिल्ली तक विस्तृत है।
- ♦ इसकी कुल लम्बाई 692 कि.मी. जबकि राजस्थान में इसकी लम्बाई 550 कि.मी. है।

32. निम्नलिखित में से किन जिलों का क्षेत्र 'भोमत' कहलाता है?

- (a) डूंगरपुर, उदयपुर और सिरौही (b) अजमेर, बीकानेर और चूरू
(c) सीकर, चूरू और बाड़मेर (d) बाड़मेर, जालौर और सीकर [a]

व्याख्या:-

- ♦ **'भोमत'** दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, डूंगरपुर और सिरौही जिलों का पारंपरिक व पारिस्थितिक क्षेत्र है।
- ♦ भोमत क्षेत्र राजस्थान के दक्षिणी अरावली पर्वतीय क्षेत्र का हिस्सा है, जो घने जंगलों, गहरी घाटियों और आदिवासी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है।
- ♦ जलवायु- अर्द्ध-आर्द्र - औसत वर्षा 60-100 सेमी
- ♦ मिट्टी- जलोढ़, लैटेराइट मिश्रित बलुआ मिट्टी

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- A. उड़िया पठार गुरुशिखर के नीचे स्थित है।
 - B. छप्पन का मैदान बनास बेसिन का भाग है।
 - C. गिरवा की पहाड़ियाँ उदयपुर बेसिन का विशिष्ट भू रूप है।
 - D. मुकंदरा की पहाड़ियाँ कोटा और बारां जिलों के मध्य स्थित हैं।
- (a) A, B और C (b) A और C
(c) B, C और D (d) C और D [b]

व्याख्या:-

- ♦ उड़िया पठार माउण्ट आबू में गुरुशिखर (1,722 मीटर) के नीचे स्थित है।
- ♦ छप्पन का मैदान बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ में माही बेसिन का हिस्सा है।
- ♦ बनास बेसिन उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और जयपुर क्षेत्र में है।
- ♦ गिरवा की पहाड़ियाँ उदयपुर बेसिन का विशिष्ट भू-रूप हैं, जो अरावली का हिस्सा हैं।
- ♦ मुकंदरा की पहाड़ियाँ कोटा, बूंदी और झालावाड़ में फैली हैं।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी पठार के संदर्भ में सत्य है?

- A. यह मालवा पठार का ही विस्तार है।
 - B. यह हाड़ौती के पठार के नाम से भी जाना जाता है।
 - C. इस प्रदेश की औसत ऊँचाई 3000 मीटर है।
 - D. मुकुंदरा की पहाड़ियाँ भी इसी प्रदेश का भाग हैं।
- (a) केवल A और C (b) केवल C और D
(c) केवल A, B और D (d) सभी A, B, C और [c]

व्याख्या:-

- ◆ दक्षिणी पूर्वी पठार मालवा पठार का भौगोलिक विस्तार है जिसे हाड़ौती के पठार के नाम से भी जाना जाता है जिसके अंतर्गत राजस्थान के कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले शामिल हैं।
- ◆ इसकी औसत ऊँचाई लगभग 500 मीटर है।
- ◆ मुकुंदरा का पहाड़ियां इसी पठारी क्षेत्र का हिस्सा है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा पश्चिम से पूर्व की ओर सही क्रम में व्यवस्थित है?

- (a) भोराठ का पठार, उड़िया का पठार, मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ
 (b) मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ, भोराठ का पठार, उड़िया का पठार
 (c) उड़िया का पठार, भोराठ का पठार, मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ
 (d) उड़िया का पठार, मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ, भोराठ का पठार [c]

व्याख्या:-

- ◆ **उड़िया का पठार:-** यह राजस्थान के सिरोही जिले (माउंट आबू) में स्थित है और यह सबसे पश्चिम में स्थित है।
- ◆ **भोराठ का पठार:-** यह उदयपुर (गोगुंदा) व राजसमंद (कुंभलगढ़) के मध्य स्थित है, जो उड़िया के पठार के पूर्व में स्थित है।
- ◆ **मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ:-** दक्षिण-पूर्वी राजस्थान (हाड़ौती क्षेत्र - कोटा, झालावाड़) में स्थित हैं, जो इन दोनों पठारों से काफी पूर्व में हैं।

36. निम्नलिखित स्थलरूपों में से कौन-सा राजस्थान के मरुस्थल से संबंधित नहीं है?

1. बालूका स्तूप
 2. बरखान
 3. ऑक्स बो झील (गोखुर झील)
 (a) केवल 1 और 2
 (b) सभी 1, 2 और 3
 (c) केवल 1
 (d) केवल 3 [d]

व्याख्या:-

- ◆ **बालूका स्तूप:** मरुस्थल में रेत के टीले, जो थार मरुस्थल (जैसलमेर, बाड़मेर) में आम हैं।
- ◆ **बरखान:** अर्द्ध-चंद्राकार रेत के टीले, जो हवा के प्रभाव से बनते हैं और मरुस्थल का हिस्सा हैं।
- ◆ **ऑक्स बो झील (गोखुर झील):** यह वक्राकार झीलें नदियों (जैसे चंबल, बनास) के बाढ़ मैदानों में बनती हैं, जब नदी का मार्ग बदलता है।
- ◆ ये मरुस्थल से संबंधित नहीं हैं, बल्कि नदी प्रणालियों से जुड़ी हैं।

37. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए-

सूची-I (प्रदेश)	सूची-II (पर्वत चोटी)
(A) उत्तरी अरावली	(1) ऋषिकेश
(B) मध्य अरावली	(2) तारागढ़
(C) दक्षिण अरावली	(3) भानगढ़

- (a) A-1, B-2, C-3
 (b) A-3, B-2, C-1
 (c) A-3, B-1, C-2
 (d) A-2, B-3, C-1 [b]

व्याख्या:-

उत्तरी अरावली की प्रमुख चोटियाँ			
क्र.सं.	चोटी	जिला	ऊँचाई
1.	रघुनाथगढ़	(सीकर)	1,055 मीटर
2.	मालखेत	(सीकर)	1052 मीटर
3.	लोहार्गल	(झुंझुनू)	1051 मीटर
4.	भोजगढ़	(झुंझुनू)	997 मीटर
5.	खोह	(जयपुर)	920 मीटर
6.	हर्ष	(सीकर)	820 मीटर
7.	भैराच	(अलवर)	792 मीटर
8.	बाबाई	(जयपुर)	792 मीटर
9.	बरवाड़ा	(जयपुर)	786 मीटर
10.	बबाई	(झुंझुनू)	780 मीटर
11.	बिलाली	(कोटपुतली-बहरोड)	775 मीटर
12.	मनोहरपुरा	(जयपुर)	747 मीटर
13.	बैराठ	(कोटपुतली-बहरोड)	704 मीटर
14.	सरिस्का	(अलवर)	677 मीटर
15.	सिरावास	(अलवर)	651 मीटर
16.	भानगढ़	(अलवर)	649 मीटर
17.	जयगढ़	(जयपुर)	648 मीटर
18.	नाहरगढ़	(जयपुर)	599 मीटर
19.	बालागढ़	(अलवर)	597 मीटर

मध्य अरावली की प्रमुख चोटियाँ			
क्र.सं.	चोटी	जिले	ऊँचाई
1.	गोरमजी	ब्यावर-पाली-राजसमंद	934 मीटर
2.	मरायमजी	टोंडगढ़ (ब्यावर)	933 मीटर
3.	तारागढ़	अजमेर	873 मीटर
4.	नाग पहाड़	अजमेर	795 मीटर

दक्षिण अरावली की प्रमुख चोटियाँ		
क्र.सं.	चोटी	ऊँचाई
1.	गुरुशिखर	सिरोही 1722 मीटर
2.	सेर	सिरोही 1597 मीटर
3.	देल्वाड़ा	सिरोही 1442 मीटर
4.	जरगा	उदयपुर 1431 मीटर
5.	अचलगढ़	सिरोही 1380 मीटर
6.	आबू	सिरोही 1295 मीटर
7.	कुम्भलगढ़	राजसमंद 1224 मीटर
8.	धोनीया डूंगर	उदयपुर 1183 मीटर
9.	जयराज	सिरोही 1090 मीटर
10.	ऋषिकेश	सिरोही 1017 मीटर
11.	कमलनाथ	उदयपुर 1001 मीटर
12.	सुँधा पर्वत	भीनमाल (जालौर) 991 मीटर
13.	माकड़ मगरा	उदयपुर 989 मीटर
14.	सज्जनगढ़	उदयपुर 938 मीटर
15.	सायरा	उदयपुर 900 मीटर
16.	लीलागढ़	उदयपुर 874 मीटर
17.	डोरा पर्वत	जालौर 869 मीटर
18.	नागपानी	उदयपुर 867 मीटर
19.	गोगुन्दा	उदयपुर 840 मीटर
20.	ईसराणा	जालौर 839 मीटर
21.	रोजा भाखर	जालौर 730 मीटर

◆◆◆



राजस्थान का इतिहास

विगत वर्षों के प्रश्न

1. कालीबंगा सभ्यता की खोज किसने की?

[REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

- (a) अमलानन्द घोष
- (b) अक्षयकीर्ति व्यास
- (c) रतन चन्द्र अग्रवाल
- (d) विजय कुमार

[a]

व्याख्या:-

- ◆ कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी (प्राचीन सरस्वती) के तट पर स्थित सिंधु सभ्यता का एक प्रमुख स्थल है।

- ◆ इस स्थल की खोज का श्रेय अमलानन्द घोष द्वारा 1952 ई. में की गई थी।
- ◆ बाद में बी. बी. लाल एवं बी. के. थापर के नेतृत्व में 1961-1962 ई. में यहाँ व्यापक उत्खनन कार्य किया।

कालीबंगा से प्राप्त प्रमुख साक्ष्य-

- ◆ विश्व का सबसे प्राचीन जुता हुआ खेत
- ◆ अग्निकुण्ड (Fire Altars)
- ◆ मेसोपोटामिया की बेलनाकार मुहर
- ◆ मिट्टी के बर्तन एवं मुहरें

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- A. बागौर को प्राचीन सभ्यताओं का पालना कहा जाता है।
- B. बागौर सभ्यता में आखेट एवं संग्रहण प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ थीं।
- C. यहाँ ताँबे की छेद वाली सुई प्राप्त हुई है।
- D. यहाँ पक्की ईंटों के विशाल दुर्ग मिले हैं।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) A, B, C
- (b) A, B, D
- (c) B, C, D
- (d) A, C, D

[a]

व्याख्या:-

- ◆ बागौर से पशुपालन, लघु पाषाण उपकरण, ताँबे की सुई आदि प्राप्त हुए हैं। पक्की ईंटों के विशाल दुर्ग का साक्ष्य नहीं मिला है।
- ◆ बागौर का उत्खनन वी.एन. मिश्र ने किया था।
- ◆ यहाँ पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

2. बागौर के बारे में निम्नलिखित कथनों को पढ़िए-

- 1. बागौर में लघु पाषाण उपकरण मिले हैं।
- 2. वी. एन. मिश्र बागौर के उत्खननकर्ताओं में से एक थे।
- (a) 1 और 2 दोनों सही हैं।
- (b) केवल 1 सही है।
- (c) केवल 2 सही है।
- (d) 1 और 2 दोनों गलत हैं।

[a]

व्याख्या:-

बागौर सभ्यता-

- ◆ स्थिति - कोठारी नदी के किनारे, भीलवाड़ा।
- ◆ उत्खननकर्ता - डॉ. वी.एन. मिश्र तथा डॉ. एल.एस. लेश्रिक द्वारा (1967-70 ई.)।
- ◆ उत्खनित स्थल - महासतियों का टीला।
- ◆ उत्खनन के स्तर-3 (मध्यपाषाण काल, ताम्रपाषाण काल व लौहकाल)।

अन्य नाम-

- (1) आदिम संस्कृति का संग्रहालय
- (2) प्राचीन सभ्यताओं का पालना
- (3) लघुपाषाण उपकरणों का घर
- (4) मध्य पाषाणकालीन सभ्यता स्थल

उत्खनन से प्राप्त साक्ष्य/पुरावशेष-

- (1) भारत में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य।
- (2) 14 प्रकार की कृषि के साक्ष्य।
- (3) पशुओं के कंकाल व कसाई खाने के साक्ष्य।
- (4) एक कंकाल के गले में पत्थर व हड्डियों का हार।

- (5) 5 ताम्र उपकरण, 7 लौह उपकरण व एक 10.5 सेमी. छेद वाली ताँबे की सुई।
- (6) मध्य पाषाणकालीन लघु उपकरण (माइक्रोलिथ)।
- (7) पत्थर व ईंटों से निर्मित घर तथा चाक पर निर्मित मृदभाण्ड।

3. बागौर से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों को पढ़िये

- A. बागौर एशूलियन उपकरणों का एक समृद्ध स्थल था।
- B. बागौर से प्राप्त पाषाण उपकरण मुख्यतः क्वार्ट्ज (स्फटिक) एवं चर्ट (रामसैकाश्म) से बनाये गये थे।
- (a) केवल B सही है।
- (b) A एवं B दोनों सही हैं।
- (c) A एवं B दोनों गलत हैं।
- (d) केवल A सही है।

[a]

व्याख्या:-

- ◆ एशूलियन उपकरण मुख्य रूप से निम्न पुरापाषाण की सभ्यता या स्थलों से मिलते हैं।
- ◆ इनमें मुख्यतः डीडवाना-नागौर है।
- ◆ एशूलियन उपकरण में हेंडएक्स, क्लिवर, चौपर व स्क्रैपर आते हैं।

4. बागौर पुरास्थल के संदर्भ में कौन-से कथन सही हैं?

[PTI & Librarian Exam - 03.05.2025]

- (A) यह कोठारी नदी के तट पर स्थित है।
- (B) स्थानीय लोग इसे 'महासती' के नाम से जानते हैं।
- (C) इसके उत्खनन कार्य से डॉ. वी.एन. मिश्रा सम्बद्ध रहे।
- (a) केवल (A) और (B) सही हैं।
- (b) केवल (A) और (C) सही हैं।
- (c) केवल (B) और (C) सही हैं।
- (d) (A), (B) और (C) सभी सही हैं।

[d]

5. निम्न प्रमुख सभ्यताओं को उनके प्रथम प्रमुख उत्खनन /अन्वेषण के अनुसार आरंभिक से अद्यतन के क्रम में व्यवस्थित करें।

[REET Mains L-2 (Social Study)

S-II Exam - 18.01.2026]

- a. बागौर
- b. कालीबंगा
- c. गिलूण्ड
- d. आहड़

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) d, b, a, c
- (b) d, c, b, a
- (c) a, b, c, d
- (d) b, d, c, a

[d]

व्याख्या:-

क्रम	सभ्यता	प्रथम उत्खनन/अन्वेषण वर्ष	मुख्य खोजकर्ता / उत्खननकर्ता
1.	कालीबंगा	1952	अमलानंद घोष
2.	आहड़	1953	अक्षय कीर्ति व्यास
3.	गिलुण्ड	1957-58	बी.बी. लाल
4.	बागौर	1967-70	वी.एन. मिश्र एवं एल.एस. लेश्निक

6. निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. बालाथल	1. गाय-बैल की मृणमूर्ति
B. ओझियाणा	2. 11 कमरों का मकान
C. कालीबंगा	3. जुता हुआ खेत
D. तिलवाड़ा	4. पाँच आवास स्थल

- (a) A-2, B-1, C-3, D-4 (b) A-1, B-2, C-4, D-3
(c) A-3, B-4, C-1, D-2 (d) A-2, B-3, C-4, D-1 [a]

व्याख्या:-

- ♦ बालाथल से 11 कमरों का मकान, ओझियाणा से गाय-बैल की मृणमूर्ति, कालीबंगा से जुता हुआ खेत तथा तिलवाड़ा से पाँच आवास स्थल मिले हैं।

7. निम्नलिखित कथन एवं कारण पर विचार कीजिए।

कथन (A) : कालीबंगा को हड़प्पा सभ्यता की तीसरी राजधानी कहा गया है।

कारण (R) : दशरथ शर्मा ने कालीबंगा को हड़प्पा सभ्यता की तीसरी राजधानी माना।

- (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है किन्तु R गलत है।
(d) A गलत है किन्तु R सही है। [a]

व्याख्या:-

कालीबंगा सभ्यता:-

- ♦ स्थान: हनुमानगढ़ जिला, घग्घर नदी (प्राचीन सरस्वती/दृषद्वती क्षेत्र) के किनारे।
♦ प्राचीनता: लगभग 6000 वर्ष से अधिक पुरानी।
♦ नाम: खुदाई में मिली काली चूड़ियों (बंगा = चूड़ी) के कारण कालीबंगा।
♦ खोज: अमलानन्द घोष द्वारा।
♦ उत्खनन: बी. बी. लाल एवं बी. के. थापर द्वारा।

सभ्यता के 2 चरण:-

- (1) प्राक्-हड़प्पा (2) हड़प्पा

प्रमुख विशेषताएँ:-

- ♦ जुते हुए खेत के प्रमाण - एक ही खेत में दो फसलें उगाने का संकेत।
♦ मकान धूप में पकाई गई मिट्टी की ईंटों से बनाए जाते थे।
♦ लाल मृद्भांड पर काली एवं सफेद रंग की रेखाएँ।
♦ कब्रिस्तान से शवाधान पद्धति की जानकारी।
♦ बच्चे की खोपड़ी में 6 छिद्र - मस्तिष्क संबंधी शल्य-चिकित्सा का संभावित प्रमाण।
♦ हवनकुंड/अग्निवेदियाँ - धार्मिक गतिविधियों के प्रमाण।
♦ खिलौना बैलगाड़ी - प्रमुख पुरातात्विक प्राप्ति।
♦ लकड़ी की नाली एवं बेलनाकार मुहर भी प्राप्त।
♦ विशेष पहचान: कालीबंगा से प्राप्त जुते हुए खेत और अग्निवेदियाँ परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
♦ दशरथ शर्मा ने कालीबंगा को हड़प्पा सभ्यता की तीसरी राजधानी बताया था, इसलिए कारण कथन का उचित स्पष्टीकरण करता है।

8. कालीबंगा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह घग्घर नदी के किनारे स्थित है।
2. अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की।
3. यहाँ से जुते हुए खेत के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
4. यहाँ स्पष्ट जल निकासी व्यवस्था का अभाव था।
5. यहाँ सात अग्निकुण्ड मिले हैं।

सही उत्तर चुनिए :

- (a) केवल 1, 2, 3 (b) केवल 2, 3, 4
(c) 1, 2, 3, 4, 5 (d) केवल 1, 3, 5 [c]

व्याख्या:-

- ♦ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

9. 1960 में बी. बी. लाल और बी. के. थापर के निर्देशन में किस पुरातात्विक स्थल की खुदाई की गई थी?

[लाइब्रेरियन GK - 27.07.2025]

- (a) धौलावीरा (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) कालीबंगा [d]

व्याख्या:-

- ♦ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

10. कालीबंगा की अग्निवेदिकाओं के संबंध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

[प्राध्यापक एवं कोच परीक्षा - 06.07.2025]

- (a) अग्निवेदिकाएँ पश्चिमी टीले पर मिली हैं।
(b) वेदिकाएँ मिट्टी की ईंटों से बने ऊँचे चबूतरे प्राप्त हुई हैं।
(c) प्रत्येक अग्निवेदिका में त्रिभुजाकार अग्निकुण्ड है।
(d) अग्निवेदिका के पास बना कुआँ यहाँ धार्मिक अनुष्ठान होने के संकेत देता है। [c]

व्याख्या:-

- ♦ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

11. निम्न में से किसके लिए कालीबंगा प्रसिद्ध है?

[Lecturer & Coach Exam - 27.06.2025]

- I. जुते हुए खेत II. किलाबंद गढ़
III. अग्नि वेदिकाएँ IV. ताम्र के बाट

सही विकल्प को चुनिए :

- (a) I, II, III (b) I और II
(c) II और III (d) III और IV [a]

व्याख्या:-

- ♦ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

12. निम्नलिखित अभिकथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A) : कालीबंगा में उत्खनन के दौरान चबूतरों पर अग्निकुण्ड (वेदिकाएँ) बने हुए मिले हैं।

कारण (R) : संभवतया ये अग्निकुण्ड धार्मिक कार्यों हेतु प्रयुक्त होते थे।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

- (a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है। [a]

व्याख्या:-

- ♦ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

13. कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में किस नदी के बाएं या दक्षिणी तट पर स्थित है?

राज. पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा-14.09.2025

- (a) सरस्वती नदी (b) घग्गर (घग्गर-हकरा) नदी
(c) सतलज नदी (d) दृषद्वती नदी [b]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

14. कालीबंगा के घरों में जल निकास व्यवस्था में नालियों के निर्माण में निम्न में से किसका प्रयोग किया जाता था?

[Lecturer & Coach Exam - 03.07.2025]

1. लकड़ी, 2. पक्की ईंट, 3. पत्थर
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 (d) 2 और 3 [c]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

15. कालीबंगा प्राचीन सभ्यता के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- (a) यह सभ्यता प्राचीन दृषद्वती और सरस्वती नदियों की घाटी में पुष्पित-पल्लवित हुई थी।
(b) यह सभ्यता राजसमंद जिले में स्थित है।
(c) सबसे पहले 1952 में अमलानंद घोष ने इस सभ्यता को खोजा था।
(d) 1961-62 में, बी.बी. लाल और बी.के. थापर ने यहाँ उत्खनन किया था।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें :

- (a) केवल (a), (c) और (d) (b) केवल (a), (b) और (d)
(c) केवल (a), (b) और (c) (d) केवल (b), (c) और (d) [a]

व्याख्या:-

कालीबंगा सभ्यता-

- ◆ कालीबंगा सभ्यता घग्गर/दृषद्वती/सरस्वती नदी के बाएं किनारे हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।
◆ इतालवी इंडोलॉजिस्ट लुइजि पियो (एल.पी.) टेसीटोरी द्वारा सर्वप्रथम इस सभ्यता के बारे में जानकारी प्रदान की गई।
◆ सर्वप्रथम अमलानंद घोष ने 1952 ई. में इस सभ्यता की खोज की।
◆ कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ **काले रंग की चूड़िया** होता है। यहां उत्खनन में बड़ी संख्या में काले रंग की चूड़िया प्राप्त हुई है।
◆ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1961 से 1969 ई. के मध्य पांच स्तरों पर इस सभ्यता का उत्खनन किया गया था।

16. राजस्थान की कालीबंगा सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?

[Lab assistant (gk) shift-1,10.06.2026]

- A. सर्वप्रथम 1952 में अमलानंद घोष ने इस स्थल के बारे में जानकारी दी थी।
B. यहाँ जुता हुआ खेत भी मिला है।
C. यहाँ छह छेदों के साथ बालक की खोपड़ी भी मिली है।
D. यहाँ पाए गए मृद्भाण्ड और खपरा हल्के, पतले तथा सुनिर्मित नहीं हैं।
(a) A, B और C (b) A, B, C और D
(c) B, C और D (d) C और B [b]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे

17. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'कालीबंगा सभ्यता' के विषय में सही नहीं है?

- (a) कालीबंगा से ऊँट की हड्डियों के साक्ष्य मिले हैं।
(b) कालीबंगा से प्रथम अंकित किए गए भूकम्प के साक्ष्य मिले हैं।
(c) कालीबंगा की खोज एक इतालवी इंडोलॉजिस्ट लुइजि पियो टेसीटोरी ने की थी।
(d) यहाँ से लोहा, घोड़ा व चावल के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। [d]

व्याख्या:-

कालीबंगा सभ्यता के उत्खनन से प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य-

- ◆ कालीबंगा सभ्यता के बारे में सर्वप्रथम जानकारी इतालवी इंडोलॉजिस्ट लुइजि पियो टेसीटोरी ने दी थी।
◆ यहां से भूकम्प के साक्ष्य, ऊँट की हड्डियाँ, हाथी दांत का कंघा व लकड़ी की नालियाँ प्राप्त हुई हैं।
◆ यहां चाक पर निर्मित हल्के-पतले लाल रंग के मिट्टी के बर्तन प्राप्त हुए हैं, जिन पर काली व सफेद रंग की धारियाँ बनी हुई हैं।
◆ इस सभ्यता के लोग माल ढोने के लिए संभवतः बेलगाड़ी का प्रयोग करते थे।
◆ यहां से शतरंज व चौसर की गोटियाँ प्राप्त हुई हैं।
◆ कालीबंगा सभ्यता की लिपि सैन्धवकालीन लिपि (**ब्रह्मोफेदन / गौमुत्राक्षर लिपि**) के समान थी, जो दाएँ से बाएँ की ओर लिखी जाती थी। इस लिपि को अभी तक नहीं पढ़ा जा सका है।

18. कालीबंगा सभ्यता के संदर्भ में सबसे असत्य कथन का चयन करें।

- (a) यह सभ्यता राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित है।
(b) कालीबंगा एक सुनियोजित शहर था, घरों के निर्माण के लिए धूप में बनी ईंटों का उपयोग किया जाता था।
(c) कालीबंगा में जुताई वाले खेत का कोई प्रमाण नहीं मिला है।
(d) प्राचीन दृषद्वती और सरस्वती नदी घाटी (वर्तमान घग्गर नदी क्षेत्र) ने कालीबंगा की सभ्यता को जन्म दिया। [c]

व्याख्या:-

- ◆ यह सभ्यता राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में प्राचीन दृषद्वती और सरस्वती नदी घाटी (वर्तमान घग्गर नदी क्षेत्र) में विकसित हुई थी।
◆ कालीबंगा एक नगरीय सभ्यता थी। यहां धूप में सुखाई गई कच्ची ईंटों से निर्मित घर व चबूतरे तथा अलंकृत ईंटों से निर्मित फर्श के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
◆ विश्व में सर्वप्रथम कालीबंगा सभ्यता से जुते हुए खेत के साक्ष्य (दक्षिणी-पूर्वी दिशा) प्राप्त हुए हैं।
◆ यहां से एक साथ दो फसलें बौने के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
◆ इस सभ्यता के लोगों को गेहूं, जौ, चना, सरसों, कपास व बाजरा की फसलों का ज्ञान था।
◆ यहां से लकड़ी का हल, खिलौना बेलगाड़ी व भागते हुए बैल की मृणमूर्ति प्राप्त हुई है।

19. नीचे दो कथन दिए गए हैं एक अभिकथन A (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण R (Reason R) के रूप में।

[REET Mains L-1 (GK) Exam - 17.01.2026]

अभिकथन-A: कालीबंगा के कब्रगाह में छह (6) छेदों वाली बालक की खोपड़ी मिली है।

कारण-R: छेद/छिद्र, मस्तिष्क ज्वर के उपचार के सूचक हो सकते हैं।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(b) A सही है लेकिन R सही, नहीं है।
(c) A सही नहीं है लेकिन R सही है।
(d) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है। [d]

20. कालीबंगा के घरों में जल निकास व्यवस्था में नालियों के निर्माण में निम्न में से किसका प्रयोग किया जाता था?

[Lecturer & Coach Exam - 03.07.2025]

1. लकड़ी 2. पक्की ईंट
3. पत्थर
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 (d) 2 और 3 [c]

व्याख्या:-

- ◆ कालीबंगा के घरों में जल निकास व्यवस्था में नालियों के निर्माण में लकड़ी व पक्की ईंटों का प्रयोग किया जाता था।

21. निम्नलिखित में से कौन-सा युग वैदिक सभ्यता से संबंधित है?

- (a) कांस्य युग (b) लौह युग
(c) ताम्रपाषाण युग (d) नवपाषाण युग [b]

व्याख्या:-

- ◆ लौह युग की जानकारी मुख्यतः वेदों से प्राप्त होती है। इसी कारण इसे वैदिक सभ्यता का काल भी कहा जाता है।

22. निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन चुनिए :

1. माध्यमिका राजस्थान का प्रथम उत्खनित स्थल था।
2. कार्लाइल ने माध्यमिका की खोज की।
3. माध्यमिका बौद्ध, जैन और वैष्णव धर्म का केन्द्र था।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3 [d]

व्याख्या:-

- ◆ माध्यमिका (नगरी) राजस्थान के प्रमुख प्राचीन नगरों में था तथा विभिन्न धार्मिक परम्पराओं का महत्वपूर्ण केन्द्र था।

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. बयाना में गुप्तकालीन सिक्कों का विशाल भण्डार मिला।
2. भीमलाट को समुद्रगुप्त का विजय स्तम्भ कहा जाता है।
3. उषा मंदिर का निर्माण चित्रलेखा ने करवाया था।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3 [d]

व्याख्या:-

- ◆ बयाना गुप्तकालीन इतिहास का महत्वपूर्ण केन्द्र है जहाँ सिक्के, स्तम्भ तथा धार्मिक स्थापत्य के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

24. निम्नलिखित का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. गणेश्वर	1. ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी
B. रैठ	2. प्राचीन भारत का टाटानगर
C. सुनारी	3. प्राचीनतम लौह भट्टियाँ
D. जोधपुरा	4. गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति

(a) A-1, B-2, C-3, D-4 (b) A-2, B-3, C-4, D-1
(c) A-3, B-4, C-1, D-2 (d) A-4, B-1, C-2, D-3 [a]

व्याख्या:-

- ◆ गणेश्वर ताम्र सभ्यता का प्रमुख केन्द्र था जबकि सुनारी से भारत की प्राचीनतम लौह भट्टियों के प्रमाण मिले हैं।

25. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (a) नलियासर को टी.एच. हैंडले ने बौद्ध कस्बा बताया।
(b) बहज से मौर्यकालीन अग्निकुण्ड प्राप्त हुआ।
(c) कुराड़ा को औजारों की नगरी कहा जाता है।
(d) ईसवाल से अशोक का अभिलेख प्राप्त हुआ। [d]

व्याख्या:-

- ◆ ईसवाल (उदयपुर) प्राचीन औद्योगिक बस्ती, लौह उद्योग, ऊँट का दाँत, के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। अशोक के अभिलेख बैराठ से प्राप्त हुए थे।

26. गणेश्वर की खुदाई के संदर्भ में सबसे असत्य कथन का चयन करें-

- (a) गणेश्वर, नीम का थाना में कंतली नदी के स्रोत पर खोजी गई।
(b) गणेश्वर में राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा की गई खुदाई में लगभग 5000 वर्ष पुरानी संस्कृति प्रकाश में आई।
(c) यहाँ हड़प्पा से तांबा प्राप्त किया जाता था।
(d) गणेश्वर तांबे की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण स्थल है। [c]

व्याख्या:-

गणेश्वर सभ्यता-

- ◆ गणेश्वर सभ्यता नीमकाथाना क्षेत्र (सीकर) में कांतली नदी के किनारे स्थित ताम्रयुगीन संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थल है।
◆ यहां से प्राप्त उपकरणों में तांबे की मात्रा 99 प्रतिशत है।
◆ यहां से मछली पकड़ने का कांटा मिला है।
◆ गणेश्वर सभ्यता के लोग ताँबा संभवतः खेतड़ी व खो-दरीबा से प्राप्त करते थे।
◆ गणेश्वर से सिंधु सभ्यता में तांबे की आपूर्ति की जाती थी।

27. निम्नलिखित में से किसने गणेश्वर सभ्यता के उत्खनन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी?

[2nd Grade GK: 11.09.2025]

- (a) बी.बी. लाल (b) दयाराम साहनी
(c) रतनचन्द्र अग्रवाल (d) आलोक त्रिपाठी [c]

28. गणेश्वर पुरास्थल से सम्बन्धित निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए एवं सही विकल्प चुनिए:-

[2nd Grade [GK] - 1st Paper [Group-A] -
Date: 12.07.2026]

- (A) गणेश्वर का टीला ढूँढ नदी के उद्गम स्थल पर अवस्थित है।
(B) गणेश्वर स्थल की तिथि 3800 ई.पू. निर्धारित की गई है।
(C) गणेश्वर के उत्खनन से ताम्र आयुध व ताम्र उपकरण पुनः प्राप्त हुए हैं।

विकल्प:

- (a) केवल (A) सत्य है (b) (A) एवं (C) दोनों सत्य हैं
(c) केवल (C) सत्य है (d) (B) एवं (C) दोनों सत्य हैं [c]

29. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

- (a) गणेश्वर एक उत्खनन स्थल नहीं है।
(b) बैराठ एक ग्राम्य-संस्कृति केन्द्र था।
(c) कालीबंगा लौह-युग संस्कृति का एक उदाहरण था।
(d) आहड़वासियों का महत्वपूर्ण व्यवसाय अयस्क तांबे को गलाना तथा ताम्र वस्तुएँ बनाना था। [d]

व्याख्या:-

- ◆ गणेश्वर एक उत्खनित स्थल है।
◆ आहड़ एक ग्राम्य-संस्कृति का केंद्र था।
◆ कालीबंगा ताम्र-कांस्य युगीन संस्कृति का उदाहरण था।

30. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए:

कथन (A) : पाषाण उपकरणों के पश्चात् मानव ने सर्वप्रथम धातु के रूप में 'ताँबे' का उपयोग प्रारंभ किया।

कारण (R) : समय के साथ मानव शिकार से पशुपालन और कृषि कार्य की ओर अग्रसर हुआ तथा पत्थर के स्थान पर धातु के उपकरण बनाने लगा।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

- (a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही है। [a]

31. निम्नलिखित कथनों में सर्वाधिक उपयुक्त कथन है-
[CET (10+2)- 24-10-2024 (S-II)]
- बालाथल राजस्थान का एक महत्वपूर्ण पुरातत्व ताम्रपाषाण स्थल है।
 - इसकी खोज वी.एन. मिश्र ने की थी। इसका हड़प्पा सभ्यता से सम्पर्क उनके गृह निर्माण से प्रमाणित होता है।
- (a) कथन 1 सत्य है, किन्तु कथन 2 असत्य है।
(b) कथन 1 असत्य है, किन्तु कथन 2 सत्य है।
(c) कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं।
(d) कथन 1 और 2 दोनों असत्य हैं। [c]

व्याख्या:-

- बालाथल सभ्यता के उत्खनन से प्राप्त मृदभाण्डों, तांबे के औजारों और मकानों पर सिन्धु घाटी सभ्यता का प्रभाव दिखाई देता है।
- इससे स्पष्ट होता है कि बालाथल का सिन्धुवासियों अर्थात् हड़प्पा सभ्यता के लोगों के साथ सम्पर्क था।
- यहां से एक 4000 वर्ष पुराना नर कंकाल प्राप्त हुआ है। जिसे भारत में कुछ रोग का प्राचीनतम प्रमाण माना जाता है।

32. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में;
[REET Mains L-1 (Sanskrit) S-II Exam - 20.01.2026]

अभिकथन A: नोह उत्खनन से प्राप्त सिक्के ने कुषाण सम्राट वासुदेव पर प्रकाश डाला है।

कारण R: सिक्के के आमुख भाग पर यूरॉपियन शैली का लिबास पहने सम्राट को अग्नि के समक्ष अर्पण करते दिखाया गया है जबकि प्रतिमुख भाग पर माता पार्वती समझी जाने वाली एक आकृति दर्शाई गई है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(b) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(c) A सही नहीं है लेकिन R सही है।
(d) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है। [d]

33. निम्नलिखित में से सही कथनों को चुनिए-

- विराटनगर जिसे पहले बैराठ के नाम से जाना जाता था, जोधपुर का एक हिस्सा था।
 - बैराठ, मौर्य साम्राज्य का हिस्सा था।
- (a) 1 सही है। (b) 2 सही है।
(c) न तो 1 और न 2 सही है। (d) दोनों कथन सही हैं। [b]

व्याख्या:-

- विराटनगर जिसे पहले बैराठ के नाम से जाना जाता था, जयपुर का एक हिस्सा था, लेकिन वर्तमान में कोटपूतली बहरोड जिले का हिस्सा है।
 - बैराठ, मौर्य साम्राज्य का हिस्सा था। जिसके कई प्रमाण मिले हैं। जैसे-
- अशोक द्वारा निर्मित हीनयान संप्रदाय का गोल या वृत्ताकार बौद्ध मंदिर।
 - अशोक स्तम्भ व अशोक कालीन दो शिलालेख-
- (a) भाब्रू शिलालेख (b) लघु शिलालेख
- कैप्टन बर्ट को 1837 ई. में बीजक पहाड़ी से भाब्रू शिलालेख प्राप्त हुआ था। यह वर्तमान में रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल के कलकत्ता संग्रहालय में सुरक्षित है।
 - इस शिलालेख में अशोक द्वारा बौद्ध धर्म ग्रहण करने के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।
 - भाब्रू शिलालेख से बौद्ध धर्म के त्रि-रत्नों (बुद्ध, धम्म व संघ) के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।
 - ए.सी.एल. कार्लाइल ने 1871 ई. में भीम पहाड़ी से सम्राट अशोक के लघु शिलालेख की खोज की थी।

34. बैराठ के 'बौद्ध मठ' और 'अशोक स्तंभ' के आधार पर राजस्थान के बौद्ध धर्म के प्रमुख स्थान थे-
- (a) बैराठ, लालसोट, शेरगढ़, नगरी
(b) बड़नगर, आसपुरा, भूरी, भैंसलाना
(c) बैराठ, जोधपुरा, गणेश्वर, बालेश्वर
(d) लाटा, विराटनगर, अहिरवाला, नागौर [a]

व्याख्या:-

- बैराठ, लालसोट, शेरगढ़ तथा नगरी राजस्थान में बौद्ध धर्म के प्रमुख स्थान थे।
- बैराठ बौद्ध धर्म एवं संस्कृति का केंद्र था।
- यहां से गोल बौद्ध मंदिर, स्तूप, चैत्य तथा विहार के अवशेष प्राप्त हुए हैं।
- यहां से महात्मा बुद्ध की मूर्ति व 6-7 कमरों का एक खंडहरनुमा भवन प्राप्त हुआ है।
- चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार यहां पर 8 बौद्ध मठ थे जिन्हें कालांतर में हूण शासक मिहिरकुल ने तुड़वा दिया था।
- प्रसिद्ध पुरातत्त्वविद् टी.एच. हैण्डले ने नलियासर नामक पुरास्थल की पहचान एक बौद्ध कस्बे के रूप में की थी।

35. बैराठ सभ्यता के संदर्भ में निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए एवं सही विकल्प चुनिए :

A. मान्यता है कि हूण आक्रांता मिहिरकुल ने बैराठ का विध्वंस किया था।

B. चीनी यात्री युवान-च्वांग ने भी अपने यात्रा वृत्तान्त में बैराठ का उल्लेख किया है।

- (a) केवल A सत्य है। (b) केवल B सत्य है।
(c) A और B दोनों सत्य हैं। (d) A और B दोनों असत्य हैं। [c]

व्याख्या:-

- 7वीं सदी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने बैराठ की यात्रा की तथा अपने यात्रा वृत्तान्त सी-यू-की में इसका उल्लेख किया है।
- ह्वेनसांग के अनुसार यहाँ पर 8 बौद्ध मठ थे जिन्हें हूण आक्रांता मिहिरकुल ने तुड़वा दिया था।
- ह्वेनसांग ने बैराठ को पी-लो-यो-तो-लो कहा तथा यहां के बैल व भेड़ें प्रसिद्ध बताईं।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

[2nd Grade GK: 09.09.2025]

(A) के.एन. दीक्षित बैराठ में उत्खनन से सम्बन्धित हैं।

(B) बैराठ से सूती वस्त्र का टुकड़ा प्राप्त हुआ था।

(C) बैराठ में बीजक की पहाड़ी पर एक अशोक कालीन वृत्ताकार मन्दिर के साक्ष्य मिले हैं, दयाराम साहनी ने अपनी रिपोर्ट में जिसका उल्लेख किया था।

सही कूट चुनिए-

कूट:-

- (a) (B) और (C) (b) केवल (B)
(c) (A), (B) और (C) (d) (A) और (C) [c]

37. निम्नलिखित कथन (A) और कारण (R) पर विचार कीजिए:

कथन (A): बैराठ मौर्य काल में भी सभ्यता का एक प्रमुख केन्द्र रहा था।

कारण (R) : यहाँ से अशोक के दो स्तंभ लेख (भाबरू या बैराठ शिलालेख) एवं बौद्धमठ के अवशेष प्राप्त हुए हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए:

- (a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है। [a]

38. निम्न में से बैराठ सभ्यता के संबंध में कौन-सा कथन सही नहीं है?
 (a) यहाँ अशोक के दो अभिलेख मिले हैं।
 (b) कैप्टन बर्ट द्वारा 1837 ई. में भाबू अभिलेख की खोज की गई थी।
 (c) यहाँ से 28 इंडो-ग्रीक मुद्राएँ मिली हैं।
 (d) यह मालव जनपद की राजधानी थी। [d]

व्याख्या:-

- ◆ बैराठ मौर्यकालीन केन्द्र था। मालव जनपद की राजधानी नगर (टोंक) थी।

39. सिन्धु घाटी सभ्यता के स्थल जो कि सूची-A में दिए गए हैं उनको सूची-B की विषयवस्तु से सुमेलित कीजिए:
[2nd Grade [GK] - 1st Paper [Group-A]
- Date: 12.07.2026]

सूची-A	सूची-B
(A) कालीबंगा	(i) नाम पट्टिका
(B) धोलावीरा	(ii) 5 पुरातात्विक टीले
(C) राखीगढ़ी	(iii) घग्गर नदी के तट पर
(D) बनावली।	(iv) हल का एक टेराकोटा मॉडल

सही विकल्प चुनिए:

- (a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(iv)
 (b) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iii)
 (c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
 (d) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iv) [d]

40. ओझियाना के उत्खनन कर्ता कौन थे?

- (a) वी.एन. मिश्रा एवं एस.एन. राजागुरु
 (b) बी. आर. मीणा एवं आलोक त्रिपाठी
 (c) आर. सी. अग्रवाल एवं वी. कुमार
 (d) बी.बी. लाल एवं बी. के. थापर [b]

व्याख्या:-

ओजियाना (बदनोर, ब्यावर)-

- ◆ **स्थिति-** बदनोर (ब्यावर) के पास खारी नदी के तट पर एक पहाड़ी पर स्थित एक आहड़ सभ्यता का प्रसिद्ध केंद्र।
 ◆ **उत्खनन -** बी. आर. मीणा तथा आलोक त्रिपाठी द्वारा (2000-2001 में)
 ◆ यहां से तांबे की चूड़िया, अंगूठी व मांदलिया प्राप्त हुआ है।
 ◆ यहाँ से बैल (वृषभ) तथा गाय की मृण्मय मूर्तियाँ प्राप्त हुई है। जिन पर सफेद रंग से डिजाइन किया गया है।

41. निम्नांकित में से कौन-से कथन सत्य है?

[सहायक सांख्यिकी अधिकारी (25. 08. 2024)]

1. रंगमहल का उत्खनन वी. एन. मिश्रा एवं राजस्थान राज्य पुरातत्त्व विभाग ने संयुक्त रूप से 1959 ई. में किया था।
 2. उत्तरी राजस्थान में रंगमहल प्राक-हड़प्पा युगीन पुरास्थल है।
 3. रंगमहल का उत्खनन स्वडिश के पुरातत्त्वविद हन्नारिड ने 1952-53 ई. में किया था।
 4. रंगमहल संस्कृति कुषाणकालीन है।
 (a) 1 और 4 (b) 3 और 4
 (c) 2 और 3 (d) 1 और 2 [b]

व्याख्या:-

रंगमहल (हनुमानगढ़)-

पुरातात्विक साक्ष्य-

- ◆ रंगमहल का उत्खनन स्वीडिश पुरातत्त्वविद श्रीमती हन्नारिड के नेतृत्व में 1952-54 ई. के मध्य किया गया था।
 ◆ यहाँ से कुषाणकालीन तथा उससे पहले की 105 ताँबे की मुद्राएँ प्राप्त हुई है जिनमें कुछ पंचमार्क मुद्राएँ भी है।
 ◆ इसे कुषाणकालीन सभ्यता के समान माना जाता है।

- ◆ लाल रंग के पात्रों पर काले रंग के डिजाइन के कारण इसे रंग महल नाम मिला।
 ◆ **रंगमहल** के तीन बार बसने एवं उजड़ने के प्रमाण मिले हैं।
 ◆ यहां से गुप्त कालीन ब्राह्मी लिपि में बनी यशोदा कृति मिली है।

42. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

[REET Mains L-2 (ENGLISH)

S-I Exam - 19.01.2026]

- (A) आहड़ संस्कृति उत्तर-पश्चिमी राजस्थान की ताम्रपाषाण संस्कृति है।
 (B) आहड़ संस्कृति को हड़प्पा संस्कृति के ताम्रपाषाण स्थलों से अलग पाया गया है।
 (C) आहड़ संस्कृति के मुख्य वितरण का संकेन्द्रण बनास नदी घाटी में प्रतीत होता है।
 (D) आहड़ के लोगों की प्रौद्योगिकी मुख्यतया पत्थर आधारित थी।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) केवल (C) और (D) (b) केवल (A) और (D)
 (c) केवल (A) और (B) (d) केवल (B) और (C) [d]

व्याख्या:-

आहड़ सभ्यता (उदयपुर) -

- ◆ **स्थिति -** आयड़/बेड़च नदी के तट पर (दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान)
 ◆ **प्राचीन नाम -** ताम्रवती नगरी
 ◆ **स्थानीय नाम -** धूलकोट
 ◆ **अन्य नाम -** बनास संस्कृति, ब्लैक एण्ड रेड वेयर संस्कृति, ग्रामीण सभ्यता, मृतकों के टीलों की सभ्यता, आघाटपुर व पितृसत्तात्मक सभ्यता।
 ◆ आहड़ सभ्यता बनास, बेड़च, गंभीरी और कोठारी नदियों के तटों और घाटियों में फैली हुई थी।

43. आहड़ को ताम्रवती नाम से भी जाना जाता था क्योंकि-

- (a) बड़ी संख्या में ताँबे के औजार व उपकरण मिले हैं।
 (b) घर बनाने के लिए धूप में पकी ईंटों का उपयोग किया जाता था।
 (c) जली हुई ईंट का निर्माण पाया गया।
 (d) अर्थव्यवस्था शिकार और पशुपालन पर आधारित थी। [a]

व्याख्या:-

- ◆ आहड़ को ताम्रवती नाम से भी जाना जाता था क्योंकि यहां से बड़ी संख्या में ताँबे के औजार व उपकरण प्राप्त हुए हैं।
 ◆ आहड़ के उत्खनित स्थल को 'महासतिया' कहा जाता है।
 ◆ गिलुण्ड (राजसमन्द) से भी आहड़ के समान धर्म संस्कृति मिली है।
 ◆ आहड़वासी धातुकर्मी होने के साथ-साथ कृषि (चावल की खेती) एवं पशुपालन (कुत्ता, हाथी आदि) से भी परिचित थे।

44. आहड़ सभ्यता के बारे में सही कथन का चयन कीजिए-

1. आहड़वासी ताँबा गलाना जानते थे।
 2. ये लोग चावल से परिचित नहीं थे।
 3. धातु का काम आहड़वासियों की अर्थव्यवस्था का एक साधन था।
 4. यहाँ से काले-लाल रंग के मद्भाग मिले हैं, जिन पर सामान्यतः सफेद रंग से ज्यामितीय आकृतियाँ उकेरी गई हैं।
 (a) 1, 3 एवं 4 सही है। (b) 1 एवं 2 सही है।
 (c) 1, 2 और 3 सही है। (d) 3 एवं 4 सही है। [a]

व्याख्या:-

आहड़ से प्राप्त पुरातात्विक साक्ष्य -

1. लहंगा पहने नारी की खण्डित मूर्ति।
 2. रंगाई-छपाई में प्रयुक्त ठप्पें।
 3. अनाज पीसने की चक्की।
 4. दो मुंह वाला चूल्हा, सिलबट्टा व पेन।
 5. माप-तौल के बांट।
 6. गेहूँ, चावल व ज्वार की फसलों के साक्ष्य।



राजस्थान की कला एवं संस्कृति

दुर्ग

विगत वर्षों के प्रश्न

1. घूंघट, गूगड़ी, फूटी, बाँदरा, इमली और फतेह बुर्ज राजस्थान के किस दुर्ग से संबंधित हैं ?

[REET 2024 (SST)-SHIFT 3RD]

- (a) मेहरानगढ़ (जोधपुर) (b) तारागढ़ (अजमेर)
(c) जूनागढ़ (बीकानेर) (d) कुंभलगढ़ (राजसमंद) [b]

व्याख्या:-

तारागढ़ दुर्ग की 14 प्रमुख बुर्जें

क्रम	बुर्ज का नाम	क्रम	बुर्ज का नाम
1.	घूंघट बुर्ज	2.	गूगड़ी बुर्ज
3.	फूटी बुर्ज	4.	बाँदरा बुर्ज
5.	इमली बुर्ज	6.	फतेह बुर्ज
7.	नागफनी बुर्ज	8.	श्रृंगार चँवरी बुर्ज
9.	आरपार की बुर्ज	10.	जानू नायक
11.	पृथ्वीराज बुर्ज	12.	नक्कारची
13.	सूरज बुर्ज	14.	इब्राहीम शहीद

2. निम्न में से कौन-सा भवन चितौड़ के किले में अवस्थित नहीं है?

[REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

- (a) भामाशाह की हवेली (b) श्रृंगार चँवरी प्रासाद
(c) नवलखा भण्डार (d) सुपारी महल [d]

व्याख्या:-

- चित्तौड़गढ़ दुर्ग राजस्थान का सबसे विशाल दुर्ग है तथा इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया गया है।
- भामाशाह की हवेली चित्तौड़गढ़ दुर्ग परिसर में स्थित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संरचना है, जिसका संबंध महाराणा प्रताप के प्रसिद्ध सहयोगी भामाशाह से माना जाता है।
- श्रृंगार चँवरी दुर्ग स्थित प्रमुख जैन स्थापत्य स्मारकों में से एक है, जिसे शांति नाथ जैन मंदिर भी कहा जाता है।
- नवलखा भण्डार दुर्ग का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक भण्डारण स्थल माना जाता है, जिसका निर्माण बनवीर से संबंधित बताया जाता है।
- सुपारी महल रणथंभौर दुर्ग (सवाई माधोपुर) में स्थित है।

3. गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बैंटिक ने किस दुर्ग को "दुनिया का दूसरा जिब्राल्टर" कहा था?

[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) मेहरानगढ़ (b) नाहरगढ़
(c) सिवाणा (d) तारागढ़ [d]

व्याख्या:-

- लॉर्ड विलियम बैंटिक ने वर्ष 1832 ई. में इसे देखकर "दुनिया का दूसरा जिब्राल्टर" कहा था।
- इतिहासकार विशप हेबर ने इसे "राजपूताना की कुंजी" की उपाधि दी थी। इस दुर्ग का प्राचीन नाम गढ़ बीठली अथवा अजयमेरु दुर्ग था। मेवाड़ के राजकुमार पृथ्वीराज सिसोदिया ने अपनी पत्नी तारा के नाम पर इसका नाम तारागढ़ रखा।

4. चुरु दुर्ग का निर्माण 1739 में किसने करवाया?

[REET 2022 (SST) 2ND SHIFT]

- (a) जसवंतसिंह (b) रायसिंह
(c) कल्याणमल (d) ठाकुर कुशल सिंह [d]

व्याख्या:-

- चुरु दुर्ग का निर्माण 1739 ई. में ठाकुर कुशल सिंह द्वारा कराया गया था। यह दुर्ग अपनी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।
- अपनी आजादी व अस्मिता के लिए इस दुर्ग में ठाकुर शिवसिंह ने 1814 में गोले-बारूद खत्म होने पर दुश्मनों पर चॉंदी के गोले दागे।

5. वह किला, जिस पर अंग्रेज जनरल लार्ड लेक ने पाँच बार चढ़ाई की, किन्तु असफल हुआ, है-

[REET 2011 (SST)]

- (a) लोहागढ़, भरतपुर (b) बाला किला, अलवर
(c) मांडलगढ़, मांडलगढ़ (d) अचलगढ़, आबू [a]

व्याख्या:-

- लोहागढ़ किला भरतपुर का प्रसिद्ध दुर्ग है। 1805 ई. में अंग्रेज सेनापति लॉर्ड लेक ने इस पर कई बार आक्रमण किया, किन्तु सफलता प्राप्त नहीं कर सका। इसकी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के कारण इसे 'अजेय दुर्ग' कहा जाता है।

अभ्यास प्रश्न

1. राजस्थान के दुर्गों की श्रेणियों के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

कथन I: शुक्रनीति के अनुसार, वह दुर्ग जो विशाल जल राशि से घिरा हो उसे 'औदक दुर्ग' कहते हैं, जैसे गागरोण और भैंसरोड़गढ़।

कथन II: मरूस्थल में स्थित दुर्गों को 'धान्वन दुर्ग' कहा जाता है, जिसका प्रमुख उदाहरण जैसलमेर का सोनारगढ़ दुर्ग है।

कथन III: 'पारिख दुर्ग' वे होते हैं जिनके चारों ओर एक विशाल परकोटा (दीवार) बना होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल I और II (b) केवल II और III (c) केवल I और III (d) I, II और III सभी [a]

व्याख्या:-

◆ कौटिल्य ने दुर्गों की चार (औदक, पार्वत, धान्वन तथा वन दुर्ग) जबकि शुक्रनीति में दुर्गों की निम्नलिखित नौ श्रेणियां बताई गई हैं-

1.	औदक/जल दुर्ग	वह दुर्ग जो विशाल जल राशि से गिरे हो।	जैसे- गागरोण दुर्ग (झालावाड़), भैसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) तथा शेरगढ़ (बारां)।
2.	धान्वन दुर्ग	मरूस्थल या मरूभूमि में स्थित दुर्ग।	जैसे- सोनारगढ़ (जैसलमेर), जूनागढ़ (बीकानेर), भटनेर दुर्ग (हनुमानगढ़) तथा नागौर दुर्ग
3.	पारिख दुर्ग	वह दुर्ग जिसके चारों तरफ गहरी खाई हो।	जैसे- लोहागढ़ (भरतपुर), जूनागढ़ (बीकानेर)
4.	पारिध दुर्ग	वह दुर्ग जिसके चारों तरफ विशाल परकोटा बना हो।	जैसे- चित्तौड़गढ़, सोनारगढ़ तथा जालौर दुर्ग।
5.	वन दुर्ग	सघन बीहड़ (कांटेदार झाड़ियों) में निर्मित दुर्ग।	जैसे- सिवाणा (बालोतरा), रणथंभौर (सवाई माधोपुर)
6.	ऐरण दुर्ग	वह दुर्ग जहां तक पहुंचने का रास्ता कांटों, पत्थरों तथा खाइयों के कारण दुर्गम हो।	जैसे- जालौर दुर्ग, रणथंभौर दुर्ग तथा चित्तौड़गढ़ दुर्ग।
7.	गिरि दुर्ग	ऊँची पहाड़ी पर निर्मित दुर्ग। राजस्थान के अधिकांश दुर्ग इसी श्रेणी में आते हैं।	जैसे- चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़ (राजसमंद), मेहरानगढ़ (जोधपुर), तारागढ़ (अजमेर), जालौर तथा सिवाणा दुर्ग (बालोतरा)
8.	सहाय दुर्ग	- जिसमें वीर तथा सदा साथ देने वाले बंधुजन रहते हो।	
9.	सैन्य दुर्ग	वह दुर्ग जहां युद्ध की योजना और रणनीति बनाने में निपुण सैनिक रहते हो। सभी दुर्गों में सैन्य दुर्ग को सर्वश्रेष्ठ माना गया है।	

2. दुर्ग स्थापत्य की विशेषताओं के संबंध में नीचे दिए गए अभिकथन और कारण को पढ़िए:-

कथन (A): चित्तौड़गढ़ और जैसलमेर के दुर्गों को 'पारिध दुर्ग' की श्रेणी में भी वर्गीकृत किया जाता है।

कारण (R): इन दुर्गों के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से बड़ी-बड़ी दीवारों का परकोटा निर्मित किया गया है।

निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
 (b) A और R दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
 (c) A सही है, परंतु R गलत है।
 (d) A गलत है, परंतु R सही है।

[a]

3. राजस्थान में विभिन्न प्रकार के दुर्गों (किलों) के संदर्भ में सही कथनों की पहचान कीजिए।

- (A) गिरि दुर्ग ऊँचे पर्वतों में स्थित दुर्ग को कहा जाता है।
 (B) सैन्य दुर्ग वह है, जहां सैनिक रहते हैं।
 (C) वन दुर्ग वह है जो मैदानी क्षेत्र में है किन्तु अगम्य।
 (D) धान्वन दुर्ग वह दुर्ग है जो चारों ओर जल से घिरा होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:-

[Agriculture supervisor-18.04.2026]

- (a) (A) और (B) (b) (B) और (D)
 (c) (A) और (D) (d) (B) और (C)

[a]

4. सूची I को सूची II से सुमेलित करें-

[Reet Mains L-1 (Sanskrit),
1st Shift - 20.01.2026]

सूची I (किले का प्रकार)	सूची II (संबंधित किला)
A. जल दुर्ग	I. गागरोण दुर्ग
B. वन दुर्ग	II. लोहागढ़ दुर्ग
C. पर्वत दुर्ग	III. सिवाणा दुर्ग
D. पारिख दुर्ग	IV. मेहरानगढ़

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें-

- (a) A-I, B-III, C-IV, D-II (b) A-II, B-III, C-IV, D-I
 (c) A-IV, B-II, C-III, D-I (d) A-III, B-II, C-I, D-IV

[a]

5. सूची I को सूची II से सुमेलित करें -

[Reet Mains L-2 (Sanskrit),
2nd Shift - 20.01.2026]

सूची I (दुर्ग)	सूची II (स्थान)
A. औदक	I. जैसलमेर
B. धान्वन	II. गागरोण
C. वन	III. सिवाणा
D. ऐरण	IV. चित्तौड़

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) A-I, B-II, C-III, D-IV
 (b) A-II, B-IV, C-III, D-I
 (c) A-III, B-IV, C-I, D-II
 (d) A-II, B-I, C-III, D-IV

[d]

6. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है-

[सहा. सांख्यिकी अधिकारी-12.10.2025]

- (a) गिरि दुर्ग - सिवाणा
 (b) स्थल दुर्ग - चौमुहागढ़
 (c) धान्वन दुर्ग - मांडलगढ़
 (d) औदक दुर्ग - गागरोण

[c]

7. दुर्ग स्थापत्य और राज्य व्यवस्था के संबंध में नीचे दिए गए कथन और कारण पर विचार कीजिए:

कथन (A): शुक्रनीति के अनुसार दुर्ग को राज्य का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग माना गया है।

कारण (R): प्राचीन काल में दुर्गों का निर्माण केवल राजाओं के निवास और शाही खजाने को सुरक्षित रखने तक ही सीमित था, आम जनता से इनका कोई सरोकार नहीं था।

निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
 (b) A और R दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
 (c) A सही है, परंतु R गलत है।
 (d) A गलत है, परंतु R सही है।

[c]

8. सूची-I (दुर्ग) को सूची-II (प्रवेश द्वार) से सुमेलित कीजिए-

सूची-I (दुर्ग)	सूची-II (प्रवेश द्वार)
(A) चित्तौड़गढ़ दुर्ग	(i) लोहा पोल
(B) रणथंभौर दुर्ग	(ii) सूरज पोल
(C) मेहरानगढ़ दुर्ग	(iii) पाडन पोल (राम पोल)
(D) आमेर दुर्ग	(iv) नौलखा दरवाजा

(a) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)

(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

(c) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(i)

[a]

व्याख्या:-

प्रमुख दुर्ग	प्रवेश द्वार
जूनागढ़ (बीकानेर)	कर्णपोल, चाँदपोल, दौलतपोल, फतेहपोल, रतनपोल, सूरजपोल, ध्रुवपोल
मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर)	लोहा पोल, जयपोल, फतेहपोल, ध्रुव पोल, सूरज पोल, इमरत पोल, भैरों पोल, नागौरी, मेड़तिया, सोजती, सिवानची, जालौरी दरवाजा, चाँदपोल
चित्तौड़गढ़ दुर्ग	पाडन पोल, भैरव पोल, हनुमान पोल, गणेश पोल, जोड़ला पोल, लक्ष्मण पोल, रामपोल, सूरजपोल
कुम्भलगढ़ दुर्ग (राजसमंद)	ओरठ पोल, हल्ला पोल, हनुमान पोल, विजय पोल, भैरव पोल, चौगान पोल, पागड़ा पोल और गणेश पोल। लघु दुर्ग के मुख्य प्रवेश द्वार- भैरवपोल, नींबूपोल, चौगानपोल, पागड़ापोल, गणेशपोल
रणथंभौर दुर्ग	नौलखा दरवाजा, हाथी पोल, गणेश पोल, सूरज पोल, त्रिपोलिया दरवाजा
आमेर दुर्ग	जयपोल, सूरजपोल, चाँदपोल, सिंहपोल, गणेश पोल
जयगढ़ (जयपुर)	डूंगर दरवाजा, अवनी दरवाजा, भैरू दरवाजा
तारागढ़ (अजमेर)	विजयपोल, लक्ष्मीपोल, फुटा दरवाजा, भवानीपोल, हाथीपोल, अरकोट दरवाजा, बड़ा दरवाजा
लोहागढ़ दुर्ग (भरतपुर)	अष्टधातु दरवाजा, लोहिया दरवाजा, सूरजपोल।
तारागढ़ दुर्ग (बूँदी)	हाथी पोल, गणेश पोल, हजारी पोल, पाटन पोल, भैरव पोल, शकल बारी दरवाजा।
नागौर दुर्ग	सिराई पोल, बिचली पोल, कचहरी पोल, सूरज पोल, धूपी पोल, राज पोल
अचलगढ़ दुर्ग (सिरोही)	हनुमान पोल, गणेश पोल, चम्पा पोल, भैरव पोल।
तिमनगढ़ (त्रिभुवनगढ़)	जगनपोल व सूर्यपोल
कोटा दुर्ग	पाटन पोल, कैथूनी पोल, सूरज पोल, हाथी पोल एवं किशोरपुरा दरवाजा।

9. चित्तौड़गढ़ दुर्ग के सामरिक महत्त्व के संदर्भ में नीचे दिए गए कथन और कारण पर विचार कीजिए:

कथन (A): प्राचीन और मध्यकाल में चित्तौड़गढ़ किले का विशेष सामरिक महत्त्व था और इसे गिरि दुर्गों में राजस्थान का गौरव माना जाता है।

कारण (R): यह दुर्ग दिल्ली से मालवा और गुजरात जाने वाले प्रमुख मार्ग पर स्थित था।

निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

(b) A और R दोनों सही हैं परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) A सही है, परंतु R गलत है।

(d) A गलत है, परंतु R सही है।

[a]

10. गागरोण दुर्ग के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

कथन I: यह दुर्ग कालीसिंध और आहु नदी के संगम पर स्थित एक 'जल दुर्ग' (औदक दुर्ग) है, जिसका निर्माण 11वीं सदी में परमार शासकों द्वारा करवाया गया था।

कथन II: इस दुर्ग का प्राचीन नाम 'गर्गराटपुर' था और इसे डोडगढ़ या धुलरगढ़ के नाम से भी जाना जाता है।

कथन III: यहाँ सूफी संत 'मिट्टे साहब' की दरगाह, औरंगजेब द्वारा निर्मित बुलंद दरवाजा और संत पीपा की छतरी स्थित है।

कथन IV: दुर्ग में स्थित विशाल परकोटे का निर्माण कोटा के शासक दुर्जनशाल द्वारा करवाया गया था, जिसे 'जालिमकोट' कहा जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल I, II और III

(b) केवल II, III और IV

(c) केवल I और III

(d) I, II, III और IV सभी

[a]

व्याख्या:-

गागरोण दुर्ग

- ❖ दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के सबसे प्राचीन व विकट दुर्ग में गागरोण दुर्ग भी एक जल दुर्ग या औदक दुर्ग है, जो कालीसिंध और आहु नदी के संगम पर है, जो परमार शासकों द्वारा निर्मित। (11वीं सदी में)।
- ❖ **उपनाम** - डोडगढ़, धुलरगढ़, शाहगढ़, गीधकगढ़।
- ❖ गागरोण का प्राचीन नाम **गर्गराटपुर** था।
- ❖ इसका नामकरण गागरोण देवनसिंह खींची/देवा ने किया।

प्रमुख दर्शनीय स्थल-

- ❖ यहाँ गागरोनी तोते/हीरामन तोता पाया जाता है।
- ❖ इस दुर्ग में खुरासान से गागरोण आये सूफी संत 'मिट्टे साहब की दरगाह' तथा औरंगजेब द्वारा निर्मित **बुलन्द दरवाजा** भी स्थित है।
- ❖ इस दुर्ग में **संत पीपा की छतरी** है।
- ❖ इस दुर्ग में भगवान मधुसूदन का मंदिर (दुर्जनशाल द्वारा निर्मित) तथा कोटा रियासत के सिक्के ढालने की टकसाल है।
- ❖ **जालिमकोट** - गागरोण दुर्ग में कोटा के **झाला जालिमसिंह** द्वारा निर्मित विशाल परकोटा।
- ❖ **रामबुर्ज एवं ध्वज बुर्ज** इसकी विशाल बुर्जें हैं।

11. अकबर द्वारा निर्मित 'शुक्र तालाब' किस किले में स्थित है?

(a) गागरोण

(b) सिवाना

(c) नागौर

(d) शेरगढ़

[c]

व्याख्या:-

- ◆ अकबर द्वारा निर्मित 'शुक्र तालाब' नागौर किले में स्थित है।
- ◆ उपनाम - अहिच्छत्रपुर दुर्ग, नागदुर्ग।
- ◆ निर्माण - विक्रम संवत् 1211 में कैमास (चौहान शासक सोमेश्वर का सामन्त) द्वारा
- ◆ श्रेणी- धान्वन दुर्ग और स्थल दुर्ग।
- ◆ यह दुर्ग वीर शिरोमणि अमरसिंह राठौड़ के शौर्य एवं स्वाभिमान के लिए प्रसिद्ध है।
- ◆ प्रवेश द्वार- सिराई पोल, बिचली पोल, कचहरी पोल, सूरज पोल, धूपी पोल व राज पोल नामक 6 दरवाजे हैं।
- ◆ शुक्र तालाब - 1570 ई. में अकबर अजमेर में ख्वाजा साहब की जियारत करने के बाद नागौर आया तथा यहाँ पर लगभग दो महीने रहा। उसने यहाँ एक तालाब खुदवाया जिसका नाम शुक्र तालाब था।
- ◆ दुर्ग के भीतर बादल महल एवं शीश महल में सुन्दर भित्ति चित्र बने हैं।
- ◆ मुख्य विशेषता- इसके बाहर से चलाये गये तोपों के गोले किले के महलों को क्षति पहुँचाये बिना ही ऊपर से निकल जाते हैं।
- ◆ दर्शनीय स्थल- वीर अमरसिंह राठौड़ की 16 खंभों की छतरी, तारकीन की दरगाह, ज्ञानी तालाब, वंशीवाला का मंदिर, वरमाया का मंदिर, अन्न गोदाम।

12. भटनेर दुर्ग के ऐतिहासिक महत्त्व के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

कथन I: यह राजस्थान का सबसे प्राचीन दुर्ग है जिस पर सर्वाधिक विदेशी आक्रमण हुए हैं।

कथन II: 1398 ई. में तैमूर लंग के आक्रमण के समय यहाँ मुस्लिम महिलाओं द्वारा जौहर करने के प्रमाण मिलते हैं।

कथन III: तैमूर के आक्रमण के समय भटनेर का शासक शेर खॉ था, जिसकी कब्र इसी दुर्ग में स्थित है।

कथन IV: इस दुर्ग के एक प्रवेश द्वार पर दलपत सिंह के साथ 6 नारियों की आकृतियाँ बनी हुई हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल I, II और IV (b) केवल II, III और IV
(c) केवल I और III (d) I, II, III और IV सभी [a]

व्याख्या:-

- ◆ भटनेर दुर्ग राजस्थान का सबसे प्राचीन दुर्ग है।
- ◆ भटनेर दुर्ग पर सबसे अधिक विदेशी आक्रमण हुए।
- ◆ 1003 ई. में महमूद गजनवी का प्रथम विदेशी आक्रमण हुआ तथा अंतिम विदेशी आक्रमण 1532-34 ई. का कामरान का हुआ।
- ◆ यह दुर्ग राजस्थान का एकमात्र ऐसा दुर्ग है जहाँ पर मुस्लिम महिलाओं ने जौहर किया। यह जौहर 1398 ई. में हुआ था। उस समय भटनेर का शासक दूलचंद था और आक्रमण तैमूर लंग का हुआ। इस जौहर का प्रमाण तैमूर लंग की आत्मकथा 'तुजुक ए तैमुरी' में मिलता है।
- ◆ इस दुर्ग में बलबन के किलेदार 'शेर खॉ की कब्र' है।
- ◆ भटनेर दुर्ग में एक प्रवेशद्वार पर एक राजा के साथ 6 नारियों की आकृतियाँ बनी हैं।

13. कौन-से कथन भटनेर दुर्ग से संबंधित है?

[Reet Mains L-1 (Sanskrit),
1st Shift - 20.01.2026]

- A. इसे हनुमानगढ़ दुर्ग भी कहा जाता है।
B. जैसलमेर सम्राट भाटी के पुत्र भूपत ने यह दुर्ग बनवाया था।
C. तैमूर और गजनवी कभी इस मजबूत दुर्ग पर कब्जा नहीं कर पाए।
D. दुर्ग के भीतर एक प्राचीन भवन "जैन पसारा" स्थित है।
E. 'आईन-ए-अकबरी' में इस किलेबंदी का विवरण दिया है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) A, B, C, D (b) B, C, D, E
(c) A, B, D, E (d) A, C, D, E [c]

व्याख्या:-

- ◆ बीकानेर शासक सूरतसिंह ने 1805 ई. में मंगलवार के दिन भाटियों को हराकर इसका नाम हनुमानगढ़ रखा।
- ◆ भूपत भाटी ने तीसरी सदी के अंतिम चरण में घघर नदी के तट पर इसका निर्माण करवाया।
- ◆ इस पर पहला विदेशी आक्रमण 1003 ई. में महमूद गजनवी ने और अंतिम 1532-34 ई. में कामरान ने किया।
- ◆ तैमूर लंग ने 6 नवम्बर, 1398 को शासक दूलचन्द भाटी को हराकर इस दुर्ग पर विजय प्राप्त की।
- ◆ दुर्ग के अंदर 'जैन पसारा' नामक प्राचीन भवन व स्थल स्थित है।
- ◆ मुगल सम्राट अकबर की आत्मकथा/पुस्तक 'आईन-ए-अकबरी' में इस दुर्ग की किलेबंदी का उल्लेख मिलता है।

14. किले-निर्माता सुमेलित कीजिए-

A. बयाना का किला	1. महाराजा सवाई जयसिंह
B. आमेर का किला	2. अजयराज चौहान
C. तारागढ़ का किला	3. राजा मानसिंह
D. नाहरगढ़ का किला	4. राजा विजय पाल

- (a) A-4, B-2, C-3, D-1 (b) A-2, B-4, C-1, D-3
(c) A-4, B-3, C-2, D-1 (d) A-4, B-3, C-1, D-2 [c]

व्याख्या:-

बयाना का किला (भरतपुर)-

- ◆ यादव राजवंश के महाराजा विजयपाल ने अपनी राजधानी मथुरा को असुरक्षित जानकर यह दुर्ग माही (दमदमा) पहाड़ी पर बनवाया।
- ◆ उपनाम - शोणितपुर, बाणासुर, बादशाह दुर्ग, विजयमंदिर गढ़ आदि।

आमेर का किला-

- ◆ निर्माण व पुनर्निर्माण- कोकिलदेव ने 1036 ई. में यह दुर्ग आमेर के मीणा शासक भुट्टो से छीन लिया। राजा मानसिंह प्रथम ने दुर्ग का पुनर्निर्माण करवाया।
- ◆ उपनाम - हाथियों का किला, अम्बेवती दुर्ग, अम्बरीश दुर्ग, अम्बेपुर दुर्ग, अम्बिकापुर।
- ◆ श्रेणी- आमेर दुर्ग गिरि श्रेणी का है, जो काली खोह पहाड़ी पर स्थित है।
- ◆ आमेर के महल राजपूत व मुगल शैली में निर्मित है।

तारागढ़ का किला (अजमेर)-

- ◆ निर्माण- अजमेर जिले के इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयपाल ने (सातवीं शताब्दी में चौहान शासक अजयपाल ने, हरविलास शारदा के अनुसार) ने तारागढ़ पर्वत की बीठली पहाड़ी पर करवाया।

नाहरगढ़ का किला-

- ◆ निर्माण - 1734 ई. में सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा।
- ◆ उपनाम - जयपुर मुकुट, सुदर्शनगढ़, जनाना क्वार्टर, महलों का दुर्ग आदि।
- ◆ श्रेणी- गिरि श्रेणी का है, जो मीठड़ी पहाड़ी पर स्थित है।
- ◆ नाहरगढ़ दुर्ग का निर्माण मराठा आक्रांताओं से बचने हेतु किया गया। नामकरण - नाहरसिंह भोमिया के नाम पर।

15. निम्नलिखित को सही सुमेलित कीजिए-

दुर्ग	पहाड़ी जिस पर स्थित है
A बयाना दुर्ग	1. दमदमा पहाड़ी
B अजयमेरू दुर्ग	2. स्वर्णगिरि पहाड़ी
C जालौर दुर्ग	3. नानी सीरड़ी पहाड़ी
D सोजत दुर्ग	4. बीठली पहाड़ी

- (a) A-1 B-2 C-3 D-4
(b) A-1 B-4 C-2 D-3
(c) A-3 B-1 C-4 D-2
(d) A-2 B-1 C-3 D-4

[b]

व्याख्या:-

दुर्ग	स्थिति
बयाना दुर्ग	दमदमा पहाड़ी
अजयमेरू दुर्ग	बीठली पहाड़ी
जालौर दुर्ग	स्वर्णगिरि पहाड़ी
सोजत दुर्ग	नानी सीरड़ी पहाड़ी
जैसलमेर का किला	त्रिकूट पहाड़ी
मेहरानगढ़ दुर्ग (जोधपुर)	चिड़ियाटूक पहाड़ी
चित्तौड़गढ़ दुर्ग	मेसा पठार
जालौर दुर्ग (सुवर्णगिरि दुर्ग)	सोनगिरी पहाड़ी
जयगढ़ (जयपुर)	'चिल्ह (ईगल) का टीला'
तारागढ़ (अजमेर)	बीठली पहाड़ी
बयाना दुर्ग (भरतपुर)	दमदमा या मानी पहाड़ी
शाहबाद का किला (बारां)	भामती नामक पहाड़ी
मांडलगढ़ दुर्ग (भीलवाड़ा)	बीजासन पहाड़ी
सज्जनगढ़ दुर्ग	बांसदरा पहाड़ी

16. भैसरोड़गढ़ दुर्ग के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

कथन I: यह दुर्ग चंबल और बामनी नदियों के संगम पर स्थित है, जिसे 'राजस्थान का वैल्लोर' भी कहा जाता है।

कथन II: इस दुर्ग का निर्माण मेवाड़ के महाराणा कुम्भा द्वारा करवाया गया था।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) केवल कथन I सत्य है।
(c) केवल कथन II सत्य है।
(d) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

[b]

व्याख्या:-

भैसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़)

- स्थिति- चंबल व बामनी नदियों के संगम पर
- श्रेणी- जल/औदक दुर्ग
- निर्माण- भैसा शाह व रोड़ा चारण/बनजारा
- उपनाम- राजस्थान का वैल्लोर
- कर्नल जैम्स टॉड का कथन - "अगर मुझे राजपूताना में कोई जागीर पेश की जाए तो मैं भैसरोड़गढ़ को ही चुनेंगे।"

17. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्मों को छाँटिए-

दुर्ग	परिवर्तित नाम
(a) चित्तौड़गढ़	खिज्राबाद
(b) गागरोन	मोमिनाबाद
(c) सिवाना	खैराबाद
(d) जालौर	जलालाबाद

[b]

व्याख्या:-

- मुस्तफाबाद: गागरोन दुर्ग को 1444 ई. में मांडू के सुल्तान महमूद खिलजी प्रथम ने जीता और इसका नाम बदलकर 'मुस्तफाबाद' रखा था।

किला	परिवर्तित नाम	परिवर्तन करने वाला शासक
चित्तौड़गढ़	खिज्राबाद	अलाउद्दीन खिलजी
सिवाणा	खैराबाद	अलाउद्दीन खिलजी
जालौर	जलालाबाद	अलाउद्दीन खिलजी
आमेर	मोमिनाबाद	बहादुरशाह प्रथम
गागरोण	मुस्तफाबाद	महमूद खिलजी

18. अजमेर के तारागढ़ दुर्ग के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए-

कथन I: इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयराज ने बीठली पहाड़ी पर करवाया था, जिस कारण इसे 'गढ़ बीठली' भी कहते हैं।

कथन II: बिशप हैबर ने इस दुर्ग की विशालता को देखकर इसे 'राजस्थान का हृदय' कहा था।

कथन III: पृथ्वीराज सिसोदिया ने इसका जीर्णोद्धार करवाकर अपनी पत्नी के नाम पर इसका नाम 'तारागढ़' रखा।

कथन IV: लॉर्ड विलियम बैंटिक ने इस दुर्ग को देखकर "ओह! दूसरा जिब्राल्टर" के शब्द कहे थे।

कथन V: विजय पोल, लक्ष्मी पोल और भवानी पोल इस दुर्ग के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल I, II और III (b) केवल II, IV और V
(c) केवल I, III, IV और V (d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं [c]

व्याख्या:-

तारागढ़ का किला-

- यह गिरि दुर्ग का का श्रेष्ठ उदाहरण है।
- इसके उपनाम - राजपुताना की कुंजी, अरावली का अरमान, राजस्थान का हृदय, गढ़ बीठली, राजस्थान का जिब्राल्टर।
- इस दुर्ग का प्रारम्भिक नाम अजयमेरू दुर्ग था।
- निर्माण- अजमेर जिले के इस दुर्ग का निर्माण 1113 ई. में अजयराज ने बीठली पहाड़ी पर करवाया।
- इसका प्रथम बार जीर्णोद्धार उड़ना राजकुमार पृथ्वीराज सिसोदिया ने करवाकर अपनी वीरांगना पत्नी तारा के नाम पर इसका नाम तारागढ़ रखा।
- बिशप हैबर ने तारागढ़ दुर्ग को 'पूर्व का जिब्राल्टर' की संज्ञा दी।
- लॉर्ड विलियम बैंटिक ने इसे देखकर कहा ओह! दूसरा जिब्राल्टर
- प्रवेश द्वार - विजय पोल, लक्ष्मी पोल, फूटा दरवाजा, भवानी पोल, हाथी पोल, अरकोट दरवाजा।

19. 'घूँघट, गूगड़ी, बांदरा, इमली' क्या है?

- (a) तारागढ़ अजमेर की प्राचीर की विशाल बुर्जों का नाम
(b) मारवाड़ की लोक परम्परा में जातियों के गोत्रों के नाम
(c) मेवाड़ आंचलिक में स्त्रियों के पहनावे के नाम
(d) राजस्थानी खानपान की विधियों के नाम

[a]

व्याख्या:-

- तारागढ़ की प्राचीर में 14 विशाल बुर्ज हैं, जिनमें घूँघट बुर्ज, गूगड़ी बुर्ज, फूटी बुर्ज, बांदरा बुर्ज, इमली बुर्ज, खिड़की बुर्ज तथा फतेह बुर्ज प्रमुख हैं।
- तारागढ़ की पहाड़ी के ठीक नीचे एक प्राचीन गुफा शीशाखान है जो गर्मियों में बिल्कुल ठंडी व शीत ऋतु में गर्म रहती है।
- इस दुर्ग में बड़े जलाशय नाना साहब का झालरा, गोल झालरा, इब्राहीम झालरा, बड़ा झालरा आदि स्थित हैं।

20. तारागढ़ (अजमेर) दुर्ग के संबंध में निम्न में से कौनसे कथन सत्य हैं?

[Lab assistant-10.05.2026]

- A. इसे गढ़ बीठली और अजमेरू भी कहा जाता है।
B. कर्नल टोड के अनुसार, यह दुर्ग चौहान शासक पृथ्वीराज-III द्वारा निर्मित किया गया था।
C. शाहजहां के शासनकाल के दौरान इस दुर्ग का संरक्षक विठ्ठलदास गौड़ था।
D. दुर्ग की प्राचीर में 14 बड़े निगरानी टावर लगे हुए हैं।
- नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:
- (a) B, C और D (b) A, B और D
(c) A, C और D (d) A, B और C [c]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में; Reet Mains L-1 (Sanskrit), 1st Shift - 20.01.2026

अभिकथन A : अकबर ने अजमेर शहर के मध्य में एक दुर्ग बनवाया, जिसे 'अकबर का दौलतखाना' भी कहते हैं।

कारण R: यह राजस्थान में एकमात्र दुर्ग है, जो मुस्लिम दुर्ग वास्तुकला प्रणाली के अनुसार निर्मित किया गया था।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए

- (a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं है लेकिन R सही है। [a]

व्याख्या:-

- ◆ यह राजस्थान का एकमात्र ऐसा दुर्ग है जिसका निर्माण पूरी तरह से 'मुस्लिम वास्तुकला' (मुगल शैली) के अनुसार हुआ था। यह भी सही है कि यह विशुद्ध मुस्लिम शैली (जैसे - मेहराब, गुंबद) का उदाहरण है।
◆ मैगजीन दुर्ग के प्रवेश द्वार को **जहाँगीरी पोल** के नाम से जानते हैं।
◆ **अन्य नाम** - अकबर का दौलतखाना, मुगल किला, मैगजीन दुर्ग, शास्त्रागार दुर्ग।

22. निम्न में से कौन-सा किला यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल नहीं है? House Keeper -9.7.2022

- (a) गागरोण (b) जैसलमेर
(c) कुंभलगढ़ (d) अचलगढ़ [d]

व्याख्या:-

- ◆ ये दुर्ग **जून, 2013** में नोमपेन्ह (कम्बोडिया) में हुई वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी की बैठक में यूनेस्को साइट की सूची में शामिल किए गये।
◆ राजस्थान के 6 दुर्ग यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल हैं:-
1. आमेर दुर्ग 2. गागरोण दुर्ग
3. कुंभलगढ़ दुर्ग 4. जैसलमेर दुर्ग
5. रणथम्भौर दुर्ग 6. चित्तौड़गढ़ दुर्ग
◆ इन किलों पर 2018 में डाक टिकट जारी हुआ था।

23. उन दुर्गों का चयन करें जिन्हें 2013 में यूनेस्को विश्व विरासत स्थल सूची में शामिल किया गया था:-

[Lab assistant-09.05.2026]

- A. सिवाणा दुर्ग B. जैसलमेर दुर्ग
C. कुंभलगढ़ दुर्ग D. गागरोण दुर्ग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) A, B और C (b) B, C और D
(c) A, B और D (d) A, C और D [b]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. किस दुर्ग का सबसे ऊँचा भाग 'मीरान साहब की दरगाह' कहलाता है?

- (a) रणथम्भौर (b) तारागढ़ (अजमेर)
(c) तारागढ़ (बूंदी) (d) जूनागढ़ [b]

व्याख्या:-

तारागढ़, अजमेर

- ◆ तारागढ़ दुर्ग का सबसे ऊँचा भाग 'मीरान साहब की दरगाह' कहलाता है।
◆ यह दरगाह तारागढ़ के **प्रथम गवर्नर मीर हुसैन खिंगसवार** की है।

25. अजमेर स्थित 'अकबर के किले' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

कथन I: इस दुर्ग का निर्माण अकबर द्वारा 1571-72 ई. में करवाया गया था, जिसे 'मैगजीन दुर्ग' या 'अकबर का दौलतखाना' भी कहा जाता है।

कथन II: इस ऐतिहासिक दुर्ग की नींव प्रसिद्ध संत दादूदयाल जी द्वारा रखी गई थी।

कथन III: महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हुए 'हल्दीघाटी युद्ध' की अंतिम योजना इसी दुर्ग में बनाई गई थी।

कथन IV: इस दुर्ग के मुख्य प्रवेश द्वार को 'विजय पोल' के नाम से जाना जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल I और III (b) केवल I, II और III
(c) केवल II, III और IV (d) I, II, III और IV सभी [b]

व्याख्या:-

अकबर का किला (अजमेर)

- ◆ **निर्माण-** अकबर ने 1571-72 ई. में अजमेर नगर के मध्य अकबर के किला का निर्माण करवाया, जिसे मैगजीन दुर्ग भी कहते हैं।
◆ मैगजीन दुर्ग के प्रवेश द्वार को **जहाँगीरी पोल** के नाम से जानते हैं।
◆ **अन्य नाम-** अकबर का दौलतखाना, मुगल किला, मैगजीन दुर्ग, शास्त्रागार दुर्ग।
◆ इस दुर्ग की **नींव संत दादूदयाल** ने रखी।
◆ 1576 ई. में हल्दी घाटी युद्ध की योजना इस दुर्ग में बनी थी।

26. राजस्थान के दुर्गों और उनमें स्थित जलस्रोतों के युग्मों पर विचार कीजिए-

कथन I: तारागढ़ (अजमेर) में नाना साहब, इब्राहीम और गोल झालरा स्थित हैं, जबकि तारागढ़ (बूंदी) में जैतसागर और नवल सागर स्थित हैं।

कथन II: जालौर दुर्ग में 'भांडेलाव तालाब' स्थित है, जिसे पानी का मुख्य स्रोत माना जाता है।

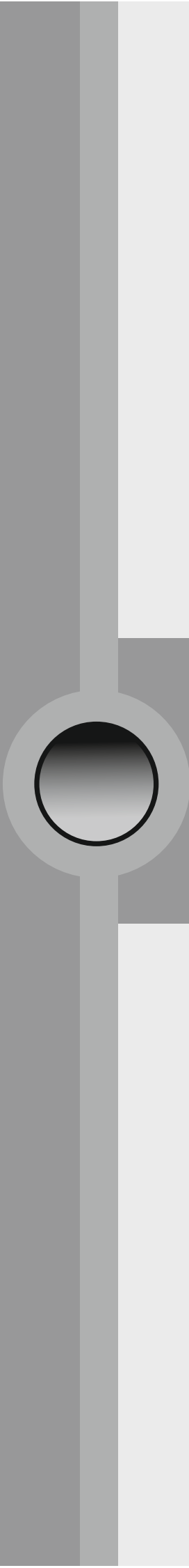
कथन III: नागौर दुर्ग में स्थित 'शुक्र तालाब' का निर्माण मुगल सम्राट अकबर द्वारा करवाया गया था।

कथन IV: कुंभलगढ़ दुर्ग में झालीबाव बावड़ी और मामादेव कुण्ड स्थित हैं, जबकि अचलगढ़ में मंदाकिनी कुण्ड स्थित है।

कथन V: करौली के तिमनगढ़ दुर्ग में 'ननद-भौजाई कुंआ' और दौसा के किले में 'राजाजी का कुंआ' प्रसिद्ध है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल I, II, III और IV
(b) केवल I, III, IV और V
(c) केवल II, IV और V
(d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं [b]



सामाजिक अध्ययन शिक्षण विधियाँ

विगत वर्षों के प्रश्न

सामाजिक विज्ञान	सामाजिक अध्ययन
1. इसमें मानवीय संबंधों का उच्चतर एवं विद्वतापूर्ण अध्ययन किया जाता है।	1. इसमें सामाजिक विज्ञान के तत्वों, विधियों तथा शोधों को सरलतम रूप में शिक्षण की सुविधानुसार रखा जाता है।
2. विषय-वस्तु का बौद्धिक स्तर उच्च होता है।	2. बौद्धिक स्तर अपेक्षाकृत निम्न होता है।
3. यह उच्च कक्षाओं में पढ़ाया जाता है।	3. यह माध्यमिक कक्षाओं तक पढ़ाया जाता है।
4. सामाजिक विज्ञान का क्षेत्र विस्तृत/व्यापक होता है।	4. इसका क्षेत्र अपेक्षाकृत कम विस्तृत होता है।
5. इसमें ज्ञान सैद्धान्तिक अधिक होता है तथा अवधारणाओं पर आधारित होता है।	5. इसमें ज्ञान व्यावहारिक एवं सूचनात्मक होता है।
6. इसका उद्देश्य नए प्रयोग कर ज्ञान प्राप्त करना है।	6. इसका उद्देश्य व्यक्ति को सभ्य बनाना है।
7. इसका केन्द्र बिन्दु खोज और प्रयोग है।	7. इसका केन्द्र बिन्दु मानव है।
8. विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार से ज्ञान प्रदान करता है।	8. यह एक एकीकृत विषय के रूप में ज्ञान प्रदान करता है।
9. यह सार्थकता और सामाजिकता का कार्य करता है।	9. यह अनुदेशात्मक कार्य करता है।

1. निम्नलिखित में से सामाजिक विज्ञान की नवीन संकल्पना कौन-सी है? [REET 2012 (SST)]

- (a) तथ्यात्मक सूचनाओं को एकत्र करना
(b) सामाजिक प्रथाओं का अध्ययन
(c) मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन एवं समाज को श्रेष्ठ बनाना
(d) अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों का अध्ययन। [c]

व्याख्या:-

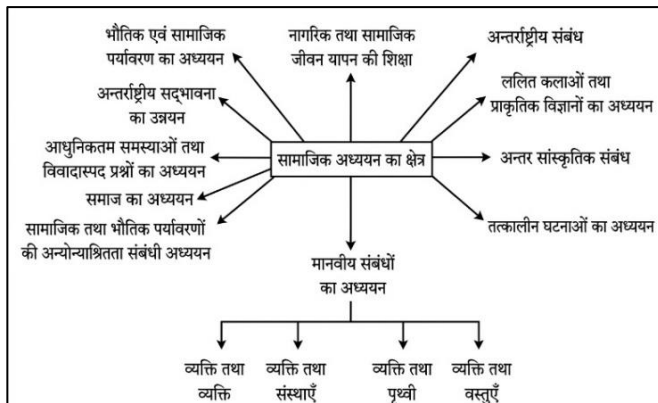
सामाजिक अध्ययन की नवीन अवधारणा -

- आधुनिक सभ्यता को स्पष्ट करने वाला विषय
- शिक्षण के लिए नवीन आधार प्रदान करने वाला विषय
- शिक्षा का आधुनिक दृष्टिकोण
- क्षेत्रीय विषय के रूप में
- सामाजिक तथा भौतिक वातावरण का अध्ययन
- सामाजिक प्राणी के रूप में मानव का अध्ययन
- मानवीय संबंधों का अध्ययन एवं समाज को श्रेष्ठ बनाना
- मानव जीवन का अध्ययन
- एक अन्तर-वैषयिक अध्ययन

2. सामाजिक अध्ययन के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न में से किस तथ्य का अध्ययन किया जाता है? [REET 2015 (SST)]

- (a) समाज सम्बन्धी अध्ययन (b) मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन
(c) नागरिकता की शिक्षा (d) उपर्युक्त सभी [d]

व्याख्या:-



सामाजिक अध्ययन का क्षेत्र

- भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण का अध्ययन
- अन्तराष्ट्रीय सद्भावना का उद्भव
- आधुनिकतम समस्याओं तथा विवादास्पद प्रश्नों का अध्ययन
- समाज का अध्ययन
- सामाजिक तथा भौतिक पर्यावरणों की अन्योन्याश्रितता संबंधी अध्ययन
- नागरिक तथा सामाजिक जीवन यापन की शिक्षा
- अन्तराष्ट्रीय संबंध
- ललित कलाओं तथा प्राकृतिक विज्ञानों का अध्ययन
- अन्तर सांस्कृतिक संबंध
- तत्कालीन घटनाओं का अध्ययन
- मानवीय संबंधों का अध्ययन

3. 'सामाजिक अध्ययन' अध्ययन करता है

[REET 2015 (SST)]

- (a) व्यक्ति के आर्थिक सम्बन्धों का
(b) व्यक्ति के राजनीतिक सम्बन्धों का
(c) व्यक्ति के सामाजिक सम्बन्धों का
(d) व्यक्ति के सामाजिक-भौगोलिक सम्बन्धों का [*]

व्याख्या:-

- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

4. सामाजिक विज्ञानों का अध्ययन करने का मुख्य उद्देश्य क्या है? [REET 2024 (SST)-SHIFT 2ND]

- (a) शारीरिक कौशल में सुधार करना
(b) छात्रों को उनके समाज और पर्यावरण को जानने, समझने और समायोजन करने में मदद करना
(c) गणितीय मॉडल विकसित करना
(d) यांत्रिक प्रणालियों का विश्लेषण करना [b]

व्याख्या:-

सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य-

- सामाजिक विज्ञान शिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों में अपने सामाजिक-सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक पर्यावरण के प्रति समझ विकसित करना है।
- यह छात्रों को समाज के नियमों, मानवीय संबंधों, विविधताओं तथा ऐतिहासिक परिवर्तनों को समझने में सक्षम बनाता है, जिससे वे समाज में बेहतर समायोजन कर सकें तथा जागरूक नागरिक के रूप में विकसित हों।

5. सामाजिक विज्ञान अध्ययन की आवश्यकता है-
[REET 2012 (SST)]
- (a) सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना एवं उसके पर्यावरण
(b) ढाँचागत सुविधाओं के विकास के लिए
(c) तीव्र आर्थिक विकास के लिए
(d) शैक्षणिक समस्याओं को समझने के लिए [a]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

6. "सामाजिक विज्ञान से तात्पर्य अध्ययन की उन शाखाओं से हैं जो मानव मात्र को उनके सामाजिक सम्बन्धों के सन्दर्भ में समझने में सहायता करते हैं।" यह परिभाषा दी है-
[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) कोलम्बिया एनसाइक्लोपीडिया
(b) ब्रिटैनिका एनसाइक्लोपीडिया
(c) एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सोशल साइंसेज
(d) सामाजिक अध्ययन आयोग, यू.एस.ए. की रिपोर्ट [c]

व्याख्या:-

सामाजिक अध्ययन की प्रमुख परिभाषाएँ-

- ◆ **इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एज्युकेशन रिसर्च (शैक्षिक अनुसंधान विश्वकोष)**- "सामाजिक अध्ययन मानव जीवन के रहन-सहन के ढंगों, मूलभूत आवश्यकताओं, आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु की जाने वाली क्रियाओं तथा मानव द्वारा विकसित संस्थाओं का ज्ञान प्रदान करता है।"
- ◆ **अमेरिकन हिस्टोरिकल एसोसिएशन कमीशन ऑन सोशल स्टडीज**- "सामाजिक अध्ययन में इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, एन्थ्रोपोलॉजी तथा दर्शन आदि विषयों को स्थान दिया जाता है, जिनका संबंध व्यक्ति और समाज से है।"
- ◆ **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT)**- "सामाजिक अध्ययन मनुष्यों तथा सामाजिक एवं भौतिक वातावरण के प्रति उनकी प्रतिक्रियाओं का अध्ययन है।"
- ◆ **माध्यमिक शिक्षा आयोग**- "सामाजिक अध्ययन के अंतर्गत इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र आदि को एक पूर्ण इकाई के रूप में देखना चाहिए। इसका एकीकृत स्वरूप छात्रों को सामाजिक वातावरण में व्यवस्थित करने में सहायक होता है।"
- ◆ **यू. एस. ए. परिषद्**- "सामाजिक ज्ञान की विषय-वस्तु मानव समाज के विकास एवं संगठन तथा मानव के सामाजिक घटकों की सदस्यता से संबंधित होती है।"
- ◆ **कोलम्बिया एनसाइक्लोपीडिया**- "सामाजिक विज्ञान अध्ययन की उन शाखाओं का समूह है, जो मानव को उसके सामाजिक संबंधों के संदर्भ में समझने में सहायता करता है।"
- ◆ **शैक्षिक अनुसंधान विश्वकोष**- "सामाजिक अध्ययन को केवल इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र का योग नहीं माना जा सकता। यह इन विषयों से वही सामग्री ग्रहण करता है, जो मानव के वर्तमान तथा दैनिक संबंधों को स्पष्ट करती है।"
- ◆ **दुर्खीम**- "शिक्षा नई पीढ़ी के समाजीकरण के अतिरिक्त कुछ नहीं है।"
- ◆ **फेयरचाइल्ड**- "सामाजिक विज्ञान उन सभी विज्ञानों के लिए एक सामान्य शब्द है जो मानव मामलों से संबंधित हैं।"
- ◆ **ई. बी. वेस्ले**- "सामाजिक अध्ययन उन विद्यालयी विषयों की ओर संकेत करता है, जो मानवीय संबंधों का विवेचन करते हैं। यह विषयों के एक संघ तथा पाठ्यक्रम के एक खंड का निर्माण करता है, जो प्रत्यक्ष रूप से मानवीय संबंधों से संबंधित है।"

- ◆ **एम. पी. मुफात**- "सामाजिक अध्ययन ज्ञान, सूचना तथा क्रियात्मक अनुभवों द्वारा युवाओं में प्रभावी नागरिकता के आधार के रूप में मूलभूत मूल्यों, वांछित आदतों, स्वीकृत वृत्तियों तथा महत्वपूर्ण कौशलों के निर्माण में सहायता करता है।"
- ◆ **एम. पी. मुफात**: सामाजिक ज्ञान समाज विज्ञानों तथा समसामयिक जीवन से संचित ज्ञान है, जिसके द्वारा युवाओं को वर्तमान सभ्यता के विकास को समझने में सहायता मिलती है।
- ◆ **बाइनिंग एवं बाइनिंग**- "सामाजिक अध्ययन की विषय-वस्तु छात्रों के समक्ष आज के विश्व को स्पष्ट एवं सरल बनाने का आधार प्रस्तुत करती है तथा आवश्यक आदतों, कुशलताओं, वृत्तियों और आदर्शों का विकास करती है, जिससे वे लोकतांत्रिक समाज के प्रभावकारी सदस्य बन सकें।"
- ◆ **जे. एफ. फोरेस्टर**- "सामाजिक अध्ययन शिक्षा के आधुनिक दृष्टिकोण का एक अंश है, जिसका ध्येय केवल तथ्यात्मक सूचनाओं का संग्रह करना नहीं, बल्कि मानदण्डों, वृत्तियों, आदर्शों तथा रुचियों का निर्माण करना है।"
- ◆ **निकलसन तथा राइट**- "सामाजिक अध्ययन का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है और सम्पूर्ण विश्व में मानव का वर्तमान सामाजिक जीवन इसका मूल है।"
- ◆ **जेरोलिमेक**- "सामाजिक अध्ययन मनुष्य का मनुष्य से तथा वातावरण के साथ स्थापित संबंधों का अध्ययन करता है।"
- ◆ **वी.ए. स्मिथ**- "भारत में एकता में अनेकता और अनेकता में एकता है।"

7. "सामाजिक विज्ञान उन सभी विज्ञानों के लिए एक सामान्य शब्द के रूप में जो मानव मामलों से संबंधित हैं।" यह परिभाषित किया गया है।

[REET 2022 (SST) 2ND SHIFT]

- (a) सेलीगमेन द्वारा (b) मिशेल द्वारा
(c) फेयरचाइल्ड द्वारा (d) पीटर लेविस द्वारा [c]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

8. "शिक्षा नई पीढ़ी के समाजीकरण के अतिरिक्त कुछ नहीं है।" यह कथन किसने कहा है?

[REET 2022 (SST) 3RD SHIFT]

- (a) दुर्खीम (b) बोसिंग
(c) अरस्तू (d) टी. पी. नन [a]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

9. सामाजिक अध्ययन के सम्प्रत्यय को "सामाजिक अध्ययन वह अध्ययन है जो मानव जीवन के रहन-सहन के ढंगों, मूलभूत आवश्यकताओं, क्रियाओं, जिनमें मानव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संलग्न रहता है तथा संस्थाओं, जिनका उसने विकास किया है, का ज्ञान प्रदान करता है।" किसके द्वारा बताया गया है?

[REET 2015 (SST)]

- (a) वेस्ले
(b) जोन माइकैलिज
(c) एम.पी. मुफात
(d) एनसाइक्लोपीडिया ऑफ एज्युकेशन रिसर्च [d]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

10. 'भारत में एकता में अनेकता और अनेकता में एकता है।' यह कथन किसका है?

[REET 2011 (SST)]

- (a) ए.एल. बाशम का (b) वी.ए. स्मिथ का
(c) मैक्स मूलर का (d) जवाहरलाल नेहरू का [b]

व्याख्या:-

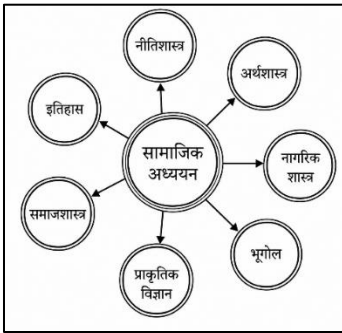
- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

11. निम्न में से कौन सा विषय उच्च प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान में सम्मिलित नहीं है?

[REET 2022 (SST) 4TH SHIFT]

- (a) इतिहास
(b) नागरिकशास्त्र
(c) भूगोल
(d) मनोविज्ञान [d]

व्याख्या:-



12. सामाजिक अध्ययन के अध्यापक से ज्ञान देते समय निम्न में से किन-किन तथ्यों की अपेक्षा रखना स्वाभाविक है?

[REET 2015 (SST)]

- (a) विशिष्ट बातों तथा वस्तु के सम्बन्ध में स्पष्ट विचार
(b) सामान्य पदों तथा गुणों की अवधारणा
(c) तथ्य, नियम, परिभाषा, विधा और प्रविधि की स्थापना
(d) उपर्युक्त सभी [d]

व्याख्या:-

- ◆ सामाजिक अध्ययन के अध्यापक को विषय संबंधी स्पष्ट अवधारणाएँ, सामान्य सिद्धांतों की समझ तथा तथ्य, नियम, परिभाषा एवं शिक्षण विधियों का ज्ञान होना चाहिए। प्रभावी शिक्षण के लिए इन सभी गुणों का होना आवश्यक है।

13. सामाजिक अध्ययन का शिक्षण किया जाता है-

[REET 2017 (SST)]

- (a) माध्यमिक स्तर पर
(b) उच्च माध्यमिक स्तर पर
(c) स्नातक स्तर पर
(d) उपरोक्त सभी [a]

व्याख्या:-

- ◆ सामाजिक अध्ययन एक समन्वित विषय है, जिसमें इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र एवं अर्थशास्त्र के मूल तत्व सम्मिलित होते हैं। विद्यालयी शिक्षा में इसका शिक्षण मुख्यतः प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर किया जाता है। उच्च माध्यमिक स्तर पर ये विषय अलग-अलग विषयों के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्न में से कौन-से सामाजिक अध्ययन की विशेषताएँ हैं/हैं?

1. मानवीय संबंधों पर बल
2. सामाजिक संस्थाओं की उत्पत्ति का अध्ययन
3. केवल भौतिक पर्यावरण का अध्ययन
4. सामायिक समस्याओं की समझ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) 1, 2 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4 [a]

व्याख्या:-

सामाजिक अध्ययन की विशेषताएँ -

- ◆ यह मानवीय संबंधों का अध्ययन है।
◆ यह सामाजिक क्रियाओं का अध्ययन है।
◆ इसमें इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, नागरिकशास्त्र, समाजशास्त्र आदि विषयों से विषय सामग्री ली जाती है।
◆ यह विभिन्न विषयों का योग मात्र न होकर उनका एकीकृत उपागम है।
◆ यह मनुष्य का सामाजिक एवं भौतिक वातावरण के साथ सम्बंध स्थापित करता है।
◆ यह मानव स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर या एक साथ मिलकर जीवनयापन करता है यह स्पष्ट करता है।
◆ यह सामाजिक संस्थाओं की उत्पत्ति एवं विकास की समझ विकसित करता है।
◆ यह विश्व की घटनाओं का दैनिक जीवन पर प्रभाव स्पष्ट करता है।
◆ इसके अन्तर्गत अतीत एवं वर्तमान में मानवता को प्रभावित करने वाले मामलों तथा समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।
◆ यह विषयों के विभाजन को समाप्त कर ज्ञान की सापेक्षता पर बल देता है।

- ◆ यह मानव के समाज और सभ्यता के प्रति संबंधों का अध्ययन है।
◆ यह व्यक्ति को सभ्य बनाकर समाज के प्रति उसके दायित्वों का बोध करवाता है।
◆ व्यक्ति का समाजीकरण करने के साथ भौतिक सुख-सुविधा और सामाजिक संबंधों में संयम करना सिखाता है।
◆ यह विभिन्न सामाजिक विज्ञान की सामग्री को एकत्र कर सम्पूर्ण अध्याय को सरल भाषा में बच्चों के सामने प्रस्तुत करता है।

2. सामाजिक विज्ञान एक ऐसा विषय है, जो संबंधित है-

- (a) मानव से
(b) मानव एवं अन्य मानवों के साथ उसके संबंधों से
(c) मानव एवं उसके पर्यावरण से

सही कूट का चयन कीजिए -

[2nd Grade SST (S.D.) 2024]

- (a) केवल (b) (b) केवल (a) एवं (b)
(c) (a), (b) एवं (c) (d) केवल (a) एवं (c) [c]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

3. सामाजिक विज्ञान के संप्रत्यय के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा गुण सम्मिलित नहीं किया गया है ?

[2nd Grade SST (S.D.) 2022]

- (a) मानवीय सम्बन्धों के साथ व्यवहार करना
(b) समकालीन समाज का अध्ययन
(c) समाज की भविष्य की समस्याओं का अध्ययन
(d) जीने की कला से व्यवहार करना [c]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

4. सामाजिक अध्ययन की प्रकृति के संबंध में निम्नलिखित में से सही कथन हैं -

1. इसका क्षेत्र व्यापक है।
2. यह सभी विषयों से संबंधित है।
3. यह केवल सैद्धांतिक विषय है।
4. सामाजिक गुणों का विकास करता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर चुनें:

- (a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1, 2 और 4 (d) 1, 3 और 4 [c]

व्याख्या:-

- ◆ सामाजिक अध्ययन के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ज्ञान एवं सूचनाएँ स्पष्ट एवं व्यवस्थित रूप में प्राप्त होती हैं।
- 1. इसके अध्ययन से बालकों में सामाजिकता एवं सामाजिक चेतना का विकास होता है।
- 2. इसका संबंध अनेक विषयों एवं सामाजिक विज्ञानों से होता है।
- 3. सामाजिक अध्ययन के अपने सिद्धांत, उद्देश्य एवं अध्ययन-पद्धतियाँ होती हैं।
- 4. इसके अध्ययन से बालकों में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।
- 5. सामाजिक अध्ययन का क्षेत्र अत्यंत व्यापक एवं विस्तृत है।
- 6. इसके अध्ययन से बालकों में सहयोग, सहिष्णुता, अनुशासन, उत्तरदायित्व आदि सामाजिक गुणों का विकास होता है।
- 7. इसकी प्रकृति समन्वित एवं एकीकृत है, क्योंकि इसमें अनेक सामाजिक विषयों का सम्मिलित अध्ययन किया जाता है।

5. नीचे सामाजिक विज्ञान की प्रकृति के बारे में दो कथन दिए गए हैं-

- (A) सामाजिक विज्ञान विषय कई सामाजिक विज्ञानों से अपनी विषय-वस्तु लेता है।
(B) सामाजिक विज्ञान विषय मनुष्य, दूसरे मनुष्यों के साथ उसके संबंध और उसके पर्यावरण से संबंधित है।

निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा सत्य है?

[2nd Grade SST 07.09.2025]

- (a) (A) एवं (B) दोनों सत्य हैं।
(b) (A) एवं (B) दोनों असत्य हैं।
(c) (A) सत्य है, परन्तु (B) असत्य है।
(d) (B) सत्य है, परन्तु (A) असत्य है। [a]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

6. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में। कथन (A): सामाजिक अध्ययन की प्रकृति एकीकृत है।

कारण (R): सामाजिक अध्ययन केवल इतिहास विषय का विस्तृत रूप है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है
(b) A सही है लेकिन R गलत है
(c) A गलत है लेकिन R सही है
(d) A और R दोनों गलत हैं [b]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

7. 'सामाजिक अध्ययन कार्यक्रम को अतीत, वर्तमान तथा उभरते भविष्य में मनुष्य तथा उसके सामाजिक एवं भौतिक पर्यावरण के साथ अंतः क्रिया के अध्ययन के रूप में परिभाषित किया गया है।'

- (a) जॉन यू. माइकेलिस (b) चेस्टर डब्ल्यू. हैरिस
(c) ई. बी. वैस्ले (d) एम. पी. मुफात [a]

व्याख्या:-

- ◆ **जॉन यू. माइकेलिस-** "सामाजिक अध्ययन अतीत, वर्तमान तथा भविष्य में मनुष्य और उसके सामाजिक एवं भौतिक वातावरण के प्रति की जाने वाली अंतःक्रियाओं तथा मानवीय संबंधों का अध्ययन है।"
- ◆ **जेम्स हेमिंग-** "सामाजिक अध्ययन संबंधों तथा ऐतिहासिक, भौगोलिक और सामाजिक अंतःसंबंधों का अध्ययन है।"
- ◆ **बैरेल-** "सामाजिक अध्ययन नागरिकता शिक्षा के उद्देश्य के लिए मानव संबंधों से संबंधित अनुभव एवं ज्ञान का एकीकरण है।"

8. किसने कहा कि "सामाजिक विज्ञान मानव तथा उसकी सामाजिक और भौतिक वातावरण के प्रति की जाने वाली प्रतिक्रियाओं से सम्बन्धित है, इसमें मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन होता है।"?

[2nd Grade SST 2022]

- (a) जे. वी. माइकेलिस (b) वेस्ले
(c) एम.पी.मोफात (d) बाइनिंग एण्ड बाइनिंग [a]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

9. "सामाजिक अध्ययन ऐतिहासिक, भौतिक तथा सामाजिक सम्बन्धों एवं अन्तः सम्बन्धों का अध्ययन है।" यह परिभाषा किसके द्वारा दी गई है ?

- (a) जेम्स हेमिंग (b) एम. पी. मोफात
(c) माइकेलिस (d) फोरेस्टर [a]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

10. सामाजिक अध्ययन "नागरिकता शिक्षा के उद्देश्य के लिए मानव संबंधों से संबंधित अनुभव और ज्ञान का एकीकरण है।" यह परिभाषा किसके द्वारा दी गई है?

- (a) ग्रिफिन (b) बैरल
(c) वैस्ले (d) माइकेलिस [b]

व्याख्या:-

- ◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

11. सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है कि-

- (a) विद्यार्थियों को अधिकतम तथ्य दिये जायें।
(b) विद्यार्थियों की कल्पना शक्ति विकसित की जाये।
(c) विद्यार्थियों में आलोचनात्मक समझ विकसित हो।
(d) विद्यार्थी अपने धर्म और जाति से जुड़ें। [c]

व्याख्या:-

- ◆ सामाजिक अध्ययन पाठ्यक्रम का उद्देश्य केवल अधिकतम तथ्य उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में विषय-वस्तु को समझने, प्रश्न करने तथा विभिन्न सामाजिक विषयों को जोड़कर देखने की क्षमता विकसित करना है। NCF-2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान शिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक, मानसिक एवं आलोचनात्मक ऊर्जा का विकास करना है।

12. सामाजिक अध्ययन की नवीन संकल्पना है कि-

- शिक्षार्थी लोकतान्त्रिक समाज में प्रभावशाली भूमिका अदा कर सके।
- शिक्षार्थी अर्थोपार्जन कर सके
- शिक्षार्थी विषय वस्तु का ज्ञान प्राप्त कर सके
- शिक्षार्थी सर्वांगीण विकास कर सके

[a]

व्याख्या:-

- सामाजिक अध्ययन की नवीन संकल्पना में विद्यार्थियों को सामाजिक जीवन से जोड़ना तथा उन्हें लोकतान्त्रिक समाज में प्रभावशाली सदस्य बनने योग्य बनाना प्रमुख है। बाइनिंग एवं बाइनिंग के अनुसार सामाजिक अध्ययन ऐसी आदतों, कुशलताओं, वृत्तियों एवं आदर्शों का विकास करता है, जो विद्यार्थियों को लोकतान्त्रिक समाज में प्रभावकारी सदस्य बनने में सहायता देते हैं।

13. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के अन्तर्गत कौनसे विषय आते हैं?

[2nd Grade SST (S.D.) 2024]

- इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र
- इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान
- इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र
- इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र

[c]

व्याख्या:-

- माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के अंतर्गत इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं समाजशास्त्र को पढ़ाया जाना चाहिए। सामाजिक अध्ययन की विषय-वस्तु विभिन्न सामाजिक विज्ञानों से ली जाती है और माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों में आलोचनात्मक तथा अवधारणात्मक क्षमता विकसित करने पर बल दिया जाता है।

14. 'सामाजिक अध्ययन' का प्रयोजन है-

- व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति करना
- शैक्षिक, सामाजिक एवं वैज्ञानिक ज्ञान अर्जित करने की व्यवस्था
- सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना
- व्यक्तिगत व सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप नागरिकों को वैज्ञानिक ज्ञान व शिक्षा की व्यवस्था करना

[d]

व्याख्या:-

- सामाजिक अध्ययन का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत या केवल सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित नहीं है। यह व्यक्ति के सामाजिक जीवन, मानवीय संबंधों, नागरिकता, सामाजिक दायित्व तथा वैज्ञानिक ज्ञान से संबंधित समझ विकसित करता है।

15. सामाजिक अध्ययन की प्रकृति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- सामाजिक अध्ययन विभिन्न सामाजिक विज्ञानों की विषय-वस्तु का एकीकृत अध्ययन प्रस्तुत करता है।
- सामाजिक अध्ययन का उद्देश्य केवल अतीत की घटनाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।
- सामाजिक अध्ययन मानव जीवन के भूतकाल, वर्तमान तथा भविष्य का अध्ययन करता है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- केवल 1 और 3
- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- 1, 2 और 3

[a]

व्याख्या:-

- सामाजिक अध्ययन इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं समाजशास्त्र आदि की विषय-वस्तु का समन्वय करके एक एकीकृत रूप प्रस्तुत करता है।
- इसका अध्ययन केवल अतीत तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव जीवन के भूतकाल, वर्तमान तथा भविष्य से संबंधित है। अतः कथन 1 और 3 सही हैं, जबकि कथन 2 असत्य है।

16. सामाजिक अध्ययन के विकास एवं स्वरूप के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- 1916 में अमेरिका की माध्यमिक शिक्षा पुनर्गठन समिति ने सामाजिक अध्ययन को पृथक विषय के रूप में मान्यता देने का सुझाव दिया।
- 1921 में अमेरिका की राष्ट्रीय परिषद् ने सामाजिक अध्ययन के एकीकृत स्वरूप को स्वीकार किया।
- भारत में माध्यमिक शिक्षा आयोग ने सामाजिक अध्ययन के एकीकृत स्वरूप को स्वीकार किया।
- शैक्षिक अनुसंधान विश्वकोष ने सामाजिक अध्ययन को केवल एक परम्परागत विषय माना है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- केवल 1 और 4
- केवल 2 और 3
- केवल 1, 2 और 3
- 1, 2, 3 और 4

[c]

व्याख्या:-

1. सामाजिक अध्ययन एक स्वतंत्र विषय के रूप में—

- 19वीं शताब्दी में सामाजिक अध्ययन की विभिन्न शाखाओं का अलग-अलग अध्ययन किया जाता था।
- 1916 में USA में 'कमेटी ऑन द री-ऑर्गेनाइजेशन ऑफ सेकेंडरी एज्युकेशन' ने इसे पृथक विषय के रूप में मान्यता देने का सुझाव दिया।

2. सामाजिक अध्ययन एकीकृत विषय के रूप में—

- 1921 में गठित अमेरिका की राष्ट्रीय परिषद् ने इसे एकीकृत विषय के रूप में परिभाषित किया।
- एकीकृत स्वरूप से तात्पर्य समाज तथा मनुष्य की विभिन्न क्रियाओं से संबंधित विषयों - भूगोल, इतिहास, राजनीति शास्त्र एवं अर्थशास्त्र की आवश्यक अध्ययन सामग्री का समन्वय कर विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करना है।
- शैक्षिक अनुसंधान विश्वकोष ने सामाजिक अध्ययन को केवल परम्परागत विषय न मानकर एक अध्ययन क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया है। अतः कथन 4 असत्य है।

17. NCF-2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान शिक्षण के महत्व के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

- विद्यार्थियों को विविध मतों, जीवन-शैलियों तथा सांस्कृतिक रीति-रिवाजों का सम्मान करना सीखना चाहिए।
- विद्यार्थियों को ग्रहण किए गए विचारों, संस्थाओं तथा परम्पराओं के संबंध में प्रश्न करने और उनकी जाँच-पड़ताल करने में सक्षम बनाया जाना चाहिए।
- सामाजिक विज्ञान शिक्षण में केवल तथ्यों को याद करने की क्षमता को विकसित करना पर्याप्त है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- केवल 1
- केवल 1 और 3
- केवल 2 और 3
- केवल 1 और 2

[d]

व्याख्या:-

- सामाजिक विज्ञान शिक्षण विद्यार्थियों में विविध मतों, जीवन-शैलियों और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के प्रति सम्मान विकसित करने पर बल देता है।
- विद्यार्थियों को ग्रहण किए गए विचारों, संस्थाओं एवं परम्पराओं के संबंध में प्रश्न करने तथा उनकी जाँच-पड़ताल करने का अवसर मिलना चाहिए।
- सामाजिक विज्ञान को केवल तथ्यों को याद कराने वाला विषय मानना उपयुक्त नहीं है; वैचारिक समझ एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण पर भी बल दिया गया है। अतः कथन 1 और 2 सही हैं।

18. सामाजिक अध्ययन और सामाजिक विज्ञान के अंतर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. सामाजिक विज्ञान में मानवीय संबंधों का उच्चतर एवं विद्वतापूर्ण अध्ययन किया जाता है।
2. सामाजिक अध्ययन का बौद्धिक स्तर सामाजिक विज्ञान की अपेक्षा अपेक्षाकृत निम्न होता है।
3. सामाजिक विज्ञान का केन्द्र-बिन्दु खोज और प्रयोग है।
4. सामाजिक अध्ययन का केन्द्र-बिन्दु मानव है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4 [d]

व्याख्या:-

- ♦ सामाजिक विज्ञान में मानवीय संबंधों का उच्चतर एवं विद्वतापूर्ण अध्ययन किया जाता है तथा इसका बौद्धिक स्तर ऊँचा होता है।
- ♦ सामाजिक अध्ययन का बौद्धिक स्तर अपेक्षाकृत निम्न बताया गया है और इसका केन्द्र-बिन्दु मानव है।
- ♦ सामाजिक विज्ञान का केन्द्र-बिन्दु खोज एवं प्रयोग तथा सामाजिक अध्ययन का केन्द्र-बिन्दु मानव बताया गया है। अतः चारों कथन सही हैं।

19. सामाजिक अध्ययन की नवीन अवधारणा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. सामाजिक अध्ययन को आधुनिक सभ्यता को स्पष्ट करने वाला विषय माना जाता है।
2. यह सामाजिक तथा भौतिक वातावरण के अध्ययन से संबंधित है।
3. इसकी नवीन अवधारणा में इसे एक अंतर्विषयक अध्ययन के रूप में भी देखा जाता है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1 और 3 [c]

व्याख्या:-

- ♦ नवीन अवधारणा में सामाजिक अध्ययन को आधुनिक सभ्यता को स्पष्ट करने वाला विषय तथा शिक्षा के लिए नवीन आधार प्रदान करने वाला विषय माना गया है।
- ♦ इसमें सामाजिक एवं भौतिक वातावरण का अध्ययन, मानव को सामाजिक प्राणी के रूप में समझना तथा मानवीय संबंधों का अध्ययन शामिल है।
- ♦ विभिन्न विषयों की सामग्री के समन्वय के कारण इसे अंतर-विषयक अध्ययन के रूप में भी देखा जाता है। अतः तीनों कथन सही हैं।

20. निम्नलिखित का सही सुमेलित युग्म चुनिए-

सूची-I	सूची-II
A. जॉन डीवी	I. मानवीय संबंधों का विवेचन करने वाले विद्यालयी विषय
B. ई. बी. वेस्ले	II. मनुष्य का मनुष्य से तथा वातावरण के साथ स्थापित संबंध
C. जेरोलिमेक	III. ज्ञान के समन्वय पर बल
D. एम. पी. मुफात	IV. प्रभावी नागरिकता के लिए मूल्यों, आदतों, वृत्तियों एवं कौशलों का विकास

विकल्प

- (a) A-I, B-III, C-IV, D-II
(b) A-III, B-I, C-II, D-IV
(c) A-II, B-IV, C-III, D-I
(d) A-IV, B-II, C-I, D-III

[b]

व्याख्या:-

- ♦ जॉन डीवी ने ज्ञान के समन्वय पर बल दिया।
- ♦ ई. बी. वेस्ले ने सामाजिक अध्ययन को मानवीय संबंधों का विवेचन करने वाले विद्यालयी विषयों से जोड़ा, जबकि जेरोलिमेक ने मनुष्य के मनुष्य तथा वातावरण के साथ स्थापित संबंधों को सामाजिक अध्ययन का आधार माना।
- ♦ एम. पी. मुफात ने सामाजिक अध्ययन को प्रभावी नागरिकता के लिए मूल्यों, वांछित आदतों, स्वीकृत वृत्तियों तथा महत्वपूर्ण कौशलों के विकास से संबंधित बताया है।

21. भारतीय विद्यालयों में सामाजिक अध्ययन को प्रारम्भ करने का श्रेय किसे है ?

- (a) कोठारी आयोग को
(b) मुदालियर आयोग को
(c) भारतीय शिक्षा आयोग को
(d) सभी स्वयंसेवी संस्थाओं को [b]

व्याख्या:-

- ♦ माध्यमिक शिक्षा आयोग (मुदालियर आयोग, 1952-53) - मुदालियर आयोग ने सामाजिक अध्ययन शिक्षण को माध्यमिक स्तर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाये जाने की अनुशंसा की जो कि इतिहास, भूगोल व नागरिक शास्त्र का सम्मिश्रण ना होते हुए उनका ऐसा एकीकृत पूर्ण विषय होगा जो छात्रों को यह समझा सके कि समाज में अपना वर्तमान रूप किस प्रकार धारण किया है।

22. निम्नलिखित में से कौनसा सामाजिक अध्ययन के शिक्षाशास्त्र की भावना के विरुद्ध है ?

- (a) समाज में अच्छे मानवीय संबंध बनाना।
(b) विद्यार्थियों को अधिक से अधिक परीक्षाओं में सम्मिलित करना।
(c) महत्वपूर्ण परिणामों के साथ अनुभवों को सम्मिलित करना।
(d) वैसे अनुभवों का अभिकल्पना करना जो विद्यार्थियों में रूचि उत्पन्न करें [b]

व्याख्या:-

- ♦ सामाजिक अध्ययन के शिक्षाशास्त्र में अनुभव, रूचि, गतिविधि तथा विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण सीखने के अवसर देने पर बल दिया जाता है। केवल विद्यार्थियों को अधिक से अधिक परीक्षाओं में सम्मिलित करना सामाजिक अध्ययन के इन उद्देश्यों के अनुरूप नहीं है।

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक कथन (Assertion) A के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) R के रूप में। कथन (A): बुनियादी शिक्षा में सामाजिक ज्ञान को एकीकृत रूप में पढ़ाया गया।

कारण (R): इसमें इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र को अलग-अलग अनिवार्य विषय बनाया गया था।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- (a) A और R दोनों सही हैं
(b) A और R दोनों गलत हैं
(c) A गलत है लेकिन R सही है
(d) A सही है लेकिन R गलत है [d]

व्याख्या:-

- ♦ डॉ. जाकिर हुसैन समिति ने 7 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए सात वर्षीय बुनियादी शिक्षा का सुझाव दिया, जिसमें सामाजिक ज्ञान विषय को एकीकृत रूप में रखा गया। इसलिए कथन (A) सही है।
- ♦ इसमें इतिहास, भूगोल और नागरिक शास्त्र को अलग-अलग अनिवार्य विषय बनाए जाने की बात नहीं थी। इसलिए कारण (R) गलत है।

24. एन. सी. एफ-2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान विषय के द्वारा विद्यार्थियों को ऐसा ज्ञान दिया जाना चाहिए, जिससे-
- (a) समाज में शान्ति का आधार बने।
 - (b) परम्परागत व्यवसाय में रूचि बनी रहे।
 - (c) नयी पीढ़ी उपस्थित नेतृत्व का अनुसरण कर सके।
 - (d) सामाजिक समस्याओं का समाधान कर सके।

[a]

व्याख्या:-

- ◆ NCF-2005 के अनुसार सामाजिक विज्ञान शांति मूलक एवं समता मूलक समाज के लिए ज्ञान का आधार तैयार करने में आवश्यक है। विद्यार्थियों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, एकता एवं राष्ट्रीय एकीकरण जैसे संवैधानिक मूल्यों से परिचित कराना भी इसका उद्देश्य है। इसलिए सामाजिक विज्ञान के द्वारा समाज में शान्ति का आधार विकसित किया जाना चाहिए।

25. प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान/पर्यावरण अध्ययन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. कक्षा 1 और 2 में प्राकृतिक एवं सामाजिक पर्यावरण को भाषा और गणित के अविभाज्य अंग के रूप में पढ़ाया जाना चाहिए।
2. कक्षा 3 से 5 में पर्यावरण अध्ययन की अवधारणाएँ स्थानीय परिदृश्य से लिए गए उदाहरणों और क्रियाकलापों से जुड़ी होनी चाहिए।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

- (a) 1 और 2 दोनों
- (b) केवल 1
- (c) केवल 2
- (d) दोनों असत्य

[a]

व्याख्या:-

- ◆ कक्षा 1 और 2 में प्राकृतिक एवं सामाजिक पर्यावरण को भाषा तथा गणित के अविभाज्य अंग के रूप में पढ़ाने का प्रावधान बताया गया है।
- ◆ कक्षा 3 से 5 में पर्यावरण अध्ययन को अलग से लागू किया गया तथा अवधारणाओं को स्थानीय परिदृश्य से जुड़े उदाहरणों और क्रियाकलापों पर आधारित रखने पर बल दिया गया है। अतः दोनों कथन सही हैं।

26. माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान हेतु किस कथन की अनुशंसा NCF 2005 द्वारा नहीं की गई ?

- (a) विद्यार्थियों में राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों की गहरी समझ बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।
- (b) विश्व के इतिहास के स्थान पर केवल भारत के समृद्ध एवं विविध अतीत को पढ़ाया जाना चाहिए।
- (c) पर्यावरण संरक्षण के प्रति आलोचनात्मक परख विकसित करने हेतु भूगोल पढ़ाया जाना चाहिए।
- (d) राजनीति विज्ञान में भारतीय संविधान के दार्शनिक आधारों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

[b]

व्याख्या:-

- ◆ NCF-2005 के अनुसार इतिहास शिक्षण में भारत के अतीत के साथ विश्व के अन्य भागों में हुए विकास और समकालीन परिवर्तनों को भी समझना आवश्यक है। इसलिए केवल भारत के समृद्ध एवं विविध अतीत को पढ़ाने और विश्व के इतिहास को छोड़ने की अनुशंसा नहीं की गई है।

27. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 सुझाव देती है-

- (a) नागरिक शास्त्र शब्द की बजाय राजनीति विज्ञान शब्द प्रयोग किया जाए।
- (b) राजनीति विज्ञान शब्द की बजाय नागरिक शास्त्र शब्द का प्रयोग किया जाए।
- (c) नागरिक शास्त्र शब्द की बजाय लोक प्रशासन शब्द का प्रयोग किया जाए।
- (d) लोक प्रशासन शब्द की बजाय नागरिक शास्त्र शब्द का प्रयोग किया जाए।

[a]

व्याख्या:-

- ◆ राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 में नागरिक शास्त्र के विषय के नाम को बदलकर राजनीति शास्त्र करने का सुझाव दिया क्योंकि नागरिक शास्त्र विषय तब आया जब औपनिवेशिक काल में भारतीय में ब्रिटिश राज्यों के प्रति निष्ठा में कमी आयी। ली वार्नर द्वारा लिखित नागरिक शास्त्र की प्रथम पुस्तक द सिटिजन ऑफ इण्डिया के विश्लेषण द्वारा यह स्पष्ट होता है कि नागरिक शास्त्र सांस्कृतिक आधिपत्य की एक औपनिवेशिक योजना थी।

28. यह कथन 'साहित्य समाज का दर्पण होता है।' यह सामाजिक अध्ययन के साथ सह संबंध दर्शाता है-

- (a) भाषा से
- (b) गणित से
- (c) विज्ञान से
- (d) शारीरिक शिक्षा से

[a]

व्याख्या:-

सामाजिक अध्ययन एवं भाषाएँ :-

- ◆ भाषा के बिना सामाजिक अध्ययन का अध्ययन एवं अध्यापन संभव नहीं है क्योंकि सामाजिक अध्ययन अध्यापक बोलकर या लिखकर किसी भाषा के माध्यम से इसका ज्ञान प्रदान करता है। वहीं दूसरी ओर इस समाज के विभिन्न पक्ष एवं पहलुओं की चर्चा कविता निबंध एवं कहानी, उपन्यास आदि के रूप में भाषा में की जाती है।
- ◆ "साहित्य समाज का दर्पण होता है" कथन में साहित्य के माध्यम से समाज के जीवन, विचारों, परिस्थितियों, संस्कृति एवं मानवीय संबंधों का चित्रण होता है।
- ◆ साहित्य और भाषा का घनिष्ठ संबंध है, क्योंकि साहित्य भाषा के माध्यम से ही व्यक्त एवं संप्रेषित होता है।

29. एथेंस निवासी एवं स्पार्टा निवासी के बीच उनकी परस्पर महानता को दर्शाने वाले काल्पनिक संवाद की गतिविधि आयोजित करना, सामाजिक विज्ञान (इतिहास) के निम्न में से किस विषय के साथ सह संबंध को इंगित करता है।

- (a) विज्ञान
- (b) भाषा
- (c) जीव विज्ञान
- (d) इनमें से कोई नहीं

[b]

व्याख्या:-

- ◆ एथेंस निवासी एवं स्पार्टा निवासी के बीच काल्पनिक संवाद आयोजित करना एक संवादात्मक एवं भाषायी गतिविधि है, जिसमें विद्यार्थी अपने विचारों को भाषा के माध्यम से व्यक्त करते हैं।
- ◆ इस गतिविधि में ऐतिहासिक विषय-वस्तु को संवाद, कथन एवं अभिव्यक्ति से जोड़ा जाता है।

30. एक सामाजिक विज्ञान के अध्यापक कक्षा कक्ष में महान चित्रकारों, मूर्तिकारों, संगीतकारों आदि के जीवन के बारे में पढ़ाते हैं, व्याख्या के दौरान विद्यार्थियों में सौन्दर्यभाव का विकास हो सकता है। यह किन दो विषयों के मध्य सम्बन्ध को दर्शाता है?

[2nd Grade SST 2022]

- (a) सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान
- (b) सामाजिक विज्ञान एवं गणित
- (c) सामाजिक विज्ञान एवं ललित कला
- (d) सामाजिक विज्ञान एवं भूगोल

[c]

व्याख्या:-

- ◆ सामाजिक अध्ययन एवं ललित कला
- ◆ चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत एवं स्थापत्य कला किसी समाज की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करती हैं। सामाजिक अध्ययन इन कलाओं के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं भौगोलिक संदर्भों को समझने में सहायता करता है।

31. शिक्षण में कितने प्रकार का सहसंबंध मिलता है-

- (a) 2
- (b) 3
- (c) 6
- (d) 8

[b]

व्याख्या:-

सहसंबंध का प्रकार	अर्थ/विवरण	उदाहरण
1.लम्बवत सहसंबंध /शीर्षात्मक	जब शिक्षक पाठ्यचर्या में किसी विषय की एक शाखा का शिक्षण करते समय उसी विषय की अन्य शाखाओं से संबंध स्थापित करता है तथा उनका विकास एक साथ करता है , तो इसे लम्बवत सहसंबंध कहते हैं।	इतिहास में प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास की घटनाओं को आपस में जोड़कर पढ़ाना।
2.अनुप्रस्थीय /क्षैतिज सहसंबंध	जब शिक्षक पाठ्यचर्या के किसी एक विषय अथवा क्रिया का विकास करते समय पाठ्यचर्या के किसी अन्य विषय अथवा क्रिया का विकास भी करता है, तो इसे क्षैतिज सहसंबंध कहते हैं।	भूगोल पढ़ाते समय इतिहास, भाषा, गणित, विज्ञान एवं प्रकृति अध्ययन से संबंधित ज्ञान को जोड़ना।
3.बाह्यजगत से सहसंबंध	इसमें विद्यालय के किसी विषय का बाह्य जगत या व्यावहारिक परिस्थितियों के साथ संबंध स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। इससे विद्यालयी विषय की व्यावहारिक उपादेयता स्पष्ट होती है।	भूगोल का कृषि से सहसंबंध स्थापित करके मिट्टी, जलवायु एवं फसलों के व्यावहारिक संबंध को समझाना।

32. एक सामाजिक विज्ञान का अध्यापक जनसंख्या प्रति व्यक्ति आय इत्यादि को बार ग्राफ पर प्रदर्शित करने हेतु गणित के संप्रत्ययों का प्रयोग करता है, दो विषयों का इस तरह का सह-संबंध कहलाता है-

[2nd Grade SST 12.07.2026]

- (a) मुक्त पार्श्व सह-संबंध
- (b) ऊर्ध्वाधर सह-संबंध
- (c) क्षैतिज सह-संबंध
- (d) व्यावहारिक जीवन के साथ सह-संबंध
- (e) अनुत्तरित प्रश्न

[c]

व्याख्या:-

◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

33. सामाजिक विज्ञान शिक्षण में, पाठ्यवस्तु को पाठ्यचर्या के अन्य विषयों से सम्बन्धित करना कहलाता है-

[2nd Grade SST (S.D.) 2024]

- (a) लम्बवत् सह-सम्बन्ध
- (b) अनुप्रस्थीय सह-सम्बन्ध
- (c) क्रॉस सह-सम्बन्ध
- (d) समानान्तर सह-सम्बन्ध

[b]

व्याख्या:-

◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

34. नागरिक-शास्त्र इतिहास के साथ निम्नलिखित में से किस प्रकार के सह-सम्बन्ध दर्शाता है ?

[2nd Grade SST (S.D.) 2022]

- (a) लम्बवत् (शीर्षात्मक) सह-सम्बन्ध
- (b) अनुप्रस्थीय सह-सम्बन्ध
- (c) शून्य सह-सम्बन्ध
- (d) सह-लम्बवत् सह-सम्बन्ध

[b]

व्याख्या:-

◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

35. 'सामाजिक अध्ययन' में 'मनुष्य का साहचर्य' विषय जुड़ा हुआ है-

- (a) समाजशास्त्र
- (b) भूगोल
- (c) अर्थशास्त्र
- (d) राजनीतिशास्त्र

[a]

सामाजिक अध्ययन का समाजशास्त्र से सहसंबंध :-

◆ समाज की शुरुआत परिवार से होती है और परिवारों से मिलकर हमारे समाज का निर्माण होता है क्योंकि मानव एक सामाजिक प्राणी है। समाजशास्त्र में समाज के रीतिरिवाज, परम्पराएँ, सामाजिक संस्थाओं की जानकारी छात्रों के लिए उपयोगी होती है। इनके द्वारा बालक सामाजिक मूल्यों को अपनाता है। समाज के प्रति बालक सद्भावना पूर्ण व्यवहार करना सीखता है। अतः शिक्षक को सामाजिक अध्ययन का शिक्षण करते समय समाजशास्त्र के साथ सहसंबंध स्थापित करना चाहिए।

36. सामाजिक विज्ञान के साथ "ललित कला" को शामिल करने का प्राथमिक उद्देश्य क्या है? [2nd Grade SST 12.07.2026]

- (a) यह सुनिश्चित करना कि बच्चे केवल अपनी संस्कृति के बारे में सीखें।
- (b) जन्मजात इच्छाओं को परिष्कृत करना और उन्हें सामाजिक रूप से उपयोगी गतिविधियों की ओर मोड़ना।
- (c) ऐतिहासिक अध्ययनों को सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययनों से बदलना।
- (d) बच्चों को पेशेवर कलाकार बनाना।
- (e) अनुत्तरित प्रश्न

[b]

व्याख्या:-

◆ ललित कलाओं का प्राथमिक उद्देश्य बालकों की सहज मूल प्रवृत्तियों और जन्मजात इच्छाओं का उदात्तीकरण (Sublimation) व परिष्कार करना होता है। कला के माध्यम से विद्यार्थी अपनी संवेगात्मक ऊर्जा और कल्पनाओं को सकारात्मक रूप देते हैं।

37. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सामाजिक विज्ञान विषय में सहसंबंध के महत्त्व के बारे में सही नहीं है?

[2nd Grade SST 07.09.2025]

- (a) यह तथ्यों को समझना आसान करता है।
- (b) यह ज्ञान के विखण्डन का बोध कराता है।
- (c) यह पाठ्यक्रम के भार को कम करता है।
- (d) यह ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करता है।

[b]

व्याख्या:-

◆ **सहसम्बन्ध का महत्त्व**

1. ज्ञान को व्यावहारिक एवं उपयोगी बनाता है।
2. छात्रों की चिंतन एवं विश्लेषण शक्ति का विकास करता है।
3. विशिष्टीकरण की कमियों को दूर करता है।
4. अधिगम को स्थायी एवं अर्थपूर्ण बनाता है।
5. वास्तविक जीवन से सम्बन्ध स्थापित करने में सहायता करता है।
6. किसी एक विषय को अधिक या कम महत्त्वपूर्ण मानने की प्रवृत्ति समाप्त होती है।
7. विषयों की अधिकता एवं जटिलता को कम करता है।
8. शिक्षण को प्रभावी, रोचक एवं सजीव बनाता है।
9. विभिन्न विषयों के मध्य समन्वय स्थापित करता है।
10. छात्रों का दृष्टिकोण व्यापक बनाता है।

38. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सहसंबंध के महत्त्व को इंगित नहीं करता ?

[2nd Grade SST (S.D.) 2024]

- (a) ज्ञान के पृथक्करण का बोध कराता है।
- (b) पाठ्यचर्या के भार को कम करता है।
- (c) तथ्यों को समझना आसान हो जाता है।
- (d) ज्ञान का व्यावहारिक अनुप्रयोग प्रदान करता है।

[a]

व्याख्या:-

◆ उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन सफलता की सही तैयारी



Anil Sir
Maths / Reasoning



Rahul Sir
Science



Kunal Sir
Psychology,
Teaching Methods



Marwadi Sir
हिन्दी



Manish Mangal Sir
English



Nagvendra Sir
Polity & Indian History



RS Sir
Art & Culture/History



S.K. Sir
Geography



Pankaj Sir
Art & Culture



Irfan Sir
RAS

REET पात्रता परीक्षा हेतु अक्षांश प्रकाशन द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकें



MRP : ₹499

CODE : APDO(35) NRT

S.No.AP0153

अक्षांश पब्लिकेशन

10 - 21, Vani Garden K Pas, Jhamar Kotda Road, Udaipur, 313002 Rajasthan
Mobile - 7850960198 | www.store.akshanshpublish.com



DOWNLOAD THE APPLICATION
ONLINE COURSE प्राप्त करने
के लिए QR CODE SCAN करें